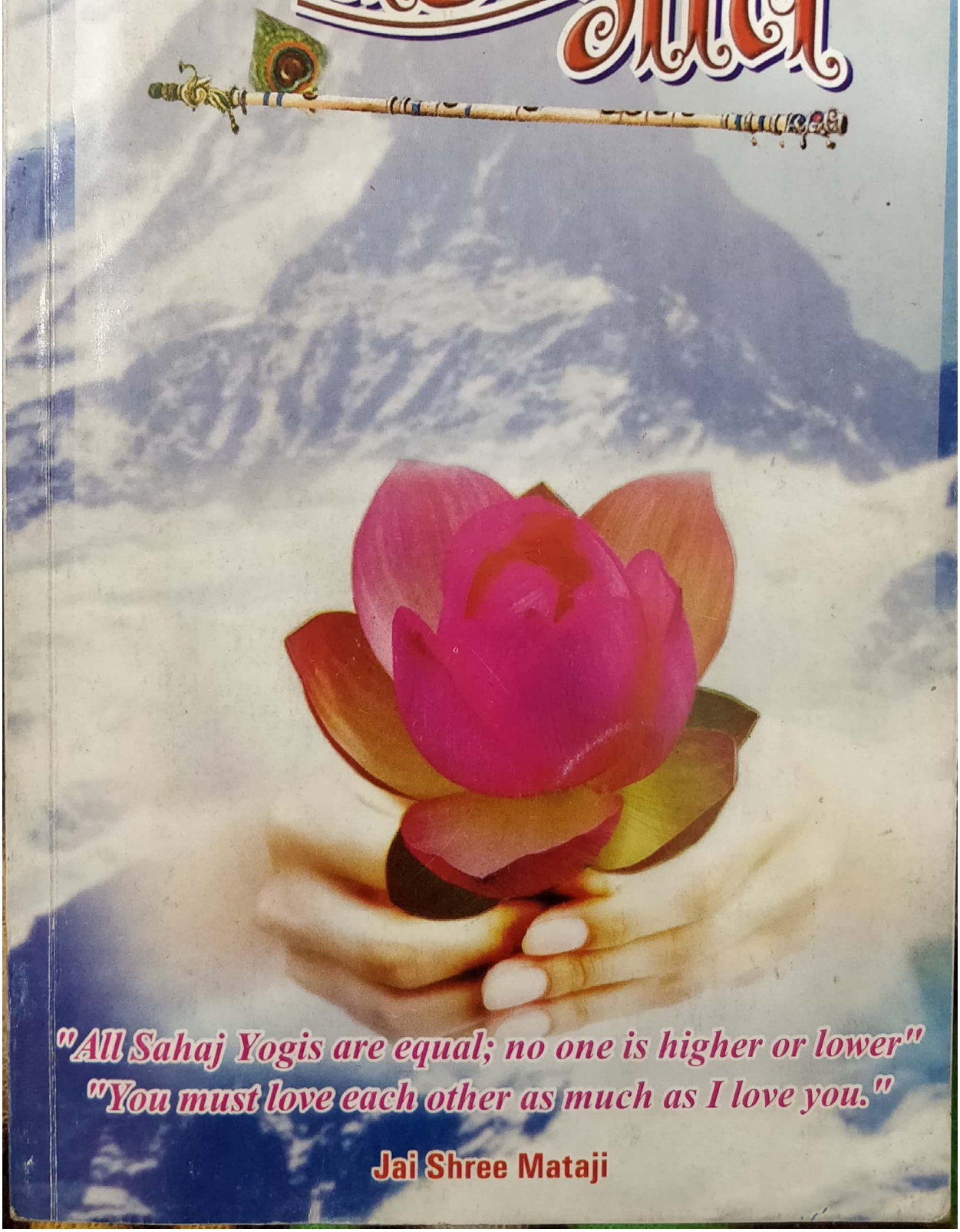
परम पूज्य श्री आदि शक्ति माताजी श्री निर्मला देवी
के पावन चरणों में सादर समर्पित

सहज गीत



"All Sahaj Yogis are equal; no one is higher or lower"
"You must love each other as much as I love you."

Jai Shree Mataji

Scanned by CamScanner



Scanned by CamScanner

श्री आदिशक्ति माताजी
श्री निर्मला देवी
के श्री चरणों में समर्पित

सहज गीत

卐 卐 卐 卐 卐 卐 卐 卐 卐



Bhajan Collection of Vishwa Nirmala Dharma

ॐ ੴ ☪ ✝

卐 卐 卐 卐 卐 卐 卐 卐 卐

Scanned by CamScanner

महा मंत्र

ॐ त्वमेव साक्षात् श्री महालक्ष्मी महासरस्वती महाकाली त्रिगुणात्मिका कुण्डलिनी साक्षात्, श्री आदिशक्ति माताजी श्री निर्मला दैव्यै नमो नमः...

ॐ त्वमेव साक्षात श्री कल्की साक्षात्,श्री आदिशक्ति माताजी श्री निर्मलादैव्यै नमो नमः.

ॐ त्वमेव साक्षात् श्री कल्की साक्षात् श्री सहस्त्रार स्वामिनी मोक्ष प्रदायिनी माताजी श्री निर्मला दैव्यै नमो नमः ...

आरती

सबको दुआ देना, माँ सबको दुआ देना,
जय निर्मल माता जी ..., दिल में सदा रहना। माँ सबको दुआ देना...2
जग में संकट कारण, कितने लिये अवतार,
विश्व में तेरी महिमा ..., तू गंगा यमुना। माँ सबको दुआ देना...2
जो भी शरण में आया, सुख ही मिला उसको,
बैठ के दिल में ओ माँ...,लौट के ना जाना। माँ सबको दुआ देना...2
मानव में अवतर के, कर दिया उजियारा,
कलियुग में माया है..., फिर भी पहचाना। माँ सबको दुआ देना...2
सन्त जनों की धरती है भारत माता,
इस धरती पर आकर..., दुःख से दूर करना। माँ सबको दुआ देना...2
जब दिल में आये, मधुर संगीत सुन लो,
होय सके जो सेवा..., हमसे करा लेना। माँ सबको दुआ देना...2

सहज योग ध्यान केन्द्र

संकलन : सहजयोगी वृन्द, कोटा
सिटी कोर्डिनेटर :- 9413349746, 9461371848

Scanned by CamScanner

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	P.S.
1	आदिगुरू जनक लाओत्से सॉक्रेटिस् साँई निर्मला माई **A**	1	144
2	आज बणौ तम् म्हारा पावणा श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगण	1	147
3	आज भी कैलाश में बाज रहे घुँघरू नाच रहे शिवजी	2	94
4	आज है आज है पूजन माँ का	3	82
5	आकर्षणों के दर्पण में आकाश सी सीमाएँ हैं	3	96
6	आना अम्बे माँ	4	54
7	आरती कीजे शैल सुता की	4	2
8	आओ जी आओ म्हारे हृदय श्री माता जी	5	154
9	आया दीपों का त्यौहार, पाया माँ से पावन प्यार	5	128
10	आया माता का पूजन आया	6	148
11	आया शुभ दिन है आया	6	3
12	आई आई आज दीवाली है ये आई	7	112
13	अम्बे के भवन में आओ रे मेरी मैया की जोत जलाओ रे	8	97
14	अपने हृदय के सारे द्वार खोल	9	149
15	अर्पण ये तन मन श्री माँ तेरे चरणन	9	150
16	बाजे रे मुरलिया बाजे **B**	10	60
17	बादशाह हो गये देखते देखते	10	28
18	बजौ मुरली कृष्णा बजौ मुरली	11	122
19	बजता है गीत प्रकृति का	12	59
20	बस नाम श्री माँ का तू जपना	13	162
21	भज मन माँ का नाम सुखदाई	13	102
22	भर दे ज्ञान से गगरिया, मेरी निर्मल माँ	14	122
23	बोलो रे सहजी जयकारा निर्मल मैया का द्वारा आ गया	14	114
24	बोलो शिव शिव शम्भू, बम बम बम	15	29
25	बरतिया ले के आये गयो रे बम बम भोला	16	28
26	बृज से आई मस्ती में सहजी की यह टोली	16	151
27	चदरिया झीनी रे झीनी **C**	17	55
28	चली सहज की नैया ओ मैया पार करा दो	17	110
29	चलो सहज के मार्ग, नया युग आने वाला है	18	124
30	चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम	18	69

Scanned by CamScanner

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	P.S.
31	चन्द्रमा ललाट सोहे	19	80
32	चरणों में माँ चरणों में	20	11
33	छुप छुप आये श्याम ले के ग्वाल बाल	21	12
34	छिन्दवाड़ा में जन्म हुआ हमारी निर्मल माँ का	21	126
35	चित्त को चैतन्या में लीन करना है	22	70
36	डम डम डम डम डमरू बजे **D**	23	55
37	डम डम डम डमरू बजाये शिवशंकर कैलाशपति	25	12
38	दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त	26	21
39	दर्शन दो घनश्याम नाथ मेरी अखियाँ प्यासी	27	21
40	दर्शन दो	27	155
41	ढोल नगाडे तांसे बजे	29	158
42	ध्यान करने से तर जायेगा	29	23
43	दूर होंगें सारे कष्ट, होगें सारे काम	30	103
44	ऐ मन गुरू शरण में रहियो **E**	31	83
45	ऐ मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में	31	97
46	ऐसा दो हमें ज्ञान रहे तेरे चरणों में ध्यान	32	95
47	ऐसा वरदान दे दो हमें माँ	32	83
48	इक बार माँ के द्वार पर सर झुका के देख	33	102
49	एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के	34	69
50	फागुन के दिन चार रे **F**	35	27
51	गा मेरे मन श्री माँ के भजन **G**	36	10
52	गणेश प्रथम स्मरणम्	36	55
53	गणपति बप्पा हर लो सहजी की पीर	37	8
54	गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम	37	9
55	गणपति राखो मोरी लाज पूरण किजीयो हमरे काज	38	135
56	गौरां जी के नन्दन श्री गणेश	39	86
57	गोकुल में बजत बधाई	39	145
58	गुल से तेरे चेहरे पे	40	85
59	गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में	41	10
60	गुरू माऊली तू निर्मल मनाची	42	147
61	गुरूओं की गुरू तारों में गुरू मेरी हे कल्याणी मात	42	115
62	हम हैं बिटवा तुहार माँजी **H**	43	155
63	हमें मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने	44	45
64	हमरे जीवन में आई बहार माता रानी तेरे हैं उपकार	45	126
65	हर देश में तू हर वेश में तू	45	46
66	हर पल हर क्षण गाते रहें हम माँ निर्मल के गीत	46	117
67	हर पल विचारों में विचरती, आदि माँ वो आप हैं	46	152
68	हर साँस में हो सुमिरन तेरा	47	47
69	हे भवानी भगवती माँ तुझ नमो तुझ नमो	47	104
70	हे माँ दे भक्ति का दान	48	78
71	हे प्रभो तू ज्ञानरूपे	48	53
72	होरी खेलत आज सहजयोगी होली खेलत	49	124
73	हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है	49	45
74	इक बार तू आकर देख ले निर्मल माता की शरण में **I**	50	143
75	एक गणपति एक ईसा दोनों ने आदि माँ को ध्याया	51	146
76	इतना प्यार करेगा कौन, जितना श्री माँ करते हैं	52	5
77	इतनी शक्ति हमें देना दाता	52	6
78	जब जब तुझको याद करूँ माँ तेरा दर्शन पाऊँ **J**	53	109
79	जब से हम सहजयोगी बने	54	71
80	जब से माँ का नाम लिया मेरे सब दुखः दूर हुये	55	116
81	जागो दुर्गा तुमि जागो	56	16
82	जागो मोहन प्यारे जागो	56	17
83	जाई विधि राखे माँ, ताही विधि रहिये	57	17
84	जय शंकर भोले जय शिव शंकर जय शंकर भोले	57	119
85	जय श्री माँ की गाये जा माँ की ज्योत जगाये जा	58	131
86	जप लो नाम है प्यारा माँ निर्मल का	59	133
87	जरा गणपति पुले आ के देखो आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें	59	113
88	जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी	60	58
89	जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणी	60	15
90	जय गणेश जय गणेश जय गणेश प्यारे	61	101

Scanned by CamScanner

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	P.S.
91	जय गणपति जी महाराज	61	14
92	जय भोले बम बम भोले	62	15
93	जय जय गणपति जयति गणेश	62	14
94	जय जय जय श्री निर्मल माँ तू है जन सुखदाई ...2,	63	110
95	जय–जय शिवनन्दन गणेश जी	63	152
96	जय श्री माताजी सबसे कहिये	64	13
97	झिलमिल बिंदिया के माथे पे तारा	64	58
98	झीनी झीनी रे बीनी चदरिया	65	18
99	झूम झूम के नाचे ये संसार माँ	66	132
100	जिक्र निर्मल तेरा पाक ओ निर्मल है तू	66	90
101	जिन आँखों से बहता है, करूणा का वो दरिया	68	16
102	जिनके मन निर्मल माँ बसी	68	104
103	जिसकी जुबा पे माँ निर्मल का नाम आ गया	69	169
104	कभी राम बनके कभी श्याम बनके **K**	70	7
105	कान्हा की बंसी बजे धीरे धीरे	70	123
106	करूणामयी कमलनयनी माता निर्मला	71	66
107	करूणामयी माँ आपका हमको सदा आधार हो	72	81
108	कोई कहे कान्हा कोई कहे श्याम	73	160
109	कोई माने या ना माने	73	164
110	कृष्ण जिनका नाम है गोकुल जिनका धाम है	76	8
111	लाल लाल चुनरी सितारों वाली ओ सितारों वाली **L**	76	119
112	लाल पीली नीली रंगी	77	39
113	लल्ला की पैंजनिया बाजे रे प्यारे की पैंजनिया बाजे रे	78	125
114	लिखने वाले तू होकर दयाल लिख दे	78	40
115	माँ बिन करूणा कौन करे **M**	79	31
116	माँ का जन्म दिन आया कि हिल मिल मंगल गाओ रे	80	149
117	माँ का नाम अति मीठा है	80	30
118	माँ की शरण में रहना सहजी, जीवन की चतुराई ...2,	81	148
119	(माँ निर्मल भोली भाली, मेरा सहारा तुम ही हो ,	82	167
120	माँ निर्मल तेरे योगी हम	82	163

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	P.S.
121	माँ निर्मला हमें तुम	83	159
122	माँ राम हैं, माँ रहीम हैं	84	32
123	मैं नाचूँ तोरे अंगना में	84	106
124	मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माखन मैं नहीं खायो	85	34
125	मैया तेरे चरणों की गर धूल जो मिल जाये	87	33
126	मैया थारो चंदा जैसो रूप सलोनो	88	35
127	ममतामयी माँ दुर्गा सी लागे	88	60
128	मन चाहे वर दे	89	162
129	मन तुम नाहक द्वन्द मचाये	89	30
130	मनवा निर्मल निर्मल बोल भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले	90	98
131	माता जी आई अंगना रे	91	121
132	माता मेरी हे निर्मल माई	91	157
133	माता मेरी निर्मला तेरा गूँजे जय जयकारा	92	99
134	माता जी माता जी	93	158
135	माताजी माताजी कव्वाली	93	61
136	मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है	94	84
137	मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे	95	32
138	मेरी दुनिया है माँ तेरे इन चरणों में	95	125
139	मेरी माँ पूनम का चाँद	96	62
140	मेरी माता का करम है	97	91
141	म्हारो बेड़ो लगादी जो पार	100	170
142	मोह लेई मनवा हमार माँ तोरी लाल बिंदिया	101	73
143	मोहे देखत आवे हाँसी, पानी में मीन प्यासी	101	36
144	मोहे लागी लगन, माँ के चरणन की	102	137
145	Mother We Belong to You	102	66
146	मुझे रास आ गया है तेरे दर पे सर झुकाना	103	113
147	नाम ना जाने, धाम ना जाने **N**	104	23
148	नाशिकवा जोगवा, जगदंबेचा जोगवा माँगते	104	54
149	नव दुर्गा की जोत जगाओ रे	105	128
150	निर्मल चादर ओढ़ सहज की शरण में माँ की आये	106	105

Scanned by CamScanner

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	P.S.
151	निर्मल चरण तेरी ही शरण तर्ज	106	171
152	निर्मल माँ का पावन प्रेम बुलाये	107	71
153	निर्मल माँ ने प्यार दिया	108	86
154	निर्मल माँ निर्मल प्राण करो	108	24
155	निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी	110	170
156	निर्मल माता रावा	110	52
157	निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं	111	111
158	निर्मला निर्मला बोलो अरे निर्मला निर्मला निर्मला बोलो	112	121
159	नित मंगल होरी खेलो नित बंसत नित फाग	112	151
160	ओ जगत की माँ निर्मल माँ **O**	113	5
161	ओ निर्मल माँ हम तेरे दरबार में आये	113	4
162	ओम् शिवाया नमो नमः	114	3
163	पहन के चोला लाल **P**	114	25
164	परमेश्वरी भगवती निर्मला हमें तेरी ममता का आश्रय मिला	115	150
165	पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो	116	127
166	पिंजड़ा दिन दिन होये पुराना	117	130
167	प्रथम ध्यान धरो तिहारो	117	101
168	प्रतिबिम्ब देवी माँ का	118	27
169	पूजा करे संसार मैया तेरी पूजा करे	118	72
170	पूर्ण समर्पण हो आत्मदर्शन हो	119	26
171	राधे राधे जपो, चले आयेंगें बिहारी **R**	120	38
172	रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया, काया	121	37
173	रे सहजी झूम झूम के नाचे आज	121	137
174	रूद्राष्टकम्	122	80
175	सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई **S**	123	142
176	सबके दिल में बसी है निर्मला	124	88
177	सब तेरी शरण आये माँ	126	96
178	सबसे प्यारी निर्मला आयी	127	78
179	साधो सो सतगुरू मोहे भावे	127	144
180	सफल दुआ हे उन्ही का जीवन	128	161
181	सहज दोहे	128	135
182	सहज दोहे–निर्मल भजन –दीपक वर्मा	129	133
183	सहज दोहे–निर्मल प्रेम – डा.राजेश	129	134
184	सहज ही निर्मल भक्ति सहज ही निर्मल गीता	130	107
185	सहज में आकर ध्यान धरे ना	131	42
186	सहज में दिया सहज का ज्ञान	132	44
187	सहज नाम की बस्ती में	132	64
188	सहजी हमें बनाया	133	43
189	सहजी नैना खोल रे, तोहे निर्मल मिलेगी	133	168
190	सहजी पुकार रहे आज	134	64
191	सहजी ठाढे थारे द्वार, म्हारी निर्मल माँ	135	100
192	सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे	136	65
193	सलमा सितारों वाली चुनरी माँ की लाल	136	136
194	सन्तों सहज समाधी भली	137	117
195	सावन की बरसे बदरिया, माँ की भीगे चुनरिया,	138	166
196	शिव भोला भंडारी, साधु भोला भंडारी	139	63
197	शिव शंकर रखवाला, मेरा शम्भू भोला भाला	139	130
198	श्री गणेश अथर्वशीर्ष	140	1
199	श्री गणपति दाता नमो नमः	141	139
200	श्री माँ देवों के कारण	142	48
201	श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी	143	49
202	श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें	143	48
203	श्री माँ की भक्ति का पाया, जगमग हीरा	144	131
204	श्री माँ तेरा नाम मुझे और ना कोई काम	144	47
205	श्री माँ तुम्हारे प्यार ने जीना सिखा दिया	145	79
206	श्री माँताजी की महिमा है अचरज भरी	146	139
207	श्री माता जी ने सत्य मार्ग दिखाया	148	161
208	श्री माता जी	149	49
209	शुभ मंगलमय दिवस है आया	149	77
210	सोई हुई रूहों में खुदी जाग उठी है	150	44

Scanned by CamScanner

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	P.S.
211	सुमिरन करले निर्मल माँ का	150	87
212	स्वागतम्	151	168
213	स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन	151	107
214	श्वांसा दी माला	152	42
215	तेरे चरण कमल में रहने वाले T	153	20
216	तेरी बिंदिया प्यारी लागे माँ	153	20
217	तेरी कृपा से निर्मल	154	159
218	तेरी महिमा जो भी गाता सुख पाता दुखः सारे भगाता	155	136
219	तेरी शरण में हे निर्मल माँ सुख का किया अहसास	155	108
220	ठुमक चलत रामचन्द्र	156	60
221	तिमि माता पिता	157	123
222	तू है दाता विश्व विधाता निर्मल माता	157	87
223	तू ही जगत पिता तू ही परम पिता	158	146
224	तू ही श्री देवी परमोदारा	158	18
225	तू खुद को जान, खुद से प्यार करके देख जरा	159	138
226	तुझे रूप पाहुनिया	160	51
227	तुम बसी हो कण कण अन्दर माँ करता सारा जग वन्दन माँ	160	118
228	तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया	161	19
229	ऊपर गगन विशाल नीचे गहरा पाताल U	162	68
230	वैष्णव जन तो तेने जो कहिये जे पीर पराई जाने रे V	163	41
231	वन्दे मातरम्	163	41
232	वन्दना, सब करो वन्दा	164	63
233	विघ्न हरण गजवदन	164	147
234	विनरो विनो विनरो माताजी	164	52
235	वो प्यार देने को मजबूर तू प्यार पाने से मजबूर	165	75
236	ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार Y	167	74
237	ये हमारी जिन्दगी माँ के नाम है	168	36
238	ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही है	169	129
नये भजन	卐 भवन में आ जाओ मैया शेराँ वाली 卐 हम हैं तेरे गणेश श्री माँ	170	173
	卐 निर्मल मैया मेरी दे दो 卐 भज ले माँ का नाम अर्जेन्ट	171	174

आदिगुरू जनक लाओत्से सॉक्रेटिस् साँई निर्मला माई

आदि गुरू जनक लाओत्से ...2, सॉक्रेटिस् साँई निर्मला माई ...,
नानक मोहम्मद इब्राहीम ...2, नानक मोहम्मद इब्राहीम ...,
मूसा मोहम्मद इब्राहीम ..., "नानक मोहम्मद इब्राहीम ...,
मूसा जरथुस्ट्र कन्फ्यूसियस, "आदि गुरू जनक लाओत्से ...3,
सॉक्रेटिस् साँई निर्मला माई ..., "नानक मोहम्मद इब्राहीम ...3,
मूसा जरथुस्ट्र कन्फ्यूसियस ...,

भवसागर में कुण्डलिनी माँ, आदि गुरू बन गंभीरा/रमरीणा ...3,
हो भव पार करे ... भव पार ऽऽ करे, "भव पार करे, दिलाये ...3
गुरू पद दायिनी निर्मला माई ..., " नानक मोहम्मद इब्राहीम ...3,
मूसा जरथुस्ट्र कन्फ्यूसियस, ओ "आदिगुरू जनक लाओत्से ...3,
सॉक्रेटिस् साँई निर्मला माई ..., "नानक मोहम्मद अब्राहीम ...2,नानक ...

हो ऽऽ धन्य धन्य भाग्य हमारे मिली हमें आत्म ज्ञान से मात कृपा ...3,
हो विश्व निर्मला ... निर्मला ऽऽ निर्मला, "विश्व निर्मला धर्म सिखाये ...3
योग दायिनी निर्मला माई ..., "नानक मोहम्मद इब्राहीम ...3,
मूसा जरथुस्ट्र कन्फ्यूसियस

हो ब्रह्मा विष्णु महेश की, अबोधिता है आदि गुरू ...3,
दत्तात्रेय है माँ के याहे,दत्तात्रेय है माँ के याहे,त्रिगुणात्मिका निर्मला माई ...
नानक मोहम्मद अब्राहीम ...3, मूसा जरथुस्ट्र कन्फ्यूसियस,
ओ "आदिगुरू जनक लाओत्से ...3, सॉक्रेटिस् साँई निर्मला माई ...,
"नानक मोहम्मद इब्राहीम...2,नानक..."नानक मोहम्मद इब्राहीम...2,नानक ...

आज बणौ तम् म्हारा पावणा श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगण

" आज बणौ तम् म्हारा पावणा, ओ आज बणौ तम् म्हारा पावणा ...,
श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगणा, श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगणा" ...2,

प्रेम भगती की गादी बिछाऊँ ...2, ताके ऊपर थाने झूलाऊँ ...2,
प्रेम भगती की गादी बिछाऊँ ..., "ताके ऊपर थाने झूलाऊँ ...2,

Scanned by CamScanner

बाँध के रेशम डोर पालणा, ओ बाँध के...," श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगणा ...2,

श्री माँ जी धरती पे पधारे ...2, धरती का सब भार उतारे ...2,
श्री माँ जी धरती पे पधारे ..., "धरती का सब भार उतारे ...2,
हम सब को सहस्त्रार से जणा, ओ हम सब...,
"श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगणा...2,

त्रेता में तमने फल फूल खायो ...2, द्वापर में तमने माखन चुरायो ...2,
त्रेता में तमने फल फूल खायो ..., "द्वापर में तमने माखन चुरायो ...2,
कलजुग में भोग लाग्यो चना,ओ कलजुग...," श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगणा...2,

आज भी कैलाश में बाज रहे घुँघरू नाच रहे शिवजी

आज भी कैलाश में बाज रहे घुँघरू ...2,नाच रहे शिवजी बजाये रहे डमरू...2,

गणपति जी आये, संग रिद्धि सिद्धि लाये ...2,
ब्रह्मा जी आये, संग सरस्वती को लाये ...2,
विष्णु जी आये, संग लक्ष्मी जी को लाये ...2,
वीणा बजाते हुये नारद मुनि आये ...2,"पाँव में बाज रहे छननन घुँघरू ...2,
आज भी कैलाश में बाज रहे घुँघरू...2,,नाच रहे शिवजी बजाये रहे डमरू...2,

शिव जी भी आये, संग पार्वती को लाये ...2,
जगदम्बा भी आई, संग शक्ति को लाई ...2,
राम जी भी आये, संग सीता जी को लाये ...2,
वीणा बजाते हुये नारद मुनि आये ...2,"पाँव में बाज रहे छननन घुँघरू...2,
आज भी कैलाश में बाज रहे घुँघरू...2,नाच रहे शिवजी बजाये रहे डमरू...2,

टेड़ी मेड़ी चाल है, मदन गोपाल है ...2,
टेड़ो ये रंगीलो देखो, यशोदा को लाल है ...2,
पाँव में बाज रहे छननन घुँघरू...2,"आज भी कैलाश...2,नाच रहे शिवजी...2,

माता मेरी आई, संग ज़ीज़स को लाई ...2,
वीणा बजाते हुये नारद मुनि आये ...2,
पाँव में बाज रहे छननन घुँघरू...2,"आज भी कैलाश...2,नाच रहे शिवजी...2,

श्री माता जी आये, संग सहजी भी आये ...2,

भक्तों की देखो सारी टोली भी आई ...2,
पाँव में बाज रहे छननन घुँघरू...2,"आज भी कैलाश...2,नाच रहे शिवजी...2,

आज है आज है पूजन माँ का

आज है आज है पूजन माँ का ...2, पाओ सखी री दर्शन माँ का ...2,
आज है आज है पूजन माँ का ...2,

निर्मल माँ का ध्यान धरे जो ...3, तन मन धन से वो सुख पाता ...2,
पाओ सखी री दर्शन माँ का ...2, आज है आज है पूजन माँ का ...2,

अपना जीवन कर ले निर्मल ...3, हो जा संत इस तू जन्म का ...2,
पाओ सखी री दर्शन माँ का ...2, आज है आज है पूजन माँ का ...2,

श्रृद्धा से जो नाम ले माँ का ...3, सच्चा योगी वो बन जाता ...2,
पाओ सखी री दर्शन माँ का ...2, आज है आज है पूजन माँ का ...2,
पाओ सखी री दर्शन माँ का ...2, आज है आज है पूजन माँ का ...4,

आकर्षणों के दर्पण में आकाश सी सीमाएँ हैं

आकर्षणों के दर्पण में s आकाश सी सीमाएँ हैं ...2,
भटके हैं जो दर बदर ...2, अरमानों में उलझाये हैं ...,
आकर्षणों के दर्पण में s आकाश सी सीमाएँ है ...2,

आकाश के आगोश में आशायें हैं ..., अभिलाषाएँ है ...,
चेतना बन अर्न्तमुखी ...2, आस्तित्व को जगाये हैं ...2,
आकर्षणों के दर्पण में s आकाश सी सीमाएँ हैं ...2,

इस नवयुग को आबाद कर ...2, यही सहज दर्शाये हैं ...2,
निर्मल माँ की शक्ति में ...2, आयाम नये जग आये हैं ...2,
आकर्षणों के दर्पण में s आकाश सी सीमाएँ है ...2,

आनन्द दे आल्हाद दे s यही आत्म बोध कहलाये है ...2,
कुण्डलिनी के जागरण से ...2, सचित्तानन्द कहलाये हैं ...2,
आकर्षणों के दर्पण में s आकाश सी सीमाएँ है ...2,

Scanned by CamScanner

भटके हैं जो दर बदर ...2, अरमानों में उलझाये हैं ...,
आकर्षणों के दर्पण में S आकाश सी सीमाएँ हैं ...2,

आना अम्बे माँ

आना अम्बे माँ हमारे हृदय में ...2, हमारे हृदय में, हमारे हृदय में ...2

आप भी आना, संग गणपति को लाना ...2,
लड्डुओं का भोग लगाना हृदय में ...2, आना अम्बे माँ हमारे ...2

आप भी आना, संग शिव जी को लाना ...2,
डमरू की नाद सुनाना हृदय में ...2, आना अम्बे माँ हमारे ...2

आप भी आना, संग ब्रह्मा जी को लाना ...2,
आत्मज्ञान सुनाना हृदय में ...2, आना अम्बे माँ हमारे हृदय ...2

आप भी आना, संग विष्णु जी को लाना ...2,
प्रेम की जोत जलाना हृदय में ...2, आना अम्बे माँ हमारे हृदय ...2

आरती कीजे शैल सुता की

आरती कीजे शैल सुता की ... 2, जगदम्बा की आरती कीजे ...2
जगदम्बा की आरती कीजे ...2, स्नेह सुधा सुख सुन्दर लीजे ...2
जिनके नाम नाम लेत दुखः भीजे ...2, ऐसी वो माता वसुधा की...
जगदम्बा की आरती कीजे, आरती कीजे शैल सुता की...
जगदम्बा की आरती कीजे ...2

पाप विनाशिनी परिमल हारिणी, पाप विनाशिनी ...SS
दयामयी भवसागर तारिणी ...2, शस्त्र धारिणी शैल विहारिणी ...2
बुद्धिराशि गणपति माता की ..., जगदम्बा की आरती कीजे ...2

तुम वाहिनी मात भवानी ...2, गौरव गान करे जग प्राणी ...
गौरव गान SSS ....., शिव के हृदयासन की रानी ...,

करे आरती मिल जुल साथी ..., जगदम्बा की आरती कीजे
आरती कीजे शैल सुता की ...2, जगदम्बा की आरती कीजे...2

आओ जी आओ म्हारे हृदय श्री माता जी

आओ जी आओ म्हारे हृदय श्री माता जी ...3
तुमको पुकारें आज सारे सहजी ...2

हृदय में मांजी आप पधारे, सब सहजन का मान बढाए ...2
गम की खाई आपमिटायें, आत्म ज्ञान हैं आप दिलायें ...2
तुमको पुकारें आज सारे सहजी ...2

नाम तिहारा मंगलकारी, महिमा है तेरी सबसे ही न्यारी ...2
कुण्डलिनी को जागृत करके, सोई शक्ति जगा देती हो ...2
तुमको पुकारें आज सारे सहजी ...2

आदिशक्ति तुम धरती पे आई माँ, सहज ज्ञान सबको सिखलाये माँ ...2
जग अंधियारा मिटाने आई, मन में ज्योति जलादे माई ...2
तुमको पुकारें आज सारे सहजी ...2

आया दीपों का त्यौहार, पाया माँ से पावन प्यार

"आया दीपों का त्यौहार, पाया माँ से पावन प्यार, जगमग करता है संसार,
आओ आओ रे सारे हिलमिल के स्वागत गाओ रे" ...2,

आओ माँ का दर्शन पाओ ...2, आके श्रद्धा सुमन चढ़ाओ ...2,
सारे श्री चरणों के दास ...2, रखो माता पर विश्वास ...2,
पूरी होगी सबकी आस ...2, आओ आओ ..... गाओ रे,

ओ दिल सहजी का मुस्काया ...2, जागे भाग्य ये शुभ दिन आया ...2,
धारकर सहजयोगी का वेश ...2, मगन है भक्ति में मेरा देश ...2,
धर्म में लीन है धर्मेश ...2, आओ आओ ..... गाओ रे,
माता आई, जागी आशा ...2, सहजी की ये अभिलाषा ...2,
बने सब भारत वासी नेक ...2, अनेकों होकर भी हो एक ...2,

Scanned by CamScanner

बदल दे हम किस्मत के लेख ...2, आओ आओ ..... गाओं रे,

आया माता का पूजन आया

" श्रद्धा भक्ति, ज्ञान कर्म सब, माँ चरणों में रख दो
शिव रूपी मात भवानी, तव चरणों में शरण दो,माँ तव चरणों में शरण दो...2,
आया माता का पूजन आया, निरानन्द का आनन्द छाया ... " ...2,

" महाराज्ञी भक्तिप्रिया की महिमा, सकल ब्रह्माण्ड गाये ...,
विश्व कुण्डलिनी जागृत कर्ता, माँ निर्मल कहलाये ... " ...2,
निरानन्द दायिनी, मुक्ति दायिनी, माँ निर्मल को संवारों
माँ त्रिगुणात्मिका, मात अम्बिका, तेरी जय जयकार हो,"माँ तेरी जय जयकार हो...2,
आया माता का पूजन आया, निरानन्द का आनन्द छाया ...2,

" आदि शक्ति माँ कल्की का पावन, अवतार कलियुग संहारे ...,
सहजयोग की माता अकुला, नवयुग सतयुग जगाये ... " ...2
हे ज्ञानी दायिनी, भक्ति दाकयनी, माँ निर्मल को संवारो ...
हे नित्या मुक्ता क्षमात्मिका,हे महादेवी जय हो, "माँ हे महादेवी जय हो...2,
आया माता का पूजन आया, निरानन्द का आनन्द छाया ...2,

श्रद्धा भक्ति, ज्ञान कर्म सब, माँ चरणों में रख दो
शिव रूपी मात भवानी, तव चरणों में शरण दो,माँ तव चरणों में शरण दो...2,
आया माता का पूजन आया, "निरानन्द का आनन्द छाया ...7,

आया शुभ दिन है आया

आया शुभ दिन है आया ...., कैसा मंगल है छाया ...2
जय हो गजानन तेरी...., जय हो चतुरानन तेरी .....
आया शुभ दिन है आया ....

आदि शक्ति की आँखों के तारे हो तुम ....
तीनो लोकों के देवों से न्यारे हो तुम 2
हो के मूषक सवार, बैठे गौरी के द्वार ...
तेरी कृपा बिना, कोई होता ना पार ...2
डम डम डम डमरू बाजे, शिवजी के सब गण नाचे ...

जय हो गजानन तेरी..., जय हो चतुरानन तेरी .., आया शुभ दिन है आया

जय हो निर्मल गणेश, देना बुद्धि विवेक ...
कर दो पावन हमें, रिद्धि सिद्धि पति ...2
निर्मल माँ के चरणों में, रहे मेरा मन ...
ऐसा वरदान देना गणाधिपति ...2
सब मिलकर मंगल गाओ, मोदक के थाल सजाओ ...
जय हो गजानन तेरी .., जय हो चतुरानन तेरी .., आया शुभ दिन है आया

मूलाधार पे पावन बनाना हमें ...2,
निर्मल ज्ञान सहज का सिखाना हमें ...2
जीसस बनके क्षमा तू सिखाना हमें ...2
अपने जैसा चतुर ही बनाना हमें ...2
सारे चक्रों पे आओ, कुण्डलिनी पार उठाओ ...
जय हो गजानन तेरी .., जय हो चतुरानन तेरी.., आया शुभ दिन है आया

तेरी ममता मिली, तेरा आँचल मिल गया ...
ऐसा लागे माँ, सारा जहाँ मिल गया ...2
तेरे उपकार से, साक्षात्कार से ...
मेरे सूने हृदय का, कमल खिल गया ...2
गणपति हैं लाल तुम्हारे, हम सबके भी हैं प्यारे ...2
जय हो गजानन तेरी.., जय हो चतुरानन तेरी .., आया शुभ दिन है आया

आई आई आज दीवाली है ये आई

" आई आई आई आज दीवाली है ये आई,
ऐसे शुभ अवसर पर हम, पूजें महालक्ष्मी " ...2,
सब देवी देवता आप ही हो पूजें निर्मल माँ ओ मैया निर्मल माँ ...,
ओ छिन्दवाड़ा वाली माँ लक्ष्मी माताजी ...2,
हाँ आई आई आज दीवाली है ये आई ...,

हे माँ काली महा गौरी, तू अपनी आप है जौहरी ...,
तेरी कीमत तू ही जाने, तू बुरा भला पहचाने ...,
ये कहते दिन और रातें, तेरी लिखी न जाये बातें ...,

Scanned by CamScanner

कोई माने या ना माने, हम भक्त तेरे दीवाने ...2,
तेरे पाँव सारी दुनिया पखारती, हाँ आई आई आज दीवाली है ये आई ....

हे कृपाशाली महालक्ष्मी, हे जगत आदि भवानी ...,
हे सुनन्दा हे आनन्दी, तेरा चोला रंग बासंती...,
हे सुखपंचा सुखदाती, हमें सुख देना दिन राती ...,
जो तेरी महिमा गाये, मुँह माँगी मुरादें पाये ...2,
हर आँख तेरी और निहारती, हाँ आई आई आज दीवाली है ये आई ...

हे महालक्ष्मी महाशक्ति, हम तेरे हैं श्री माँ जी ...,
हे जगजननी महामाया, है तू ही तू भव छाया ...,
तू अमृताजल अविनाशी, तू अनमित पूरनमाशी ...,
सब करके दूर अंधेरे, हमें बख्शो नये सवेरे ...2,
तू तो भक्तों की बिगड़ी सवाँरती, हाँ आई आई आज दीवाली है ये आई ...

"हे धनधान्य धन लक्ष्मी, हे दयावान राज लक्ष्मी
हे विश्व प्रिय रचनामयी, हे सहजयोग दायिनी" ...,
ये सूरज चाँद सितारे, सब तेरे ही गुण गाते ...2,
तू ही शान्तिरूप शांतिनी, हमें देना विश्व शान्ति ...2,
तू तो चैतन्य की गंगा बहाती, हाँ आई आई आज दीवाली है ये आई ...
हाँ आई आई आज दीवाली है ये आई ...2, ...

अम्बे के भवन में आओ रे मेरी मैया की जोत जलाओ रे

अम्बे के भवन में आओ रे, मेरी मैया की जोत जलाओ रे,
ऐ अम्बे के भवन में आओ रे, मेरी मैया की जोत जलाओ रे ...4,
अष्ट सिद्धी नव निधी की दात्री ...2, दीनों के बिगड़े काज बनाती ...2,
अष्ट सिद्धी नव निधी की दात्री, दीनों के बिगड़े काम बनाती,
सब आके, जय हो ...2, सब आके शीश झुकाओ रे,
मेरी मैया की जोत जलाओ रे, "हे अम्बे के भवन में ..., मेरी मैया की ...2,

सच्चे मन से जो भी ध्याये ...2, मन वांछित फल वो ही पाये ...2,

सच्चे मन से जो भी ध्याये, मन वांछित फल वो ही पाये,
सोने का, जय हो ...2, सोने का छत्र चढ़ाओ रे,
मेरी मैया की जोत जलाओ रे, "हे अम्बे के भवन में ..., मेरी मैया की ...2,

सब देवों की माँ है शक्ति ...2, दर्शन कर लो करके भक्ति ...2,
सब देवों की माँ है शक्ति, दर्शन कर लो करके भक्ति,
हृदय में, जय हो ...2, हृदय में ज्ञान जगाओ रे,
मेरी मैया की जोत जलाओ रे, "हे अम्बे के भवन में ..., मेरी मैया की ...2,

घर घर में अब करो मनादी ...2, बोलो भक्तों जय माता जी ...2,
घर घर में अब करो मनादी, बोलो भक्तों जय माता जी,
सभी मिलके, जय हो ...2, सभी मिलके भजन सुनाओ रे,
मेरी मैया की जोत जलाओ रे, "हे अम्बे के भवन में ..., मेरी मैया की ...2,

ऐ अम्बे के भवन में आओ रे, मेरी मैया की जोत जलाओ रे ...4,

अपने हृदय के सारे द्वार खोल

अपने हृदय के सारे द्वार खोल, प्रेमदायिनी माँ की हो कृपा अनमोल ...2
प्रेमदायिनी माँ की हो कृपा अनमोल...2, अपने हृदय के सारे द्वार खोल...,

निर्मल माँ को जिसने जाना, उसका ही हित हाने वाला ...2,
जीवन में अमृत रस घोल ...2, प्रेमदायिनी माँ की हो कृपा अनमोल,
अपने हृदय के सारे द्वार खोल, प्रेमदायिनी माँ की हो कृपा अनमोल ...

जाग बावरे, खुद को जान...2, अपनी ही शक्ति पहचान
जागृत करके वो पथ खोल ...2, निरांद निरांद झरे अनमोल ...2
अपने हृदय के सारे द्वार खोल, प्रेमदायिनी माँ की हो कृपा अनमोल ...

सोई आत्मा में स्वानन्द जागा, ब्रह्मानन्द का राग समाया ...2
लीलानंद में जीवन तोल...2, निरानंद निरांद झरे अनमोल...2,
अपने हृदय के सारे द्वार खोल,"प्रेमदायिनी माँ की हो कृपा अनमोल...3, निरानंद

अर्पण ये तन मन श्री माँ तेरे चरणन

"अर्पण ये तन मन श्री माँ तेरे चरणन...2,

Scanned by CamScanner

जन्म दिन ये तेरा, करें तेरा अर्चन" ...2,
अर्पण ये तन मन श्री माँ तेरे चरणन...2,

अहो भाग्य सबके, पधारी स्वयं माँ...3,त्रिलोक की स्वामिनि, ममता की प्रतिमा...2,
आँखों में करूणा,क्षमा दिल में भरकर...2, प्रगटा है निगुण,सगुण रूप लेकर...2,
अर्पण ये तन मन तेरे चरणन...2,

हे आदि शक्ति करें तेरी भक्ति...3, जाने स्वयं को, तो मिल जाये मुक्ति...2,
कृपा तेरी ही से, सहज ज्ञान पाया...2, अंधेरा ये मा का, तुम्हीं ने मिटाया...2,
अर्पण ये तन मन तेरे चरणन...2,

बना दो जगत को, निर्मल रूप अपना...3,हो पूरा है माँ तेरे,नयनों का सपना...2,
सहज विश्व हो जाये,सहजी हर इक जन...2,खिलें फूल निर्मल,महक जाये गुलशन...2,
अर्पण ये तन मन श्री माँ तेरे चरणन...2,जन्म दिन ये तेरा, करें तेरा अर्चन ...
अर्पण ये तन मन श्री माँ तेरे चरणन...2,

बाजे रे मुरलिया बाजे

बाजे रे मुरलिया बाजे अधर धरे मोहन मुरली पर ...3
होंठ पर माया विराजे ...

हरी हरी बाँस की बनी मुरलिया, मरम मरम को घुथे अंगुरिया ...
चंचल चतुर अंगुरिया, जिस पर तन कंमुडलिया साजे, बाजे रे मुरलिया ...

पीली मुंदरी अंगुरी शाम, मुंदरी पर राधा का नाम
आकर देखें मधुर स्वर, राधा गौरी नाचे, बाजे रे मुरलिया ...

भूल गयी राधा भरी गगरिया, भूल गये गोधन को साँवरिया
जाने न जाने ये वो जाने, जाने अब आगे जाने, बाजे रे मुरलिया ...

बादशाह हो गये देखते देखते

रंगत ऐसी चढ़ी, रंग तुम्हारा लेकर,
क्या से क्या हो गये, नाम तुम्हारा लेकर
रोतों को हँसा देती हैं माँ, सहजी बना देती हैं माँ
ऐसी लीला है आदिशक्ति की, क्या से क्या बना देती हैं

निर्मल माँ क्या से क्या बना देती हैं मेरी निर्मला माँ

तेरी रहमत के सदके ये सहजी तेरे ...2
क्या से क्या हो गये देखते देखते ...2
कल जिनके मुकद्दर में कुछ भी ना था ...2
बादशाह हो गये देखते देखते ...2, तेरी रहमत के सदके ये सहजी तेरे

तेरी नजरे करम जिस सर पर पड़ी ...2
वो सर ना झुके फिर कहीं भी कभी ...2
तेरी शक्ति की जिसने भी तोहीन की SS ...3
वो फना हो गये देखते देखते ...2, कल जिनके मुकद्दर में ...

तेरे कदमों पे रखके जो, सर रो दिया ...2
अपनी ममता से उसकी खता बक्श दी ...2
जिसके अन्दर से मैं मैं की बू ना गई ...3
वो तबाह हो गये देखते देखते ...2, कल जिनके मुकद्दर में ...

ऋषि मुनियों ने, देवी देवताओं ने भी ...2
माँ को ढूंढा, मगर माँ भरम ही रहीं ...2
माँ के घर का पता खोजने वाले खुद SS ...3
लापता हो गये देखते देखते ...2, कल जिनके मुकद्दर में ...

सहजी बच्चों पे जब कभी मुश्किल पड़ी ...2
माँ ही दुर्गा महाकाली चण्डी बनी ...2
तेरे खण्डे की धारा से दुश्मन सभी ...3
सब सफ़ा हो गये देखते देखते ...2, कल जिनके मुकद्दर में ...

कल जिनके मुकद्दर में कुछ भी ना था ...2
बादशाह हो गये देखते देखते ...2

बजौ मुरली कृष्णा बजौ मुरली

बजौ मुरली कृष्णा बजौ मुरली ...2, मुरली को धुन में नाचत सहजी ...2,
देवकी को नन्दन, यशोदा को लाल ...2,

Scanned by CamScanner

रास रचई भूमि, इनि बदलो चाल ...2, बजौ मुरली ...2, मुरली की धुन...2,

पहले राधा पहले मीरा, पहले गोपी नी ...2,
पहले हमरो यो चो हमरो बालो भाली तिन छोनी ...2, बजौ मुरली ...2,

गीत गौनी मोक्ष पौनी मार्ग बतायो ...2,
निर्मल माँ को रूप लेई दर्शन दिखायो ...2, बजौ मुरली...2, मुरली को ...2,

कोई भजत कृष्णा कृष्णा, कोई राधेश्याम ...2,
हमीं भजो निर्मल कृष्णा, जग माँ एको ही नाम ...2, बजौ मुरली ...2,
पूजा घर में बेला भायो अमीं सहजी ...2,
स्वीकार करो पूजा हमरो निर्मल माता जी ...2, बजौ मुरली ...2,

दर्शन कोई मथुरा चा कोई चार धाम ...2,
हमीं गायो छौ निर्मल नगरी, ये हो हमरो धाम ...2,
बजौ मुरली कृष्णा बजौ मुरली ...2,मुरली को धुन में नाचत सहजी ...2,

बजता है गीत प्रकृति का

हो हो ओ s s हो हो ओ s s
बजता है हो ओ गीत प्रकृति का, तेरे ही संगीत पर माँ ...2
बजता है हो ओ बजता है गीत प्रकृति का, तेरे ही संगीत पर माँ ...

झुकती है कली जैसे, सुबह की ओस में भीगकर s ओ माँ ...2
झुकते हैं दिल ऐसे, तेरे प्यार में भीगकर s ...2
बजता है गीत प्रकृति का, तेरे ही संगीत पर माँ बजता है ...

बदले है नदी जैसे,हर पत्थर को अपनी धार से s... ओ माँझी रे ss ओ माँझी रे माँझी
रे ओ बदले है नदी जैसे, हर पत्थर को अपनी धार से s ओ माँ
बदला है हमको भी कुण्डलिनी माँ ने प्यार से s ...2
बजता है हो ओ गीत प्रकृति का, तेरे ही संगीत पर माँ, बजता है ...

गाते है भंवरे जैसे, आकर फूल उपवन में s ओ माँ ...2
गाते है सहजी ऐसे अनुपम अर्न्तमन में s ...2
बजता है हो ओ गीत प्रकृति का, तेरे ही संगीत पर माँ, बजता है ...
हो ओ गीत प्रकृति का, तेरे ही संगीत पर माँ, बजता है, "हो ओ बजता है ...4

बस नाम श्री माँ का तू जपना

बस नाम श्री माँ का तू जपना-दिन और रात मनवा ...2
नित्त ध्यान सुबह उठ करना ...2, माँ की अरदास मनवा ...2
हो ss दिन और रात मनवा - दिन और रात मनवा।

ये अवसर बार-बार नहीं मिलना
माँ से लगन लगाले बन्दे ...2
कुण्डिलिनी में चित्त रमाले, छोड के जग के गोरख धन्धे ...2
हर साँस में तू माँ को सुमरना ...2, दिन और रात मनवा ...2
हो ss दिन और रात मनवा - दिन और रात मनवा।

धन माया और नाते रिश्ते, जग ये सारा खेल तमाशा ...2
वाहे गुरू है निर्मल माता, जगदम्बा वो मोक्ष की दाता
आदिशक्ति है निर्मल माता, जगदम्बा वो मोक्ष की दाता
इन चरणो की कर ले तू वंदना ...2 दिन और रात मनवा ...2
हो ss दिन और रात मनवा - दिन और रात मनवा।

जब भी भटके चित्त तेरा तो, खींच के उसको मध्य में लाना ...2
चैतन्य में लीन रहे चित्त, गूंजे मन में सहज तराना ...2
माँ के सपने को सच तू करना ...2 दिन और रात मनवा ...2

भज मन माँ का नाम सुखदाई

भज मन माँ का नाम सुखदाई, भज मन माँ का नाम सुखदाई ... 7,

माँ के नाम, प्रभाव की महिमा, सब सद् ग्रन्थन् गाई ...2,
ऋषि मुनि हारे, संत थके सब ...2, कर कर नाम बढ़ाई,
भज मन माँ का नाम सुखदाई, भज मन माँ का नाम सुखदाई ... 7,

जिन मुँह नाम बसो माँ पावन, ते भव उतरे भाई ... 2,
जन्म जन्म व्याधि छूटी ... 2, अभय मोक्ष पद पाई,
भज मन माँ का नाम सुखदाई, भज मन माँ का नाम सुखदाई ...4,

दुविधा मिटे होवे सब सुविधा, चिन्ता रहे ना राई ...2,
क्लेश ना शेष रहे कृपा हो ...2, विचरे राम रजाई,

Scanned by CamScanner

भज मन माँ का नाम सुखदाई, भज मन माँ का नाम सुखदाई ...4,

देश काल कोई हो प्यारे, पल भर ना विसराई ...2,
दोषी या निर्दोष हो कोई ...2, सबकी सम बन आई,
भज मन माँ का नाम सुखदाई, भज मन माँ का नाम सुखदाई ...4,

भर दे ज्ञान से गगरिया, मेरी निर्मल माँ

भर दे ज्ञान से गगरिया, मेरी निर्मल माँ ...3,
मेरी निर्मल मा ...2, "भर दे ज्ञान से गगरिया, मेरी निर्मल माँ ...2,
मैं बालक नादान, ज्ञान का पान, प्रेम से पीलूँ ...2, + 2,
लेकर तेरा नाम जगत में, हर्षित मन से जी लूँ ..., तेरी प्यारी है,
तेरी प्यारी है नगरिया, मेरी निर्मल माँ ...2, मेरी निर्मल माँ ...2,"भर दे...
मान की मूरत, ज्ञान की सूरत, अज़ब़ नेह दर्शाती ...2, + 2,
सोम तीर्थ सा जल आँखों में, अमृत सा बरसाती ..., इसमें बीते,
इसमें बीते मेरी उमरिया, मेरी निर्मल माँ ...2,मेरी निर्मल माँ...2,भर दे...
अगन गगन जल पृथ्वी ऊपर, माँ की महिमा न्यारी ...2 + 2,
जीव लोक आनन्द दायीनी, सकल लोक हितकारी ..., न्यारी जग में,
न्यारी जग में तेरी डगरिया,मेरी निर्मल माँ ...2,मेरी निर्मल माँ...2,"भर...
भ्रमित मन से मूरखता में, कितना समय बिताया ...2 + 2,
भटका राही, सतपथ ग्राही, तेरी शरण में आया ..., रंग ली भक्ति में,
रंग ली भक्ति में चुनरिया,मेरी निर्मल माँ ...2,मेरी निर्मल माँ...2,"भद दे...

बोलो रे सहजी जयकारा निर्मल मैया का द्वारा आ गया

"बोलो रे सहजी जयकारा, जयकारा,
निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी ...,निर्मल मैया का द्वारा आ गया"...2,
मैया के मन्दिर में चैतन्य सुहाना छा गया ...2, ओ बोलो रे सहजी जयकारा,
जयकारा, निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया...,

मैया का आसन सजा sss,"प्यारे फूलों से मन्दिर सजाया हुआ ...2,
ज्योति नूरानी जले, "सबने मैया को दिल में बसाया हुआ ...2,
देखा धरती पे प्यारा नजारा है ...2, माँ ने मन्दिर में स्वर्ग उतारा है ...2,

माँ के कदमों में, जय हो ...2, माँ के कदमों में झुकना जग सारा, जग सारा
निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,
मैया के मन्दिर में चैतन्य सुहाना छा गया, ओ बोलो रे सहजी जयकारा,
जयकारा, निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,

मेरी मैया है पूनम का चाँद, "प्यारे सहजी गगन में हैं तारे जड़े ...2,
गण फूलों की बरसा करे, "देव गन्धर्व सभी हाथ जोड़े खड़े ...2,
आदि शक्ति भवानी की पूजा करें ...2, भवसागर से मैया जी पार करें...2,
बहे चरणों में, जय हो ...2, बहे चरणों में अमृत की धारा, की धारा
निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,
मैया के मन्दिर में चैतन्य सुहाना छा गया, ओ बोलो रे सहजी जयकारा,
जयकारा, निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,

ममता की मूरत हैं माँ, "अपने आँचल में सबको समाये हुये ...2,
सारे जग की हैं जननी माँ, "खेल सृष्टि के अनुपम रचाये हुये ...2,
भोली भाली है माँ प्यारी प्यारी है ...2, माँ करती सिंह सवारी है ...2,
माँ की सेवा में, जय हो ...2, माँ की सेवा में गणपत सुत प्यारा, सुत प्यारा
निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,
मैया के मन्दिर में चैतन्य सुहाना छा गया, ओ बोलो रे सहजी जयकारा,
जयकारा, निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,

भक्ति में शक्ति बही, " माँ की सेवा में सहजी दीवाने हैं ...2,
झूम झूम गायें सभी, " बहे हाथों में चैतन्य सुहाने हैं ...2,
बजे चिमटा ताल मृदंगा है ...2, बहे भजनों में भक्ति की गंगा है ...2,
जगे कुण्डलिनी, जय हो ...2, जगे कुण्डलिनी हो जाये निस्तारा, निस्तारा
निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,
मैया के मन्दिर में चैतन्य सुहाना छा गया, ओ बोलो रे सहजी जयकारा,
जयकारा, निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,

बोलो शिव शिव शम्भू, बम बम बम

बोलो शिव शिव शम्भू, बम बम बम ...4
अरे गाओ रे, ये नाम हरदम ...2, जब तक है भाई दम में दम ...2,

Scanned by CamScanner

बोलो शिव शिव शम्भू, बम बम बम ...2

हे प्रलयंकर, भीमयंकर, "हे प्रभूशंकर स्वामी ...2,
हे विश्वेश्वर, हे परमेश्वर "ईश्वर अन्तरयामी ...2,
ये गुण है "उत्तम अनुपम ...2, सारे जग के "यही पिता परम ...2

शिव काम है, दया धाम है " शिव का नाम है संयम ...2,
शिवजी है मुक्ति, शिवजी है भक्ति, "शिवजी हैं भक्ति का संगम ...2,

शिव महिमा, "मत समझो कम ...2, मिट जायेगा, " दुनिया के गम ...2,
बोलो शिव शिव शम्भू बम बम बम ...2

बरतिया ले के आये गयो रे बम बम भोला

अद्भुत रूप बनायके S S S, शिव शंकर S S त्रिपुरार
गौरा को ब्याहने चले, चले हिमाचल द्वार, बम बम भोले ...4,

बरतिया ले के आये गयो रे बम बम भोला ...4,
अरे डम डम डमरू बाजे ...2, पिये भंग का गोला रे ...,
बरतिया ले के, ओये बरतिया ले के, आये गयो रे बम बम भोला ...

"दुखी हुई मन रानी मैना ...2, नृप से बोली भरकर नैना" ...2,
जोगी को बेटी ना दूंगी ...3, दूंगी फूंक मैं चोला रे ...,
बरतिया ले के, ओये बरतिया ले के, आये गयो रे बम बम भोला ...

"नृप ने मैना को समझाया ...2, मन का भ्रम सब दूर कराया" ...2,
जग के पालन हार हैं आये ...3, हर हर महादेव, जग के पालन हार हैं आये
रूप धरे अनमोला रे, "बरतिया ले के ...2, आये गयो रे बम बम भोला ...

"शिव दुल्हा गौरा दुल्हन है ...2, बंधा प्रीत का ये बंधन है" ...2,
जय जयकार करे नर नारी ...3, जय भोले ...
बरतिया ले के, ओये बरतिया ले के, आये गयो रे बम बम भोला ...

बृज से आई मस्ती में सहजी की यह टोली

बृज से आई मस्ती में...2, सहजी की यह टोली...2,

कृष्ण/कन्हैया के रूप में मैया से...2,खेलने रंगीन होली...2,बृज से आई...
अबीर गुलाल क्या लाल नीला...2, रंगों से भरी है झोली...2,
ढ़ेल मंजीरे पे झूमकर...2, गोपियाँ बजायें ताली...2, बृज से असई मस्ती में ...
प्यार दुलारा है रंग माँ का...2, है प्यारी प्यारी बोली...2,
धानी रंग का घाघरा है...2,हरे रंग की चोली...2, बृज से असई मस्ती में, सहजी...

चदरिया झीनी रे झीनी

चदरिया झीनी रे झीनी, राम नाम रस बीनी चदरिया ....

काहे का ताना, काहे की भरनी, कौन तार से बीनी चदरिया ...
इंगला पिंगला ताना भरनी, सुखमल तार से बीनी चदरिया ...

जब मोरी चादर घर बुनी आई, रंग रेज़ को दीनी चदरिया ...
ऐसा रंग रंगा रंग रेज ने, लाल लाल कर दीनी चदरिया ...

चादर ओढ़ शंका मत करियो, ये दो दिन तुमको दीनी चदरिया ...
मूर्ख लोग भेद नहीं जाने, दिन दिन मैली कीनी चदरिया ...

ध्रुव, प्रहलाद, सुदामा ने ओढ़ी, सुख देव ने निर्मल कीनी चदरिया ...
दास कबीर ने ऐसी ओढ़ी, ज्यूँ की त्यूँ घर दीन्ही चदरिया ...
झीनी रे झीनी चदरिया ...

चली सहज की नैया ओ मैया पार करा दो

ओ S S ..., ओ S S ..., ओ S S ..., ओ S S ...,
" ओ चली सहज की नैया ...2, ओ मैया पार करा दो, पार करा दो,
चले सहजी दर तेरे मैया, ओ चले ..., ओ मैया पार करा दो, पार करा दो,

" तुम बिन मेरा कोई ना दूजा, ऐ श्री निर्मल माँ,
देख लिया ये सब जग झूठा, ऐ श्री निर्मल माँ " ...2,
ज्ञान ध्यान की पूँजी दिया अब ...2, जीवन सफल करा दो ...2,
चली सहज की नैया, ओ चली सहज की नैया, ओ मैया "पार करा दो...2,

" कण कण में माँ तू है समाई, तू है आदि शक्ति,
तेरा दिया है, सब कुछ हमको, तू है महा शक्ति " ...2,

Scanned by CamScanner

अपने निर्मल वाणी से माँ ...2, प्रेम का दीप जला दो ...2,
चली सहज की नैया, ओ चली सहज की नैया, ओ मैया "पार करा दो...2,

" दीन दुखियों को, गम के भँवर से, तूने पार उतारा,
भटक रहे थे, झूठे जग में, तूने दिया सहारा " ...2,
सहजी आये दर पर तेरे ...2, अब तो दरस दिखा दो दो ...2,
चली सहज की नैया, ओ चली सहज की नैया, ओ मैया "पार करा दो...2,
ओ " चले सहजी दर तेरे मैया ...2, ओ मैया " पार करा दो ...5,

चलो सहज के मार्ग, नया युग आने वाला है

चलो सहज के मार्ग, नया युग आने वाला है ...2,
हुआ है नवप्रभात, अन्धेरा जाने वाला है ...2, चलो सहज के मार्ग ...

जिसने किया प्रेम श्री माँ से, उसने ही ये जाना ...2,
वो ही चले हैं सहज मार्ग पर, लाने नया जमाना ...2,
बदलो अपनी चाल, कि सतयुग आने वाला है ...2,"हुआ है नवप्रभात ...

जागो खुद और सबको जगाओ, सोना है नादानी ...2,
आओ करें हम सहजयोग और सतयुग की अगवानी ...2,
जो समझे माँ की बात, वो सब कुछ पाने वाला है ...2,हुआ है नवप्रभात...

चारों ओर घनघोर अन्धेरा, छाया इस धरती पर ...2,
झूठ फरेब और बेईमानी, भरी है इस धरती पर ...2,
अब मिटेगा भ्रटाचार, उजाला छाने वाला है ...2,"हुआ है नवप्रभात...,
अन्धेरा जाने वाला है ...2,"चलो सहज के मार्ग, नया युग आने ...2,

चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम

चलो रे चलो रे चलो निर्मल धाम ...4,
सहजियों ने पुण्य किया है, माँ का कहना है ...2,
इसीलिए सब सहजियों ने माँ को पाया है ...2,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

युगों युगों से दर दर भटके, " पल पल ठोकर खाई ...2,

अब आये हम माँ की शरण में, " नयी रोशनी पाई ...2,
हमने तन मन को सहज में कर दिया है दान ...,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

माँ का ये दरबार देखो, "सात रंग का दरिया ...2,
इस रंगों में मन को धो लें, "और ना कोई जरिया ...2,
आओ सब हम मिलके गायें, माँ का ये गुण गान ...,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

अब ना कोइ दुखी रहेगा, "तेरे ये संसार में ...2,
खुल गयी हैं मन की आँखें, " तेरे ही आसार में ...2,
सोच समझ ले, पार उतर ले, माँ का है सब काम ...,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

सहजियों ने पुण्य किया हे, माँ का कहना है, निर्मल माँ का कहना है
इसीलिए सब सहजियों ने माँ को पाया है ...2,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2, "ये है पावन धाम ...2

चन्द्रमा ललाट सोहे

चन्द्रमा ललाट सोहे ...4, जटा जूट गंगा सोहे ...2,
गले सोहे मूंड माल ...2, सोहे अंग बाघम्बर ...
चन्द्रमा ललाट सोहे ...

भाल लोचन अति उज्जवल ...4, गौर वर्ण बदन सोहे ...2,
अंग भभूत सोहे ...2, अति सेहे त्रिशूल कर ...
चन्द्रमा ललाट सोहे ...

ब्रह्मा गणेश शेष ...4, नारायण नारद मुनि ...2,
जपत नाम स्तुति गाये ...2, जय हर हर हर शिव शंकर ...
चन्द्रमा ललाट सोहे ...

निरतत ताँडव शिव ...4, कैलाश पति महेश ...2,
डमरू नाद अति गंभीर ...2, शब्द बजत हर हर ...
चन्द्रमा ललाट सोहे ...

Scanned by CamScanner

चरणों में माँ चरणों में

चरणों में माँ चरणों में, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2
हमने रख दिया मन को हमारे निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2
आनन्द स्वर्ग का पा लिया हमने ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

छोड़ के हम जग सारा आये ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2
थोड़ी सी जगह हमें भी मिल जाये ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

देखा हमने ब्रह्माण्ड सारा ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2
सूरज का तेज चन्दा प्यारा ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

पूजा करेगें फूल सजा कर ...2, बेला ऽऽ गुलाबी ऽऽ चम्पा ऽऽ चमेली ...2
बेला ऽ गुलाबी ऽ चम्पा ऽ चमेली ...2, बेला गुलाबी चम्पा चमेली ...2,
चमेली ऽ चमेली ऽ चमेली पूजा करेगें फूल सजा कर,
निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2,
ध्यान करेगें मन को लगाकर ...2, निर्मला माँ तेरे चरणों में ...
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

ऋषि मुनि सारे गुण गाते हैं ...2, सा ऽऽ निनिसा ध ध नि प प ध
ममप ग म ग म प नि सा ... ऋषि मुनि सारे गुण गाते हैं ...
निर्मल माँ तेरे चरणों ...2
सहज योगी सब फलते फूलते ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

मिलता है सच्चा सुख केवल ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2
विनती यही रहे ध्यान हमेशा ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
हमने रख दिया मन को हमारे निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

आनन्द स्वर्ग का पा लिया हमने ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

छुप छुप आये श्याम ले के ग्वाल बाल

छुप छुप आये श्याम ले के ग्वाल बाल है
ऐसो री यशोदा मैया तेरो नन्दलाला है

"ग्वालों को संग ले के घर में जो आये गये,
माखन को खाये मेरी मटकी गिराये गये ...2" ...2
अँगूठा दिखाये चले टेड़ी मेड़ी चाल रे ...2
ऐसो री यशोदा मैया तेरो नन्दलाला है

"देखरी यशोदा श्याम तेरो बड़ो रारी रे,
डगर चलत मोरी गगरी उतारी रे ...2" ...2
और दिखाये मोहे आँखें लाल लाल रे ...2
ऐसो री यशोदा मैया तेरो नन्दलाला है

"मोसे कहे आज तू तो घूँघट उतार दे,
बार बार दौड़ के तू श्याम की बलाई ले ...2" ...2
मारियो ना श्याम को, गरीबनी को लाल है ...2
ऐसो री यशोदा मैया तेरो नन्दलाला है

छिन्दवाड़ा में जन्म हुआ हमारी निर्मल माँ का

छिन्दवाड़ा में ऽ जन्म हुआ, हमारी निर्मल माँ का ...2,
इस घोर कलयुग में जन्म हुआ, हमारी निर्मल माँ का ...2,
हम सबकी रक्षा करने ...2, जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा में .....

निर्मल नाम से हम भक्तन के, सब दुखः दूर होते हैं हाँ सब दुखः दूर होते हैं
निर्मल ध्यान करने से हमको, " निर्मल ज्ञान मिलता है ...2,
सत्य युग को प्रारम्भ करने ...2, जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा म .....

जन्म दिवस के इस अवसर में, मंगल गीत गाओ बजाओ ...2,
दीप जलाओ, फूल सजाओ, सब मिलकर खुशियाँ मनाओ ...2,

Scanned by CamScanner

भवसागर को पार कराने ...2,जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा में .....

लक्ष्मी कहो या सरस्वती माता, या उनको कहो दुर्गा माता ...2,
ध्यान म बैठ के उनको देखें, रूप कई दिखाते जाते ...2,
हम सबको मोक्ष दिलाने ...2,जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा में .....

हम तो बड़े किस्मत वाले हैं, हमको को माँ ने चुन ही लिया है ...2,
सेवा में माँ के रहेगें हरदम, यही हमारा वादा है ...2,
कई जन्मों के फल देने ...2, जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा में .....

नाम है निर्मल, काम है निर्मल, सोच है निर्मल, ध्यान है निर्मल ...2,
विद्या निर्मल, ज्ञान है निर्मल, मन निर्मल और तन निर्मल ...2,
निर्मल जग निर्मल युग बनाने ...2, जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा में ....

छिन्दवाड़ा में ऽ जन्म हुआ, हमारी निर्मल माँ का ...2,
इस घोर कलयुग में जन्म हुआ, हमारी निर्मल माँ का ...2,
हम सबकी रक्षा करने ...2, जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा में .....

चित्त को चैतन्या में लीन करना है

चित्त को चैतन्या में लीन करना है ...3,
श्री माँ जैसा चाहे, वैसा बनना है ...2,
चित्त को चैतन्य में लीन करना है ...2,

आनन्द चित्त में धरना है ...2, बहै चैतन्य जैसे झरना है ...2,
नकली जग को त्यागना है ...,
चित्त को चैतन्या में लीन करना है ...2,

बागों की हैं कलियाँ हम, हमें फूल बनना है ...2,
और भी हृदय खोलना है ...2,
माँ का प्यार हमें, पाना है ...2, सहज में हमको रमना है ...2,
इस पे रहना और चलना है, "चित्त को चैतन्या में लीन करना है ...,
श्री माँ जैसा चाहे, वैसा बनना है ...2,
चित्त को चैतन्या में लीन करना है ...3,

डम डम डम डम डमरू बजे

"डम डम डम डम डमरू बजे ...2, अरे भोले नाथ शिव शम्भू नाचे
अरे गौरीनाथ शिव शम्भौ नाचे" ...2
घन घन घन घन घण्टा बाजे ...2
आदि माँ को देख कुण्डलिनी जागे, जग माँ को देख सहस्त्रार खुले
डम डम डम डम डमरू ....., अरे गौरीनाथ शिव शम्भौ नाचे

श्री शिव रूपी माँ बोली जय श्री माता जी,
श्री शंकर रूपी माँ बोली ..., श्री स्वयंभू माँ बोलो जय श्री माता जी,
श्री पशुपति रूपी माँ बोलो ..., श्री क्षमाक्षेम माँ बोलो ...,
श्री प्रिय भक्त रूपी माँ बोलो ..., श्री कामदेव माँ बोलो ...,
श्री साधुसाध्य रूपी माँ बोलो ..., श्री ह्रत्पुण्डरीकासीन माँ बोलो ...,
श्री जगद् हितैषिन रूपी माँ बोलो ..., श्री व्याघ्रकोमल माँ बोलो ...,
श्री वत्सल रूपी माँ बोलो ..., श्री देवासुर गुरु बोलो जय श्री माता जी,
श्री शम्भू रूपी माँ बोलो ..., श्री लोकोत्तर सुखालय जय श्री माता जी,
श्री सर्वसह माँ बोलो ..., श्री स्वधृत माँ बोलो ...,
श्री एक नायक माँ बोलो ..., श्री वत्सल माँ बोलो ...,
श्री शुभद्रा रूपी माँ बोलो ..., श्री सर्वसत्वावलम्बन जय श्री माता जी,
श्री शर्वरीपति माँ बोलो जय श्री माता जी,
डम डम डम डम डमरू बजे, अरे भोले नाथ शिव शम्भू नाचे

श्री वरद रूपी माँ बोलो ..., श्री वायुवाहन माँ बोलो ...,
श्री कमण्डलुधर बोलो ..., श्री नदीश्वर माँ बोलो ...,
श्री प्रसदस्व माँ बोलो ..., श्री सुखानिल माँ बोलो ...,
श्री नागभूषण माँ बोलो ..., श्री कैलाश शिखर वासिन् बोलो ...
श्री त्रिलोचन माँ बोलो ..., श्री पिनाक पानी माँ बोलो ...,
श्री श्रमण रूपी माँ बोलो ..., श्री अचलेश्वर माँ बोलो ...,
श्री व्याघ्र चर्माम्बर जय श्री माता जी, श्री उन्मत्तवेष माँ बोलो ...,
श्री प्रेतचारिन् माँ बोलो ..., श्री हर रूपी माँ बोलो जय श्री माता जी,
श्री रूद्र रूपी माँ बोलो ..., श्री भीम पराक्रम बोलो ...,

Scanned by CamScanner

श्री नटेश्वर माँ बोलो ..., श्री नटराज रूपी माँ बोलो ...,
डम डम डम डम डमरू बजे, अरे भोले नाथ शिव शम्भू नाचे

श्री ईश्वर रूपी माँ बोलो ..., श्री परमशिव माँ बोलो जय श्री माता जी,
श्री परमात्मा माँ बोलो ..., श्री परमेश्वर माँ बोलो ...,
श्री वीरेश्वर माँ बोलो ..., श्री सर्वेश्वर माँ बोलो ...,
श्री कामेश्वर माँ बोलो ..., श्री विश्वसाक्षिन माँ बोलो ...,
श्री नित्यनृत्य माँ बोलो ..., श्री सर्ववास माँ बोलो ...,
श्री महायोगी माँ बोलो ..., श्री सद्योगी माँ बोलो ...,
श्री सदाशिव माँ बोलो ..., श्री आत्मा रूपी माँ बोलो ...,
श्री आनन्द रूपी माँ बोलो ..., श्री चन्द्रमौलि माँ बोलो ...,
श्री महेश्वर माँ बोलो ..., श्री सुधापति माँ बोलो ...,
श्री अमृतपा माँ बोलो ..., श्री अमृतमय माँ बोलो ...,
श्री प्रणतात्मक माँ बोलो ..., श्री पुरुष रूपी माँ बोलो ...,
डम डम डम डम डमरू बजे, अरे भोले नाथ शिव शम्भू नाचे

श्री प्रच्छन रूपी माँ बोलो ..., श्री सूक्ष्म रूपी माँ बोलो ...,
श्री कर्णिकरप्रिय बोलो ..., श्री कवि रूपी माँ बोलो ...,
श्री अमोघदण्ड माँ बोलो ..., श्री नीलकण्ड माँ बोलो ...,
श्री जटिन् रूपी माँ बोलो ..., श्री पुष्प लोचन माँ बोलो ...,
श्री ध्यानाधार माँ बोलो ..., श्री ब्रह्माण्डहृत माँ बोलो ...,
श्री कामशासन माँ बोलो ..., श्री जितकाम माँ बोलो ...,
श्री जितेन्द्रिय माँ बोलो ..., श्री अतीन्द्रिय माँ बोलो ...,
श्री नक्षत्रमालिन माँ बोलो ..., श्री अनाद्यन्त माँ बोलो ...,
श्री आत्मयोनि माँ बोलो ..., श्री नभयोनि माँ बोलो ...,
श्री करूणासागर माँ बोलो ..., श्री शूलिन् रूपी माँ बोलो,
श्री महेध्वासः माँ बोलो ..., श्री निष्कलंक माँ बोलो ...,
डम डम डम डम डमरू बजे, अरे भोले नाथ शिव शम्भू नाचे

श्री नित्यसुन्दर माँ बोलो ..., श्री अर्धनारीश्वर जय श्री माता जी,
श्री उमापति माँ बोलो ..., श्री रसदा माँ बोलो जय श्री माता जी,

श्री उग्र रूपी माँ बोलो ..., श्री महाकाल माँ बोलो जय श्री माता जी,
श्री कालकाल माँ बोलो ..., श्री वैयाघ्रघुर्य माँ बोलो ...,
श्री शत्रुप्रमथिन् बोलो ..., श्री सर्वाचार्य माँ बोलो ...,
श्री सम रूपी माँ बोलो ..., श्री आत्मप्रसन्ना बोलो जय श्री माता जी,
श्री नरनारायणप्रिय जय श्री माता जी ..., श्री रसज्ञ माँ बोलो ...,
श्री भक्तिकाल माँ बोलो ..., श्री लोक विराग्रणी बोलो ...,
श्री चिरन्तन माँ बोलो ..., श्री विश्वम्बरेश्वर बोलो ...,
श्री नवात्मन् माँ बोलो ..., श्री नवयेरूसलमेश्वर जय श्री माता जी ...,
श्री आदिनिर्मलत्मा बोलो ..., श्री सहजयोगीप्रियः बोलो ...,
डम डम डम डम डमरू बजे, अरे भेले नाथ शिव शम्भू नाचे ...

डम डम डम डमरू बजाये शिवशंकर कैलाशपति

डम डम डम डमरू बजाये, शिवशंकर कैलाशपति
युग युग सोया जीव जगाये, शिवशंकर कैलाशपति
ॐ नमः शिवाय ...3, बोलो ॐ नमः शिवाय, डम डम डमरू ..

माथे ऊपर तिलक चन्द्रमा, पहने नाग की माला ...2,
डमरू की घड़कन पे नाचे, सृष्टि का रखवाला ...2,
नित भक्तन के कष्ट मिटाये, शिवशंकर कैलाशपति, " युग युग सोया ...2,
"ॐ नमः शिवाय ...3, बोलो ॐ नमः शिवाय" ...2, डम डम डमरू ...

जटा जूट से बहती गंगा, सबके पाप मिटाती ...2
धरती और प्यासे जीवों की, मैया प्यास बुझाती ...2,
नित कृपा जग पे बरसाये, शिवशंकर कैलाशपति, "युग युग सोया ...2,
"ॐ नमः शिवाय ...2, बोलो ॐ नमः शिवाय" ...2, डम डम डमरू ...

मंगल कारी नाम है उनका, वो हैं शक्ति दाता ...2
भव सागर से तर जाये वो, जो शिव नाम है ध्याता ...2,
मोह माया से मन को छुड़ाये, शिवशंकर कैलाशपति, " युग युग सोया ...2,
"ॐ नमः शिवाय ...3, बोलो ॐ नमः शिवाय" ...2, डम डम डमरू

Scanned by CamScanner

दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त

आ S S S S S

दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...2, मेरा विरदे है दम दम अली अली ...2,
सखि लाल कलन्दर, मस्त मस्त ...2, झूले लाल कलन्दर, मस्त मस्त ...2
दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...3,

एक विरद है दम दम अली अली ...2, सखि लाल कलन्दर, मस्त मस्त
झूले लाल कलन्दर, मस्त मस्त ..., दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,
अखि जा मलिंगा सांची, आपि मन लेणगें ...2
आज नीं ते कल सारे अली अली केणगें ...
मस्त मस्त ...4, दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,
नि सा ग म प नि सा – S, सा S, नि ध प सा नि सा नि
सा नि ध प् नि S ध पम नि ध् निध् निध् प म, ध S प म ग प S म
ग रे म S ग रे सा, म ग रे सा ...3, नि नि सा
मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ..., दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,
माँ ने किन्ने श्यान बनाये ...2, बेकरमा ते करम कमाये ...2,
जेड़ा वी निर्मल दर पे आवे, वो न कदीं बी खाली जाए ...
मेरा विरद है दम दम अली अली...2,सखि लाल कलन्दर,मस्त मस्त ...2, झूले
लाल कलन्दर, मस्त मस्त ..., दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,
" प म, ग म प, प म प ग म ग रे सा" ...2, प म, ग म प नि
ध प, म प, ग म, ग रे सा–S नि रे सा सा पनि धप मप गम गरे
सा–S, दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...2

शानाँ ऊँचियाँ तेरीयाँ पीराँ ...2, होवण दूर हनेरिया पीराँ ...2,
आंसाँ है बथेरियाँ पीराँ, सुन अरजाँ अजतेरीयाँ पीराँ
मेरा विरद है दम दम अली अली...2,सखि लाल कलन्दर,मस्त मस्त...2, झूले
लाल कलन्दर, मस्त मस्त ..., दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,

अखि जाओ सहजीयों, निर्मल निर्मल अखि जाओ सहजीयों,
अखि जाओ सारे सच, आपि मण लेणगें ...2,
आज नीं ते कल सारे निर्मल कहणगें ...
मस्त मस्त ...4, दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,

अली मोहम्मद माँ तेणु ध्यावण ...2, चरणां दे विच शीश झुकावण ...
हिन्दु मुस्लिम तेरे दर ते आवण, सिख ईसाई गुण तेरे गावण
मेरा विरदे है दम दम अली अली...2, सखि लाल कलन्दर,मस्त मस्त...2,झूले
लाल कलन्दर, मस्त मस्त ..., दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,
नि सा ग म प, प म प, ग म ग रे सा ...2, पम ग म प, प म
प, ग म ग रे सा, प म ग म प नि ध प म प ग म ग रे सा नि रे
सा सा, प नि ध प म प ग म ग रे सा नि रे रे सा

दर्शन दो घनश्याम नाथ मेरी अखियाँ प्यासी

दर्शन दो घनश्याम नाथ मेरी अखियाँ प्यासी, प्यासी रे

द्वार दया का जब तू खोले, पंचम स्वर में गूंगा बोले
अंधा देखे लंगड़ा चलकर, पहुँचे काशी रे ...
दर्शन दो घनश्याम नाथ मोरी अखियाँ प्यासी ...

मंदिर मंदिर मूरत तेरी, फिर भी न दीखे सूरत तेरी
युग बीते न आयी मिलन की, पूरणमासी रे ...
दर्शन दो घनश्याम नाथ मोरी अखियाँ प्यासी ...

पानी पी कर प्यास बुझाऊँ, नैनन को कैसे समझाऊँ
आँख मिचौली छोड़ो अब तो, घट के वासी रे ...
दर्शन दो घनश्याम नाथ मोरी अखियाँ प्यासी ...

दर्शन दो

आये सब हम सहजी तेरे द्वार, निर्मल दर्शन दो।
मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥
दर्शन दो ... दर्शन दो ... दर्शन दो ...
मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥

आदिशक्ति हे निर्मल माता, सहजन की तुम भागय विधाता।
गणेश रूप में बेठी मूलाधार, निर्मल दर्शन दो ॥
दर्शन दो ... दर्शन दो ... दर्शन दो ...
मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥

Scanned by CamScanner

निर्विचार जो हो जायेगा ...4, निर्मल माता को पा जायेगा ...2
तेरा जीवन संवर जायेगा ...2, ध्यान करने से तर जायेगा ...2

चैतन्य मयी हैं श्री माँ ...4, चैतन्य से भर जायेगा ...2
तेरा जीवन संवर जायेगा ...2, ध्यान करने से तर जायेगा ...2

आदिशक्ति का ध्यान तू कर ...4, तुझे मोक्ष भी मिल जायेगा ...2
तेरा जीवन संवर जायेगा ...2, ध्यान करने से तर जायेगा ...2
निर्मल कहने से तर जायेगा ..., तेरा जीवन संवर जायेगा ...2,

दूर होंगें सारे कष्ट, होगें सारे काम

दूर होंगें सारे कष्ट, होगें सारे काम ...2,
प्रेम मुदित मन से ले ...2, माँ निर्मल का नाम ...2,
दूर होंगें सारे कष्ट, होगें सारे काम, होगें सारे काम ...,

माता महिमा श्री ने कहा है, माँ आदि और अंति माँ हैं ...2,
माता तेरे चरणों में है, मेरे चारों धाम ...2,
प्रेम मुदित मन से ले ...2, माँ निर्मल का नाम ...2,
दूर होंगें सारे कष्ट, होगें सारे काम, होगें सारे काम ...,

माता तेरा नाम है प्यारा, सहजियों को तेरा सहारा ...2,
छट जायें सब गम के बादल, हो जाय सब काम ...2,
प्रेम मुदित मन से ले ...2, माँ निर्मल का नाम ...2,
दूर होंगें सारे कष्ट, होगें सारे काम, होगें सारे काम ...,

कुण्डलिनी को जागृत कर दे, मन की इच्छा पूरी कर दे ...2,
प्रेमानन्द से जीवन को माँ, कर दे मंगल धाम ...2,
प्रेम मुदित मन से ले ...2, माँ निर्मल का नाम ...2,
दूर होंगें सारे कष्ट, होगें सारे काम ...2,
प्रेम मुदित मन से ले ...2, माँ निर्मल का नाम ...2,
दूर होंगें सारे कष्ट, होगें सारे काम, होगें सारे काम ...,

ऐ मन गुरू शरण में रहियो

ऐ मन गुरू शरण में रहियो, रहियो ..., ऐ मन माँ की शरण में रहियो ...,
हर पल निर्मल निर्मल कहियो ...2, ऐ मन गुरू ...2, ऐ मन माँ ...2, ऐ मन

गुरू हमारी आदि शक्ति ...2, कर ले ऐ मन इनकी भक्ति ...2,
इनके ही गुण गईयो ...2, ऐ मन गुरू ...2, ऐ मन माँ ...2, ऐ मन

गुरू होत है ज्ञान की पूँजी ...2, मोक्ष द्वार की है वो कुँजी ...2,
चरणन पकड़ खुल वईयो ...2, ऐ मन गुरू ...2, ऐ मन माँ ...2, ऐ मन

गुरू हमारी प्रेम का सागर ...2, भर ले बन्दे अपनी गागर ...2,
आनन्द में ही रहियो ...2, ऐ मन गुरू ...2, ऐ मन माँ ...2, ऐ मन

गुरू होत है नाथ अनाथा ...2, इन चरणों में रख दे माथा ...2,
आशीष इनका पईयो ...2, ऐ मन गुरू ...2, ऐ मन माँ ...2, ऐ मन

करदे कश्ती माँ के हवाले ...2, श्वांस श्वांस माँ आप संभाले ...2,
इनकी कृपा तर जइयो ...2, ऐ मन गुरू ...2, ऐ मन माँ ...2, ऐ मन

कर ले विनती माँ निर्मल से ...2, काट के बन्धन सब जीवों से ...2,
निर्मल का वर पईयो ...2, ऐ मन गुरू ..., ऐ मन माँ ...2, हर पल ...,

ऐ मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में

ऐ मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में ...4,

अष्ट सिद्धी नव निधी की है दात्री ...2, दीनों के बिगड़े काज बनाती ...2,
अष्ट सिद्धी नव निधी की है दात्री, दीनों के बिगड़े काज बनाती,
सारा झुकता जय हो, "सारा झुकता जमाना रे, निर्मल माँ के चरणों में ...2,
मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में ...,

सहजयोग में जो भी आते ...2, उनके दुखः निकट नहीं आते ...2,
सहजयोग में जो भी आते, उनके दुखः निकट नहीं आते,
सभी ध्यान जय हो, "सभी ध्यान लगाना रे, निर्मल माँ के चरणों में ...2,
मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में ...,

कलियुग में अवतार है माँ का ...2, जीवन देना काम है माँ का ...2,

Scanned by CamScanner

कलियुग में अवतार है माँ का, जीवन देना काम है माँ का,
मेरी विनती जय हो, "मेरी विनती सुनाना रे, निर्मल माँ के चरणों में ...2,
मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में ...,

कुण्डलिनी निर्मल है माता ...2, सहस्त्रार की निर्मल दाता ...2,
कुण्डलिनी निर्मल है माता, सहस्त्रार निर्मल दाता,
सारा झुकता, जय हो,"सारा झुकता जमाना रे, निर्मल माँ के चरणों में ...2,
हे माँ, हे माँ, हे माँ, बोलो रे, हे माँ, हे माँ, हे माँ, हे माँ,
मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में ...3,

ऐसा दो हमें ज्ञान रहे तेरे चरणों में ध्यान

ऐसा दो हमें ज्ञान, रहे तेरे चरणों में ध्यान, मात निर्मला देवी ...4,
शक्ति गम्या माताजी, भक्ति ज्ञान सिखा देना ...2,
मात मेरी निर्मला देवी, निर्मल धर्म सिखा देना ...2,
हमें,"अपनी शरण में ले लो माता...2, दास खड़े अज्ञान, मात...,ऐसा दो...

गुरू मूर्ति आदि शक्ति, रक्षाकारी माता जी ...2,
मैं बालक हूँ तेरा माता, आप हैं मेरी विधाता जी ...2,
तुम,"सारे विश्व की ज्ञाता माता...2, देना हमको ज्ञान, मात..., ऐसा दो...,

मानव को तारण के खातिर, कलयुग में अवतार लिया ...2,
वेद शास्त्र सब बता दिये, कुण्डलिनी को जगा दिया ...2,
तूने,"दिया सहारा सभी को माता...2,निर्धन या धनवान,मात..., ऐसा दो...

माँ जगदम्बा एकाकिनी, महामाया माँ सुखप्रदा ...2,
चैतन्य लहरी भर दो मुझमें, हे मेरी माता वरदा ...2,
मैं,"आप बिना क्या कर सकता...2,दे दो भक्ति का ज्ञान,मात ...,ऐसा दो ...,

ऐसा वरदान दे दो हमें माँ

ऐसा वरदान दे दो हमें माँ, सुख में उछलें ना हम दुखः में डोलें ...2,
अपने अन्दर ही खुद झाँक कर हम, गलतियाँ अपनी खुद ही टटोलें ...2,
ऐसा वरदान दे दो हमें माँ, सुख में उछलें ना हम दुखः में डोलें ...2,

हो सके तो करें हम भलाई ...2, हर बुराई से बचते रहें हम ...2,

नेक राहों में आये जो मुसीबत, हँसते हँसते ही उसको सहें हम ...2,
हर बेगाने को कर ले जो अपना ...2, मधुर वाणी हमेशा ही बोलें ...2,
अपने अन्दर ही खुद झाँक कर हम, गलतियाँ अपनी खुद ही टटोलें ...2,
ऐसा वरदान दे दो हमें माँ, सुख में उछलें ना हम दुखः में डोलें ...,

हमको कुन्दन बना दो श्री माँ जी ...2, लाख चाहे पड़े क्यूँ ना तपना ...2,
कुछ भुगतान हो जाये पिछला, "कुछ अगला सँवर जाये अपना ...2,
तेरी करूणा की गंगा में निर्मल ...2, काले करमों की हम मैल धोलें ...2,
अपने अन्दर ही खुद झाँक कर हम, गलतियाँ अपनी खुद ही टटोलें ...2,
ऐसा वरदान दे दो हमें माँ, सुख में उछलें ना हम दुखः में डोलें ...,

तेरी इच्छा बिना कुछ ना होता ...2, तेरे हाथों में सृष्टि की डोरी ...2,
तुझसे क्या श्री माँ रखें छुपाके, " तुझसे किस बात की फिर है चोरी ...2,
किस पटारी में क्या है तू जाने ...2, इसको खोलें कि या हम ना खोलें ...2,
अपने अन्दर ही खुद झाँक कर हम, गलतियाँ अपनी खुद ही टटोलें ...2,
ऐसा वरदान दे दो हमें माँ, सुख में उछलें । हम दुखः में डोलें ...2,

अपने अन्दर ही खुद झाँक कर हम, गलतियाँ अपनी खुद ही टटोलें ...2,
ऐसा वरदान दे दो हमें माँ, सुख में उछलें ना हम दुखः में डोलें ...2,
अपने अन्दर ही खुद झाँक कर हम, गलतियाँ अपनी खुद ही टटोलें ...2,
ऐसा वरदान दे दो हमें माँ ...4,

इक बार माँ के द्वार पर सर झुका के देख

इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,
सब भाग दौड़ छोड़ दे ...2, मन को लगा के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

मन्दिर या मस्ज़िदों में अब, मिलती नहीं है माँ ...2,
अपने ही दिल में ढूंढ़ ले ...2, दीपक जला के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

तंग आ चुका है तू अगर, सुबह शाम शोर से ...2,

Scanned by CamScanner

चुपचाप मौन भाव से ...2, नजदीक आ के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

माँ मुक्त कर दे पाप से, त्रिताप से हमें ...2,
मन बुद्धि माँ को सौंप कर ...2, विश्वास ला के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

फल फूल भाव जो भी दे, स्वीकार है उन्हे ...2,
श्रृद्धा से प्रेम भाव से ...2, कुछ भी चढ़ा के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

दो दिन में साथ छोड़ दें, ऐसी नहीं है माँ ...2,
हाथों में हाथ दे अरे ...2, साथी बना के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

प्यारे समय को मत गँवा, माँ की शरण में आ ...2,
माँ की दया को देख फिर ...2, माँ की कृपा को देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,
सब भाग दौड़ छोड़ दे ...2, मन को लगा के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के

एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,
धरम के नाम पे मत उन्हें लूटो ...2, मिथ्या भरम में ड़ाल के
एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,

सब एक ही प्रभू के अंग हैं, सबमें समाई उसकी खुशबू,
सबमें उसी के रंग हैं, सब एक ही प्रभू के अंग हैं,
सब फूलों से प्यार करे वो SS ...2, सबको रखे सम्भाल के,
एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,

यहाँ फैली हुई हैं कुरीतियाँ, धर्म ज्ञान व्यवसाय बनाके,
करते लोग अनीतियाँ, वो यहाँ फैली हुई हैं कुरीतियाँ,
प्रभू के पन्थ से भटकाते हैं ...2, अपने पन्थ निकाल के,

एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,

मत दोष लगाओ धर्म को, स्वयं को जाँचो स्वयं को परखो,
परखों अपने कर्म को, मत दोष लगाओ धर्म को,
श्री माता जी से अनुभव लो ...2, सहज का अमृत डाल के,
एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,

जब स्वयं से लौ लग जायेगी, ज्ञान की जोत अखंड जलेगी,
कुण्डलिनी जग जायेगी, जब स्वयं से लौ लग जायेगी,
अपने घट में दर्शन होगें ...2, परमेश्वर प्रतिपाल के,
एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,
धरम के नाम पे मत उन्हें लूटो ...2, कृपा भरम में डाल के
एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,

फागुन के दिन चार रे

फागुन के दिन चार रे ... होरी खेल मना ...3

बिन करताल पखावज बाजे ...2, अनहद की झँकार
रे ...SS होरी खेल मना ..., फागुन के दिन चार रे ...2

बिन स्वर राग छतीसों गावे ...2, रोम रोम झंकार
रे ...SS होरी खेल मना ...2, फागुन के दिन चार रे ...2

शील संतोष की केसर घोली ...2, प्रेम प्रीत पिचकार
रे ...SS होरी खेल मना ..., फागुन के दिन चार रे ...2

उड़त गुलाल लाल भयो अम्बर ...2, दीखत ज्योति अपार
रे ...SS होरी खेल मना ..., फागुन के दिन चार रे ...2

घट के सब पट खोल दिये हैं ...2, श्री माँ रही निहार
रे ...SS होरी खेल मना ...2, फागुन के दिन चार रे ...2

सहजी घर में फाग मच्यो है ...2, बार बार बलिहार
रे ...SS होरी खेल मना ..., फागुन के दिन चार रे ...2

Scanned by CamScanner

गा मेरे मन श्री माँ के भजन

गा मेरे मन श्री माँ के भजन ...2, हो जा मगन तू हो जा मगन ...
सागर में डूब साक्षी स्वरूप ...2, लहरों को छू, पर साहिल ना बन ...
गा मेरे मन श्री माँ के भजन ...2, हो जा मगन तू हो जा मगन ...2,

माँ से सहज साक्षात्कार माँग ...2, सत्य समझ, झूठा अहंकार भगा ...2
तू सहजी बन, महायोगी बन ...2, माँ निर्मला को कोटि नमन ...2
गा मेरे मन श्री माँ के भजन ...2, हो जा मगन तू हो जा मगन ...2,

करले मेरे मन तू जन जन से प्यार ...2, बहती निरन्तर चैतन्य धार ...2
श्रृद्धा बढ़े, भक्ति बढ़े ...2, होता है जब माँ से अन्तर मिलन ...2
गा मेरे मन श्री माँ के भजन ...2, हो जा मगन तू हो जा मगन ...2,

प्रभू शक्ति का तू आह्वान कर ...2, परा शक्ति का तू नित ध्यान कर ...2
चिन्ता हरण, हे मंगल करण ...2, भव तारण है श्री माँ के चरण ...2
गा मेरे मन श्री माँ के भजन ...2, हो जा मगन तू हो जा मगन ...2,

गणेश प्रथम स्मरणम्

प्रणम्य शिरसा देवं, गौरी पुत्र विनायकम् ...2,
भक्ता वासं स्मरे नित्यमायुष्कामार्थ सिद्धये, प्रणम्य शिरसा देवं, गौरी ...

प्रथमं वक्रतुण्डं च, एकदतं द्वितीयकम् ...2,
तृतीय कृष्णपिड्गक्षं, गजवक्त्रमं चतुर्थकम्, प्रणम्य शिरसा ...

लम्बोदरम् पंचमं च, षष्ठमं विकटमेव च. ...2,
सप्तमं विध्न राजेन्द्रं, धूम्र वर्णम् तथाष्टकम्, प्रणम्य शिरसा देवं, गौरी ...

नवम् भाल चन्द्रं च, दशमं तू विनायकम् ...2,
एकादशम् गणपतिम्, द्वादशं तू गजाननम्, प्रणम्य शिरसा ...

गणपति बप्पा हर लो सहजी की पीर

गणपति बप्पा हर लो ...2, सहजी की पीर,
हर बरस आयेंगें हम ... सागर के तीर,

प्रथम करे जो गणपति वंदन ...2, हो दुखः दूर छूटे बन्धन ...2,
चरणों में आये तेरे ओ ...SS चरणों में आये तेरे
हरो जग की पीर ..., हर बरस आयेंगें हम ... सागर के तीर,
गणपति बप्पा हर लो ...2, सहजी की पीर,

अष्टविनायक मंगल दाता ...2, बन्धु सखा भाई तुम सुख दाता ...2
गज का है शीश सोहे ओ ...SS गज का है शीश सोहे
हो परमवीर, हर बरस आयेंगें हम ... सागर के तीर,
गणपति बप्पा हर लो ...2, सहजी की पीर,

सुन्दर पावन नाम तुम्हारा ...2,
सा रे ग, सा रे, सानि सा सा निध निनि धप धमप ग म रे रे ग सा रे नि
नि सा रे ग म प ध प म प ग म धनि
सारे गरे सारे नि सारे सा प नि सा म धनि म प ध प

सुन्दर पावन नाम तिम्हारा ...2, गणपति पुले में है स्थान तुम्हारा ...2,
लाल वहाँ की मिट्टी ...SS, लाल वहाँ की मिट्टी, जैसे अबीर,
हर बरस आयेंगें हम ... सागर के तीर,
गणपति बप्पा हर लो ...2, सहजी की पीर,

गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम

गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम ...2,
दीन मैं, तुम हो ... दयालु ...2, दाता कृपा निधान तुम ..., गणपति
मुझ दीन की विनती करो परवान तुम ...

ब्रह्मा विष्णु और सदाशिव अर्चना करते तेरी ...2,
ज्ञान का प्रकाश भर दो, हम गायें महिमा तेरी ...2,
क्या कमी उसको है रहती ...2, जिस पे हो दयावान तुम ...

Scanned by CamScanner

गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम ...2, दीन मैं तुम हो ...2,

स्नेह मयी माँ के हो प्यारे, निर्मल माँ के लाल हो ...2,
शीश गजानन मूषक वाहन, भक्तों के प्रतिपाल हो ...2,
नत मस्तक हो तुम्हें पुकारें ...2, हो बुद्धि की खान तुम
गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम ...2, दीन मैं तुम हो ...2,

मूलाधार में तुम हो विराजे, करो कृपा तुम आन कर ...2,
अपने गुण हम सबमें भर दो, अपना बालक जानकर ...2,
महका दो मन का बगीचा ...2, निर्मल माँ के लाल तुम
गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम ...2, दीन मैं तुम हो ...2,

गणपति राखो मोरी लाज पूरण किजीयो हमरे काज

"गणपति राखो मोरी लाज ...2, पूरण किजीयो हमरे काज ...2,"...2,

सदा रहे खुशहाल गणपति लाल ..., "जो प्रथमे तुम्हें ध्याये ...2,
रिद्धि सिद्धि के दाता, ओ भाग्य विधाता ..., "वो तुझसे सब कुछ पाये ...2,
विनती सुनलो, मोरी आज ...2, पूरण कीजियो, हमरे काज ...2,
गणपति राखो मोरी लाज ...2, पूरण कीजियो, हमरे काज ...

मूरख को दे ज्ञान, सभा में मान ..., "हो निर्बल भी बलशाली ...2,
निर्मल माँ के प्यारे, जगत से न्यारे ..., "है तुमरी शान निराली ...2,
तीनों लोक में तुमरा राज ...2, विनती सुनलो, मोरी आज ...,
गणपति राखो मोरी लाज ...2, पूरण कीजियों हमरे काज ...

जिसके सिर पे हाथ, तेरा हो नाथ ..., " तो उसको डर कैसा ...2,
ध्याये जो तेरा नाम, सुबह और शाम ..., " तो उसका मान बढ़ाता ...2,
सब देवों के तुम सरताज ...2, पूरण कीजियो हमरे काज ...,
गणपति राखो मोरी लाज ...2, पूरण कीजियो हमरे काज ...
"गणपति राखो मोरी लाज ...2, पूरण कीजियो हमरे काज ...2," ...2,

गौरां जी के नन्दन श्री गणेश

"गौरां जी के नन्दन श्री गणेश को प्रणाम कीजिये ...,
निर्मल माँ के बेटे का नाम लीजिये ...2, गौरां जी के नन्दन ...

पुतला बनाया गौरां, चैतन्य समेट के ...2,
पुतले में प्राण भरे, दिव्य शक्ति से ...2,
करना स्नान है, तू निगेहबान है ...2,
अन्दर ना आये कोई, इन्कार कीजिये ...,
गौरां जी के नन्दन श्री गणेश को प्रणाम कीजिये ...,
निर्मल माँ के बेटे का नाम लीजिये ..., गौरां जी के नन्दन ...

भोला भंडारी आये, दूर से ध्यान लगाये ...2,
कौन है तू नन्हा बच्चा, किस कारण यहाँ पे आये ...2,
अन्दर न जाने दिया, बालक इन्कार किया ...2,
मार त्रिशूल भोले, शीश को उतार दिया ...2,
आई गौरां महारानी, आँखों में छाया पानी ...2,
बालक को जीवित कर दो, होगी बड़ी मेहरबानी ...2,
जंगल में जाये के, गज शीश लाये के ...2,
उठो गजराज, अमृत जल पीजिये ...,
गौरां जी के नन्दन श्री गणेश को प्रणाम कीजिये ...,
निर्मल माँ के बेटे का नाम लीजिये ..., गौरां जी के नन्दन ...

जो भी ध्यावे पहले, गणपत गणेश को ...2,
सभी दुखः दूर करे, काटे कलेश को ...2,
सुत महेश है, नाम गणेश है ...2, श्री माँ के लाड़ले का, नित नाम लीजिये ...,
गौरां जी के नन्दन श्री गणेश को प्रणाम कीजिये ...,
निर्मल माँ के बेटे का नाम लीजिये ..., गौरां जी के नन्दन ...

गोकुल में बजत बधाई

गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...,

मात जसोदा बलि बलि जाये ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...2,

Scanned by CamScanner

प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ..., गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई...,

द्वारे भीड़ गोप गोपीयन की ...2,
रत्न भूमि जब छाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ..., गोकुल में बज बधाई, ऐ री माई...,

नाचत वृद्ध तरूण अरू बालक ...2,
रत्न भूमि सब धाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ...,गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई ...,

झाँझर मृदंग, मजीरा बाजे ...2,
और बाजत शहनाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ...,गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई ...,

अति आनन्द होत गोकुल में ...2,
महिमा वर्णित न जाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ...,गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई ...,

सूरदास स्वामी सुख सागर ...2,
सुन्दर श्याम कन्हाई, ऐ री माई मैं सुनके आई....2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ..., गोकुल में जित बधाई, ऐ री माई ...,

मात जसोदा बलि बलि जाये ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ..., गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई ...

गुल से तेरे चेहरे पे

गुल से तेरे चेहरे पे ..., गुल से तेरे चेहरे पे, झलके है वो नूरानी,
वजूदे खुदाई की है, जो रूबरू कहानी, इक वक्त से सींचा था ...,
इक वक्त से सींचा था, जिस ताकते ने हमको,
जाना है तेरे कदमों से बहता है वही पानी, गुल से तेरे चेहरे पे ...,

नज़रें हैं तेरी निर्मल, "हो जाये बयाँ कैसे ...2,
शबनम सी तेरी फितरत, " हो जाये बयाँ कैसे ...2,
नज़रें हैं तेरी निर्मल, हो जाये बयाँ कैसे ...,

शबनम सी तेरी फितरत, हो जाये बयाँ कैसे ...2,
हो जाये बयाँ कैसे ..., करता बयाँ लब्ज जो ...,
करता बयाँ लब्ज़ जो, लगता है वो बेमानी,
वजूदे खुदाई की है जो रूबरू कहानी, गुल से तेरे चेहरे पे ...,

तेरे कदमों की आहट पे, " झुकते हैं जहाँ दोनों ...2,
तेरे साँसों की संदल से, " महके हैं जहाँ दोनों ...2,
तेरे कदमों की आहट पे, झुकते हैं जहाँ दोनों ...2,
तेरे साँस की संदल से, महके हैं जहाँ दोनों ...2,
तेरे प्यार के नगमों पे, "झूमे हैं जहाँ दोनों ...2,
बहती हरेक दस्त से ...2, है रोशनी रूहानी,
वजूदे खुदाई की है जो रूबरू कहानी, गुल से तेरे चेहरे पे ...,

आँचल की तेरी खुशबू, "हर बागे बहारां में ...2,
आँखों की तेरी शोखी, "हर फूले नजारां में ...2,
आँचल की तेरी खुशबू, हर बागे बहारां में ...,
आँखों की तेरी शोखी, हर फूले नजारां में ...2,
हर फूले नजारां में ..., माता तेरी तब्बजो ...,
माता तेरी तव्वजो, दे साँसें इन्सानी,
वजूदे खुदाई की है जो रूबरू कहानी, गुल से तेरे चेहरे पे ...,

गुल से तेरे चेहरे पे, झलके है वो नूरानी,
वजूदे खुदाई की है जो रूबरू कहानी, इक वक्त से सींचा था ...,
इक वक्त से सींचा था, जिस ताकत ने हमको,
जाना है तेरे कदमों से बहता है वही पानी, गुल से तेरे चेहरे पे ...,

गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में

गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में ...2
हो रही जय जयकार श्री माँ जी के भवन में ...2
गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में ...2

माँ का ध्यान करे मन निर्मल ...2, निर्मल भक्ति है पुण्यों का फल ...2,
करती है ... करती है ..., "करती है श्री माँ निवास ओ SS

Scanned by CamScanner

अपने बच्चों के मन में " ...2, गूँजे सदा जयकार श्री माँ के ...

संकट से माँ सदा उबारे ...2, दर्शन देकर भाग्य संवारे ...2,
श्री माँ जी की ... श्री माँ जी की ...2 "श्री माँ जी की महिमा अपार
हो हम गाऐं सब मिलकर" ...2, गूँजे सदा जयकार श्री माँ के ...2

कुण्डलिनी आदिशक्ति माँ ...2, सहज दायिनी पराशक्ति माँ ...2,
करती है ... करती है ... " करती है भव से पार
चलो माँ की शरण में" ...2, गूँजे सदा जयकार श्री माँ के ...2

सुख कर्ता, दुखः हर्ता माता ...2, आदि अन्त की माँ निर्माता ...2,
कलयुग में ... कलयुग में ... हो " कलयुग में अवतार
है जग आया चरण में" ...2, गूँजे सदा जयकार श्री माँ के ...2

हो रही जय जयकार श्री माँ जी के भवन में ...2,
"जय जय माँ ...3, जय माँ" ...5
गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में ...2
हो रही जय जयकार श्री माँ जी के भवन में ...2
गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में ...

गुरु माऊली तू निर्मल मनाची

गुरु माऊली तू निर्मल मनाची ..., गुरु कृपा जशी दयासागराची ...2,
सहज तुझी क्रातिंए तुझी भव्य मूर्ति ...,भक्तांची कैवारी अशी तुझी किर्ती ...
तुझ्या लेकरांना धर्म झाले तुझी कृति ...2,समर्पणाच्या निर्गुणात दिसे तुझी आकृति
तुझे नाम मंत्र मुखी तुझे गायन ...2, निरपेक्ष भक्ति चरणी अप्रण ...
समूल जागृति इच्छा लेकराची ...2, तुझ्या ठायी देखिली शक्ति ईश्वराची ...

गुरुओं की गुरु तारों में गुरु मेरी हे कल्याणी मात

"गुरुओं की गुरु, तारों में ध्रुव, मेरी है कल्याणी मात,
तुझको नमन करें दिन रात" ...2,

गुरुनानक या कहें मोहम्मद, इसी रूप में पाती हो ...2,
आदिगुरु दत्तात्रेय जग में, माँ जीसस कहलाती हो ...2,

हे जग भर्ता, पालन कर्ता, और कर्ता दीनानाथ ...,
तुझको नमन करें दिन रात, गुरुओ की गुरु, तारों में ध्रुव,
मेरी हे कल्याणी मात, तुझको नमन करें दिन रात ...

आत्मज्ञान का बोध करा, हमें गुरु स्वयं का बना दिया ...2,
गुरु तत्व हीरा जीवन का, गुरु आपने जना दिया ...2,
हे जनम नया, अन्धकार गया, हुआ जीवन में प्रभात ...,
तुझको नमन करें दिन रात, गुरुओं की गुरु, तारों में ध्रुव,
मेरी हे कल्याणी मात, तुझको नमन करें दिन रात ...

जग तारण को गुरु रूप में, गोविन्द आप पधारे हैं ...2,
सहज योग से ध्यान कराके, कितने पार उतारे हैं ...2,
हे हर्षित मन, बहा सुख चैतन्य, थी हमको जिसकी चाह ...,
तुझको नमन करें दिन रात..2, गुरुओं की गुरु, तारों में ध्रुव,
मेरी हे कल्याणी मात, तुझको नमन करें दिन रात ...

जगत गुरु हे जननी माँ, तेरे पूजन को बेताब हुये ...2,
क्षमा की देवी, देख तुझे ये नयन आबरु आप हुये ...2,
हे मन में मगन, मिला सहज का जल, की श्री माँ ने बरसात ...,
तुझको नमन करें दिन रात..2, गुरुओं की गुरु, तारों में ध्रुव,
मेरी हे कल्याणी मात, तुझको नमन करें दिन रात ...

हम हैं बिटवा तुहार माँजी

हम हैं बिटवा तुहार माँजी बिटवा तुहार ...2
बहुत दिननके भूले भटके, दे दो हमको प्यार ...2
हम है बिटवा तुहार माँजी बिटवा तुहार ...2

नैनवा में निर्मल माता, मात को बिठाइके
नैनवा में आ आ ssssss री नैनवा
नैनवा में निर्मल माता, मात को बिठाइके

दर्शनों को प्यासे आये तोहरे ललन मैया ...2
पार करो अम्मा, हमरी जीवन की नैया ...2
हमको भी दे दो माँजी हो ओ .... ओ ....

Scanned by CamScanner

हमको भी दे दो माँजी, अपना दुलार
हम हैं बिटवा तुहार माँजी बिटवा तुहार ...2

भूल जो भी हुई अम्मा, माफ हमका कर दे

हे ! मा ssss री माँ ssss
भूल जो भी हुई अम्मा, माफ हमका कर दे
जीवन ये अर्पण तुमका, जो चाहे माँ कर दे ...2
आस मेरी टूटे नहीं हो ssss विनती ये ही हमार।
हम हैं बिटवा तुहार माँजी बिटवा तुहार ...2

बहुत दिननके भूले भटके, दे दो हमको प्यार ...2
हम हैं बिटवा तुहार माँजी बिटवा तुहार ...2

हमें मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने

हमें मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने ...3,
माँ के चरणों में होये, होये माँ के चरणों में जाये बलिहार ...,
दुनिया क्या जाने, मुझे मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने ...

तन भी है माँ का, मन भी माँ का, रोम रोम में गुँजन माँ का ...2,
मेरी मैया का सब संसार, दुनिया क्या जाने ...2
हमें मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने ...,

निर्मल माँ से हैत लगाया, जीवन अपना सफल बनाया ...2,
किये भव सागर से पार, दुनिया क्या जाने ...2,
हमें मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने ...,

कुण्डलिनी शक्ति महामाया, आत्मज्ञान का दीप जलाया ...2,
माँ कलियुग की अवतार, दुनिया क्या जाने ...2,
हमें मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने ...,

दो दिन की जिन्दगी है तेरी, छोड़ दे बन्दे मेरा मेरी ...2,
फिर होवेगा अधँकार, दुनिया क्या जाने ...2,
मुझे मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने ...,

माँ के चरणों में जाऊँ बलिहार, दुनिया क्या जाने ...2,
हमें मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने ...,

हमरे जीवन में आई बहार माता रानी तेरे हैं उपकार

हमरे जीवन में, हमरे जीवन में आई बहार ...2,माता रानी तेरे हैं उपकार ...,
जन्मों जन्मों की, जन्मों जन्मों की सुन ली पुकार, शेरां वाली तू अपरम्पार...2,
हमरे जीवन में आई बहार ., माता रानी तेरे हैं उपकार ., शेरां वाली .....

तू है सीता श्री राम जी का प्यार, तू है राधा श्री कृष्ण आधार ...2,
तू है येशु की मैया अपार, तू है गंगा तू शिव जी का सार ...2,
तू है दुर्गा माँ, तू है दुर्गा तेरे रूप हजार, सारे दुष्टों का करे तू संहार ...,
हमरे जीवन में आई बहार ., माता रानी तेरे हैं उपकार ., शेरां वाली .....

तेरी शक्ति दे जीवन सुधार, तेरी भक्ति से नैया हो पार ...2,
हमरा कण कण है तुझपे निसार, तेरी महिमा को गाये संसार ...2,
तेरी रचना माँ, तेरी रचना दे सृष्टि निखार, तू विराजे है माँ सहस्त्रार ...,
हमरे जीवन में हमरे जीवन में आई बहार ., माता रानी तेरे हैं उपकार ...,
जन्मों जन्मों की जन्मों जन्मों की सुन ली पुकार, शेरां वाली तू अपरम्पार ...2,
हमरे जीवन में आई बहार ., माता रानी तेरे हैं उपकार ., शेरां वाली .....

हर देश में तू हर वेश में तू

हर देश में तू, हर वेश में तू ...2, तेरे नाम अनेक तू एक ही है ...2
हर देश में तू, हर वेश में तू ...2, तेरे नाम अनेक तू एक ही है ...

सागर से उठा बादल बनकर, बादल से बहा है जल बनकर ...2
फिर नहर बनी नदिया गहरी ...2, तेरे भिन्न स्वरूप तू एक ही है ...2
हर देश में तू, हर वेश में तू ..., तेरे नाम अनेक तू एक ही है ...

मिट्टी से अणु परमाणु बना, फिर दिव्य जगत का रूप लिया ...2
फिर पर्वत विश्व विशाल बना ...2, सौन्दर्य तेरा तू एक ही है ...2
हर देश में तू, हर वेश में तू ..., तेरे नाम अनेक तू एक ही ...

Scanned by CamScanner

वो दृश्य दिखाया है जिसने, ये है श्री माँ की पूर्ण कृपा ...2
तुकड्या कहे तू अब और ना दिखा ...2, ये मैं और तू सब एक ही है ...2
हर देश में तू, हर वेश में तू ...2, तेरे नाम अनेक तू एक ही है ...

हर पल हर क्षण गाते रहें हम माँ निर्मल के गीत

हर पल हर क्षण गाते रहें हम, माँ निर्मल के गीत ...,
माँ निर्मल ही माता पिता है, " माँ ही बन्धु मीत ...3, हर पल ...,

चित्त रहे श्री माँ चरणों में, हम करें कुछ भी काज ...2,
दो कर जोड़े, वर ये मांगें, माँ निर्मल से आज ...2,
भक्ति में मन गाता रहे, " सहज नवाकर शीश ...4,
हर पल हर क्षण गाते रहें हम, माँ निर्मल के गीत ..., माँ निर्मल ही ...

सहज मिले हमें आत्म बोध गर, माँ की हो अनुकम्पा ...2,
सत्य असत्य का भेद मिले जब, मिट जाये सब शंका ...2,
सहज संवारा जीवन अपना, "भँवर से लाये माँ खींच ...4,
हर पल हर क्षण गाते रहें हम, माँ निर्मल के गीत ..., माँ निर्मल ही ...,

प्रेम का सागर माँ निर्मल है, माँ है बहुत महान ...2,
सारे जगत में सबसे ऊँची, माँ निर्मल की शान ...2,
सारे जगत में सबसे गहरी, " माँ निर्मल से प्रीत ...4,
हर पल हर क्षण गाते रहें हम, माँ निर्मल के गीत ..., माँ निर्मल ही ...,

दर्शन पायें हर पल माँ का, मन में है अभिलाषा ...2,
पा के झलक जिनकी मन मेरा, झूम झूम के गाता ...2,
दे के झलक इस मन बगिया को, " जाती है माँ सींच ...4,
हर पल हर क्षण गाते रहें हम, माँ निर्मल के गीत ..., माँ निर्मल ही ...

हर पल विचारों में विचरती, आदि माँ वो आप हैं

"हर पल विचारों में विचरती, आदि माँ वो आप हैं...
अब यहाँ तो अब वहाँ, मुझे भासती ही आप हैं..." ...2
दूरियों में आप हैं...2, नजदीकियों में आप हैं...
मेरे हृदय में बैठ कर, मेरी खुद का नाप हैं..., "हर पल... ... भासती ही आप हैं...2

नन्हा सा कतरा बन नजारा...2, कर रहा हूँ आपका...
कतरे की मै है मिट गयी, बस आप ही आप हैं..., " हर पल आप हैं...2,
ना रही बुलबुल, ना रहा...2, है वो कफस का शोरगुल...
लख्ते जिगर रोशन हुआ, वो रोशनी आप ही हैं..., "हर पल... ... ही आप हैं...2,

हर साँस में हो सुमिरन तेरा

हर साँस में हो सुमिरन तेरा ...2, यूँ बीत जाये जीवन मेरा ...2
तेरी पूजा तेरी सेवा साँझ सवेरा ..., हर साँस में हो सुमिरन तेरा ...2

तेरे मन को प्यारा है, वो मेरे मन को प्यारा है ...2,
जो तेरे सर का ताज, मेरी अँखियों का तारा है ...2
मिट जाये भेद ये तेरा मेरा ...2,
यूँ बीत जाये जीवन मेरा ...2, तेरी पूजा तेरी सेवा साँझ सवेरा ...

नैनों की खिड़की से हरदम तुझको निहारूँ ...2,
हृदय में बिठाऊँ तेरी आरती उतारूँ ...2, देखा करूँ मैं तेरा रूप सुनहरा ...2
यूँ बीत जाये जीवन मेरा ...2, तेरी पूजा तेरी सेवा साँझ सवेरा ...

निर्मल माँ मैं तेरे दर पे काटूं जिन्दगानी ...2,
हे माँ कर दो मुझपे अपनी इतनी मेहरबानी ...2,
डाले रहूँ मैं तेरे चरणों में डेरा ...2,
यूँ बीत जाये जीवन मेरा ...2, तेरी पूजा तेरी सेवा साँझ सवेरा ...

तेरी पूजा तेरी सेवा साँझ सवेरा ..., हर साँस में हो सुमिरन तेरा ...2,
यूँ बीत जाये जीवन मेरा ...2, तेरी पूजा तेरी सेवा साँझ सवेरा ...

हे भवानी भगवती माँ तुझ नमो तुझ नमो

हे भवानी भगवती माँ, तुझ नमो तुझ नमो ...2,
हे दयानि आदि शक्ति माँ, तुझ नमो तुझ नमो ...2,

हे जगदानन्द कारिणी, हे भव भय भंजन हारिणी ...2,
तुझ नमो तुझ नमो ..., हे भवानी भगवती...,हे दयानी आदि शक्ति माँ...

Scanned by CamScanner

हे आदिशक्ति माँ ब्रह्मस्वरूपा, हे अनुपमा हे माँ अनुपा ...2,
तुझ नमो तुझ नमो ..., हे भवानी भगवती ...,हे दयानी आदि शक्ति माँ...,
हे सान्द्रकरूणा हे माँ सुखप्रदा, हे मंगलकारिणी हे माँ वरदा ...2,
तुझ नमो तुझ नमो ...,हे भवानी भगवती...,हे दयानी आदि शक्ति माँ...2,

हे माँ दे भक्ति का दान

हे माँ दे भक्ति का दान, दे भक्ति का दान ...2
तेरा प्रेम ही वेद पुराणों का ज्ञान, वेद पुराणों का ज्ञान,
हे मा दे भक्ति का दान, दे भक्ति का दान ...

"सब की थी जो अभिलाषाएँ, कर दी पूरी वही धाराएँ,
चरणों में तेरे शीश नवाकर, हृदय से फूटी प्रार्थनाएँ," ...2
ब्रह्माण्ड की है तू ही जननी ...2, स्नेहमयी तू अनुपमा ...
हे माँ दे भक्ति का दान, दे भक्ति का दान ...

पूजा तेरी देती अमृत, इस धरती पर सब लोकों में ...2,
तेरी इच्छा से हे बहता, मधुरस बच्चों में पुष्पों में ...2,
तेरी कृपा से है ये अम्बर ...2, धरती बनी है तुझ से माँ ...
हे माँ दे भक्ति का दान, दे भक्ति का दान ...

"क्षमाशील तू, है वो झरना, ज्ञान की देवी माँ तू करूणा,
आदि अनादि तू ही भवानी, सहज दायिनी तू निर्मल माँ,
मोक्ष है मिलता तब चरणन् में ...2, करके केवल प्रार्थना ...
हे माँ दे भक्ति का दान, दे भक्ति का दान ...

हे माँ दे भक्ति का दान, दे भक्ति का दान ...
तेरा प्रेम ही वेद पुराणों का ज्ञान, वेद पुराणों का ज्ञान,
हे माँ दे भक्ति का दान, दे भक्ति का दान ...2

हे प्रभो तू ज्ञानरूपे

"हे प्रभो तू ज्ञानरूपे कल्पवृक्षा लाविले।
बहरल्य शाखात यांच्या चिन्तनी मन रंगले। ... विश्व हे सामावले" ...2

या पदासि आकलिली सूर्य चन्द्रा सी प्रभा ...2
भेदनी या ब्रह्मरंध्र "व्यापिले अवध्या नभा ...2
मंथूनिया सप्तसिन्धु गगन ते जे व्यापिले ...2 विश्व हे सामावले ॥

संस्कृति गंगौध वाहे त्या मध्ये अवगावूनी ...2
शोधण्या शिव - सप्तसुन्दर "दिव्य श्रृद्धा होऊनी ...2
चालले पथ साधनेचा गुरूपदा ते पावले ...2 विश्व हे सामावले ॥

ज्ञानरूपा हे विराटा अणु अणुत - तुल पाहु दे ...2
शक्ति युक्ति नम्रता दे " शील शुभ संकल्प दे ...2
आत्मज्ञाने निश्चये मन चेतनामय जाहले ....2 विश्व हे सामावले ॥

होरी खेलत आज सहजयोगी होली खेलत

होरी खेलत आज, सहजयोगी होली खेलत, हाँ होरी खेलत ...4,
उड़त गुलाल, चहुँ दिश छायो ...2, समझ पड़े न कोई ओरी ...,
होरी खेलत आज, सहजयोगी होली खेलत, हाँ होरी खेलत ...4,

ढ़प अनेक महा धुन बाजत ...2, गावत गीत दुहुन ओरी ...,
होरी खेलत आज, सहजयोगी होली खेलत, हाँ होरी खेलत ...4,

बाल गोपाल सहजी सब हर्षित ...2, डारत रंग कुम कुम ओरी ...,
होरी खेलत आज, सहजयोगी होली खेलत, हाँ होरी खेलत ...4,

सहजी कहे माँ तुम्हरे दरश की ...2, वरणी न जाये छवि ओरी ...,
होरी खेलत आज, सहजयोगी होली खेलत, हाँ होरी खेलत ...7,

हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है

हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है ...4
स्वर्ग से भी ऊँचा मैया, ओ ... स्वर्ग से भी ऊँचा तेरा इक द्वारा है
हमको तो ऽऽ जय हो जय हो, हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है ...

मंदिर मंदिर जा के मैनें अलख जगाई थी ...2,
करूण कहानी मैया सबको सुनाई थी ...3,
सबके दर से हार मैया ऽ ऽ ...2, ओ ऽ ऽ तुझको पुकारा है,

Scanned by CamScanner

हमको तो SS जय हो जय हो,"हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है...2,

निर्मल मैया तेरे बिना कोई ना संसार में ...2,
कहीं भी ना सुख मिला जो सुख तेरे प्यार में ...3,
हमको भी लगादो पार हो ओ ...2, लाखों को उबारा है
हमकों तो SS जय हो जय हो,"हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है...2,

तू ही गौरा तू ही अम्बे, सीता और सावित्री है ...2,
लक्ष्मी है सरस्वती गंगा और गायत्री है ...3,
साक्षात कुण्डलिनी ओ SS साक्षात कुण्डलिनी सत्य उजियारा है ...,
हमको तो SS जय हो जय हो,"हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है...2,

शब्द तेरे शास्त्र और धर्म का भंडार है ...2,
वाणी तेरी रामायण का और गीता का सार है ...3,
हर इक सहजयोगी मैया ओ SS हर सहजयोगी तेरी आँख का ही तारा है
हमको तो SS जय हो जय हो,"हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है...2

इक बार तू आकर देख ले निर्मल माता की शरण में

इक बार तू आकर देख ले, निर्मल माता की शरण में ...2,
कुण्डलिनी जगाकर देख ले ...2, निर्मल माँ के वन्दन में ..., इक बार ...

झूठे रिश्ते झूठी काया, झूठा जग झूठी मोह माया ...,
जितने जतन करे, सुख ना पाया, जीवन को इक बोझ बनाया ...,
खाली आवन जावन करके, जीवन काहे व्यर्थ गंवाया ...,
तुझको इसका ज्ञान नहीं है, क्या करना है क्या कर आया ...,
अज्ञान मिटाकर देख ले ...2, जो सुख चाहे जीवन में ...,
इक बार तू आकर देख ले, निर्मल माता की शरण में,

पाप किया या पुण्य किया है, लूटा है या दान दिया है ...,
दीन धर्म की बीन बजाकर, आडम्बर अभिमान किया है ...,
जिसने सबको क्षमा कराकर, औरों को क्षमा दान दिया है ...,
जीवन उसका सफल हो गया, माँ ने जिसे/उसे वरदान दिया है ...2,
दुनिया को भुलाकर देख ले ...2, बंध जा सम के बंधन में ...,

इक बार तू आकर देख ले, निर्मल माता की शरण में ...,

भूत काल मुड़कर नहीं आता, कोई भविष्य जान ना पाता ...,
वर्तमान को सुन्दर करले, वर्तमान है कल का दाता ...,
परम चैतन्य में बाँध के रख ले, तन मन वचन कर्म का नाता ...,
हो जाता है शांत सुखी वो, आत्म ज्ञान जिस को मिल जाता ...2,
जीवन का बनाकर के देख ले ...2, जीले हर पल नूतन में ...,
इक बार तू आकर देख ले, निर्मल माता की शरण में ...,

धर्म यही है ज्ञान यही है, गीता यही है कुरान यहीं है ...,
बाईबल की आन यही है, ग्रंथ साहिब का मान यही है ...,
आत्मज्ञान से हमको जानो, जीवन का कल्याण यही है ...,
सब अवतार हैं मानव तन में, सचमानो/पहचानो भगवान यही है ...2,
चैतन्य जगाकर देख ले ...2, निर्मल माँ हे कण कण में ...,
इक बार तू आकर देख ले, निर्मल माता की शरण में ...,
कुण्डलिनी जगाकर देख ले ...2, निर्मल माँ के वन्दन में...,
इक बार तू आकर देख ले, निर्मल माता की शरण में ...2,

एक गणपति एक ईसा दोनों ने आदि माँ को ध्याया

"एक गणपति एक ईसा ..., दोनों ने आदि माँ को ध्याया...,
अंतर क्या दोनों की शक्ति में बोलो ...2,
एक गौरी के दुलारे, एक राधा जी के प्यारे ...," ...3
गणपति तो हैं मूलाधारी, ईसा हैं विश्वाधारी ...2,
गणेश अबोधित की है सूरत ...2, ईसा क्षमा की मूरत ...,
एक बालक एक राजा, दोनों ने अहंकार को त्यागा ...,
अंतर क्या दोनों की कीर्ति में बोलो ...2,एक जागृति दिलाये,एक पार कराये ...2,
एक गौरी के दूलारे, एक राधा जी के प्यारे ...2,

नरक के द्वार खड़े लम्बोदर ..., मर्यादायें दिखाये ...2,
स्वर्ग के द्वार, बने खुद ईसा ...2, निर्मल हमको बनायें ...
एक शासक एक तारक, दोनों ही निर्मला माँ के बालक ...
अंतर क्या दोनों की तृप्ति में बोलो ...2,एक नर्क छुड़ाये, एक स्वर्ग दिलाये ...2,

Scanned by CamScanner

एक गौरी के दुलारे, एक राधा जी के प्यारे ...2,

गणपति ने अवतार लिया इक, ईसा में खुद को समाया ...2,
स्वर्ग का मार्ग सहज दर्शाया ...2, पुनर्रुत्थान दिलाया ...
एक आदि एक अंति, दोनों में है ओम् की शक्ति ...
अंतर क्या दोनों की भक्ति में बोलो, एक मातृ पुजारी, एक पितृ पुजारी ...
एक गौरी के दुलारे, एक राधा जी के प्यारे ...2,
"एक गणपति ...,दोनों ने ...,अंतर क्या ...,एक गौरी के दुलारे, एक राधाजी ...,

इतना प्यार करेगा कौन, जितना श्री माँ करते हैं

इतना प्यार करेगा कौन, जितना श्री माँ करते हैं ...2
जो भी माँ का ध्यान लगाये, जो भी माँ का ध्यान लगाये,
भक्ति माँ देते हैं, पार माँ करते हैं ...ss

कुण्डलिनी जागृत करते हैं, सोई शक्ति जगा देते हैं ...2
ब्रह्मरंध्र तब खुल जाता है, श्री माँ जब कृपा करते हैं ...2
ऐसे दुखः हरेगा कौन, जैसे श्री माँ हरते हैं ...2
जो भी माँ का ध्यान लगाये ...2, भक्ति माँ देते हैं, पार माँ करते हैं ...ss

सोये भाग जगाये माँ ने, बिगड़े काम बनाये माँ ने ...2
सारे जग की खुशियाँ दे दी, निर्मल माया कोई ना जाने ...2
इतना ध्यान रखेगा कौन, जितना श्री माँ रखते हैं ...2
जो भी माँ का ध्यान लगाये ...2, भक्ति माँ देते हैं, पार माँ करते हैं ...ss

निर्मल माँ ने हर सहजी को रंक से राजा बना दिया ...2
आत्मज्ञान सभी को देकर, सहजियों को पार किया है ...2
ऐसे पार करेगा कौन, जैसे श्री माँ करते हैं ...2
जो भी माँ का ध्यान लगाये ...2, भक्ति माँ देते हैं, पार माँ करते हैं ...ss

इतनी शक्ति हमें देना दाता

इतनी शक्ति हमें देना दाता ..., मन का विश्वास कमजोर हो ना ...2
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे ..., भूल कर भी कोई भूल हो ना ...2

इतनी शक्ति हमें देना दाता ...

दूर अज्ञान के हों अंधेरे ..., तू हमें ज्ञान की रोशनी दे ...2,
हर बुराई से बचते रहें हम ..., जितनी भी दे भली जिन्दगी दे ...
बैर हो ना किसी का किसी से ..., भावना मन में बदले की हो ना ...
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे ..., भूल कर भी कोई भूल हो ना ...2

हम ना सोचें, हमें क्या मिला है ..., हम ये सोचें किया क्या है अर्पण ...2,
फूल खुशियों के बाटें सभी को ..., सबका जीवन भी बन जाये मधुबन ...
अपनी करूणा का जल तू बहा कर ..., कर दे पावन हर एक मन का कोना...
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे ..., भूल कर भी कोई भूल हो ना ...

जब जब तुझको याद करूँ माँ तेरा दर्शन पाऊँ

जब जब तुझको याद करूँ माँ तेरा दर्शन पाऊँ ...2,
जब जब तेरा ध्यान धरूँ, माँ तेरा दर्शन पाऊँ ...2,
जब जब तेरे गुण को गाऊँ, तेरा दर्शन पाऊँ ...2,
जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ,
बोलो जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ ...2,

ना कोई है ऊचाँ, ना कोई है नीचा, प्यार से तूने" सारे जग को सींचा ...2,
भटका हुआ था ये जग सारा, निर्मल माँ ने दिखाई,"दुनिया को सच्ची दिशा...2,
निर्मल माँ का भजन सुनाकर सहजी को बहलाऊँ ...2,
जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ,
बोलो जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ ...2,

दुःख अैर दर्द को भूल गये हम, जबसे आये माँ " तेरे शरण में हम ...2,
सुख और प्रेम का पाठ पढ़ाया, जबसे सहजयोगी " हो गये हैं हम ...2,
निर्मल माँ का जपन कर, मैं जीवन को बिताऊँ ...2,
जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ,
बोलो जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ ...2,

इस धरती के कण कण में, माँ तेरा रूप ही सच्चा,

Scanned by CamScanner

इस संसार में, माँ " तेरा रूप ही सच्चा ...2,
तेरे दरस की आशा लेकर सब सहजी आते हैं,
हे निर्मल माँ जग उद्धारक " तेरा नाम ही साँचा ...2,
नमन करूँ मैं, नमन करूँ मैं, तेरा वचन निभाऊँ ...2,
जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ,
बोलो जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ ...2,

जब जब तुझको याद करूँ, माँ तेरा दर्शन पाऊँ ...2,
जब जब तेरा ध्यान धरूँ, माँ तेरा दर्शन पाऊँ ...2,
जब जब तेरे गुण को गाऊँ, तेरा दर्शन पाऊँ ...2,
जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ,
बोलो जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ...4,"निर्मल माँ...4,

जब से हम सहजयोगी बने

जब से हम ...2, जब से हम सहजयोगी बने ...,
सच्चे सुख का ज्ञान हुआ, जीवन इक वरदान हुआ ...,
जब से हम ...2, "जब से हम सहजयोगी बने ...2,

सहजयोग की सहज शक्ति, ऐसा जादू कर गई ...2,
भेद के सातों चक्र कुण्डलिनी, सात समन्दर तर गई ...,
हृदय कमल समान हुआ, जीवन इक वरदान हुआ ...,
जब से हम ..., " जब से हम सहजयोगी बने ...2,

अरे इस मिलन के कारण, सूर हो उठा अधीरा ...,
सुना जिस मोह मिलन में, रच गया दास कबीरा,
राज सुख छोड़ के सारे, दीवानी हो गई मीरा ...,
सहज हमें निर्मल माँ ने, दिया उस मिलन का हीरा ...,
महावीर और बुद्ध ने गाये निराकार के गीत ...,
संत मिले पूरब पश्चिम के, ज्यों पुराने मीत ...,
विश्व मिलन आसान हुआ, जीवन एक वरदान हुआ ...,
जब से हम ...2, " जब से हम सहजयोगी बने ...2,

सहजयोग है सहज जीवन, बात समझ ये आ गयी ...,
दुलर्भ हो गया सुलभ, आत्मा अपनी मंजिल पा गई ...,
अपने पर अभिमान हुआ, जीवन इक वरदान हुआ ...,
जब से हम ...2, "जब से हम सहजयोगी बने ...,
सच्चे सुख का ज्ञान हुआ, जीवन इक वरदान हुआ ...,
जब से हम ...2, " जब से हम सहजयोगी बने ...2,

जब से माँ का नाम लिया मेरे सब दुखः दूर हुये

जब से माँ का नाम लिया, मेरे सब दुखः दूर हुये ...2,
जब से तेरी लगन लगी, मन हो गया दीवाना है ...2,
जब से माँ का नाम लिया,मेरे सब दुखः दूर हुये...,जब से माँ का नाम लिया ...

तारों में ढूँढ़ा तुमको, माँ चन्दा पे पाये हो ...2,
छोटी छोटी किरणों में ...2, मेरी मैया का ठिकाना है ...,
जब से माँ का नाम लिया, मेरे सब दुखः दूर हुये ...,
जब से माँ का नाम लिया,मेरे सब दुखः दूर हुये...,जब से माँ का नाम लिया...

बागों में ढूँढ़ा तुमको, माँ फूलों में पाये हो ...2,
छोटी छोटी कलियों में ...2, मेरी मैया का ठिकाना है ...,
जब से माँ का नाम लिया, मेरे सब दुखः दूर हुये ...,
जब से माँ का नाम लिया,मेरे सब दुखः दूर हुये...,जब से माँ का नाम लिया...

गंगा पे ढूँढा तुमको, माँ जमुना पे पाये हो ...2,
ठंडी ठंड़ी लहरों में ...2, मेरी मैया का ठिकाना है ...,
जब से माँ का नाम लिया, मेरे सब दुखः दूर हुये ...,
जब से माँ का नाम लिया,मेरे सब दुखः दूर हुये...,जब से माँ का नाम लिया...

मन्दिर में ढूँढ़ा तुमको, माँ सहजिन में पाये हो ...2,
सहजी की आत्मा में ...2, मेरी मैया का ठिकाना है ...,
जब से माँ का नाम लिया, मेरे सब दुखः दूर हुये ...,
जब से माँ का नाम लिया, मेरे सब दुखः दूर हुये ...2,

Scanned by CamScanner

जब से तेरी लगन लगी, मन हो गया दीवाना है ...2,
जब से तेरी लगन लगी, मन हो गया दीवाना है ..., जब से माँ का नाम लिया...

जागो दुर्गा तुमि जागो

जागो तुमि जागो, जागो दुर्गा जागो, दश प्रहरधारिणी,
अभया लक्ष्मी, बॉलो प्रदायिनी तुमि जागो,
विजया, वरदा, विमला योगदा, महापातक नाशिनी, क्षिपप्रसादिनी,
जागो माँ आदिशक्ति तुमि जागो, जागो माँ, जागो महारति तुमि जागो ...

निगुर्णा निर्मदा नित्या निर्मला ...2,
सहजयोग दायिनी, लीला विनोदिनी जागो माँ
पुण्यलभ्या तुमि जागो, जागो माँ ...
जागो एकाकिनी, तुमि जागो, जागो माँ, तुमि जागो ...ऽऽ

जागो मोहन प्यारे जागो

जग उजियारा छाये, मन का अंधेरा जाये
किरणों की रानी गाये, जागो हे मेरे मनमोहन प्यारे
जागो मोहन प्यारे जागो, नवयुग लाये चैतन्य धारे
जागो मोहन प्यारे जागो ...ऽऽ

जागो रे, जागो रे सब सहजी जागो, नगर नगर में चैतन्य लादो
जागो रे, जागो रे जग रे, जागो जागो रे, जग रे

जिसने माँ को चित्त में बसाया, भवसागर को उसने तारा
मत रहना दुनिया के सहारे, जागो मोहन प्यारे जागो ...ऽऽ

पूर्ण समर्पित जो भी आया, ममता का आँचल उसने पाया
जैसे कान्हा यशोदा के प्यारे, जागो मोहन प्यारे जागो ...ऽऽ

माँ निर्मल चैतन्य बरसाये, मोक्ष का प्यासा प्यास बुझाये
फूल बने मन के अंगारे, जागो मोहन प्यारे जागो ...ऽऽ
जागो मोहन प्यारे जागो ...ऽऽ

जाई विधि राखे माँ, ताही विधि रहिये

निर्मल मैया, निर्मल मैया, निर्मल मैया कहिये
जाई विधि राखे माँ, ताही विधि रहिये ...2

मुख में हो निर्मल नाम, सहज सेवा हाथ में ...
तू अकेला नहीं है सहजी, मैया तेरे साथ में ...
विधि का विधान जान, साक्षी भाव से देखिये ...
जाई विधि राखे माँ, ताही विधि रहिये ...2

ध्यान में रहेगा माँ का प्यार तू ही पायेगा ...
होगा सहजी वही, जो श्री माताजी को भायेगा ...
फल की आशा त्याग, सहज काम करते रहिये ...
जाई विधि राखे माँ, ताही विधि रहिये ...2

जय शंकर भोले जय शिव शंकर जय शंकर भोले

"जय शंकर भोले...2, जय शिव शंकर...2, जय शंकर भोले" ...2, सब देवों में देव निराले ...2, जय शंकर भोले ...2,
जय शंकर भोले ...2, जय शिव शंकर ...2, जय शंकर भोले,
भोले भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ ..., जय शंकर भोले ...

महादेव तुमने ही तो, सब देवों का सन्ताप हरा ...2,
सागर मन्थन में निकला विष, तुमने अपने कंठ भरा ...2,
इसीलिऐ हर प्राणी तुमको ...2, नील कंठ बोले ...,
जय शंकर भोले ...2, जय शिव शंकर ...2, जय शंकर भोले ...,
सब देवों में देव निराले ...2, जय शंकर भोले ...3, जय शिव शंकर ...2,
जय शंकर भोले ..., भोले भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ ...,

तेरे नाम अनेकों बाबा, तेरी महिमा न्यारी है ...2,
तेरे भेद अनोखे बाबा, जाने क्या संसारी ये ...2,
तुम ही हो कैलाशपति शिव ...2, पर्वत पर डोले ...,
जय शंकर भोले ...2, जय शिव शंकर ...2, जय शंकर भोले ...,

Scanned by CamScanner

सब देवों में देव निराले ...2, जय शंकर भोले ...3, जय शिव शंकर ...2,
जय शंकर भोले ..., भोले भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ ...,

शीश तुम्हारे गंगा मैया, चन्द्र शिखर पर सोहे ...2,
तन पे सर्प विचरते रहते, भक्तों के मन को मोहे ...2,
उसको कष्ट जगत में कैसा ...2, नाम जो तेरा ले ...,

जय शंकर भोले ...2, जय शिव शंकर ...2, जय शंकर भोले ...,
सब देवों में देव निराले ...2, जय शंकर भोले ...3, जय शिव शंकर ...2,
जय शंकर भोले ..., भोले भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ ...,
ॐ नमः शिवाय ॐ नमः शिवाय ...7, जय शंकर भोले ...2, जय शिव ...

जय श्री माँ की गाये जा माँ की ज्योत जगाये जा

जय श्री माँ की गाये जा ...,माँ की ज्योत जगाये जा ...,
इस ज्योत नूरानी से ...,सच्ची राह तू पाये जा ...2, जय श्री माँ की ...,

जग माँ के चरणों की है छाया, कण कण माँ का रूप समाया ...2,
धरती और आकाया पाताल ने, सबने ही माँ का गुण गाया ...2,
इक यही दरबार है सच्चा ..., यहाँ शीश झुकाये जा ..., इस ज्योत ... जा,
जय श्री माँ की गाये जा ...,माँ की ज्योत जगाये जा ...,
इस ज्योत नूरानी से ., सच्ची राह तू पाये जा ., जय श्री माँ की गाये जा .,

कष्ट हारिणी कष्ट हरे है, बच्चोंको भव से पार करे है ...2,
महिमा अपरम्पार है माँ की, माँ गागर में सागर भरे है ...2,
फूल श्रृद्धा के इस दर पे .., दिन रात चढ़ाये जा .., इस ज्योत ..... जा,
जय श्री माँ की गाये जा .., माँ की ज्योत जगाये जा ..,
इस ज्योत नूरानी से ., सच्ची राह तू पाये जा ., जय श्री माँ की गाये जा .,

आज नहीं तो करेगा कब रे, सोच भला किस बात की अब रे ...2,
माँ का माँ को कर दे अर्पण, माँ का दिया तुझको सब रे ...2,
हो के मुक्त हर बन्धन से ...,माँ से लौ लगाये जा ..., इस ज्योत .... जा,
जय श्री माँ की गाये जा ...,माँ की ज्योत जगाये जा ...,
इस ज्योत नूरानी से ., सच्ची राह तू पाये जा ., जय श्री माँ की गाये जा .,

जप लो नाम है प्यारा माँ निर्मल का

जप लो जप लो ...2, जप लो नाम है प्यारा, माँ निर्मल का ...2,
माँ निर्मल का ...3, जप लो जप लो ...2, जप लो नाम है प्यारा माँ ...2,

श्री माँ नज़र महर की करती ..., " कष्ट जगत के पल में हरतीं ...2, ...2,
ऐसा सुन्दर द्वारा माँ निर्मल का ...2, माँ निर्मल का ...3,
जप लो जप लो ...2, जप लो नाम है प्यारा माँ निर्मल का ...2,

हम सब माँ तेरे दर पे आये ..., " सहयोग की भक्ति पाये ...2,...2,
प्रेम है सबसे न्यारा माँ निर्मल का ...2, माँ निर्मल का ...3,
जप लो जप लो ...2, जप लो नाम है प्यारा माँ निर्मल का ...2,

दर्शन माँ के सबने पाये ...3, हम सबके माँ दिल में समाये ...2,...2,
खेल है जग ये सारा माँ निर्मल का ...2, माँ निर्मल का ...3,
जप लो जप लो ...2, जप लो नाम है प्यारा माँ निर्मल का ...2,

जरा गणपति पुले आ के देखो आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें

जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,
आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...3,
ओ "जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,
गणपति का है स्वयंभू यहाँ पर ...4, गणपति भी यहाँ पर मिलेंगें ...2,
ओ "जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,

देवी देव यहाँ पर मिलेंगें ...4, सारे गण भी यहाँ पर मिलेंगे ...2,
ओ "जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,

पूरब पश्चिम के सन्त मिलेंगें ...4, सहज योगी यहाँ पर मिलेंगें ...2,
ओ "जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,

ब्रह्मा विष्णु यहाँ पर आते ...4, निर्मल माँ की महिमा है गाते ...2,
ओ "जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,

जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,

Scanned by CamScanner

आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...3,
ओ जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,

जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी

"जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी ...2
जय कैलाश पति शिवशंकर ...2, सब जग के हितकारी ..." ...2
जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी ...2,

निश दिन तेरा ध्यान धरे हम, सिमरे मंत्र तिहारा ...2,
हे शिव शंकर मंत्र जगाओ, होवे घट उजियारा ...2,
नमामि शंकर नमामि शंकर ...2, कृपा करो त्रिपुरारी ...
जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी ...2
जय कैलाश पति शिवशंकर ...2, सब जग के हितकारी, जय भोला ...2

शंख नाद से शब्द जगाकर, स्वर संगीत बहाया ...2
युग युग से ये सृष्टि नाचे, ऐसा डमरू बजाया ...2
शिव का नाम जपे से जग में ...2, सुख पावे संसारी ...
जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी ...2
जय कैलाश पति शिवशंकर ...2, सब जग के हितकारी, जय भोला ...2

तीनों ताप हरण कर लेता, ये त्रिशूल तिहारा ...2
शिव का नाम जपे से जग में, मिलता मुक्ति द्वारा ...2
महा देव पर ब्रह्म विघाता ...2, आये शरण तिहारी ...
जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी ...2
जय कैलाश पति शिवशंकर ...2, सब जग के हितकारी, जय भोला ...2

जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणी

जय दुर्गेदुर्गति परिहारिणी ...2, शुम्भ विदारिणी मात भवानी ...2
जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणी ...

आदि शक्ति पर ब्रह्म स्वरूपिणी ...2, जगत जननी चँहु वेद बखानी ...
जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणी ...

ब्रह्मा शिव हरि है रचन कीनो ...2, ध्यान धरत सुर नर मुनि ज्ञानी ...
जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणी ...

अष्ट भुजा कर खड्ग विराजे ...2, सिंह सवार सकल वरदानी ...
जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणी ...

ब्रह्मानन्द शरण में आयो ...2, ब्रह्मानन्द - ब्रह्मानन्द शरण में आयो ...
ब्रह्मानन्द शरण में आयो ...2, भव भय दूर करो महारानी ..., जय दुर्गे ...

जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणी ...2, शुम्भ विदारिणी मात भवानी ...2
जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणी ...

जय गणेश जय गणेश जय गणेश प्यारे

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश प्यारे ...4,

एक दन्त अति विशाल, शोभित सिन्दूर भाल ...2,
मोतीयन की कंठ माला ...2, नैना रत्ना रे ..., "जय गणेश ...2,

केसर को तिलक भाल, कुंडल दो लाल लाल ...2,
रत्न जड़ित कंगन कर ...2, सोहत है न्यारे ..., "जय गणेश ...2,

तुम को जो धरत ध्यान, वाको तुम देत मान ...2,
दुष्टन को करे नाश ...2, भक्तन रखवारे ... "जय गणेश ...2,

सूर नर लेत नाम, पावत बैकुण्ठ धाम ...2,
तुलसी दास करत मान ...2, चरण में तिहारे ..., "जय गणेश ...2,

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश प्यारे ...2,

जय गणपति जी महाराज

जय गणपति जी महाराज ...2, तेरी जग में ज्योति समाई ...4

गौरा मात पिता महादेवा ...2, सब भक्तों के आप हैं देवा ...2,
है देवों के सरताज, सरताज ..., तेरी जग में ज्योति समाई ...2,
जय गणपति जी महाराज, महाराज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...2,

जग रक्षक पालन कारी है ...2, तेरो मूषक वाहन सवारी है ...2,

Scanned by CamScanner

तू राखे सबकी लाज, लाज ...2, तेरी जग में ज्योति समाई ...2,
जय गणपति जी महाराज, महाराज ..., तेरी जग में ज्योति समाई ...2

लंबोदर चार भुजाधारी ...2, सुत आदिशक्ति आज्ञाकारी ...2,
रह फरसा कर में साज, साज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...2,
जय गणपति जी महाराज, महाराज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...2,

लड्डूवन का भोग लगाये हैं ...2, संग फूल पान फल लाये हैं ...2,
तेरा भोग लगावे आज, आज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...2,
जय गणपति जी महाराज, महाराज ..., तेरी जग में ज्योति समाई ...2,

सहजी तेरे चरण पखारे हैं ...2, निर्मल आँखों के तारे हैं ...2,
गज मस्तक रहा विराज, विराज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...2,
जय गणपति जी महाराज, महाराज ..., तेरी जग में ज्योति समाई ...2,

जय भोले बम बम भोले

जय भोले बम बम भोले तुम राम दरस मारग खोले ...4
जय भोले बम बम भोले ...2

जय जय भोले बम बम भोले ...2, तुम राम दरस मारग खोले ...4
जय भोले बम बम भोले ...2

हे उमानाथ हे विश्वनाथ ...2, हे बाघम्बर बाबा भोले ...2
जय भोले बम बम भोले ...2, तुम राम दरस मारग खोले ...2

छप्पर वाले फक्कड़ बाबा ...2, डमरू ले, राम नाम बोले ...2
जय जय भोले बम बम भोले ...2, तुम राम दरस मारग खोले ...2

जय भोले बम बम भोले ...2, बम बम बम भोले ...4, तुम राम ...2,
डमरू वाले बाबा तेरी लीला है न्यारी ...4, जय जय भोले भण्डारी ...10

जय जय गणपति जयति गणेश

जय जय गणपति जयति गणेश ...2, सिद्धि विनायक जय करूणेश ...2
जय जय मंगल मूर्ति गणेश ...2, जननी गिरिजा जनक महेश ...2

जय जय गणपति जयति गणेश ...2, सिद्धि विनायक जय करूणेश ...2

पूजा होती प्रथम तुम्हारी, दोष पाप और संकटहारी ...2,
जयति गजानन जय सर्वेश SS, जयति गजानन जय सर्वेश ...
जय जय मंगल मूर्ति गणेश ...2,

लाभ और शुभ के तुम दाता, तुम हो विद्या बुद्धि विधाता ...2,
निर्मल बुद्धि करो अखिलेश आ SS, निर्मल बुद्धि करो अखिलेश
जय जय गणपति जयति गणेश ...2,
रिद्धि सिद्धि के तुम हो स्वामी, देव नमामि, नमामि, नमामि ...2
सबके विघ्न हरो विघ्नेश SS, सबके विघ्न हरो विघ्नेश
जय जय गणपति जयति गणेश ...2,

जय जय जय श्री निर्मल माँ तू है जन सुखदाई ...2,

जय जय जय श्री निर्मल माँ तू है जन सुखदाई ...2,
जय जय जय श्री निर्मल माँ तू है जन हितकारी ...3,
ओ बोलो जय माता जी ...3, बोलो जय माता जी ...,

पतित पावन जग की दाता, हे जगदम्बे निर्मल माता ..., आ S S ...
तू है दयानी माता भवानी, हे जगराता निर्मल रानी ..., आ S S ...
हे जग जननी, अम्बे रानी, " दुर्गे माता तू है दयानी ...3,
ओ बोलो जय माता जी ...3, बोलो जय माता जी ...,

ओ S जबसे तूने अपनाया है, जिन्दगी खुशियों से भर गई है ...,
जहाँ भी देखूँ, तू ही तू नजर आये, जहाँ भी मेरी नज़र जाये ...,
ओ बोलो जय माता जी ...3, बोलो जय माता जी ...,

जय-जय शिवनन्दन गणेश जी

जय-जय शिवनन्द गणेश जी, हम तेरी शरण में आए ...2

पार्वती के तुम हो दुलारे, निर्मल के आँखों के तारे।
तुम आकर हरो कलेश जी, हम तेरी शरण में आए ...2
जय-जय शिवनन्द गणेश जी, हम तेरी शरण में आए ...2

Scanned by CamScanner

रिद्धि-सिद्धि के तुम हो दाता,दुखियन के तुम भाग्य विधाता।
तुम आकर हरो कलेश जी, हम तेरी शरण में आए ...2
जय-जय शिवनन्द गणेश जी, हम तेरी शरण में आए ...2

मूलाधार में तुम हो विराजे, शीश गाजानन सुन्दर साजे।
देवों के तुम देवेश जी, हम तेरी शरण में आए ...2
जय-जय शिवनन्द गणेश जी, हम तेरी शरण में आए ...2

अबोधिता तुम हम में जगा दो, बाधाएं सब दूर भगा दो।
है आप मेंरे सर्वेश जी, हम तेरी शरण में आए ...2
जय-जय शिवनन्द गणेश जी, हम तेरी शरण में आए ...2

जय श्री माताजी सबसे कहिये

जय श्री माताजी सबसे कहिये ...2,जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...2
जय श्री माताजी सबसे कहिये...2, जिस विधि राशे माँ उस विधि रहिये...2

जिस विधि ऋषि मुनि माँ को जपते ...2, उसी विधि निर्मल सुमिरन करिये
जय श्री माताजी सबसे कहिये ...2,जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...2

जिस विधि देवता ध्यान है धरते ...2,उसी विधि निर्मल ध्यान करिये
जय श्री माताजी सबसे कहिये ...2,जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...2

अघम अगोचर निर्मला माँ को...3, हर पल हर घड़ी चित्त में रखिये
जय श्री माताजी सबसे कहिये ...2,जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...2

मोक्ष मिलेगा निर्मला माँ से ...3, हाथ जोड़कर वन्दन करिये
जय श्री माताजी सबसे कहिये ...2,जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...2

जय श्री माताजी सबसे कहिये ...2,जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...4

झिलमिल बिंदिया के माथे पे तारा

झिलमिल बिंदिया का माथे पे तारा, निर्मल नैनों में स्नेह की धारा,
शशि मुख पे स्मित रेखा, रूप ऐसा नहीं देखा,

सर्व सुहागन मिल कर आओ, माता जी की पूजा रचाओ,
शीश झुकाओ शुभ आशीष पाओ, झिलमिल बिंदिया का माथे पे तारा ...
सतरंगी साड़ियों का घेरा बनाके, माँ को सजाओ री छुपके छुपाके,
माता राणी पे दृष्टि बुरी पड़े ना किसी गैरों की,
सखी लो री बलायें लो, मैया के शुभ पैरों की ...

सतरंगी साड़ियों का घेरा बनाके, माँ को सजाओ री छुपके छुपाके
तेरी जय हो, तेरी जय हो, निर्मल माता तेरी जय हो, ...
कुमकुम लाओ, सिन्दुर लाओ, पंचामृत से चरण धुलाओ,
शीश झुकाओ, शुभ आशीष पाओ, झिलमिल बिंदिया के माथे पे तारा ...

हो री हो झूठी लागे हर इक उपमा ...,
अभिनव श्रृंगार किये, नैनों में प्यार लिये, देवी सी लागे माँ ...2,
जय हो, जय ..., ओ मेरी निर्मल माँ ...
मंगल गाओ, पट को हटाओ, मैय्या के दर्शन सबको कराओ,
शीश झुकाओ, शुभ आशीष पाओ, झिलमिल बिंदिया के माथे पे तारा ...

ममतामयी है मेरी माता, करूणामयी है मेरी माता ...
माता से स्नेह का नाता ...2, ममतामयी है मेरी माता,
करूणामयी है मेरी माता, "जय हो, जय हो, जय हो, तेरी जय हो" ...2
सर्व सुहागन मिल कर आओ, माता जी पूजा रचाओ,
शीश झुकाओ, शुभ आशीष पाओ, झिलमिल बिंदिया के माथे पे तारा ...

झीनी झीनी रे बीनी चदरिया

झीनी झीनी रे ...2, बीनी चदरिया ...2
काहे का ताना काहे की भरनी ...2, ओ SS कौन तार से बीनी चदरिया ...2
इंगला पिंगला ताना भरती ...2, सुख मन तार से बीनी चदरिया ...2,
झीनी रे ...2

आठ कमल दल चरखा डोले ...2, पाँच तत्व गुण कीनी चदरिया ...2
साँई को बिनत मास दस लागे ...2, ओ SS ठोक ठोक कर बिनी चदरिया ...2
झीनी रे ...2

Scanned by CamScanner

सो चादर सुर नर मुनि ओढ़ी ...2, ओढ़ के मैली कीनी चदरिया ...2
धुव ओढ़ी प्रहलाद ने ओढ़ी ...2, सुखदेव निर्मल कीनी चदरिया ...2
दास कबीर जतन से ओढ़ी ...2, ओ SS ज्यो की त्यों धर दीनी चदरिया ...2
झीनी रे ...2

झूम झूम के नाचे ये संसार माँ

बन्द ही रहती है, माँ के देखने वालों की आँख ...2,
कोई क्या देखेगा, माँ को देखने के बाद ...2,

"ओ झूम झूम के नाचे ये संसार माँ ...2,
हर दिल ये बोले तेरी जय जयकार माँ ...2, जय जयकार माँ ...4," ...2,

मानव जीवन अग्नि परीक्षा ..., आत्मा ज्ञान बस मेरी इच्छा ...2,
मैं तुझसे क्या मांगू मैया ...3, कैसे गिनाऊँ मैं तेरे उपकार माँ ...2,
ये उपकार माँ ...4, ओ झूम झूम के नाचे ये संसार माँ ...2,
हर दिल ये बोले तेरी जय जयकार माँ ...2, जय जयकार माँ ...4,

सुख दुखः बस इक मन का भरम है ..., निर्मल धर्म ही सच्चा धर्म है ...2,
मेरा जीवन तेरी अमानत ...3, हो चेतन बनके बरसे तेरा प्यार माँ ...2,
तेरा प्यार माँ ...4, ओ झूम झूम के नाचे ये संसार माँ ...2,
हर दिल ये बोले तेरी जय जयकार माँ ...2, जय जयकार माँ ...4,

इस जग में तेरा प्यार है सच्चा ..., माँ है इक तू, जगत है बच्चा ...2,
हाथ तेरा माँ सबके सिर पर ...3, तेरी दया से होते भव से पार माँ ...2,
भव से पार माँ ...4, ओ झूम झूम के नाचे ये संसार माँ ...2,
हर दिल ये बोले तेरी जय जयकार माँ ...2, जय जयकार माँ ...4,

मेरी मंजिल माँ की शरण है ..., मेरा मन्दिर माँ के चरण है ...2,
मेरा दिल सहज की गंगा ...3, दुनिया से निराला है तेरा दरबार माँ ...2,
हर दिल ये बोले तेरी जय जयकार माँ ...2, जय जयकार माँ ...4,

जिक्र निर्मल तेरा पाक ओ निर्मल है तू

आ आ S S S S S S S ...2, आ आ S S S S S S S ...2,
यहाँ नहीं है, वहाँ नहीं है ...2, क्या हर इक शय से अयाँ नहीं है,

यहाँ नहीं है, वहाँ नहीं है ..., क्या हर इक शय से अयाँ नहीं है,
खुदा कहाँ है, ये पूछते हो ...2, "भला बताओ तो कहाँ नहीं है ...2,

बना के खुद को बंदा, तुझको सजदा कर लिया मैंने ...2,
अब मंहगा हो कि सस्ता हो S...2, "ये सौदा कर लिया मैंने ...3,
किसी भी दर पे झुकने की नौबत नहीं आती ...3,
निर्मला पाक पर, जब से भरोसा कर लिया मैंने ...2,

आ SS "जिक्र निर्मल तेरा ...2, ओ जिक्र निर्मल तेरा ...
जिक्र निर्मल तेरा, पाक ओ निर्मल है तू ...4,
कोई तुझ सा नहीं, सबसे बढ़कर है तू ...3,
निर्मला निर्मला मेरी माँ निर्मला ...2,
निर्मला SS निर्मला SS निर्मला SS मेरी माँ...3,जिक्र निर्मल तेरा, पाक ओ...2,

लफ्जे उनसे बनाये ज़मीं ताफलक ...2,
तेरे मोहताज हैं जिन बशर और मलक,
हर नज़ारे में पाकीजगी की झलक ...2,
नूर फैला हुआ है तेरा चार सू,"अल्लाह हू वाह दाहु या शरीका लाहु ...2,
अल्लाह हू हू अल्लाह हू हू अल्लाह हू हू अल्लाह हू ...2,
अल्लाह हू अल्लाह हू अल्लाह हू...2,, जिक्र निर्मल तेरा, पाक ओ ...2,
जिस्म दिल को दिया, दिल को धड़कन भी दी ...4,
देके आँखे मुझे, रोशनी बख्श दी ...2, पैदा करने से पहले दिया रिज्क भी...2,
सबका राजिक है मालिक है पालिक है तू,

अल्लाह हू वाह दाहु या शरीका लाहु ...2,
अल्लाह हू हू अल्लाह हू हू अल्लाह हू हू अल्लाह हू हू ...2,
अल्लाह हू अल्ला हू अल्लाह हू ...2,, जिक्र निर्मल तेरा, पाक ओ ...2,

सबसे बढ़कर यही नाम है या खुदा ...2,
निर्मला माँ को उन्मत ने पैदा किया ...2, "शुक्र तेरा ...2, तेरा ...3,
शुक्र तेरा करें कैसे, हम सब बता ...2,
हम है बंदे तेरे, और माता हे तू ...
निर्मला निर्मला मेरी माँ निर्मला ...4, जिक्र निर्मल तेरा, पाक ओ ...2,

Scanned by CamScanner

जिन आँखों से बहता है, करूणा का वो दरिया

जिन आँखों से बहता है, करूणा का वो दरिया ...2,
उन आँखों की मालिक है, मेरी प्यार भरी मैया ...2, जिन आँखों से ...

जिन आँखों में झलके है, ममता की वो महिमा ...2
इक नज़र को तरसे है, वो सारी ही दुनिया ...2
चौखट पर मचलेंगीं, प्रतिभा की वो घड़ियाँ ...2
बन शमां बुलायेंगीं, मेरी प्यार भरी मैया ..., जिन आँखों से ...

जो आँखें कटाक्ष से, रंगती हैं सब स्थितियाँ ...2
उन आँखों की ज्वाला में, जलती हैं सब त्रुटियाँ ...2
अब पावन बन बन कर, करते हैं रंगरलियाँ ...2
ये खेल रचाती है, मेरी प्यार भरी मैया ..., जिन आँखों से ...

जिन आँखों के भरने से, छलके हैं वो खुशियाँ ...
उन खुशियों में खिलती हैं, हृदय की वो कलियाँ ...2
इन रसमय कलियों से, महके है ये दुनिया ...2
करे जग को ये रौशन, मेरी प्यार भरी मैया ..., जिन आँखों से ...

जिनके मन निर्मल माँ बसी

जिनके मन निर्मल माँ बसी ...2, उन्हों जप तप जाप कियो ना कियो ...2,
जिनके मन निर्मल माँ बसी ...2, उन्हों जप तप जाप कियो ना कियो ...2,

कोई पुण्य कोई दान करे ...2, कोई दान का झूठ बखान करे ...,
जिन कर्मों फलों का दान दियो ...,"उन्हों और कोऊ दान दियो ना दिया ...2,
जिनके मन निर्मल माँ बसी ...2, उन्हों जप तप जाप कियो ना कियो...2,

कोई अन्न तजे कोई जल को तजे...2, कोई खा पीकर ईश्वर को भजे...,
जिन पाप कर्म उपवास कियो...2, "उन्हों कोन्हू उपवास कियो ना कियो...2,
जिनके मन निर्मल माँ बसी...2, उन्हों जप तप जाप कियो ना किया...2,

कोन्हू काशी गयो कोन्हू मथुरा गयो...2, दोनों मानसरोवर सैर कियो...,

जिन निर्मल माँ की शरण लियो ...,"उन्हों और कोऊ धाम गयो ना गया...2,
जिनके मन निर्मल माँ बसी...2, उन्हों जप तप जाप कियो ना कियो...2,

कोई जप को धरे कोई तप को वरे...2, कोई तन्त्र साधना पूर करे ...2,
जिन सहजयोग का पथ है लियो ...2,"उन और कोऊ राह लियो ना लियो...2,
जिनके मन निर्मल माँ बसी ...2,"उन्हों जप तप जाप कियो ना किया...7,

जिसकी जुबा पे माँ निर्मल का नाम आ गया

जिसकी जुबाँ पे माँ निर्मल का नाम आ गया ,
उस प्राणी को जन्मों का आराम आ गया) ...,2
वो दुख ना कभी फिर पाऐ, वो हर पल ही मुस्काऐ ...,2
वो खुशी खुशी से जीने का ईनाम पा गया ...,2
(जिसकी जुबाँ पे) जिसकी जुबाँ पे .....

श्री मांजी के जिन चरणों ने (डुबते पत्थर तारे ...,2) ...,2
जब जब डोले भंवर में नैया, (नौने दिऐ सहारे ...,2) ...,2
माँ सबकी है हितकारी, माँ को पूजे दुनिया सारी ...,2
माँ चरण कमल में, जो भी मुकाम पा गया ...,2
(जिसकी जुबाँ पे) जिसकी जुबाँ पे .....

श्री मांजी इन अंखियों में (सारी सृष्टि समाई ...,2) ...,2
देकर प्यार श्री मांजी ने ये (दुनिया नई बसाई ...,2) ...,2
दो अंखिया मन में धर लो ...,2 श्री मांजी को मन में रख लो ...,2
समझो तो छोटा सा जीवन ये काम आ गया ...,2
(जिसकी जुबाँ पे) जिसकी जुबाँ पे .....

श्री मांजी के चरण कमल है (सारे जग से न्यारे ...,2) ...,2
कैसा भी कोई पापी हो वो, (माँ ने पल में तारे ...,2)...,2
चाहे गौतम ऋषि की नारी, केवट की नाव बैचारी ...,2
वो तरा जगत से जिसको माँ का प्यार भा गया ...,2
(जिसकी जुबाँ पे) जिसकी जुबाँ पे ..... गया ....

Scanned by CamScanner

वो दुख ..... मुस्काऐ ...,2
वो खुशी खुशी ..... पा गया ...,2
जिसकी जुबाँ पे .....
उस प्राणी ..... पा गया ....
आराम पा गया ...,6

कभी राम बनके कभी श्याम बनके

"कभी राम बनके ..., कभी श्याम बनके ...
चले आना माता जी, चले आना" ...2

कभी गणेश रूप में आना ...2
गौरा साथ लाना, भोलापन सिखलाना, चले आना माता जी...
कभी ब्रह्मा रूप में आना 2
सरस्वती को साथ लाना, शुद्ध विद्या देना, चले आना माता जी ...

कभी विष्णु रूप में आना ...2,
लक्ष्मी साथ लाना, चक्र साथ लाना, चले आना माता जी ...2

कभी शिव जी रूप में आना ...2,
गौरा साथ लाना, डमरू हाथ लाना, चंले आना माता जी ...

कान्हा की बंसी बजे धीरे धीरे

कान्हा की बंसी बजे धीरे धीरे, श्याम की बंसी बजे धीरे धीरे ...2,

एक तरफ गोकुल, एक तरफ मथुरा ...2, बीच में यमुना ...2,
बहे धीरे धीरे ..., बीच में यमुना ..., बहे धीरे धीरे ..., कान्हा की बंसी ...2,

एक तरफ देवकी, एक तरफ यशोदा ...2, बीच में कान्हो ...2,
चलें धीरे धीरे ..., बीच में कान्हा ..., चलें धीरे धीरे ..., कान्हा की बंसी...2,

कभी राधा रूठ जाये, श्याम मनावें ...2, लीला/रास रचायें ...2,
श्याम धीरे धीरे ..., राधा को मनावें धीरे धीरे ..., कान्हा की बंसी ...2,

श्री माँ s s, ऐ री माँ ss ... कदम्ब की डार पे, झूला पड्यो है ...2,

राधा को झूलावें ...2, श्याम धीरे धीरे ..., कान्हा की बंसी ...2,

हृदयमें हमने माँ ...2, झूला सजाया, हृदय में हमने माँ झूला सजाया ...
तोहे झूलावें हम धीरे धीरे ..., माँ को झूलावें सब धीरे धीरे ...,
निर्मल माता जग की दाता, आदिशक्ति भाग्य विधाता, कान्हा की बंसी ...2,

सहज का माँ ने दीप जलाया ...4, पास बुलाके ...2, पार लगाया ...2,
निर्मल माता जग की दाता, आदिशक्ति भाग्य विधाता, कान्हा की बंसी ...2,

करूणामयी कमलनयनी माता निर्मला

मृदुभाषिणी कमलनयनी सहजयोगिनी करूणामयी ... करूणामयी
करूणामयी कमलनयनी माता निर्मला ...2
मृदुभाषिनी सहजयोगिनी माता निर्मला ...2
श्री सदाशिव आदिशक्ति माता निर्मला ...2
भक्ति प्रिया भक्ति गम्या माता निर्मला ...2,
करूणामयी कमलनयनी माता निर्मला ...2, श्री माता निर्मला

निरंजना निराधारा माता निर्मला, निष्कलंका निष्कामा माता निर्मला,
निराकारा निराकुला माता निर्मला, निर्गुणा निष्कला माता निर्मला,
निर्विकारा s नित्यमुक्ता माता निर्मला, निराश्रया निरंतरा माता निर्मला,
निष्कारणा, निरूपाधिः, निरीश्वरा, निरागा, निर्मदा, निश्चिन्ता,
निरहंकारा निर्मोहा माता निर्मला, निर्ममा निष्पापा माता निर्मला,
माता निर्मला श्री माता निर्मला...2,करूणामयी कमलनयनी माता निर्मला...2

महापूज्या महाशक्ति माता निर्मला, महामाया महादेवी माता निर्मला,
महारति भगवती माता निर्मला, रक्षाकरी परमेश्वरी माता निर्मला,
राक्षसघ्नी, नित्ययौवना, पुण्यलभ्या, अचिंतरूपा, गुरूमूर्ति,
योगदा, एकाकिनी, सुखराध्या, शुभकरी, प्राणरूपिणी,
शोभना सुलभागतिः माता निर्मला, सच्चिदानन्द रूपिणी माता निर्मला,
माता निर्मला श्री माता निर्मला...2,करूणामयी कमलनयनी माता निर्मला...2

चंडिका त्रिगुणात्मिका माता निर्मला, महती परमाणुः माता निर्मला,
वीरमाता पाशहंत्री माता निर्मला, गम्भीरा गर्विता माता निर्मला,

Scanned by CamScanner

क्षिप्रप्रसादिनी, सुधासुतिः, धर्माधारा, विश्वसाक्षिणी, स्वस्था,
प्रमोदरा, शाश्वती, लोकातीता, शमात्मिका, लीलाविनोदिनी,
स्वभावमधुरा माता निर्मला, धीरसमर्चिता माता निर्मला,
माता निर्मला श्री माता निश्मला ...2,

अकला भवानी माता निर्मला, नित्या निर्लेपा माता निर्मला,
निस्तुला नीलचिकुरा माता निर्मला, निर्नाशा निरत्यया माता निर्मला,
विष्णु ग्रन्थि विभेदिनी, देवकार्य समुद्यता, विश्वग्रासा, पराशक्ति,
पावनाकृति, चन्द्रनिभा, पुष्टिः, रविप्रख्या, चित्तशक्ति, विमला,
विलासिनी, वरदा, विजया, वण्दारूजन वत्सला,
सहजयोग दायिनी माता निर्मला, माता निर्मला श्री माता निर्मता ...2,

विश्वगर्भा महाराज्ञी माता निर्मला, निसंशया निरूपप्लवा माता निर्मला,
निर्विकल्पा निर्भावा माता निर्मला, निष्क्रिया निराबाधा माता निर्मला,
निष्परिग्रहा, निरापया, सुखप्रदा, पद्मासना, महालज्जा, विश्वरूपा,
सान्द्रकरूणा माता निर्मला, महापातक नाशिनी माता निर्मला,
माता निर्मला श्री माता निर्मला ...2, माता निर्मला श्री माता निर्मला ...8

करूणामयी माँ आपका हमको सदा आधार हो

करूणामयी माँ आपका, हमको सदा आधार हो ...,
आपकी भक्ति से ही माँ ...2, परिपूर्ण ये संसार हो ...2, करूणामयी माँ...
करूणामयी माँ आपका, हमको सदा आधार हो ...

माता पिता बन्धु सखा, माँ ज्ञान हो माँ प्राण हो ...2,
माँ आत्मा परमात्मा ...2, इस जग की पालनहार हो ...,
करूणामयी माँ आपका, हमको सदा आधार हो ..., आपकी भक्ति से ही मा.

अहंकार प्रति अहंकार से, हमको बचाना माँ सदा ...2,
शुद्ध और निर्मल हमारा ...2, सर्वदा आचार हो ...,
करूणामयी माँ आपका,हमको सदा आधार हो..., आपकी भक्ति से ही माँ...

प्रेम और आनन्द से, हम गीत गायें आपके ...2,

हर दिल में बहता आपका ही ...2, प्रेम पारावार हो ...,
करूणामयी माँ आपका, हमको सदा आधार हो ..., आपकी भक्ति से ही माँ...

आपके आशीष से ही, बह चली है सहज धारा ...2,
इस लोक से ब्रह्म लोक तक ...2, आपकी जयकार हो ...,
करूणामयी माँ आपका,हमको सदा आधार हो...,आपकी भक्ति से ही माँ...

वन्दना कर सुमिरन करें, पूजन करें माँ आपका ...2,
सहज ज्योति से सदा ...2, रोशन सहज परिवार हो ...,
करूणामयी माँ आपका,हमको सदा आधार हो...,आपकी भक्ति से ही माँ...

कोई कहे कान्हा कोई कहे श्याम

कोई कहे कान्हा कोई कहे श्याम, कान्हा श्याम तेरे अनेको हैं नाम ...2

कोई कहे नटखट नन्द किशोर, कोई कहे गिरधर माखन चोर ...2
मथुरा, बृन्दा, गोकुल अनेकों हैं धाम, कान्हा श्याम तेरे अनेकों है नाम ...2

मुरली बजाई गोपियन को रिझायो, कुंज गलियन में रास रचायो ...2
माखन चुरायो गोकल में सरेआम, कान्हा श्याम तेरे अनेकों हैं नाम ...2

फोर मटकिया नीर बहायो, गोपियन को जल से नहलायो ...2
चैतन दीन्हो बिखेर घनश्याम, कान्हा श्याम तेरे अनेकों हैं नाम ...2

ग्वाल-बालन संग धेनु चरायो, काली देह करके गोकुल को बचायो ...2
गोकल में कान्हा मच गयो कोहराम, कान्हा श्याम तेरे अनेकों हैं नाम ...2

कोई कहे कान्हा कोई कहे श्याम, कान्हा श्याम तेरे अनेकों है नाम ...2

कोई माने या ना माने

कोई माने या ना माने दिलदारा, अस्सो तां तैनू रब्ब मनया ...2
दस हौर केड़ा रब्ब दा द्वारा हो SS 2
अस्सां तां तैनू रब्ब मनया ...2
कोई 2

तुझ बिन जीना भी क्या जीना ...2 आ SSS जीना SS जीना आ SSS

Scanned by CamScanner

तुझ बिन जीना sss जीना sss – तुझ बिन जीना भी क्या जीना ...2
आ निर्मल निर्मल निर्मल निर्मल ...2
कोई किसी के साथ है कोई किसी के साथ ...2
किसी के साथ ...2 किसी के साथ ...2
कोई किसी के साथ है कोई किसी के साथ–मेरी तो जिन्दगी है फक्त आप ही के साथ
निर्मल निर्मल निर्मल निर्मल ...2
तुझ बिन जीना भी क्या जीना ...2 तेरी चौखट मेरा मदीना ...2
कही ओर ना संजदा गुजारा ओ ... ss कही ओर ना सजदा गुजारा
अस्सां तां तैनू रब्ब मनया – कोई माने या ना माने .....

ऊचियो ते लम्मिया लाल खजूंरा पत्त जीना दे सावें ...2
ऊचियो, ऊचियो, ऊचियो, ऊचियो, ऊचियो,
ऊचिंया ते लम्मिया लाल खंजूरा पत्त जिना ते सावे
ऐसा गरीबा मैनू बतला जैनू माँ नजर ना आवे निर्मल, निर्मल, निर्मल ...2
माँ तू नमाज में से आऐ तो नमाज दे जमाना ...2
माँ करीम ही जो ठहरी तो करम का क्या ठिकाना,
मुझे इसका गम नहीं है कि बदल गया जमाना
मेरी जिन्दगी की मालिक कही तू बदल ना जाना"
निर्मल निर्मल निर्मल निर्मल ...2

अपने तन की खाक उडाई ...2
किसी के कान में हीरा किसी के नाक में हीरा ...2
हमें हीरे वालो से क्या मेरी तो माँ ही है हीरा 2
अपने तन की खाक उडाई अपने तन की sss खाक ...2
अपने तन की, अपने तन की, अपने तन की, अपने तन की, खाक उडाई
"प्यार दिल दे करम पाया ते उठाया ना गया ...2
दर्दे दिल अखां विच, उमड आया ते लूकाया ना गया
ऐ मेरी सदा में महोब्बत की हकीकत श्री माँ जी
तेरे दर पे सर झुकाया ते उठाया ना गया
अपने तन की खाक उडाई
तुम्ही से कहेगा ये सारा जमाना 3

अगर गम के मारों की हालत ना बदली ...4
तुम्ही सोच लो कौन बदनाम होगा ...2
तुम्ही सोच लो कौन बदनाम होगा ...2 अल्लाह "
अगर गम के मारो की हालत ना बदली
तुम्ही से कहेगा ये सारा जमाना ...2 के मख्त्यार होके भी किस्मत ना बदली
तुम बिन जीना, तुम बिन जीना, तुम बिन जीना तुम बिन जीना ...2
अपने तन की खाक उडाई ...2 तब ये इश्के दी मंजिल पाई ...2
तूने मुझको सिखाया पिंजारा ...2 अस्सा तां तैनू रब्ब मनया
कोई माने या ना माने दिलदारा ....

हसंते–हसंते हर गम सहना हसंते हसंते हसंते हसंते
हसंते हसंते हर गम सहना ...2 ऐ आ आ आ आ आ आ ...2
"पढ़त–पढ़त मोरी उमर बीत गई पढ़ना सकी इक पाड़ा ...2
पढ़त पढ़त मोरी उमर बीत गई मैं तो पढ़ ना सकी इक पाड़ा ...2
जब से सुरतिया तुम्री देखी पढ़ गई तीसौं बांरा
हसंते हसंते हर गम सहना ...2 निर्मल निर्मल निर्मल निर्मल ...2
हसंते हसंते हर गम सहना ...2 राजी तेरी हर रजा–विच रहना ...2
तेरी चौखट पे ही मर जाना, माँ तेरी चौखट पे ही मर जाना
अस्सां तां तैनू रब्ब मनया कोई .....

तुम बिन जीना, तुम बिन जीना, तुम बिन जीना ...2
कागा कागा कागा
कोई उनसे जाके कह दे जो परे बैठे है
अरे वो नहीं जो उनसे परे बैठे है, अरे वो भी नहीं जो सबसें परे बैठे –
कोई उनसे जाके कह दे कि हम उन पर मरे बैठे है।
तुम बिन जीना तुमन बिन जीना ...2
कागा सब तन खायो और चुन चुन खायो मांस रे ...2
कागा सब तन खायो और चुन चुन खायो मांस ...2
दो नैना मत ना खायो ओ मत ना खायो मत ना खाओ ओ.....
दो नैना मत ना खायो मोरी मा की लगी आस
तुम बिन जीना भी क्या जीना

Scanned by CamScanner

तेरी चौखट मेरा मदीना कही ओर ना लगदा गुजारा
तसवी के दानों को बिखरने नहीं देती है
तसवी के दानों को बिखरने नहीं देती है
जिसको बनाती है बिगडने नहीं देती है।
अस्सां तां तैनू रब्ब मनया कोई माने या ना माने दिलदारा ..

कृष्ण जिनका नाम है गोकुल जिनका धाम है

"कृष्ण जिनका नाम है, गोकुल जिनका धाम है
ऐसे श्री भगवान को ...2, बारम्बार प्रणाम है ...2," ...2,
यशोदा जिनकी मैया हे, नन्दजी बापइया हैं
ऐसे श्री भगवान को ...2, बारम्बार प्रणाम है ...2,

लूट लूट ब्रज माखन खायो, ग्वाल बाल संग धेनु चरायो ...2,
ऐसे लीला धाम को, ऐसे गोपाल को, "बारम्बार प्रणाम है ...2,
धुपद सुता की लाज बचायो, जटा से जग को फन्द छुड़ायो
ऐसे श्री भगवान को ...2, बारम्बार प्रणाम है ...2,

लाल लाल चुनरी सितारों वाली ओ सितारों वाली

"लाल लाल चुनरी सितारों वाली ओ सितारों वाली ...,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेरां वाली " ...2,

जिसको ब्रह्मा ने बनाया, जिसको विष्णु ने सजाया ...2,
जिसको भोले बे रंग में रंग डाली ...2,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेरां वाली ..., लाल लाल,
लाल लाल चुनरी सितारों वाली ओ सितारों वाली ...,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेरां वाली, ओ जिसे ओढ़ कर आई... वाली...

" रंग चुनरी का शक्ति अपार देता ...2, "पाप मन में बसे, इसको
मार देता ...2, "इसने सारी अला बला सहजी की टाली ...2,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेरां वाली ..., लाल लाल,
लाल लाल चुनरी सितारों वाली ओ सितारों वाली ...,

जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेरां वाली, ओ जिसे ओढ़ कर आई ... वाली...,

"जिसके कोने में रिद्धि सिद्धि रहती है ...2, "शुभ और लाभ, भक्तों
को देती है ...2, " सहजी के मन को ये चुनरी भाने वाली ...2,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेरां वाली ..., लाल लाल,
लाल लाल चुनरी सितारों वाली ओ सितारों वाली ...,
जिसे ओढ़ कर आई,निर्मल शेरां वाली, ओ जिसे ओढ़ कर आई ...वाली...,

"माँ के सर पे ये चुनरी सुहानी लगती ...2, " सारी दुनिया है, माँ की
दीवानी लगती ...2, "दुखः के बादल दूर ये भगाने वाली ...2,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेरां वाली ..., लाल लाल,
लाल लाल चुनरी सितारों वाली ओ सितारों वाली ...,
जिसे ओढ़ कर आई,निर्मल शेरां वाली, ओ जिसे ओढ़ कर आई... वाली...,

लाल पीली नीली रंगी

लाल पीली नीली रंगी फूलां ये बताती है
लाल चुनरी ओढ़ के मैया सिंह पे पधारी है

"भक्ति प्रिया भक्ति गम्या रक्षा करने आई है
दुर्गति से हमें बचाने दुर्गा मैया आई है" ...2
भवागर से पार कराने भवानी मैया आई है
लाल पीली नीली रंगी फूलां ये बताती है
लाल चुनरी ओढ़ के मैया सिंह पे पधारी है

"पर्वत राज कुमारी श्री पार्वती मैया आइ है
कलियुग से हमें बचाने कल्की मैया आई है" ...2
मोक्ष का मार्ग बताने निर्मल माता आई है
लाल पीली नीली रंगी फूलां ये बताती है
लाल चुनरी ओढ़ के मैया सिंह पे पधारी है

"माया से हमें बचाने विष्णु माया आई है
परमानन्द दिलाने मैया आनन्दरूपिणी आई है" ...2
सत्य साधक को बचाने मैया सत्यरूपिणी आई है
लाल पीली नीली रंगी फूलां ये बताती है

Scanned by CamScanner

लाल चुनरी ओढ़ के मैया सिंह पे पधारी है।

"सोने वाले जागो ...2 माता तुम्हें जगाती है
समय ना व्यर्थ गँवाओ आओ माता तुम्हें बुलाती है" ...2
आत्मज्योत जगाने मैया सहस्रार स्वामिनी आई है
लाल पीली नीली रंगी फूलां ये बताती है
लाल चुनरी ओढ़ के मैया सिंह पे पधारी है

लल्ला की पैंजनिया बाजे रे प्यारे की पैंजनिया बाजे रे

लल्ला की पैंजनिया बाजे रे, प्यारे की पैंजनिया बाजे रे,
हाँ लल्ला की पैंजनिया बाजे रे, प्यारे की पैंजनिया बाजे रे,
झूम झूम झूम झूम छ न न न न न न न ...2, लल्ला की पैंजनिया .....

जसुमति सूत को चलन सिखावे ..., जसुमकत सूत को s s s
जसुमति सूत को चलन सिखावे ...2, अुगुरी पकड़ बिचकनिया ...,
देखो री सखी, अंगुरी पकड़ बिचकनिया ..., लल्ला की पैंजनिया .....

पीत झकुलिया तन पर सोहे ..., पीत झकुलिया s s s
पीत झकुलिया तन पर सोहे ...2, सर टोपी लटकनिया ...,
देखो री सखी, सर टोपी लटकनिया ..., लल्ला की पैंजनिया .....

अंग अंग सब भूषण साजे ..., अंग अंग सब s s s
अंग अंग सब भूषण साजे ...2, मन्द मन्द मुस्कनिया ...,
देखो री सखी, मन्द मन्द मुस्कनिया ..., लल्ला की पैंजनिया .....

तीन लोक जाकर उदर बसत है ..., तीन लोक जाके s s s
तीन लोक जाके उदर बसत है ...2, ताहे नचावे नन्दरनिया ...,
देखो री सखी, ताहे नचावे नन्दरनिया ..., लल्ला की पैंजनिया .....

लल्ला की पैंजनिया बाजे रे, प्यारे की पैंजनिया बाजे रे,
हाँ लल्ला की पैंजनिया बाजे रे, प्यारे की पैंजनिया बाजे रे,
झूम झूम झूम झूम छ न न न न न न न ...2, "लल्ला की पैंजनिया 3

लिखने वाले तू होकर दयाल लिख दे

लिखने वाले तू होकर दयाल लिख दे।
मेरे हृदय विच मैया का प्यार लिख दे ...2,

माथे पे मेरे लिख दे, ज्योति मैया ...3,
कानों में सहजयोग नाम लिख दे, मेरे कानों में ...
मेरे हृदय विच मैया का प्यार लिख दे ...

आँखों में लिख दे मेरे, सूरत मैया की ...3,
मेरी जिव्हा पे मैया जी का नाम लिख दे ...2,
मेरे हृदय विच मैया का प्यार लिख दे ...

हाथों में लिख दे मेरे, सेवा मैया की ...3,
मेरे हृदय में माँ निर्मल का नाम लिख दे ...2,
मेरे हृदय विच मैया का प्यार लिख दे ...

एक मत लिखियो मेरी मैया से विछोहना ...3,
और चाहे सारा संसार लिख दे, तू और चाहे सारा संसार लिख दे
मेरे हृदय विच मैया का प्यार लिख दे ...

माँ बिन करूणा कौन करे

माँ बिन करूणा कौन करे, " मोरी माँ बिन करूणा कौन करे ...3,
हम अज्ञानी कुछ भी ना जाने ...2, हीया पे कौन धरे ...2
हो s s हो s s माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

जनम जनम की पूँजी पाई ...2, धन्य धन्य भाग बढ़े ...2
हो s s हो s s माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

वस्तु अलौकिक दी मोरी माँ ने ...2, जनम के पुण्य फले ...2
हो s s हो s s माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

जिसकी नैया माँ के हवाले ...2, तूफाँ से काहे डरे ...2
हो s s हो s s माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

परम धाम भई आत्मा हमरी ...2, श्री माँ के चरण धरे ...2
हो s s हो s s माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

सुरती जागी जबसे हमारी ...2, हीया में सुगंध भरे ...2

Scanned by CamScanner

हो S S हो S S माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...
हम अज्ञानी कुछ भी ना जाने ...2, हीया पे कौन धरे ...2
हो S S हो S S माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

माँ का जन्म दिन आया कि हिल मिल मंगल गाओ रे

माँ का जन्म दिन आया कि, हिल मिल मंगल गाओ रे...2,
सबका मन हर्षाया कि, हिल मिल मंगल गाओ रे...2,

आज का दिन है कितना पावन, शुभ संदेश है लाया...2,
कि हिल मिल मंगल गाओ रे...2, माँ का जन्म दिन आया ... ...

नैनों में सबके छाई मस्ती, दर्शन माँ का पाया... हो दर्शन माँ का पाया ...,
कि हिल मिल मंगल गाओ रे...2, माँ का जन्म दिन आया ... ...

माँ निर्मल है प्रेम सागर, भर भर के छलकाया...2,
कि हिल मिल मंगल गाओ रे...2, माँ का जन्म दिन आया ... ...

माँ की ममता फैली जग में, जग उजियारा छाया... हो जग उजियारा छाया...,
कि हिल मिल मंगल गाओ रे...2, माँ का जन्म दिन आया ... ...

माँ का जन्म दिन सबको मुबारक, वन्दना माँ का गाया...2,
कि हिल मिल मंगल गाओ रे...2, माँ का जन्म दिन आया ... ...

नत मस्तक हो शीश झुकायें, आशीष माँ का पाया... हो आशीष माँ का पाया ...,
कि हिल मिल मंगल गाओ रे...2, माँ का जन्म दिन आया..... सबका मन ... ...

माँ का नाम अति मीठा है

माँ का नाम अति मीठा है ...2, कोई गा के देख ले ...2
माँ का नाम अति मीठा है ..., कोई गा के देख ले ...2
आ जाती है माँ कोई, बुलाके देख ले S S ...
माँ का नाम अति मीठा है ..., कोई गा के देख ले ...2
आ जाती है माँ कोई, बुलाके देख ले SS, माँ का नाम अति मीठा है

जिस मन में अभिमान भरा हो, माँ कहाँ से आये ...2
घर में हो अंधकार भरा, मेहमान कहाँ से आये ...2

माँ के नाम की ज्योति हृदय ...2, जलाके देख ले S S ...
माँ का नाम ...2, मोरी माँ का नाम, माँ का नाम,

मोरी माँ का नाम अति मीठा है ..., कोई गा के देख ले ...2
आ जाती है माँ कोई, बुलाके देख ले SS, माँ का नाम अति मीठा है ...

गीत अजामिल गज गणिकाएँ, ऐसी करे कमाई ...2
नीच करम का करने वाला, तर गया सघन कसाई ...2
पत्थर से हरी प्रकटे हैं ...2, प्रकटाके देख ले SS ...
माँ का नाम ...2, मोरी माँ का नाम, माँ का नाम,

मोरी माँ का नाम अति मीठा है ..., कोई गा के देख ले ...2
आ जाती है माँ कोई, बुलाके देख ले SS, माँ का नाम अति मीठा है

आधे नाम पे आ जाती है, हे कोई बुलाने वाला ...2
बिक जाती है माँ, कोई है मोल चुकाने वाला ...2
कोई जौहरी आके ...2, मोल लगाके देख ले SS ...
माँ का नाम ...2, मोरी माँ का नाम, माँ का नाम,

मोरी माँ का नाम अति मीठा है ..., कोई गा के देख ले ...2
आ जाती है माँ कोई, बुलाके देख ले SS, माँ का नाम अति मीठा है

माँ की शरण में रहना सहजी, जीवन की चतुराई ...2,

माँ की शरण में रहना सहजी जीवन की चतुराई
प्रातः समय में ध्यान करना, सहज की है गहराई...2, माँ की शरण... ... चतुराई...

माँ की महिमा कितनी न्यारी, माँ हमारी सबसे प्यारी ...,
नैनों में ये प्यार भरा और, वाणी में मधुराई...2, माँ की शरण... ... चतुराई...

विचलित मन जब ध्यान में हो ना, विचारों से मन दूर ही रखना ..,
पूर्ण समर्पण जब हो माँ से, जाती है कठिनाई...2, माँ की शरण... ... चतुराई ...

सब मिलकर ये पूजन करना, पूजन करके ध्यान में रहना ...,
मंगलमय पूजा अवसर पर, गूँजती है शहनाई...2,माँ की शरण... ... चतुराई ...

माँ की शरण में रहना सहजी, जीवन की चतुराई ...2,

Scanned by CamScanner

प्रातः समय में ध्यान करना, सहज की है गहराई...2, माँ की शरण... ... चतुराई...

(माँ निर्मल भोली भाली, मेरा सहारा तुम ही हो ,
माँ भक्तों की रखवाली, मेरा सहारा तुम ही हो) ...,2

माँ निर्मल भोली भाली, मेरा सहारा तुम ही हो,
माँ भक्तों की रखवाली, मेरा सहारा तुम ही हो...2
माँ निर्मल .....

मैं निशदिन तुझको ध्यायू, मैं तेरे ही गुण गाऊ ...,2
मुझे अपना दास बनालो, मेरा सहारा तुम ही हो ...,2
माँ निर्मल .....

माँ बेड़ा पार करादो, हमको शिव से मिलादो ...,2
स्वयं से मुझे मिला दो, मेरा सहारा तुम ही हो ...,2
माँ निर्मल .....

मेरे दिल में है तेरा डेरा, मेने पकड़ा आँचल तेरा ...,2
मुझे आँचल में छिपा लो, मेरा सहारा तुम ही हो ...,2
माँ निर्मल भोली भोली, मेरा सहारा तुम ही हो,
माँ भक्तों की रखवाली, मेरा सहारा तुम ही हो,
मेरा सहारा तुम ही हो ...,6

मैं नूर तेरा बन जाऊँ, बस तुझमें ही खो जाऊँ ...,2
मुझे अपने में समा लो, मेरा सहारा तुम ही हो
मेरा सहारा तुम ही हो ...,6

चैतन्य की लहरे बहती, माँ तुमसे है ये कहती ...,2
चैतन्य से हमें मिला दो, मेरा सहारा तुम ही हो ...,2
मेरा सहारा तुम ही हो,

माँ निर्मल तेरे योगी हम

माँ निर्मल तेरे योगी हम, निर्मल हो हमारे करम
जग को जागृत करे, सबका स्वागत करे यह विश्व निर्मला धर्म

सहजयोग का करने प्रचार
जब जाऐगे हम द्वार-द्वार
वो चैतन्य परम की अनुभूति चरम
परब्रह्म से हो साक्षात्कार
ब्रह्म रन्ध्र उद्धित हो स्वयं
निर्विचारिता होवे सुगम - जग को जागृत करे .....

ध्यान करने का हो सबको ज्ञान
इड़ा पिंगला सुस्मना का भान ...2
सबमे जागे लगन साधना में मगन
साधको को हो निर्मल ज्ञान
निर्विक्लप समाधि के सम
साधना में ये मन जाऐ रम - जग को जागृत करे .....

तू सूरज हम तेरी किरण
सदा लौकित करेगे कण-कण ...2
आज माँ के समक्ष, सब सहजी समस्त
अपने हृदय में लेगें ये प्रण
जो मिले उसको दे जागरण
जन-जन का हो दूजा जनम
जग को जागृत करे सबका स्वागत करे .....

माँ निर्मला हमें तुम

माँ निर्मला हमें तुम अपनी कृपा का वर दो ...2
हमें आत्म ज्ञान देकर, आत्मा स्वरूप कर दो ...2

हे माता आदिशक्ति चरणों की दे दो भक्ति ... चरणों .....
हृदय में बसे के श्री माँ, सागर दया का भर दो ...2

सर्वस्व तुमको अर्पण, चरणों में हो समर्पण ... चरणों .....

सर्वस्व तुमको अर्पण, चरणों में हो समर्पण ... चरणों .....
बस ये है शुद्ध इच्छा, परिपूर्ण इसको कर दो ...2

Scanned by CamScanner

सहजी तुम्हें पुकारें, आओ हृदय हमारे .... आओ ....
आ कर कृपा करो माँ चैतन्य हम में भर दो ...2

हम में ही ना महज हो, जन-जन में माँ सहज हो-जन-जन ....
अपनी कृपा का श्री माँ, उपकार हम पे कर दो

माँगें न और ज्यादा, इच्छा है इतनी माता ... इच्छा है ...
मेरे सहज कुटुम्ब का विस्तार जग में कर दो ...2

माँ निर्मला हमें तुम अपनी कृपा का वर दो ...2
हमें आत्म ज्ञान देकर, आत्मा स्वरूप कर दो ...2

माँ राम हैं, माँ रहीम हैं

माँ राम हैं, माँ रहीम हैं ...2, माँ करीम कृष्ण खुदा भी हैं ...2
सीता भी माँ,राधा भी माँ ...2,कल्की का माँ अवतार हैं ...2,माँ राम हैं ...2,

इस तन में माँ, इस मन में माँ ...2, इस जग के हर कण कण में माँ ...2
साकाऽर है, निराकाऽर है ...2, आदि अनादि विराट है ...2, माँ राम हैं ...2

माँ ही वेदों में, माँ ही पुराण में ...2, बाईबल में माँ ही कुरान में ...2
मनोहारिणी भवतारिणी ...2, हृदय बसी जगदम्बे है ...2, माँ राम हैं, माँ...

कहीं माँ की धुन, कहीं आह्वाहन ...2, करूणामयी की है सब रचन ...2,
जग जननी जग कल्याणी माँ ...2, आदि गुरू पराशक्ति है ...2, माँ राम...

हर युग के हर दर्पण में माँ ...2, नया रूप अपना बदलती है ...2,
हम जाने हैं पहचाने हैं ...2, उद्धार हेतु आई है ...2, माँ राम हैं, माँ रहीम

सीता भी माँ, राधा भी माँ ...2, कल्की का माँ अवतार हैं ...2
माँ राम हैं, माँ रहीम हैं ...2, माँ करीम कृष्ण खुदा भी हैं ...2, माँ राम हैं

मैं नाचूँ तोरे अंगना में

" नाचूँ तोरे अंगना में, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2," ...2,

गणपति नाचे, कार्तिकेय नाचे ...2, संग संग सारे सहजी नाचे ...2,

मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,

ब्रह्मा नाचे, विष्णु नाचे ...2, संग संग सारी सृष्टि नाचे ...2,
मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,

शिवजी नाचे, नन्दी नाचे ...2, संग संग सारे गण भी नाचे ...2,
मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,

कृष्णा नाचे, राधा नाचे ...2, संग संग सारे गोकुल नाचे ...2,
मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,

मेरी नाचे, जीसम नाचे ...2, संग संग सारा ब्रह्माण्ड नाचे ...2,
मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,

हम भी नाचे, तुम बभी नाचो ...2, संग संग सारे सहजी नाचे ...2,
छोड़ शरम लाज, नाचे SSS माँ के अंगना में ...,
मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,

मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो

मैया ना बोलूँ मैं झूँठ ...2, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि निर्मल ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

भोर से मैं गईयन को रखवारो ...2, चुगा के गईयन को मैं हारो ...2,
भोर से मैं गईयन को रखवारो, चुगा के गईयन को मैं हारो ...,
साँझ परे अंधियारो, जब मैं घर में आयो री

Scanned by CamScanner

कि मैया ना बोलूँ मैं झूँ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ...2
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूत्र मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि निर्मल, ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

मात मौसू कह तू जितनो छोटो ...2, माँ S S S S S
मात मौसू कह तू जितनो छोटो ...2, कन्हैया उतनो ही तू खोटो ...2,
मैं बहियन को छोटो, छीकों कहीं विद पायो री ...2,
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ...2
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि निर्मल ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

ग्वाल मुझे चोरी में फँसवावे ...2, "माँ S S . हे माS S S S ...3" ...2,
ग्वाल मुझे चोरी में फँसवावे ...2, मुझे वे पीटे और पिटवावे ...2,
मुझको चोर बतावे, ये झूँठा दोष लगायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ...2
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि निर्मल ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

तूने ही मुझपे दोष लगाया माँ तूने ही मुझपे दोष लगाया ...2,
जोर ते पकड़ कान, धमकायो ...2,
ना उर कंठ लगायो, भेद तेरे दिल उपजायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ...2
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि निर्मल ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

काल ते मैं ना गईयन पे जाऊँ ...2, माँ S S S S S ...2,
काल ते मैं ना गईयन पे जाऊँ ...2, ना अब लकुटि कंवरिया खाऊँ ...2,

नन्द बाबा को जाये सिखाऊँ मैं, क्यूँ धमकायो री ...
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ...2
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि निर्मल ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

देख के कान्हा की चतुराई ...2, यशोदा माँ मन्द मन्द मुस्काई ...2
देख के कान्हा की चतुराई, निर्मल माँ मन्द मन्द मुस्काई ...
वे उर कंठ लगायो गोद में सुत बैठायो री ...
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ...2
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न में नहीं खायो री
कि निर्मल ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

मैया तेरे चरणों की गर धूल जो मिल जाये

मैया तेरे चरणों की ...2, गर, धूल जो मिल जाये ...
सच कहता हूँ निर्मल माँ ...2, तकदीर बदल जाये ..., मैया तेरे चरणों ...

ये मन बड़ा चंचल है, कैसे तेरा ध्यान धरूँ ...3
जितना इसे समझाऊँ ..., जितना इसे बहलाऊँ ..., उतना ही मचल जाये...
मैया तेरे चरणों की ...2, यदि धूल जो मिल जाये ..., सच कहता हूँ ...

सुनते हैं तेरी रहमत, दिन रात बरसती है ...3
इक बूँद जो मिल जाये ...2, दिल की कली खिल जाये ...
मैया तेरे चरणों की ...2, यदि धूल जो मिल जाये ..., सच कहता हूँ ...

नजरों से गिराना ना, चाहे कितनी सजा देना ...3
नजरों से जो गिर जाये ...2, मुश्किल ही संभल पाये ...,
मैया तेरे चरणों की ...2, यदि धूल जो मिल जाये ..., सच कहता हूँ ...

मैया इस जीवन की बस, इतनी तमन्ना है ...3
तुम सामने हो मेरे ...2, मेरा जीवन संवर जाये ...,
मैया तेरे चरणों की ...2, यदि धूल जो मिल जाये ..., सच कहता हूँ ...

Scanned by CamScanner

मैया थारो चंदा जैसो रूप सलोनो

मैया थारो चंदा जैसो रूप सलोनो, माँ रूप सलोनो ...2
ममता रा लाग्या भंडार, माँ निर्मल थारे आंगनिये ...2

मैया थारे मुखड़े री चमक निराली ...2, माँ चमक निराली ...2
चाँद सूरज शरमाये, माँ निर्मल थारे आंगनिये...2

मैया थारो कंगना रंग बिरंगा ...2, माँ रंग बिरंगा ...2
इन्द्र धनुष शरमाये, माँ निर्मल थारे आंगनिये ...2

मैया थारी चुनरी तारा रत्ना वाली ...2, माँ तारा रत्ना वाली ...2
पूनम की रात शरमाये, माँ निर्मल थारे आंगनिये...2

चक्र त्रिशुल माता अष्ट भुजा धारी ...2, माँ अष्ट भुजा धारी ...2
कांधे पे केश लहराये, माँ निर्मल थारे आंगनिये ...2

मैया थारी बिंदिया री चमक निराली ...2, माँ चमक निराली ...2
चरणां में चित्त लगाये, माँ निर्मल थारे आंगनिये...2

मैया थारो चंदा जैसो रूप सलोनो, माँ रूप सलोनो ...2
ममता रा लाग्या भंडार, माँ निर्मल थारे आंगनिये ...

ममतामयी माँ दुर्गा सी लागे

ममतामयी माँ दुर्गा सी लागे, साक्षात लक्ष्मी की प्रतिमा सी लागे,
ओ बोली तुम्हारी वीणा सी लागे, युग को जगाने को पधारी निर्मल माँ
बड़ी भोली सी प्यारी सी, हमारी निर्मल माँ, ममतामयी माँ दुर्गा सी ...

साधक जनों की साधना होती है ...2, आराधकों की आराधना होती है,
सन्तों की योग धरती, हर आशा पूर्ण करती ...2
ओ निरवाज्य प्रेम की गंगा सी लागे, सबके मिलाने को पधारी निर्मल माँ
बड़ी भोली सी प्यारी सी, हमारी निर्मल माँ, ममतामयी माँ दुर्गा सी ...

जीवन जो धन्य करे वह धन्य स्वरूपा है, मन चेतन से भरे, चैतन्य स्वरूपा है
आध्यात्मिक दिव्य ज्योति, दर्शन से तृप्ति होती ...2,
ओ मंगल मयी की उपमा सी लागे, शोभा बढ़ाने को पधारी निर्मल माँ

बड़ी भोली सी प्यारी सी, हमारी निर्मल माँ, ममतामयी माँ दुर्गा सी ...

भटके हुए जग को नई राह दिखाई हैं, धर्मान्धता सारी माता ने मिटाई है
द्वारे पर जो भी आये, रिद्धि पाये सिद्धि पाये ...2,
ओ भवसागर में नइया सी लागे, मुक्ति दिलाने को, पधारी निर्मल माँ
बड़ी भोली सी प्यारी सी, हमारी निर्मल माँ, ममतामयी माँ दुर्गा सी लागे,
साक्षात् लक्ष्मी की प्रतिमा सी लागे, ओ बोली तुम्हारी वीणा सी लागे,
युग को जगाने को पधारी निर्मल माँ, बड़ी भोली सी प्यारी सी, हमारी निर्मल माँ

मन चाहे वर दे

मन चाहे वर दे, ज्ञान ज्योति भर दे, धर्म पूर्ण कर दे माई तू ऽऽ
झुके वतन शरण तेरी ऽऽ वंदना सदा करे वो सर्वत्र जन ...2
तन मन से जपते रहे तू है स्वामिनी
सहजयागियो के लिए तू मार्ग दर्शनी ...2
साधना कैसे करे सीखले मिसाल सारी ...2
जहां की तू सूर्य है तो हम है किरण- मन चाहे वर दे .....
युग युग से तरस रहे तेरी चाह में
चक्षु बिछा बैठे अब तेरी राह में 2
माँ के चरणो में कभी झुकना भूले ना कोई ...2
जहां की तू सूर्य है तो हम है किरण
मन चाहे वर दे, ज्ञान ज्योति भर दे।

मन तुम नाहक द्वन्द मचाये

मन तुम नाहक द्वन्द मचाये ...2,
करि असमान छुओं नहीं काहु ...2, पापी फूल चढ़ाये ...2
मूरती से दुनिया फल माँगे ..., अपने हाथ बनाये ...,
मन तुम नाहक द्वन्द मचाये ...2

झूठी काया झूठी माया ...2, झूठे झूठे झूठन खाये ...
बाझीन गाय दुध नहीं देह ...2, माखन कहाँ से पायें,
मन तुम नाहक द्वन्द मचाये ...2

साँचे के संग साँच बसत है ...2, झूठे मारी हटाये ...

Scanned by CamScanner

कहै कबीर जहाँ साँच वस्तु है ...2, सहजे दरसन पाये,
मन तुम नाहक द्वन्द मचाये ...2

मनवा निर्मल निर्मल बोल भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले

रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...4,
अरे मुक्ति कहाँ मिले रे, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...3,

माँ ही जल में, माँ ही थल में ...2, आती क्यूँ ना, तेरी अकल में ...2,
बेशक घूमे जा, तू बन में ...2, शिव बिन शक्ति कहाँ मिले ...2,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...2,

अरे "माँ ही सत्य, मात ही सुन्दर ...2, सोवे क्यूँ ना घट के अन्दर ...2,
मन तेरा बना नहीं जो मन्दिर ...2, माँ की भक्ति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...,
अरे मुक्ति कहा. मिले रे, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...

रे मनवा जय माँ जय माँ बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...2,
अरे "दया में माँ माँ बसी धरम में ...2, मन वाणी माँ बसी करम में ...2,
बन्दे हो लो लीन परम में ...2, माँ बिन तृप्ति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...2,

अरे "अमर अखण्डा माँ अविनाशी ...2, निर्मल माँ घट घट की वासी ...2,
बेशक बन साधु सन्यासी ...2, ध्यान बिन वृति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...,
अरे मुक्ति कहाँ मिले रे, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...
रे मनवा जय माँ बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...2,

बुरी दुनिया दारी की होड़ ...2, करे क्यूँ धन माया की होड़ ...2,
इक दिन सब कुछ जावे छोड़ ...2, होड़ में व्यक्ति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...,
अरे मुक्ति कहाँ मिले रे, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...

रे मनवा जय माँ जय माँ बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...2,

माता जी आई अंगना रे

माता जी आई अंगना रे, अंगना रे ...5,

लाल चुनर ओढ़ी मैया जी ऐनी ...2, ब्रह्म चैतन्य के वर्षा करई ने ...2,
चोला लाल SSSS ... चोला लाल जड़ऊ रत्ना रे ...,
माता जी आई अंगना रे, अंगना रे ...3,

माथे पे बिंदिया चम चम चमके ...2, पायलिया छम छम छम छमके ...2,
हाथ कंगन SSSS... हाथ कंगन नयन कजरारे ..., "माता जी आई ...3,

लक्ष्मी रूप माँ तू धनवन्ती ...2, सरस्वती रूप महा गुणवन्ती ...2,
काली रूप SSSS... काली रूप राक्षस संहारे ..., " माता जी आई ...3,
शरणागत हम कुछ नहीं जानी ...2, तोहरी चरण में बैठाले मानी ...2,
हे मैय्या SSSS... है मैय्या कर पार हम आये ..., "माता जी आई ...3,
माता जी आई अंगना रे, अंगना रे ...3,

माता मेरी हे निर्मल माई

माता मेरी हे निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

मूलाधार में पावन बना दो, गुण अबोधिता का माँजगा दो ...2
गणपती जैसी हो चतुराई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी हे निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

शुद्ध इच्छा माँ हममें जगा दो, निर्मल ज्ञान सहज का सिखा दो ...2
तुम ही ब्रह्म देव सरस्वती माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी हे निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

संतुष्टी जगा दो माँ हममें, लालसा ना रहे कोई मन में ...2
मन में रहना माँ हर दम समाई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी हे निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुनाई ...2

माँ मेरी मेरे हृदय में आओ, प्रेम करूणा की गंगा बहाओ ...2

Scanned by CamScanner

दिल में रहना माँ हर दम समाई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी है निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

कण्ठ में भर दो माँ मीठी वाणी, बनके विठ्ठल यशोदा रूकमणी ...2
तुम ही राधा हो, कृष्ण कन्हाई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी हे निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

क्रोध ना माँ कभी हम में आये, क्षमा दात्री क्षमा तू सिखाये ...2
तुम ही जीजस तुम्ही मैरी माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी हे निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

सहस्त्रार स्वामिनी मोक्ष प्रदायिनी, निर्मला माँ सहज योग दायिनी ...2
कुण्डलिनी शक्ति माँ ने जगाई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी हे निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

माता मेरी निर्मला तेरा गूँजे जय जयकारा

आ SSS अरे माता मेरी निर्मला,और धरता तेरा ध्यान,दया दास पे कीजिये,मैं
सेवक अज्ञान, है S S हे जी माता मेरी निर्मला, तेरा गूँजे जय जयकारा
हे माता मेरी निर्मला, हो तेरा गूँजे जय जयकारा, हे माता मेरी निर्मला ...,

अरी "सहजयोग तेरा चमत्कार है ...2,हे माँ"सहजयोग तेरा चमत्कार है...2,
सब भक्तों को मिला प्यार है ...2, सब भक्तों को मिला प्यार है ...2,
हे मैनें, तेरा लिया सहारा, हे हे माता मेरी निर्मला
हे तेरा गूँजे जय जयकारा, हे हे माता मेरी निर्मला ...2,

अरी "देश विदेश तेरे परचारी ...2, हे माँ "देश विदेश तेरे परचारी ...2,
सहजयोग की शक्ति भारी ...2, सहजयोग की शक्ति भारी ...2,
हे, "तुम्हे जान गया जग सारा, हे हे माता मेरी निर्मला ...2,
हे तेरा गूँजे जय जयकारा, हे हे माता मेरी निर्मला ...2,

अरी "अज्ञानी भी शरण में आते ...2, हे माँ "अज्ञानी भी शरण में आते ...2,
फिर तेरा ही गुण वे गाते ...2, फिर तेरा ही गुण वे गाते है ...2,
हे, मिल जाता उन्हें किनारा, हे हे माता मेरी निर्मला
हे तेरा गूँजे जय जयकारा, हे हे माता मेरी निर्मला ...2,

माता जी माता जी

माता जी माता जी माताजी, मेरे हृदय में आओ जी ...4

श्री माँ महाकाली आओ जी, संग में भैरव जी को लाओ जी ...2
मेरी ईडा में ...2 आओ जी, बाधाओं से बचाओं जी ...2
माता जी माता जी माताजी, मेरे हृदय में आओ जी॥

श्री माँ महासरस्वती आओ जी, संग में हनुमान को लाओ जी ...2
मेरी पिंगला में ...2 आओ जी, अहंकार से बचाओ जी ...2
माता जी माता जी माताजी, मेरे हृदय में आओ जी॥

श्री माँ महालक्ष्मी आओ जी, संग में गणेश को लाओ जी ...2
मेरी सुष्मना में ...2 आओ जी, निर्विचारिता दिलाओ जी ...2
माता जी माता जी माताजी, मेरे हृदय में आओ जी॥

श्री माँ कल्की तुम आओ जी, सदाशिव से मिलाओ जी ...2
मेरे सहस्त्रार ...2 पधारो जी, एकाकारिता कराओ जी ...2
माता जी माता जी माताजी, मेरे हृदय में आओ जी॥

माताजी माताजी कव्वाली

आलाप-मूरले कुल-मुल्क लाशरी का लाहु, वाह दाहु ला इलाहा इल्लाहु
शमस तव रेज़ गर खुदा ताला बंद, खुशबु का ला इलाहा इल्लाहु
माताजी जी - जी माताजी जी - जी माता जी माता जी माता जी ...4
यह जमीं जब न थी, यह जहाँ जब न था ...2
चाँद सूरज न थे, आसमाँ जब न था ?
राजे हक भी किसी पर आया जब न था ...2
तब न था कुछ जहाँ, था मगर तू ही तू, माताजी ...2

माताजी आदिशक्ति निर्मलादेवी प्राणरूपिणी
क्षिप्रप्रसादिनी महाराज्ञी महारानी सहजयोगदायिनी
निश्कला निश्कला निस्तुला निस्तुला निष्कलंका निष्कलंका निरूपप्लवा
निरूपप्लवा निर्गुणा निर्गुणा निर्विकल्पा निर्विकल्पा निरीश्वरा ...,
महादेवी महाशक्ति शर्मदायिनी परमेश्वरी सुधास्तुति

Scanned by CamScanner

पावनाकृति श्री विलासिनी आदि माँ ..., आदि माँ माँ माँ, माताजी ...

पहुँचे मेरज में अर्श तक मुस्तफा ...2, जब न माँ बुद बन्दे में पर्दा रहा ...2
तब मदालिक ने हजरत से, झुक कर कहा सारी मखलूक में ...2
हक नुमा तू ही तू, माताजी ...
खल पे कुल है तू इसमें क्या गुफ्तगु,
सारे आलम को है तेरी ही जुस्तजु ...2, तेरी जल्वागरी है, अलाचार सू ...2
या शारिका लहू ...2, माले कुल मुल्क तू, माताजी .

ला इलाहा तेरी शान या वादाहू ...2, तू ख्याल ओ तज्जुस, तू ही आरजू ...2
आँख की रोशनी दिल की आवाज तू, था भी तू, है भी तू
होगा भी तू ही तू, माताजी ...

मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है

मेरा आपकी कृपा से ...2, सब काम हो रहा है ...,
मेरा आपकी कृपा से, सब काम हो रहा है ...2,
करते हो आप श्री माँ ...2, मेरा नाम हो रहा है,
मेरा आपकी कृपा से, सब काम हो रहा है ...2,

पतवार के बिना ही, मेरी नाव चल रही है ...2,
हैरान है जमाना, मंजिल भी मिल गयी है,
करता नहीं मैं कुछ भी, सब काम हो रहा है ...3,
करते हो आप श्री माँ ...2, मेरा नाम हो रहा है,
मेरा आपकी कृपा से, सब काम हो रहा है ...2,

तुम साथ हो जो मेरे, किस चीज़ की कमी है ...2,
किसी और चीज़ की अब, दरकार भी नहीं है ...,
तेरा साथ है गुलाम अब, गुलफाम हो रहा है ...3,
करते हो आप श्री माँ ...2, मेरा नाम हो रहा है,
मेरा आपकी कृपा से, सब काम हो रहा है ...2,

मैं तो नहीं हूँ कामिल, तेरा पार कैसे पाऊँ ...2,
मीठी नहीं है वाणी, गुणगान कैसे गाऊँ ...,

तेरी दया से निर्मल, ये कमाल हो रहा है ...3,
मेरा आपकी कृपा से, सब काम हो रहा है ...3,

मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे

मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे ...3
मैं कहता हूँ आँखन देखी ...2, तू कहता कागज की लेखी ...2
मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे ...2
मैं कहता सुरझांवन हारी ...2, तू राखयो उरझाई रे ...2
मैं कहता हूँ जागत रहियो ...2, तू रहता है सोई रे ...2
मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे ...2

मैं कहता निमोही रहियो ...2, तू जाता है मोही रे ...2
जुगन जुगन समझावत हारा ...2, नहीं मानत है कोई रे ...2
मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे ...2

सतगुरु धारा निर्मल बाहे ...2, वामे काया धोई रे ...2
कहत कबीर सुनो भई साधो ...3, अब ही वैसा होई रे ...2
मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे ...2, मैं कहता हूँ आँखन देखी ...2, तू कहता कागज की लेखी ...2, मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे ...2

मेरी दुनिया है माँ तेरे इन चरणों में

मेरी दुनिया है माँ s s,तेरे इन चरणों में ...2,
सब कुछ पाया माँ ...2, तेरे इन चरणों में ..., " मेरी दुनिया है ...2,

मेरी राहों के दीये, तेरी दो अखियाँ माँ ...2,
मुझे वेदों से बड़ी ...2, तेरी दो बतियाँ माँ ..., " मेरी दुनिया है ...2,

ना मिला युग युग में, वो मिला है पल में ...2,
तेरी ही दया से माँ ...2,आया तेरे चरणों ...,"आया तेरे चरणों में ...,"मेरी दुनिया है...2,

संगीत का सागर, माँ तेरे चरणों म ...2,
अमृत छलके माँ ...2, तेरे इन चरणों म ..., " मेरी दुनिया है ...2,

मेरी दुनिया है माँ s s, तेरे इन चरणों में ...2,
सब सुख पाया माँ ...2, तेरे इन चरणों में..., " मेरी दुनिया है ...2,

Scanned by CamScanner

मेरी माँ पूनम का चाँद

मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद
माथे पे बिन्दिया हो ओ माथे पे बिन्दिया आ हाँ माथे पे बिन्दिया, चमक रही
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद, माथे पे बिन्दिया चमक रही

हमने माता को मुकट पहनाया ...3,
उसपे टीका ओए होए उसपे टीका आ हाँ उसपे टीका करे कमाल कमाल कमाल
माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, चमक रही,
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद, माथे पे बिन्दिया चमक रही ...

हमने माता को हार पहनाया ...3
उसपे मोती ओए होए उसपे मोती आ हाँ उसपे मोती करे कमाल कमाल कमाल
माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, चमक रही,
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद, माथे पे बिन्दिया चमक रही

हमने माता को चूड़ीयाँ पहनायी ...3
उसपे मेंहदी ओए होए उसपे मेंहदी आ हाँ उसपे मेंहदी करे कमाल कमाल कमाल
माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, चमक रही,
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद, माथे पे बिन्दिया चमक रही ...

सहजी बहनों ने माँ को साड़ी पहनायी ...3
उसपे चुनरी ओए होए उसपे चुनरी आ हाँ उसपे चुनरी करे कमाल कमाल कमाल
माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, चमक रही,
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँ, माथे पे बिन्दिया चमक रही ...

हमने माता को पायल पहनाई ...3
उसपे बिछुए ओए होए उसपे बिछुए आ हाँ उसपे बिछुए करे कमाल कमाल कमाल
माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, चमक रही,
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद, माथे पे बिन्दिया चमक रही ...
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद "माथे पे बिन्दिया चमक रही" -8

मेरी माता का करम है

आ S S S ...3, जब नामे निर्मला आ गया ...3, मेरी जुबाँन पर ...
जब नामे निर्मला आ गया ..., मेरी जुबाँन पर
आसान एक पल में मेरा काम हो गया, अ आसान एक पल में मेरा काम हो गया,
आ S S S था मुझ में कुछ ना था मगर हा हाँ S S S
था मुझ में कुछ ना था मगर उनका ही करम है ...
दुनिया ऐ इल्मोफन में मेरा नाम हो गया ...2,
तो दुनिया की अंजुमन में ओ ओ दुनिया की अंजुमन में
"कायम मेरा भरम है ...3, मेरी माता का करम है ...2,
निर्मला माता का करम है ...2, दुनिया के अंजुमन में ओ ओ ओ दुनिया के
अंजुमन में कायम मेरा भरम है ...
मेरी माता का करम है ...2, निर्मला माता का करम है ...2,
माता का करम है, मेरी माता का करम है ...2,
मेरी माता का करम है ...4 +4+4+4
मेरी माता का करम है, निर्मला माता का करम है ...2, ...
माता मेरी रंगीली "ऐसा रंगा दिया है ...3" ...2,
अनवारे निर्मला से "दिल जग मगा दिया है ...3" ...
दिल से मेरे उई का पर्दा हटा दिया है ...4,
अल्लाह और नबी से "मुझको मिला दिया है ...3,
ये माता की इनायत, ये माता की नवाजिश ...4,
दिल पर हुई है, मेरे चैतन्य की ये बारिश ...2, चैतन्य की ये बारिश ...4,
निर्मल ये ज्ञान देकर मस्ताना कर दिया है ...4,
दिल में खुदा को अपने सीने में भर दिया है,"सीने में भर दिया है ...2,
मंजिल पे मोक्ष की अब ओ ओ ओ मंजिल पे मोक्ष की अब पहुँचा मेरा कदम है ...
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
मंजिल पे मोक्ष की अब पहुँचा मेरा कदम है ...

मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
माता का करम है ...4, माता का करम है, मेरी माता का करम है ...,

Scanned by CamScanner

"माता का करम है ...2, मेरी माता का करम है ...2, ष ...2,
ओ मेरी माता का करम है ..., मेरी माता का ...2, निर्मल माता का ...2,
माता मेरी निराली, है शान उनकी आली, "है शान उनकी आली ...2,
माता मेरी निराली, है शान उनकी आली,"है शान उनकी आली ...2,
सीना है नूर वाला, सूरत है भोली भाली, "सूरत है भोली भाली ...2,

उनकी हर इक अदा में, अल्लाह की अदा है ...4,
उनके कदम पे चलना, मेरे लिये रवाँ है, "मेरे लिये रवाँ है ...2,
तालीम मन परख़ की, माता ने जब से दी है ...2,
मुझको खुदा नबी की, पहचान हो गई ...2,
बस एक नज़र में मुझको ...2, दिखलाये दोनों आलम,
बस एक नज़र में मुझको ..., दिखलाये दों आलम,
मैंने जमीं पर रहकर, "की सैर अरशे आज़म ...2,
मीरा सी मेरी सहजी, ओ ओ मीरा सी मेरी सहजी फिरदौस है इरम है ...2,
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
मीरा सी मेरी सहजी फिरदौस है इरम है ...,
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
"माता का करम है ..., मेरी माता का करम है ...4,
मेरी माता का करम है ...2, माता का करम है...,मेरी माता का करम है
मेरी माता का करम है...2, ओ "मेरी माता का ...2, निर्मल माता का ...2,
""माता ने लब लगाकर, "मुझको दिया है प्याला ...2,"" ...2,
चमका मेरी नज़र में, "तो ईद का उज़ाला ...3,
देखा जो मेरी जानिब, मस्ती भरी नज़र से ...4,
दिल हो गया रोशन, "अनवारे निर्मला से ...3,
जब से हुई है मुझको, दामन से उनकी निसबत ...4,
अल्लाह और नबी की, मुझ पर खुली हकीकत ...2,
उनकी गली में दरिया ...2, चैतन्य का रवाँ है ...,
उनकी गली में दरिया ..., चैतन्य का रवाँ है ...,
मेरी नज़र में हरदम, "निर्मल का आसता है ...3,
सहजी अब मेरे तन में ...2, निर्मल माता का ही दम है ...2,
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,

सहजी अब मेरे तन में ..., निर्मल माता का ही दम है ...,
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
शिकायत हो नहीं सकती, माँ दावा हो नहीं सकता ...4,
"माँ दावा हो नहीं सकता..4,शिकायत हो नहीं सकती,माँ दावा हो नहीं सकता..2
"माँ ऐसा पाक चेहरा, पाक नक्शा हो नहीं सकता ...2,
निर्मला माता ने,"निर्मला माता ने जिम्मा लिया है, पर्दा पोशी का ...3,
माता सहजी किसी ओ हो"माता सहजी किसी सूरत रूसवा हो नहीं सकता
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,

माता सहजी किसी सूरत रूसवा हो नहीं सकता
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
कायम है भरम मेरा, तो यह इज्जत है ...4,
ये चश्मे करम तेरी, ये तेरी इनायत है ...2,
कुछ भी नहीं सही लेकिन, ये बात हकीकत है ...3,
कतरा ही सही लेकिन ओ हो कतरा ही सही लेकिन दरिया से निसबत है
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
कतरा ही सही लेकिन दरिया से निसबत है
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,

हम यूँ तो बिक नहीं सके, दुनिया की बारगाह में ...4,
दुनिया की बारगाह में, दुनिया की बारगाह में ...2,
तकदीर लाई खींचकर, निर्मल की ज़ल्वागाह में ...2,
निर्मल की ज़ल्वागाह में, निर्मल की ज़ल्वागाह में ...2,
मैया ने मोल ले लिया है ...2, इक लब्ज़े निर्मला ने ...
मैया ने मोल ले लिया है ..., इक लब्ज़े निर्मला ने ...2,
लेते ही बंद कर लिया ओ हो लेते ही बंद कर लिया, इश्के आसना ...
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
लेते ही बंद कर लिया, इश्के आसना ...
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,

जब तक बिका ना था, कोई पूछता न था ...4,
तूने खरीदकर मुझे ओ ओ तूने खरीदकर मुझे, अनमोल कर दिया
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,

Scanned by CamScanner

तूने खरीदकर मुझे, अनमोल कर दिया
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
" हमने तो ईबादत को करीना बना लिया ...4,
" निर्मला माँ को देख लिया, सर झुका दिया ...4,
"तकदीर पर मुझे, अब नाज़ क्यूँ ना हो ...3,
तूने करम किया मुझे, ओ हो तूने करम किया मुझे अपना बना लिया ...
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
तूने करम किया मुझे अपना बना लिया ...,
" मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
" माता का करम है ..., मेरी माता का करम है ...4,

म्हारो बेड़ो लगादी जो पार

म्हारो बेड़ो लगादी जो पार निर्मल माताजी
ओ निर्मल माता जी हो म्हारा मिल माताजी
म्हारो बेड़ो लगादी जो पार

किये भव सागर से पार निर्मल माताजी
आपसे घणो घणो उपकार निर्मल माताजी
तो चरणा में जाऊँ बलिहार निर्मल माताजी
ओ निर्मल माता जी हो म्हारा मिल माताजी
म्हारो बेड़ो लगादी जो पार

आप तो कुण्डलीनी साकार निर्मल माताजी
आप तो कलयुग के अवतार निर्मल माता जी
आपरी महिमा अपरम्पार निर्मल माताजी
ओ निर्मल माता जी हो म्हारा मिल माताजी
म्हारो बेड़ो लगादी जो पार

सब सहजी आये द्वार निर्मल माताजी
सब सहजी को कर दो हमें निर्विचार निर्मल माताजी
ओ निर्मल माताजी
म्हारो बेड़ो लगादी जो ...,4

मोह लेई मनवा हमार माँ तोरी लाल बिंदिया

मोह लेई मनवा हमार, माँ तोरी लाल बिंदिया ...4,
लाल बिंदिया हो गुलाल बिंदिया, तोरी लाल बिंदिया ...2,
मोह लेई मनवा हमार, माँ तोरी लाल बिंदिया ...2,

देखण से कुण्डलिनी जग जाये ...2,
कुण्डलिनी जग जाये, चैतन्य छा जाये ...2, खोल देई ...2,
खोल देई, झट सहस्त्रार माँ तोरी लाल बिंदिया ...2,
लाल बिंदिया हो गुलाल बिंदिया, तोरी लाल बिंदिया ...2,
मोह लेई मनवा हमार, माँ तोरी लाल बिंदिया ...2,

शुद्ध विद्या दे ये, आनन्द दे ये ...2,
आनन्द दे, सचिद्दानन्द दे ये ... 2, कर गई ...2,
कर गई, हमें निर्विचार माँ तोरी लाल बिंदिया ...2,
लाल बिंदिया हो गुलाल बिंदिया, तोरी लाल बिंदिया ...2,
मोह लेई मनवा हमार, माँ तोरी लाल बिंदिया ...2,

एक बार देखूँ, हजार बार देखूँ ...2,
मन नहीं माने माँ, बार बार देखूँ ...2, अपना तो ...2,
अपना तो, यही संसार माँ तोरी लाल बिंदिया ...2,
लाल बिंदिया हो गुलाल बिंदिया, तोरी लाल बिंदिया ...2,
मोह लेई मनवा हमार, माँ तोरी लाल बिंदिया ...4,

मोहे देखत आवे हाँसी, पानी में मीन प्यासी

मोहे देखत आवे हाँसी ...2, पानी में मीन प्यासी
हाय-राम पानी में मीन प्यासी, मोहे देखत आवे हाँसी ...2

आत्म ज्ञान बिना हर कोई भटके, कोई मथुरा कोई काशी ...2,
जोगी होकर फिरे जंगल में ...2, वन वन फिरे उदासी
पानी में मीन प्यासी, हाय-राम पानी में मीन प्यासी,
मोहे देखत आवे हाँसी ...2

कस्तुरी मृग नाभ बसत है ...2, ढूंढत है बन माहीं रे बन माहीं रे माहीं

Scanned by CamScanner

कस्तुरी मृग नाभ बसत है ..., ढूंढत है बन माहीं ...,
पोथी पढ़ पढ़ पंडित होवे ...2, कौन मिले अविनाशी
पानी में मीन प्यासी, हाय-राम पानी में मीन प्यासी,
मोहे देखत आवे हाँसी ...2

मस्जिद चढ़कर मुल्ला पुकारे ...2, कौन कटे यम फाँसी
कहे कबीर सुनो भई साधो ...2, गुरू बिन कटे ना चौरासी
पानी में मीन प्यासी, हाय-राम पानी में मीन प्यासी, मोहे देखत ...2

मोहे लागी लगन, माँ के चरणन की

मोहे लागी लगन, माँ के चरणन की ...2, मोहे चाह नहीं कुछ पावन की,
चरण बिना मोहे कुछ नहीं भावे ...2, जग माया सब सपनन की ...2,
मोहे लागी लगन, माँ के चरणन की ...2, मोहे चाह नहीं कुछ पावन की,

भव सागर सब सूख गये अब ...2, फिकर नहीं मोहे तरनन की ...2,
मोहे लागी लगन, माँ के चरणन की ...2, मोहे चाह नहीं कुछ पावन की

सहजन के प्रभू निर्मला माँजी ...2, मोहे आस यही तोरे चरणन की ...2,
मोहे लागी लगन, माँ के चरणन की ...2, मोहे चाह नहीं कुछ पावन की,

Mother We Belong to You

"" Mother, mother we belong to you
Dear Mother, mother we belong to You "" ...2
हमको दिखाओ माँ, जीने के रास्ते, दुनिया में आई हो, तुम सबके वास्ते
Bless us Bless us Mother, save us Save us Mother
Tell us what we should do, Mother, mother we belong to you, Dear Mother, mother we belong to You
पाप हँसता है, धर्म करता है मातम,दुःख के शोलों में,सदियों से जल रहे हम,
भूल बैठे हैं, शांति की प्यारी सरगम, तुम जो चाहो तो, बदले शोलों का मौसम
माँ विश्व ये तमाम, करता है त्राही माम्,
लेकर तुम्हारा नाम, कहता है रक्ष माम्,"Mother, mother we belong to you,
Dear Mother, mother we belong to You

'M' for Modesty, 'O' for origin no other,
'T' for Trumfulness, 'H' for Holiness so pure,

'E' for Ever loving, 'R' for realization
Every letter is meaningful of the mother,
We are lost in the shadow; bring us down into light,
Help us to walk the right path, lead us to what is right
Bless us, Bless us Mother, Save us Save us Mother
Tell us what we should do, "Mother, mother we belong to you-2
सात चक्रों को, मात नव चेतना दो, देवी देवों के इनमें दर्शन करा दो,
मेरी जीसस की तुमसे तस्वीर देखी, फिर से एक बार मात सबको क्षमा दो,
इक राह पर चलें, आपस में सब मिलें, ममता की छाँव में, फूलों से हम खिलें,
Mother, mother, we belong to you,
Dear Mother, mother we belong to you-2
हमको दिखाओं माँ, जीने के रास्ते, दुनिया में आई हो तुम, सबके वास्ते
Bless us Bless us Mother, save us Save us Mother
Tell us what we should do, "Mother, mother we belong to you-4

मुझे रास आ गया है तेरे दर पे सर झुकाना

मुझे रास आ गया है ...2, तेरे दर पे सर झुकाना ...2,
तुझे मिल गया पुजारी ...2, मुझे मिल गया ठिकाना ...2,

मुझे रास आ गया है ..., तेरे दर पे सर झुकाना ...2,
मुझे इसका गम नहीं है, कि बदल गया जमाना ...2,
मेरी जिंदगी की मालिक ..., कहीं तुम बदल न जाना ...,
तुझे मिल गया पुजारी ...2,मुझे मिल गया ठिकाना...,मुझे रास आ गया है ...

माना कि मैं बुरा हूँ, नहीं दीद के हूँ काबिल ...2,
सर रख दिया है दर पे ...2, आता नहीं उठाना ...,
सर रख दिया है दर पे ..., आता नहीं उठाना ...,
तुझे मिल गया पुजारी ...2,मुझे मिल गया ठिकाना ...,मुझे रास आ गया है...

मेरी आरजू है निकले, मेरा दम तुम्हारे आगे ...2,
मेरी साँस चल रही है ...2, कहीं तुम चले ना जाना ...,
मेरी साँस चल रही है ..., कहीं तुम चले ना जाना ...,

Scanned by CamScanner

तुझे मिल गया पुजारी...2,मुझे मिल गया ठिकाना...,मुझे रास आ गया है...

तेरी बन्दगी से पहले, मुझे कौन जानता था ...2,
दुनिया है तेरे दम से ...2, तेरे दम से है जमाना ...2,
दुनिया है तेरे दम से ..., तेरे दम से है जमाना ...,
तुझे मिल गया पुजारी ...2, मुझे मिल गया ठिकाना ...2
मुझे रास आ गया है ..., तेरे दर पे सर झुकाना ...2,

नाम ना जाने, धाम ना जाने

नाम ना जाने, धाम ना जाने, जाने ना सेवा पूजा,
जाने बस इतना जाने हम, एक बिना नहीं दूजा नहीं दूजा

तुम आशा विश्वास हमारे, "तुम धरती आकाश हमारे" ...2 माता
तात मात तुम बन्धु भ्रात हो, दिवस रात्री, संध्या प्रभात हो
दीपक सूर्य, चन्द्र तारक में, माता, तुम्ही ज्योति प्रकाश हमारे माता
तुम आशा विश्वास हमारे, " तुम धरती आकाश हमारे" ...2 माता

साँसों में तुम आते जाते, एक तुम्हीं से हैं सब नाते ...2,
जीवन बनकर हर पतझड़ में ... ओ माँ, हो तुम्हीं, मधुमास हमारी माता
तुम आशा विश्वास हमारे, " तुम धरती आकाश हमारे" ...2 माता

तुम हो सबमें, हैं तुम में सब, तुम ही हो भव, हो तुम ही रब,
अश्रु हमारी आँखों में तुम, ओ माँ तुम होठें पर हास हमारी माता,
तुम आशा विश्वास हमारे, " तुम धरती आकाश हमारे" ...2 माता

नाशिकवा जोगवा, जगदंबेचा जोगवा माँगते

जगदंबेचा जोगवा माँगते ...2, आई अंबेचा जोगवा माँगते।
आई निर्मला महालक्ष्मीचा जोगवा माँगते ...2,
जगदंबेचा जोगवा माँगते ..., आई अंबेचा जोगवा माँगते ...

दुरीसारूनी अहंमपणा माळ मी घालीते। अंतरंगी शोधाचा दिवा मी लावीते ॥

अज्ञानाचा कापुर जाळुनी ...2, स्वयंप्रकाशा शोधिते ॥ जगदंबेचा जोगवा ...

ज्ञानाची संबल हाती घेतली। निर्मला आईची दिवटी मी पाजळली
कुवासनांचा पहाड़ भेदुन ...2, वारीला मी जाते ॥ जगदंबेचा जोगवा ...

निर्मला महादेवी झाले मी निःस्संग। नर्तनी कीर्तनी झाले हो मी दंग॥
झेंड़ा सहजयोगांचा मी ...2, मायेने मिरवीते ।
जगदंबेचा जोगवा माँगते, आई अंबेचा जोगवा माँगते।
आई निर्मला महालक्ष्मीचा जोगवा माँगते ...2,"जगदंबेचा जोगवा माँगते ...6

नव दुर्गा की जोत जगाओ रे

नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,
कदली स्तम्भों से द्वार सजाओ रे ...2, नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,

मंगलमय पावन दिन आया रे ...2, पावन बेला में मंगल गाओ रे...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,

गंगा जल से कलश भराओ ...2, जमुना जल से कलश भराओ ...2,
श्री चरणों का अभिषेक कराओ रे ...2, नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,

रोली मोली अक्षत लेकर ...2, मेंहन्दी माँ के चरण चढ़ाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,

चूनर रत्न जड़ित अर्पण कर ...2, गले मोतियन के हार पहनाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,

घर घर माँ की ममता बरसे ...2, हर आँगन में रंगोली सजाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,

मंगल दीपों के थाल सजाकर ...2, सब मिल माँ की आरती गाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,

हो जाये झंकृत ये तन मन ...2, ऐसे स्वरों से जयकार लगाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,

Scanned by CamScanner

नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2, कदली स्तम्भों से द्वार सजाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2, पावन बेला म मंगल गाओ रे ...2,
पावन बेला में जयकार लगाओ रे ...2, नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,

निर्मल चादर ओढ़ सहज की शरण में माँ की आये

" निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2, शरण में माँ की आये ...," ...2,
मन में माँ के, दर्शन कर के, मन ही मन हर्षायें,
निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2, शरण में माँ की आये ...,
मन में माँ के दर्शन कर के, मन ही मन हर्षायें,
निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2,

माँ ने भेजा, जग में हमको, निर्मल देकर काया ...2,
आकर के अब, सहज में हमने, इसका मान बढ़ाया ...2,
जन्मों की ये, पुण्याई है, माँ के दर्शन पाये,
" निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2, शरण में माँ के आये ...," ...2,
मन में माँ के दर्शन कर के,मन ही मन हर्षायें,"निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2,

निर्मल वाणी पाकर माँ से, नाम है माँ का गाया ...2,
अर्न्तमन में माँ को देखा, माँ का ध्यान लगाया ...2,
मन वीणा की तारे झंकृत, सुन्दर गीत सुनायें,
" निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2, शरण में माँ के आये ...," ...2,
मन में माँ के दर्शन कर के,मन ही मन हर्षायें,"निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2,

इन पैरों से चलकर, माँ के मंदिर, हम हैं आये ...2,
तहाँ जहाँ हो, पूजा माँ की, दर पर शीश नवायें ...2,
हम श्री माँ को, क्या करें अर्पण, स्वयं लीन हो जायें
" निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2, शरण में माँ के आये ...," ...2,
मन में माँ के दर्शन कर के,मन ही मन हर्षायें,"निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2,
जय जय माँ, जय जय माँ, जय जय माँ, जय माँ, ...7,

निर्मल चरण तेरी ही शरण तर्ज

निर्मल तेरी ही शरण
भुला भटका में आ गया द्वार

मुझे पार लगाना है माता ...,2
कर देना भव जल से उद्धार
निर्मल चरण तेरी ही शरण

तुम ज्ञान की सागर हो माता
में तो एक बालक अज्ञानी ...,2
में आत्मा ज्ञान बिन भटक रहा
मैंने सत्य की राह नहीं जानी ...,2
करूणा के सिन्धु महर करो ...,2 हो जावे मेरा बेड़ा पार
निर्मल चरण तेरी ही शरण

कुण्डलीनी जागृत कर तूने, मेरा अंधकार माँ दूर किया ...,2
चैतन्य का अनुभव देकर माँ, तुझे परमतत्व से जोड़ दिया
माँ कृपा आपकी हो जाये ...,2 मिले मोज का हमको नजारा ...
निर्मल चरण तेरी ही शरण

शरणागती दे दो माँ हमको, हरपल चरणो का ध्यान धरू
हृदय में माँ हर दम ही रहे ऐसी कृपा को मैं पाऊँ
तुम ही मेरी खेवेय्या माँ...2 कर दो जीवन नैय्या पार
निर्मल चरण तेरी ही शरण ...,3

निर्मल माँ का पावन प्रेम बुलाये

सुबह का भूला SS ओ ओ सुबह का भूला जो
शाम को लौटे तो भूला ना कहलाये,
आ जा रे तोहे निर्मल माँ का पावन प्रेम बुलाये ...2,
भटका है तू SS ओ ओ भटका है तू पापी नहीं है, मात यही समझाये,
आ जा रे तोहे निर्मल माँ का पावन प्रेम बुलाये ...2,

युगों युगों से दर दर भटके, " पल पल ठोकर खाई ...2,
अब आये हम माँ की शरण में, " नयी रोशनी पाई ...2,
हमने तन मन को सहज में कर दिया है दान ...,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

Scanned by CamScanner

माँ का ये दरबार देखो, "सात रंग का दरिया ...2,
इस रंगों में मन को धो लें, "और ना कोई जरिया ...2,
आओ सब हम मिलके गायें, माँ का ये गुण गान ...,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

अब ना कोइ दुखी रहेगा, "तेरे ये संसार में ...2,
खुल गयी हैं मन की आँखें, " तेरे ही आसार में ...2,
सोच समझ ले, पार उतर ले, माँ का है सब काम ...,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

सहजियों ने पुण्य किया हे, माँ का कहना है, निर्मल माँ का कहना है
इसीलिए सब सहजियों ने माँ को पाया है ...2,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2, "ये है पावन धाम ...2

निर्मल माँ ने प्यार दिया

निर्मल माँ ने प्यार दिया, निर्मल माँ ने सँवार दिया ...2,
बीच भँवर में अटकी थी नैया, नैया को पार लगाया
लगाया नैया को पार लगाया, " निर्मल माँ ने प्यार दिया, निर्मल ...2,

माँ ही हमारी आत्मा, माँ ही है परमात्मा ...2,
निर्मल माँ ने प्यार दिया, निर्मल माँ ने सँवार दिया ...2,
शीश झुकाये चरणों में सारे, कष्ट निवारे माँ ने हमारे ...2,
निर्मल माँ ने प्यार दिया, निर्मल माँ ने सँवार दिया ...2,

माँ की शरण में जीवन उभारा, माँ की कृपा ने किया हमको न्यारा ...2,
निर्मल माँ ने प्यार दिया, निर्मल माँ ने सँवार दिया ...2,

निर्मल माँ ने प्यार दिया, निर्मल माँ ने सँवार दिया ...2,
बीच भँवर में अटकी थी नैया, नैया को पार लगाया

निर्मल माँ निर्मल प्राण करो

निर्मल माँ, निर्मल प्राण करो, शरणागत का कल्याण करो ...2
स्नेह रूपा, सौम्य रूपा, दिव्य रूपा नमो नमः
पूज्य पात्री, क्षमा दात्री, जगत मात्री नमो नमः

ॐ ... हमें सहज की शक्ति प्रदान करो, शरणागत का कल्याण करो
निर्मल माँ ..., निर्मल प्राण करो, शरणागत का कल्याण करो ...

जबसे श्री मुख पर दृष्टि पड़ी, रवि शशि तारे श्री हीन लगे ...2
दानी वरदानी, एक तुम्हीं त्रिभुवन याचक और दीन लगे
सर्व दाता, सर्व ज्ञाता, सर्व धाता नमो नमः
पूज्य पात्री, क्षमा दात्री, जगत मात्री नमो नमः
ॐ ... अनमोल कृपा का दान करो, शरणागत का कल्याण करो
निर्मल माँ ..., निर्मल प्राण करो, शरणागत का कल्याण करो ...

या देवी सर्व भूतेषु, मातृ रूपेण संस्तुतः
नमस्तस्ये, नमस्तस्ये, नमस्तस्ये, नमो नमः
या देवी सर्व भूतेषू , शक्ति रूपेण संस्तुतः
नमस्तस्ये, नमस्तस्ये, नमस्तस्ये, नमो नमः

महा शक्ति का पूर्ण अवतार लिए, तुम नारी रूप में आई हो ...2
इस घोर महा कलिकाल में माँ, तुम सतयुग की परछाई हो ...
शक्ति रूपा, भक्ति रूपा, मुक्ति रूपा नमो नमः
पूज्य पात्री, क्षमा दात्री, जगत मात्री नमो नमः
ॐ ... अपनों की तरफ कुछ ध्यान करो, शरणागत का कलयाण करो
निर्मल माँ ..., निर्मल प्राण करो, शरणागत का कल्याण करो ...

चिन्ता मणि सम चिन्तन मात्रे, तुम चिन्ताएँ हर लेती हो ...2
सबकी बाधाएँ विपदाएँ, माँ अपने सर पर लेती हो ...
सत्य गर्भा, योग गर्भा, सृष्टि गर्भा नमो नमः
पूज्य पात्री, क्षमा दात्री, जगत मात्री नमो नमः
ॐ ... माँ दूर सकल अज्ञान करो, शरणागत का कल्याण करो
निर्मल माँ ..., निर्मल प्राण करो, शरणागत का कल्याण करो ...

स्नेह रूपा, सौम्य रूपा, दिव्य रूपा नमो नमः
पूज्य पात्री, क्षमा दात्री, जगत मात्री नमो नमः
ॐ ... हमें सहज की शक्ति प्रदान करो, शरणागत का कल्याण करो

Scanned by CamScanner

निर्मल माँ ..., निर्मल प्राण करो, शरणागत का कल्याण करो ...

निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी

निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी म्हारी प्यारी मैय्याकुण सजायो जी,
म्हारो मनड़ो हर लीनो थारी सुरत मतवाली ...,2

थारे हाथा में चुड़ला माथे पे बिन्दिया जी ...,2
थारे लाल चुनइ सोहे थे लागो अति प्यारी ...,2
निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी म्हारी प्यारी मैय्याकुण सजायो जी,

थे सहजयोग की ज्योत जगाई जी ...,2
सब ध्यान धरे थारो जय बोलो माँ थारी ...,2
निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी म्हारी प्यारी मैय्याकुण सजायो जी,

ये सहजी सारा लाड लडावे जी ...,2
सब झूम झूम के गाये जय बोल माँ थारी ...,2
निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी म्हारी प्यारी मैय्याकुण सजायो जी,

माँ कोटा आवो मन हरषावे जी ...,2
सब झूम झूम नाचे जय बोल माँ थारी ...,2
निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी म्हारी प्यारी मैय्याकुण सजायो जी,

निर्मल माता रावा

निर्मल माता रावा, ही जगति नील को रावा ...2,
सहजयोग दाता नीवम्मा, सकल जननी रावम्मा ...
निवांडलुग्को नित्यकुरलगंको ...2 शुभोदयानन सुभमललगकोवा sss...
निर्मल माता रावा, ही जगति नील को रावा ...

गंदकुमाललु गिविगोन, सुगन्ध परिमल निविगोनु ...2
केल्ललिवक्रम ठतिगोनु, सिन्दुर कलिशाम यिविगोनु ...2
ब्रह्मिकालः ध्यानम् लोना, ब्रह्ममज्ञाननेम् विअवः ...
उषाकालः ध्यानेम लोना, मुनकेमाघमयुपवाः ...,

निर्मल माता रावा, ही जगति नील को रावा ...

महालक्ष्मी वी निवम्मा, वीणाकांठीची निवम्मा ...2
महाकाली वी निवम्मा, त्रिगुणाजीमिकवे निवम्मा ...2,
सूर्य चन्दा नाडुल निवु शुभ ब्रह्म येसी, सुषुमना माता ना मोक्ष प्राप्तिनी अवा
निर्मल माता रावा, ही जगति नील को रावा ...

आदि शक्ति वी निवम्मा, अखिलांडेश्वरी निवम्मा ...2
आनन्द रूपिणी निवम्मा, अमृतवर्षिणी निवम्मा ...2,
विश्व निर्मल धर्मोनी की सारथी निवम्मा, निर्मल विद्यनभा कुनी घी निवम्मा,
निर्मल माता रावा, ही जगति नीते को रावा ...

निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं

निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं, माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं ...2,
तेरी महिमा जग में निराली, तू है हमको सबसे प्यारी, सबसे प्यारी ...,
निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं, माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं ...,

तेरी शरण में आये हैं माँ, नाम तेरा ले लेकर ..., आ s s ...
पावन हुये हैं इस जनम में, निर्मल सहज को अपनाकर ..., आ s s ...
तेरी दुनिया सबसे निराली, निर्मल मूरत सुन्दर प्यारी, सुन्दर प्यारी ...,
निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं, माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं ...,

सबका जीवन सुखमय करने, सहज का निर्माण किया ..., आ s s ...
अंधियारे में उजाला करके, सहजी को संत बना दिया ..., आ s s ...
ये संसार है तुझमें समाया, श्री निर्मल माँ सबसे न्यारी, सबसे न्यारी ...,
निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं, माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं ...,

हे निर्मल माँ तेरे दरस को, पल पल हमारा मन तरसे ..., आ s s ...
अखियाँ मेरी तुझको निहारें, तब दर्शन के फूल बरसे ..., आ s s ...
अब तो आजा दरस दिखा जा, माँ तेरे द्वारे मैं आई, द्वारे आई ...,
निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं, माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं ...,

Scanned by CamScanner

तेरी महिमा जग में निराली, तू है हमको सबसे प्यारी, सबसे प्यारी ...,
निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं, माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं ...3,

निर्मला निर्मला बोलो अरे निर्मला निर्मला निर्मला बोलो

"निर्मला निर्मला बोलो, अरे निर्मला निर्मला बोलो ...2,
निर्मला, निर्मला, निर्मला जग की माता निर्मला ...," ...2,

कलियुग में माता है आई, प्रेम का संदेशा है लाई ...2,
सहज योगियों को भाई रे S S S S ...,
भवसागर मझधार है नैया, मैं नेया तू मेरी खेवया ...2,
पार तो मुझको होना ही रे S S S S ...2,
सहज योग प्यारा सा छैला, सारी दुनिया में है फैला ...,
निर्मल हो जाये मन मटमैला, मटमैला, मटमैला, जग की माता निर्मला,
ओ "निर्मला निर्मला बोलो, अरे निर्मला निर्मला बोलो ...2,

माता के चरणों में आओ, दुखः दर्दों को दूर भगाओ ...2,
निर्मला प्रेमानन्द उठाओ रे S S S S ...,
माता है अज़ब सौदागर, प्रेम ही प्रेम दया का सागर ...2,
छोड़ के दुखः को प्रेम को बांटो रे S S S S ...2,
माँ बालक की ऐसी माया, सहजयोग में सब कुछ पाया ...,
जिंदगी में कर दे उजाला, उजाला, उजाला, जग की माता निर्मला,
"निर्मला निर्मला बोलो, अरे निर्मला निर्मला बोलो ...2,
निर्मला, निर्मला, निर्मला जग की माता निर्मला ...," ...2,

नित मंगल होरी खेलो नित बंसत नित फाग

नित मंगल होरी खेलो, नित बंसत नित फाग...2,
"नित मंगल होरी खेलो...2, नित बंसत नित फाग"...2,

दया धरम की केसर घोलो, प्रेम प्रीत पिचकारी...2,
भाव भगती से रेगी सत्गुरू संग...2, उमग उमग रंग डार, नित मंगल होरी...

क्षमा अबीर चरतचित चन्दन, सुमिरन ध्यान समार...2,
ज्ञान गुलाल अगर कस्तूरी...2, सुफल जन्म नर नार, नित मंगल होरी...

चरणामृत प्रसाद चरण रज़, अपने शीश चढ़ा...2,
लोक लाज़ कुल कान छोड़ के...2, निर्भय निशान बजा, नित मंगल होरी...

कथा कीर्तन मंगल महोत्सव, भई सहजी की भीड़...2,
कभी ना काज बिगड़ी है तेरो...2, सत् सत् कहत कबीर, नित मंगल होरी..

नित मंगल होरी खेलो, नित बंसत नित फाग...2,
"नित मंगल होरी खेलो...2, नित बंसत नित फाग"...2,

ओ जगत की माँ निर्मल माँ

तू ही सबकी पालनहारी, ओ जगत की माँ निर्मल माँ ...S

तेरी शरण में जो भी आया, ज्ञान का सागर उसने पाया
तेरी दुआ की कृपा हो जिस पर, हृदय का दीप उसने जलाया
तेरी अदा है सबसे न्यारी, ओ जगत की माँ निर्मल माँ ...S

तेरे रूप और रंग अनेक, तू है सबकी दाता
जीवन सबको तूने दिया है, तू है सबकी माता
तू है हमको सबसे प्यारी, ओ जगत की माँ निर्मल माँ ...S

तू है माया और महामाया, कोई तुझको समझ ना पाया
तेरी महिमा तू ही जाने, दर पर जो आया वही राह पाया
तेरी यारी सबसे न्यारी, ओ जगत की माँ निर्मल माँ ...S

तू ही सबकी पालनहारी, ओ जगत की माँ निर्मल माँ ...S

ओ निर्मल माँ हम तेरे दरबार में आये

ओ निर्मल माँ ...4, हम तेरे दरबार में आये, तेरे दरबार में आये ...2,

तू दुखियों के दुखः को हटाये, पीड़ितों की पीड़ा मिटाये
सुख ही सुख से हृदय भर आये, मौसम दिल बहलाये ...
चाँद और सूरज चारों दिशाएँ, तेरी शरण में आयें ...2
ओ निर्मल माँ ...24, हम तेरे दरबार में आये, तेरे दरबार में आये ...

एक नजर तू जिसको देखे, बंद कली खिल जाये ...

Scanned by CamScanner

हाथ तेरा जिसके सर पर हो, पत्थर सोना हो जाये
हँसी तेरे आ जाये लबों पर, सृष्टि भी मुस्काये ...2,
ओ निर्मल माँ ...4, हम तेरे दरबार में आये, तेरे दरबार में आये ...

तू ही आसमाँ, तू ही जमीं है, गिरते हुये को संभाले
जहाँ भी देखूँ, तेरी ही मूरत नैनों में समाये ...,
निर्मल निर्मल नाम जपत है, लहर लहर लहराये ...2,
ओ निर्मल माँ ...4, हम तेरे दरबार में आये, तेरे दरबार में आये ...2,

ओम् शिवाया नमो नमः

श्री शिवाया नमो नमः क्षमा क्षेमाया नमो नमः
परमेश्वराया एकनायकाय नित्यसुन्दराया नमो नमः,
ओम् शिवाया नमो नमः

श्री कामाया नमो नमः ध्यान धराया नमो नमः
कणिकरप्रिय नरनारायण प्रिय सदायोगी नमो नमः, ओम् शिवाया ...

आनन्दाया नमो नमः नन्दीखराया नमो नमः
विश्वेश्वराया त्रिलोचनाया आत्मप्रसन्नाया नमो नमः, ओम् शिवाया ....

श्री हराया नमो नमः रूद्ररूद्राया नमो नमः
महाकाल कालकालाय महायोगी नमो नमः, ओम् शिवाया...

पुरूषाया नमो नमः सर्वसहारा नमो नमः
सर्वेश्वराया कामेश्वराया आदिनिर्मलात्मा नमो नमः, ओम् शिवाया ...

श्री आत्माया नमो नमः नित्यनृत्याय नमो नमः
महेश्वराया विश्वेश्वराया सदाशिवाय नमो नमः

पहन के चोला लाल

लाली मेरी मात की, जित देखूँ उत लाल
लाली देखण मैं गई तो, मैं आप ही हो गई लाल ...SS
पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...2

मेरे घर आये ...8, पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...2

आज हमने निर्मल माँ की ज्योत जलाई है ...3
आई है माँ निर्मल अंखियाँ बिछाई हैं ...2, अंखियाँ बिछाई हैं ...4
ओढ़ चुनरिया लाल श्री माँ जी मेरे घर आये हो, ओढ़ चुनरिया लाल ...
मेरे घर आये ...8, पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...2

हाथों में प्यारी प्यारी चूड़ियाँ पहनाई हैं ...2
माथे पे प्यारी प्यारी बिंदिया सजाई है ...2, बिंदिया सजाई है ...4
होके शेर पे सवार श्री माँ जी मेरे घर आये, ओढ़ चुनरिया लाल ...
मेरे घर आये ...8, पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...

पैरों में प्यारी प्यारी झांझर पहनाई हैं ...2
बिछुए पहनाये ओर मेंहदी लगाई है ...2, मेंहदी लगाई है ...4
कर के सोलह श्रृंगार, श्री माँ जी मेरे घर आये, ओढ़ चुनरिया लाल ...
मेरे घर आये ...8, पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...

माँ की चुनरी का क्या करूँ वर्णन, माँ ने डूबे हुओं को तारा है ...,
लोग ये चाँद जिसे कहते हैं, माँ की चुनरी का एक सितारा है ...

हर सहजी में निर्मला समाई है ...2
निर्मला माँ ने सारी सृष्टि रचाई है ...2, सृष्टि रचाई है ...4
सब सहजी हो गये पार, श्री माँ जी मेरे घर आये, ओ सहजी हो गये पार
मेरे घर आये ...8, पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...

पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...2
मेरे घर आये ...8, पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...2

परमेश्वरी भगवती निर्मला हमें तेरी ममता का आश्रय मिला

परमेश्वरी भगवती निर्मला, हमें तेरी ममता का आश्रय मिला...2,
है उपकार तेरा, मिला ये बसेरा...2, हुआ जीवन फिर नया सवेरा ...
परमेश्वरी भगवती निर्मला, हमें तेरी ममता का आश्रय मिला...2,

नहीं बेसहारा नहीं दीन अब हम...2, हमीं शक्ति रूपा, तो करूणा भी हैं हम...,

Scanned by CamScanner

नहीं बेसहारा नहीं दीन अब हम..., हमीं शक्ति रूपा, तो करूणा भी हैं हम...,
मिली है मानवता आँचल में हमारे..., "परमेश्वरी... भगवती निर्मला, में तेरी...2,

है गुलशन हमारा बसेरा ये प्यारा...2, यहीं से शुरू नव जीवन हमारा...2,
विश्व निर्मला प्रेमाश्रम ये न्यारा...2, "परमेश्वरी... भगवती निर्मल, हमें तेरी...2,

झुके शीश तेरे चरण में माँ निर्मल...2, तू ही देख हमको तू ही थाम प्रति पल...,
झुके शीश तेरे चरण में माँ निर्मल..., तू ही देख हमको तू ही थाम प्रति पल...,
चले उस डगर पर जहाँ नाम तेरा..., "परमेश्वरी... भगवती निर्मल, हमें तेरी...2,
परमेश्वरी भगवती निर्मला, हमें तेरी ममता का आश्रय मिला...2,

है उपकार तेरा, मिला ये बसेरा...2, हुआ जीवन फिर नया सवेरा ...

पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो

पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,
तन मन ये हर्षाया रे, गुण माता के गा लो ...2,
पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,

मंडप चूनण का मन भाये ...2, रत्न अनूठे ज्यूं चढ़वाये ...2,
इन्द्र धनुषी छटा छाई रे ...2, छबी मन म बसा लो ...,
इन्द्र धनुषी छटा छाई रे ...2, छबी मन म बसा लो ...,
पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,

धन्य भाग्य माताजी पधारी ...2, स्वागत में गाये नर नारी ...2,
कण कण में माताजी समाई है ...2, अपनी बिगड़ी बनालो ...2,
कण कण में माताजी समाई है ..., अपनी बिगड़ी बनालो ...,
पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,

रोली मोला चूनड़ मंगाओ ...2, मैया का श्रृगांर सजाओ ...2,
मेंहदी अनोखी लगे जो ...2, वो महावर रचा लो ...2,
मेंहदी अनोखी लगे जो ..., वो महावर रचा लो ...,
पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,

पुष्प धूप सौरभ फैलाये ...2, अष्ट प्रहर तक भजन सुनाये ...2,
आज सुअवसर आया रे ...2, माता जी को रिझा लो ...2,

आज सुअवसर आया रे ..., माता जी को रिझा लो ...,
पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,

गुँज उठी, मंगल शहनाई ...2, स्वर लहरी हर मन पर छाई ...2,
अन्तर में ज्योत जगाई दो ...2, वो जयकारा लगा लो ...2,
अन्तर में ज्योत जगाई दो ..., वो जयकारा लगा लो ...2,
पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,

पिंजड़ा दिन दिन होये पुराना

" तन पिंजरे के अन्दर बैठा, आत्म राम कहे ...,
पिंजरा दिन दिन होये पुराना, पंछी वही रहे, पंछी वही रहे " ...2,

इस पिंजरे के नौ दरवाजे, ना साँकल ना ताला ...2,
खुले हुये पिंजरे में रहता, पंछी उड़ने वाला ...,
पिंजरा जन्में, पिंजरा पनपे, पिंजरा जले बहे ...,
पिंजड़ा दिन दिन होये पुराना, पंछी वही रहे, पंछी वही रहे " ...2,

ना जाने कितने युग से, पिंजरे पंछी का नाता ...2,
पंच तत्व निर्मित यह पिंजरा, बिखर बिखर जुड़ जाता ...2,
हानि लाभ सुख दुखः पिंजरे का ...2, पंछी आप सहे ...,
पिंजरा दिन दिन होये पुराना, पंछी वही रहे, पंछी वही रहे " ...2,

लख चौरासी भांति के पिंजरे, पंछी सब एक जैसे ...2,
ज्ञानी सोचे इस पिंजरे से, मुक्ति मिले तो कैसे ...,
पिंजरे के सहज योग से ही, पिंजरे से मुक्ति मिले ...,
पिंजरा दिन दिन होये पुराना, पंछी वही रहे, पंछी वही रहे " ...2,

" तन पिंजरे के अन्दर बैठा, आतमा राम कहे ...,
पिंजरा दिन दिन होये पुराना, पंछी वही रहे, पंछी वही रहे " ...2,

प्रथम ध्यान धरो तिहारो

प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2, फिर जगत के सगरे काम ...2,
प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,

चरण कमल पर वारी जाऊँ, चरण कमल पर वारी जाऊँ ...2,

Scanned by CamScanner

तेरे चरण तीरथ चारों धाम ...2, प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,
निर्मल निर्मल नाम जपूँ मैं, निर्मल निर्मल नाम जपूँ मैं ...2,
माँ की महिमा को तू भी जान ...2, प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,
निर्मल नाम को मन में बसा ले, निर्मल नाम को मन में बसा ले ...2,
बना ले अपने बिगड़े काम ...2, प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,
सब धन से से ऊँचा निर्मल धन है, सब धन से से ऊँचा निर्मल धन है ...2,
सहजयोग में डूब के तू भी जान ...2, प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,
निर्मल नाम है प्रेम का सागर, निर्मल नाम है प्रेम का सागर, ...2,
तू भी प्रेम से नाता बाँध ...2, प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,
फिर जगत के सगरे काम ...2, प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,

प्रतिबिम्ब देवी माँ का

"प्रतिबिम्ब देवी माँ का, तरसे है माँ मिलन को
इस हृदय की धड़कन में, आभास हुई है धड़कन" ...2
प्रतिबिम्ब देवी माँ का
जिसे खोज़ रहे थे दर दर, उसके ही संग हैं हर पल ...2
इस दृष्टि के आने से ...2, महसूस किया है वो धन
प्रतिबिम्ब देवी माँ का
मति सोच में थी डूबी, उलझे थे ग्रन्थि सारे ...2
गौरी माँ के विचरण से ...2, माया को तर ही गये हम
प्रतिबिम्ब देवी माँ का
ये मोह के छाये बंधन, जिनसे थे लिपटे सब हम ...2
ब्रह्मरन्ध्र के भेदन से ...2, रौशन हुआ अपना हर कण
प्रतिबम्ब देवी माँ का तरसे है माँ मिलन को

पूजा करे संसार मैया तेरी पूजा करे

पूजा करे संसार, मैया तेरी पूजा करे ...2,
पूजा करे, तेरी पूजा करे ...2, "पूजा करे संसार मैया तेरी ...2,

तेरे पूजन को मैया, गणेश जी आये ...2,

गणेश जी आये, संग में गौरा माँ को लाये ...2,
चूहे पे हो के सवार, मैया तेरी पूजा करे ...2,
पूजा करे संसार, मैया तेरी पूजा करे ...2,

तेरे पूजन को मैया, विष्णु जी आये ...2,
विष्णु जी आये, संग में लक्ष्मी जी को लाये ...2,
गरूड़ पे हो के सवार, मैया तेरी पूजा करे ...2,
पूजा करे संसार, मैया तेरी पूजा करे ...2,

तेरे पूजन को मैया, शंकर जी आये ...2,
शंकर जी आये, संग में पार्वती को लाये ...2,
नन्दी पे हो के सवार, मैया तेरी पूजा करे ...2,
पूजा करे संसार, मैया तेरी पूजा करे ...2,

तेरे पूजन को मैया, सहजी हैं आये ...2,
सहजी हैं आये, मैया सहजी हैं आये ...2,
चैतन्य की बरसे फुहार, मेया तेरी पूजा करें ...2,
पूजा करे संसार, मैया तेरी पूजा करे ...2, पूजा करे, तेरी पूजा करे ...2,
पूजा करे संसार, मैया तेरी पूजा करे ...3,

पूर्ण समर्पण हो आत्मदर्शन हो

पूर्ण समर्पण हो, आत्मदर्शन हो ...2, जब हृदय में बसे, मेरी माता
पूर्ण समर्पण हो, आत्मदर्शन हो ...2

"अपने दिल की कली, जब सहज में खिली,
शिव की शक्ति हमें, तब ही हासिल हुई" ...2
इस प्रेम के सागर में, जो भी बहा ...2
कहे डूबा रहूँ, साहिल तू ना आ ...
अब तो मिल ही गया, अनमोल जहाँ ...2
जब हृदय में बसे, मेरी माता ...SS पूर्ण समर्पण हो, आत्मदर्शन हो ...
"अनुकम्पा जभी, ब्रह्म देवा की हो,

Scanned by CamScanner

ज्ञान निर्मल तभी, हमसे बहने लगे" ...2
संतुलन इड़ा पिंगला में, ऐसा बने ...2
कर्म करते नहीं, हैं ये होते स्वतः ...
ऐसी होनी से, जीवन भी तीर्थ बने ...2
जब हृदय में बसे, मेरी माता ...SS पूर्ण समर्पण हो, आत्मदर्शन हो ...

"श्री गणेश स्वयं माँ के द्वारे बसे,
भोलेपन में स्वयं को ही अर्पित किये" ...2
शुद्धता और विवेक की मूरत बने ...2
इतनी शक्ति वो दे कैसे, अनुमान हो ना ...
हो कृपा हम पर, इच्छा शुद्ध हो अगर ...2
जब हृदय में बसे, मेरी माता SS ...2,

पूर्ण समर्पण हो, आत्मदर्शन हो ...
जब हृदय में बसे, मेरी माता ...6

राधे राधे जपो, चले आयेंगें बिहारी

राधे राधे जपो, चले आयेंगें बिहारी,
राधे राधे, राधे राधे जपो, चले आयेंगें बिहारी ...2
आयेंगें बिहारी, चले आयेंगें बिहारी ...3

राधा मेरी चंदा तो चकोर हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले आयेंगे बिहारी,
राधे राधे SS, राधे राधे जपो, चले आयेंगें बिहारी ...2
आयेंगें बिहारी, चले आयेंगें बिहारी ...3, राधे राधे, राधे राधे जपो, चले ..."
राधा रानी मिसरी तो स्वाद हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले ..."

राधा मेरी गंगा तो धार हैं बिहारी ...3, " राधे राधे जपो, चले ..."
राधा रानी तन तो प्राण हैं बिहारी ...3, " राधे राधे जपो, चले ..."

राधा रानी सागर तो तरंग हैं बिहारी ...3, " राधे राधे जपो, चले ..."
राधा रानी मोहिनी तो मोहन हैं बिहारी ...3, " राधे राधे जपो, चले ..."

राधा मेरी गोरी तो सांवरे हैं बिहारी ...3, " राधे राधे जपो, चले ..."
राधा रानी भोली भाली चंचल हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले ..."

राधा रानी नथनी तो कंगन हैं बिहारी ...3, " राधे राधे जपो, चले ..."
राधा रानी मुरली तो तान हैं बिहारी ...3; "राधे राधे जपो, चले ..."

राधे राधे ओ, राधे राधे जपो, चले आयेंगें बिहारी ...2, आयेंगें बिहारी ...

रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया, काया

रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया, काया ...2
रंग ना दे इस चंचल मन को ...2, अपने रंग में माया
रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया, काया

" काले पीले रंगों का, ये मैला जग सारा,
इस दुनिया के सब रंगों से तेरा है रंग न्यारा" ...2
सहज को लगा है रंग ये तेरा ...2, कोई उतार न पाया
रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया, काया

" हम क्या जाने भक्ति रंग में मन कैसे रंग पाये,
रंग जायेगा उस रंग में वो, तू जो रंग चढ़ाये"
तुम निर्मल हो हम पर करना ...2, निर्मल रंग की छाया
रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया, काया

"तेरे रंग में ऐसे रंगे हम, दूजा रंग ना लागे,
तुम बिन कोई नजर ना आये इन नैनों के आगे" ...2
जल को स्थल को सारे जगत को ...2, रंगा रंग बनाया
रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया, काया

रे सहजी झूम झूम के नाचे आज

अ र र र र S S रे सहजी झूम झूम के नाचे ...2,
तू सोये भाग्य जगाले आज ...2, कि चेतन की बरसे फुहार ...2, अ र रे...
कि इतना जोर से नाच तू आज ...2, रे धरती अम्बर झूमे साथ ...2,
रे गायें चारों दिशाएँ आज ...2, अ र र रर S S रे सहजी झूम .....

Scanned by CamScanner

श्री माँजी के माथे पे बिंदिया साजे ...2, ये मुखड़ा प्यारा चाँद सा लागे ...2,
जो देखे देखता ही रह जाये ...2, अ र र र र र S S रे सहजी झूम .....

कि सहजी चारों दिशा से आये ...2, श्री माँजी के चरणों में सब गाये ...2,
रे सहजी नाचे, माँ मुस्काये ...2, अ र र र र र S S रे सहजी झूम .....

श्री माँजी के चरणों में जो आये ...2, वो माँ से आज है प्यार पाये ...2,
कि माँजी भव से पार लगाये ...2, अ र र र र र S S रे सहजी झूम .....

रुद्राष्टकम्

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं। विभुं व्यापकं ब्रह्म वेदस्वरूपम् ॥
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं। चिदाकाशमाकाशवासं भजेऽहं ॥

निराकारमोंकारमूलं तुरीयं । गिरा ग्यान गोतीत मीशं गिरीशं ॥
करालं महाकाल कालं कृपालं । गुणागार संसारपारं नतोऽहं ॥

तुषाराद्रि संकाश गौरं गभीरं। मनोभूत कोटि प्रभाश्री शरीरम् ॥
स्फुरन्मौलि कल्लोलिनी चारू गंगा। लसद्भालबालेन्दु कंठे भुजंगा॥

चलत्कुंडलं भ्रू सुनेत्रं विशालं। प्रसन्माननं नीलकंठं दयालं॥
मृगाधीश चर्माम्बरं मुण्डमालं। प्रियं शंकरं सर्वनाथं भजामि॥

प्रचंडं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशं। अखंडं अजं भानुकोटि प्रकाशं ॥
त्रयः शूल निर्मूलनं शूलपाणि। भजेऽहं भवानिपतिं भावगम्यं ॥

कलातीत कल्याण कल्पान्तकारी। सदा सज्जनानन्द पुरारी ॥
चिदानंद संदोह मोहापहारी। प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी ॥

न यादव् उमानाथ पादारविन्दं। भजंतीह लोके परे वा नराणां॥
न तावत्सुखं शांति सन्तापनाशं। प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवासं ॥

न जानामि योगं जपं नैव पूजां। नतोऽहंसदा सर्वदा शंभु तुभ्यं॥
जरा जन्म दुःखौघ तातप्यमानं। प्रभोपाहि आपन्नमामीश शंभो॥
रुद्राष्टकमिदं प्रोक्तं विप्रेण हरतोषये।
ये पठन्ति नरा भक्त्या तेषां शम्भुः प्रसीदति ॥

ॐ त्वमेव साक्षात् श्री आदिशक्ति माताजी श्री निर्मला दैव्यै नमो नमः॥

सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई

भारत भूमि पावन भूमि ..., प्रभू ने यहीं अवतार लिये ...,
सुर नर असुर मुनि जन सबके, दुनिया में उद्धार किये ...,
अब की बार प्रभू अवतार श्री माँ बनकर आई ...,
सब अवतारों की अवतार " है निर्मला माई ...2, ...

अब की बार ..., प्रभू अवतार .....2, माँ बनकर आई ....,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई ..., हाय सब अवतारों ...,

महालक्ष्मी महासरस्वती, " माँ दुर्गा महाकाली है ...2,
माँ कल्की है आदिशक्ति है ..., "माँ की बात निराली है ...2,
जल थल नभ ओर अगन पवन में ...2, माँ की परछाई ...,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई ..., हाय सब अवतारों ...2,

ये तन एक माटी का बरतन, "आत्मा ही तो जीवन है ...2,
आत्म ज्ञान से ध्यान ज्ञान से ..., "प्रभू मिलन ही समर्पण है ...2,
सात चक्र की माया है काया ...2, माँ ने समझाई ...,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई ..., हाय सब अवतारों ...2,

मूलाधार में कुण्डलिनी माँ, "गणपति/श्री गणपति उनके पालक हैं ...2,
स्वाधिष्ठान में ब्रह्मदेव ..., "नाभि के विष्णु चालक हैं ...2,
भवसागर में आदि गुरू हैं ...2, दत्तात्रेय साँई ...,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई ..., हाय सब अवतारों ...2,

हृदय चक्र के शिव मालिक, "और राम/श्री राम रखिईयाँ है ...2,
चक्र विशुद्धि कंठ में ..., " विट्ठल और कन्हैया हैं ...2,
बाईबल गीता कुरान यही से ...2, गुरूवाणी गाई ...,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई ..., हाय सब अवतारों ...2,

आज्ञा चक्र में माँ मेरी, और येशु बसते हैं, प्रभु येशु बसते हैं ...,
बुद्ध और महावीर " शुद्ध बुद्धि को रखते हैं ...2,

Scanned by CamScanner

सहस्त्रार में सम रहती है ...2, माँ निर्मल माई ...,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई ..., हाय सब अवतारों ...2,

क्षमा करो तुम ध्यान धरो ...2, और/तुम निर्विचारिता को पा लो ...2,
आत्मज्ञान मिल जायेगा ..., "माँ निर्मल की महिमा गा लो ...2,
सहजयोग अपनाकर जीवन ...2, करलो सुखदाई ...,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई..., हाय सब अवतारों ...2,

सबके दिल में बसी है निर्मला

आ s s s s s s s
वो जिसका नूर की किरणें तवाफ करती हैं ...3,
वही है आस्ताने निर्मला सहस्त्रार में ...2,
इलाही फासुले, इलाही फासुले, कुछ इस तरह सिमट जायें
कि नमाज़ दिल में हो और दुआ सहस्त्रार में ...

आ s s आज निर्मल से मिलने की घड़ी आई है ...2,
जामें चैतन्य के, जामें चैतन्य के छलकने की घड़ी आई है ...,
आज निर्मल से मिलने की घड़ी आई है ...,
जामें चैतन्य के, जामें चैतन्य के छलकने की घड़ी आई है ...,
माँ के छुपने का, माँ के छुपने का, मुझे राज़ कोई गम ही नहीं ...,
दिल के आइने में, इस दिल के आइने में तस्वीर उतर आई है ...,
सबके दिल में,"सबके दिल में बसी है मेरी माता निर्मला ...3, 2,
सबके दिल में,ओ सबके दिल में हाँ सबके दिल में,सबके दिल में बसी है मेरी माता
निर्मला, जाँ से प्यारी, ओ जाँ से प्यारी लगे है मेरी माता निर्मला
जाँ से प्यारी लगे है मेरी माता निर्मला

जब जब उनकी बात सुनाऊँ, निर्मला माँ को सामने पाऊँ ...2,
पीर बिन मुद्दा नहीं मिलता ...2, खिज्र बिन रास्ता नहीं मिलता ...,
दैरों काबा में ढूँढ़ने वालों ...3, बिन निर्मला माँ खुदा नहीं मिलता ...2,
जब जब उनकी बात सुनाऊँ, निर्मला माँ को सामने पाऊँ ...2,
मन ही मन में ...3, मैं मुस्काऊँ, देखो कितनी ओ देखो कितनी भोली है मेरी
माता निर्मला, "देखो कितनी भोली है मेरी माता निर्मला ...3,

जाँ से प्यारी, ओ जाँ से प्यारी लगे है मेरी माता निर्मला,
जाँ से प्यारी लगे है मेरी माता निर्मला,"निर्मला निर्मला ...4,

सा रेरे मम पप म मम रे रेरे सा ....,

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई, आपने सबकी बिगड़ी बनाई ...2,
मन की मुरादें सबने पाई ...2, मन की मुरादें सबने पाई ...2,
मेरी माता की बात क्या कहिये ...2, आला उनकी है जात क्या कहिये ...2,
है बड़ी नामवर, "है बड़ी नामवर मेरी माता ...2,
है बड़ी ताजवर मेरी माता ...2, है बड़ी ताजवर मेरी माता ...2,

सारी दुनिया के लोग आते हैं, अपने मन की मुराद पाते हैं ...2,
अपना दुखड़ा उन्हें, "अपना दुखड़ा उन्हें सुनाते हैं ...2,
अपनी बिगडी बना के जाते हैं ...2, अपनी बिगड़ी बना के जाते हैं ...2,
सबकी सुनती है बोलियाँ माता sss .., आ अ आ s s s
सबकी सुनती है बोलियाँ मात ...3, सबकी भरती है झोलियाँ माता ...4,

ऐ सवाहों अगर तेरा जाना, जा के मैया से इतना फरमाना कहना ...2,
कहना मजबूर, " कहना मजबूर अब नहीं हूँ मैं ...2,
कहना रंजूर अब नहीं हूँ मैं...2,कहना रंजूर अब नहीं हूँ मैं ...2, उनकी चौखट
को चूमकर कहना, उनके दर को भी चूमकर कहना ...2,
निर्मला योगी," निर्मला योगी बन गया हूँ मैं ...2,
निर्मला फौजी बन गया हूँ मैं ...2, निर्मला फौजी बन गया हूँ मैं ...2,

कहना अदना गुलाम कहता है, ऐ ऐ आ s s s
कहना अदना गुलाम कहता है ...2, कहना अदना गुलाम कहता है ...,
उनको सहजी प्रणाम करता है, उनको फौजी सलाम करता है ...2,
उनको फौजी सलाम करता है,

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई, आपने सबकी बिगड़ी बनाई ...2,
मन की मुरादें सबने पाई ...2, मन की मुरादें सबने पाई ...2,
मन की मुरादें सबने पाई, सबने पाई ...,

Scanned by CamScanner

भाग्य से जो, ओ "भाग्य से जो मिलि है मेरी माता निर्मला ...2,
ओ "सबके दिल में बसी है, मेरी माता निर्मला ...2, ओ सबके दिल ...,
जाँ से प्यारी, ओ जाँसे प्यारी लगे है, मेरी माता निर्मला,
जाँ से प्यारी लगे है, मेरी माता निर्मला ..... निर्मला s निर्मला s ...2,
ओ s s s "इरादा है कि किसी रहनुमा से मिल लूँगा ...4,
"मिले जो रहनुमा नानक गुरू से मिल लूँगा ...2, "मिले जो नानक तो राजा
जनक से मिल लूँगा...2, "मिले जो राजा जनक मोहम्मद से मिल लूँगा ...2,
नबी मिले तो ओ s ओ s s "न भी मिले तो ईसा मसीह से मिल लूँगा ...4, मिले
ईसा तो यकीनन खुदा से मिल लूँगा ...
मिले ईसा तो यकीनन खुदा से मिल लूँगा ...3, "निर्मला निर्मला ...4,

माँ की सखावत सबसे निराली, ऊँचा रूतबा शान भी आली ...2,
शान भी आली, शान भी आली ...2,, शान भी आली, शान भी आली ...2,
सहजी हैं तेरे दर पे सवाली ...2, सहजी हैं तेरे दर के सवाली ...2,
सहजी हैं तेरे, सहजी हैं तेरे, सहजी हैं तेरे दर के सवाली ...,
झुमकर कर वो, ओ "झूमकर कर वो कहे है मेरी माता निर्मला ...2,
झूमकर वो, झूमकर वो ...2,, झूमकर वो, कहे है मेरी माता निर्मला ...3,
सबके दिल में, ओ "सबके दिल में बसी है मेरी माता निर्मला ...2,
सबके दिल में, हाँ "सबके दिल में ...3, ओ
"सबके दिल में बसी है मेरी माता निर्मला ...2, जाँ से प्यारी,
जाँ से प्यारी लगे है, मेरी माता निर्मला, ओ सबके दिल में ...3,

सब तेरी शरण आयें माँ

सब तेरी शरण आये माँ ...3, माँ सब तेरी शरण आये माँ ...2,
सब तेरी शरण आये माँ ...2,
सहज संगम भयो अनन्त ...2, बहे आनन्द फुहार ...2,
सब तेरी शरण आये माँ ...2,
सारा जग तुझको ही पूजे ...2, बने अखण्ड ये धाम ...2,
सब तेरी शरण आये माँ ...2,
आत्म प्रेम का सागर बनें हम ...2, यही करम बने ज्ञान ...2,

सब तेरी शरण आये माँ ...2,
सब तेरी शरण आये माँ ..., माँ सब तेरी शरण आये माँ ...,
सब तेरी शरण आये माँ ..., शरण आये माँ ...,

सबसे प्यारी निर्मला आयी

सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2, सबसे न्यारी निर्मला आयी ...2,
सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2,

सहजयोग के हृदय में माँ ने ...2, प्रेम की ज्योत जलाई,
सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2, सबसे न्यारी निर्मला आयी ...2,

भाग्यशाली हम सहजी सारे ...2, निर्मल भक्ति पाई,
सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2, सबसे न्यारी निर्मला आयी ...2,

निर्मल माँ से लगन लगायी ...2, साँची है यही कमाई,
सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2, सबसे न्यारी निर्मला आयी ...2,

तुम माता हम बालक तेरे ...2, चरण कमल शरणाई,
सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2, सबसे न्यारी निर्मला आयी ...2,

निर्मला माँ को पाना जो चाहो ...2, ध्यान करो मेरे भाई,
सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2, सबसे न्यारी निर्मला आयी ...2

साधो सो सत्गुरू मोहे भावे

साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2, ...s, सत्यप्रेम का भर भर प्याला ...2,
आप पीवे, मोहे पियावे ...2, साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2,
परदा दूर करे अँखियन का ...2, ब्रह्म दरस दिखलावे, दिखावे ...
साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2,
जिस दरसन में सब लोक तरसे ...2, अनहद शब्द सुनावे, सुनावे ...
साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2,
एक ही सब सुख दुखः दिखलावे ...2, शब्द में सूरत समावे, समावे ...

Scanned by CamScanner

साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2,

कहत कबीरा ताको भय नाहीं ..., कहत कबीरा ..., " कहत कबीरा ...4,
कहत कबीरा ताको भय नाहीं ..., निर्भय पग परसावे, परसावे ...
साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2, सत्यप्रेम का भर भर प्याला ...2,
आप पीवे, मोहे पियावे ...2, साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2,

सफल दुआ हे उन्ही का जीवन

सफल हुआ हे उन्ही का जीवन, जो तेरे चरणों में आ चुके है 2
उन्ही की पूजा हुई है पूर्ण, जो तेरे चरणों में आ चुके है ...2

ना पाया तुझको अमीर बनकर, ना पाया तुझको फकीर बनकर ...2
उन्हीं को तेरे हुऐ है दर्शन ...2 जो तेरे चरणों में आ युके है ...2

जहां भी सहजी ने तुम्हे पुकारा, वही प्रगट हो दिया सहारा ...2
कटे है उनके दुःखो के बंधन ...2, जो तेरे चरणों में आ चुके है ...2

शरण तुम्हारी जो जन है आते, कृपा से तेरी वो मोक्ष पाते ...2
भक्ति में शक्ति उन्होंने पायी ...2 जो तेरे चरणों में आ चुके है ।

सहज दोहे

क्या तन मांजता रे, आखिर माटी म मिल जाना ...2,
माटी ओढ़न, माटी पहिरन, माटी का सिरहाना,
माटी का कल्बूत बनाया, जा में भंवर समाना ..., क्या तन 2,
माटी कहे कुम्हार से, क्या रुंधत है मोहे,
एक दिन ऐसा होएगा, मैं रुंधूंगी तोहे ..., क्या तन 2,
चुन चुन तिनका महल बनाया, बन्दा कहे घर मेरा,
ना घर तेरा ना घर मेरा, चिड़िया रैन बसेरा ..., क्या तन 2,
फटा ये चोला भया पुराना, कब तक सींवे दरजी,
दिल का मरहम कोई ना मिलिया, जो मिलिया अलर्जी, क्या तन 2,
सहज में चोला अमर भया तब, सहजी मिलिया दरजी,
दिल के मरहम सहज मिलेंगें, उपाकरण के गरजी ...., क्या तन 2,

सहज दोहे-निर्मल भजन -दीपक वर्मा

करूणामयी माँ की सूरत, देती शुभ संदेश ...2,
आदिशक्ति अवतार हैं, इन्सानों के वेश रे सहजी इन्सानों के वेश
सहजयोग है दे रहा, ऐसा जीवन सार ...2,
हर प्राणी को मिल रहा, माँ निर्मल का प्यार रे सहजी माँ निर्मल का प्यार,
माँ समझाये प्यार से, सहजयोग अपनाये ...2,
बन्द झरोखा भाग्य का, दर्शन से खुल जाये रे सहजी दर्शन से खुल जाये,
क्षेम बराबर माँ करे, घटित कर ले तू योग ...2,
माँ निर्मल के प्रेम से, मिट गये सारे रोग रे सहजी मिट गये सारे रोग,
पूँजी मतलब धन नहीं, नहीं पुत्र परिवार ...2,
सहज ज्ञान धन जब मिले, नही नश्वर की प्यास रे सहजी नही नश्चर की प्यास,
माँ निर्मल ने कर दिया, घर घर सहज प्रकाश ...2,
हर दिल म सन्तोष है, खुशियाँ मिले अपार रे सहजी खुशियाँ मिले अपार,
ध्यान समर्पण संतुलन, सहजयोग का सार ...2,
सामूहिकता में मिले, आत्मानन्द अपार रे सहजी आत्मानन्द अपार,
खुद को दोषी मत कहो, सबको करो क्षमा ...2,
मन में माँ के प्रेम की, रोशन करो शमां रे सहजी रोशन करो शमां,
सत्य म सार्थक जन्म हुआ, पाकर माँ का प्यार ...2,
सहजानन्द के रूप में, मिले सहज परिवार रे सहजी मिले सहज परिवार,
माँ के अनंत आशीष से, दुनिया हो भव पार ...2,
सतियुग सा चैतन बहे, कण कण अमृत धार रे सहजी कण कण अमृत धार,
करूणामयी माँ की सूरत, देती शुभा संदेश ...2,
आदिशक्ति अवतार हैं, इन्सानों के वेश "रे सहजी इन्सानों के वेश ...2,

सहज दोहे-निर्मल प्रेम - डा.राजेश

निर्मल हृदय राखिये, निर्मल होत विचार ...2,
निर्मल विद्या पा के, भव से हो जा पार रे सहजी भव से हो जा पार
सहजन दरिया प्रेम का, उल्टी जाकी धार ...2,
जो उबरा सो डूब गया, जो डूबा सो पार रे सहजी जो डूबा सो पार

Scanned by CamScanner

निर्मल नाम अनमोल है, जान लियो रे मीत ...2,
छोड़ सकल जंजाल को, कर माँ से तू प्रीत रे सहजी कर माँ से तू प्रीत
सहजन बाजी प्रेम की, खेलो सब माँ संग ...2,
जो जीते तो माँ मिले, और हारे माँ संग रे सहजी और हारे माँ संग
कलियुग छाया घोर है, पाप लोभ दुराचार ...2,
सब पापन के हरण को, माँ ने लिया अवतार रे सहजी माँ ने लिया अवतार
हृदय कपट ना राखिये, सबसे कीजिए प्यार ...2,
अन्दर बाहर एक हो, ऐसा करो व्यवहार रे सहजी ऐसा करो व्यवहार
सहजयोग सबके लिए, भेद भाव नहीं कोए ...2,
सब जन से जो प्यार करे, सो ही सहजी होए रे सहजी सो ही सहजी होए
खोजत खोजत युग गया, मिला ना आत्मज्ञान ...2,
बाहर खोजे छोड़ के, कर अपनी पहचान रे सहजी कर अपनी पहचान
सहजयोग को मानिये, इस जीवन का सार ...2,
माँ चरणों में बैठ के, सहज से हो जा पार रे सहजी सहजी से हो जा पार
निन्दा कबहुँ ना कीजिये, निन्दक खोये ज्ञान ...2,
पर अवगुण को छोड़ के, पर गुणों को जान रे सहजी पर गुणों को जान
हृदय हरपल राखिये, माँ से मिलन की आस ...2,
पूर्ण समर्पण कर दे तू, पूरा कर विश्वास रे सहजी पूरा कर विश्वास
मीठी वाणी बोलिये, सब को अपना जन ...2,
मधुर वाणी से जीत दिलों को, श्री माँ का ये ज्ञान रे सहजी श्री माँ का ये ज्ञान
निर्मल नाम अनमोल है, जान लियो रे मीत ...2,
छोड़ सकल जंजाल को, कर माँ से तू प्रीत रे सहजी "कर माँ से तू प्रीत

सहज ही निर्मल भक्ति सहज ही निर्मल गीता

सहज ही निर्मल भक्ति, सहज ही निर्मल गीता ...2,
सहज ही ऐसी शक्ति, सबको बुलावे अपने पास,अपने पास अपने पास ...,
सहज ही निर्मल भक्ति, सहज ही निर्मल गीता ...2,
कीर्तन भजन का झरना, प्यास बुझाले फिर मत रोना ...2,

नाम स्मरण में, माँ का हो ध्यान ...2, सहज ही ऐसा मन्दिर ...2,
माँ का उसमें हैं निवास, "सहज ही निर्मल भक्ति, सहज ही ...2,
वीणा से सुर निकले जो न्यारा, हृदय स्पर्श हो सहज की धारा ...2,
साँस साँस बन कर फैलेगी ...2, सहज ही ऐसी ऊर्जा ...2,
माँ को जपने में निहाल, " सहज ही निर्मल भक्ति, सहज ही ...2,
ये मेला चोला तेरा बोले, सहज गंगा में इसे तू धोले ...2,
मत पछताना हो के उदास ...2, सहज ही ऐसा तीरथ ...2,
निर्मल करले अपने साथ, " सहज ही निर्मल भक्ति, सहज ही ...2,
सहज ही ऐसी शक्ति, सबको बुलावे अपने पास,अपने पास अपने पास ...,
सहज ही निर्मल भक्ति सहज ही निर्मल गीता ...2,

सहज में आकर ध्यान धरे ना

सहज में आकर ध्यान धरे ना ...2, मोक्ष को कैसे पायेगा ...S
निर्मल ध्यान तू धरले सहजी ...2, निर्मल ज्ञान तू पायेगा ...S
सहज में आकर ध्यान धरे ना ...

भक्ति प्रिया है निर्मला माता ...2, निष्कामा माँ जगदाता ...2
प्रेम प्यार से भक्ति कर, माँ है जग की सुखदाता ...2
मन में तेरे यही हो आशा ...2, कैसे माँ को पायेगा ...
सहज में आकर ध्यान धरे ना ...2, मोक्ष को कैसे पायेगा ...S

निर्मल माँ पालनहारी ...2, निर्गुणा माँ है प्यारी ...2
सूर्य चन्द्र भी माँ को जपते, निर्मल ज्योति है प्यारी ...2
जो ना माँ को पाया बंदे ...2, खाली जग से जायेगा ...
सहज में आकर ध्यान धरे ना ...2, मोक्ष को कैसे पायेगा ...S

निर्मला माता विश्व विधाता ...2, जो भी सहज में रम जाता ...2
कुण्डलिनी जागृत है होती, मंगल दायिनी दुखःहर्ता ...2
निर्मल माँ को जो भी ध्याये ...2, मोक्ष को वो ही पायेगा ...
सहज में आकर ध्यान धरे ना ...2, मोक्ष को कैसे पायेगा ...S

सहज में आकर ध्यान धरे ना ...2, मोक्ष को कैसे पायेगा ...S

Scanned by CamScanner

सहज में दिया सहज का ज्ञान

सहज में दिया सहज का ज्ञान ...2, सहज में हमको रखना माँ ...2

हम बच्चे सब सहज की नैया, श्री माँ इसकी आप खेवैया
सहज योग है मोक्ष का द्वारा, श्री माँ इसकी पार करैया
जितना द्विव्य रूप है माँ का, पावन उतना माँ का नाम
श्री माँ जय जय माँ ...4, सहज में दिया सहज का ज्ञान ...2

सोया युग अब जाग रहा है, श्री माँ को पहचान रहा है
सहजयोग साधन सिद्धी से ...2, ज्ञान सत्य से निखर रहा है
माँ के चरणों में ही पाया ...2, हमने अपना धाम
श्री माँ जय जय माँ ...4, सहज में दिया सहज का ज्ञान ...2

जन जन के मन में अब हमको, प्रेम का दीप जलाना है
हम सहजी हैं मिलकर हमको ...2, प्रेम का अलख जलाना है
जागृत देकर निर्मला माँ, बनाती हैं मानव को महान
श्री माँ जय जय माँ ...4, सहज में दिया सहज का ज्ञान ...2

सहज नाम की बस्ती में

सहज नाम की ...4, बस्ती में " अपना रैन बसेरा है ...2"
श्री माँ के चरणों तक ...2 सीमित, अपना तो बस डेरा है, हाँ डेरा है सहज
नाम की ...2, बस्ती में अपना रैन बसेरा है, बसेरा है, बसेरा है

बना लिया है माँ निर्मल ने, अपनी बगिया का फूल हमें ...2
हर सहजी के दिल से दिल तक ...2, प्रेम रंग का मेला है, हाँ मेला है
सहज नाम की ...2, बस्ती में अपना रैन बसेरा है, बसेरा है, बसेरा है,
गीत खुशी के हर पल गाते, चेहरों पर मुस्कान लिए ...2
किया उजागर दीप प्रेम का ...2, हर दम प्रीत की बेला है, हाँ बेला है
सहज नाम की ...2, बस्ती में अपना रैन बसेरा है, बसेरा है, बसेरा है,

निर्मल प्रेम का अमृत पीकर, श्वाँस हमारी चलती है ...2
चैतन्य की फैली हैं किरणें ...2, हर पल नया सवेरा है, सवेरा है

सहज नाम की ...2, बस्ती में अपना रैन बसेरा है, बसेरा है, बसेरा है,
श्री माँ के चरणों तक ...2 सीमित, अपना तो बस डेरा है हाँ डेरा है ...

सहजी हमें बनाया

सहजी हमें बनाया ...2, ये करम नहीं तो क्या है ...2
मेरा मर्तबा बढ़ाया ...2, ये करम नहीं तो क्या है ...2
सहजी हमें बनाया ...

मैं गमों की धूप में जब तेरा नाम ले के निकला ...3
किया रहमतों का साया ...2, ये करम नहीं तो क्या है
किया रहमतों का साया ..., ये करम नहीं तो क्या है
सहजी हमें बनाया ..., मेरा मर्तबा बढ़ाया ...

कभी मौत के भंवर में, और कभी कदम कदम पे ...3
मेरी नाव को बचा ...2, ये करम नहीं तो क्या है
सहजी हमें बनाया ..., मेरा मर्तबा बढ़ाया ...

मेरी जिन्दगी के दामन पे, बरस पड़ी बहारें ...3
माँ तेरे प्यार ने हसाँया ...2, ये करम नहीं तो क्या है
सहजी हमें बनाया ..., मेरा मर्तबा बढ़ाया ...

मेरे वक्ते वे मुसीबत में, मेरे दिल में उतर कर के ...3
मेरे दिल को दिल बनाया ...2, ये करम नहीं तो क्या है
सहजी हमें बनाया ..., मेरा मर्तबा बढ़ाया ...

मैं भटक के रह गया था, कहीं और बह गया था ...3
मुझे रास्ता दिखाया ...2, ये करम नहीं तो क्या है
सहजी हमें बनाया ..., मेरा मर्तबा बढ़ाया ...

सहजी नैना खोल रे, तोहे निर्मल मिलेगी

सहजी नैना खोल रे, तोहे निर्मल मिलेगी ...,2
निर्मल मिलेगी महामाया मिलेगी ...,2

Scanned by CamScanner

मीठा सबसे बोल रे, तोहे निर्मल मिलेगी,
घट घट में तोरे श्री माँ बसत है ...,4
कटु वचन मत बोल रे, तोहे निर्मल मिलेगी
सहजी नैना खोल रे, तोहे निर्मल मिलेगी ...,2

धन दौलत का गर्व ना करियो ..., 2
झूठा इसका बोल रे, तोहे निर्मल मिलेगी ...,2
सहजी नैना खोल रे, तोहे निर्मल मिलेगी ...,2

धर्म को सहज में जागृत करले ...,4
गुरू पाओ श्री मांजी रे, तोहे निर्मल मिलेगी ...,2
सहजी नैना खोल रे, तोहे निर्मल मिलेगी ...,2

श्री मांजी का सुमिरन करले ...,4
हृदय के पट खोल रे, तोहे निर्मल मिलेगी ...,2
सहजी नैना खोल रे, तोहे निर्मल मिलेगी ...,2
मीठा सबसे बोल रे, तोहे निर्मल मिलेगी ...,2
सहजी नैना खोल रे तोहे निर्मल मिलेगी ...,4

सहजी पुकार रहे आज

सहजी पुकार रहे आज, आओ मेरी निर्मल माँ ...2,
निर्मल माँ, मेरी निर्मल माँ, निर्मल माँ, मेरी निर्मल माँ ...2,
तेरे सहजी पुकार रहे आज, आओ मेरी निर्मल माँ ...2,
निर्मल माँ, मेरी निर्मल माँ निर्मल माँ, मेरी निर्मल माँ ...2

कलयुग में अवतार लिया है ...2, भटके जन को पार किया है ...2
किया अद्भुत चमत्कार, आओ मेरी निर्मल माँ..., तेरे सहजी पुकार ...

निर्मल का गुणगान जो गाते ...2, माँ से निशदिन ध्यान लगाते ...2
नैया लगाई उसकी पार, आओ मेरी निर्मल माँ ..., मेरे सहजी पुकार ...

ब्रह्मा भी तू है और विष्णु भी तू है ...2, शंकर भी तू जगदम्बा भी तू है ...2
सारे जग की खेवणहार, आओ मेरी निर्मल माँ ..., तेरे सहजी पुकार ...

दुर्गा भी तू है और अम्बा भी तू है ...2,लक्ष्मी भी तू महाकाली भी तू है ...2,

लिया कलकी रूप अवतार, आओ मेरी निर्मल माँ ..., तेरे सहजी पुकार ...

सहजी पुकार रहे आज,आओ मेरी निर्मल माँ,"निर्मल माँ,मेरी निर्मल माँ...4
तेरे सहजी पुकार रहे आज, आओ मेरी निर्मल माँ ...2,
निर्मल माँ, मेरी निर्मल माँ निर्मल माँ, मेरी निर्मल माँ ...2

सहजी ठाढे थारे द्वार, म्हारी निर्मल माँ

सहजी ठाढे थारे द्वार, थारी करते जय जयकार, म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ...
"तू है ममता को भंडार, दे दे दे दे थोड़ो प्यार ...
म्हारी निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ...
सहजी ठाढे थारे द्वार, थारी करते जय जयकार, म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ म्हारी निर्मल माँ ..." ...2

जय जगदम्बे माता भवानी, जय हो शेराँ वाली ...
कभी फूलों से कोमल है तू, कभी लगे महाकाली ...
करती दुष्टों का संहार, थारी शक्ति है अपार ... , म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ... "हे सहजी ठाढे ...

जय जय हे सरस्वती माता, जय हो हे गायत्री ...
जग कल्याणी हो माता तुम, ज्ञान बुद्धि की दात्री ...
देती ज्ञान का भंडार, थारी लीला अपरम्पार ..., म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ... " हे सहजी ठाढे ...

जय महालक्ष्मी विष्णु प्रिये हो, जगत की पालन हारी ...
टल गये संकट भर गई झोली, नज़र जो तुमने डाली ...
जग में थारी है सरकार, लागा श्री माँ का दरबार ..., म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ... " हे सहजी ठाढे ...

जमाने डेरा ऊपर बैठी, पहाड़ाँ वाली माता ...
आदि शक्ति का रूप लई के, जोड़ लियो रे नाता ...
थारा चरणाँ पे बलिहारी, मैं तो आयो थारे द्वार ..., म्हारी निर्मल माँ,

Scanned by CamScanner

म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ... " हे सहजी ठाढे ...

जय जय हे भगवती माता, जय हो दुर्गा माई ...
जब जब संकट आयो हम पर, तू ही बचाने आई ...

हरदम पायो थारो प्यार, थारो घणो घणो उपकार ..., म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ... " हे सहजी ठाढे ...

सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे

सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे ...2
अपना शीश झुकायें आयें तेरे द्वारे ...2, सहजी सहजी सारे ...2

तू ने सबको जन्म दिया है, "तू ही कर दे पार ...3
तू ही सबकी जीवन जननी, "ये तेरा संसार ...3
निर्मल नाम का अमृत पी तू, " कर ले बेड़ा पार ...3
सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे ...2
निस दिन तेरा ध्यान धरत है, "तेरे मिलन की आस ...3
पल पल तेरा नाम जपत है, "निर्मल माँ का दास ...3
सहज सहज का नाम सहज ले, " जीवन अपना तार ...3,
सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे ...2

आशाओं के दीप जलाकर, "आया तेरे द्वार ...3
इस मिट्टी की मूरत को अब, "तू कर दे साकार ...3
तेरी महिमा तू ही जाने, " तेरी जय जयकार ...3
सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे ...2, अपना शीश झुकायें
आयें तेरे द्वारे ...2, सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे ...4

सलमा सितारों वाली चुनरी माँ की लाल

"सलमा सितारों वाली, सोने दी तारों वाली ...2,
चुनरी माँ की लाल ...2, पवन संग लहराये ...4," ...2,

इस चुनरी नूं पहन के मोरी, निर्मल माँ मुस्काये ...2,
ब्रह्मा विष्णु शिवशंकर भी, इसनूं देखण आवे ...2, पवन संग लहराये ...4,

सलमा सितारों वाली, सोने दी तारों वाली ...2, चुनरी माँ ... लहराये

भक्ति का ताना, ज्ञान का बाना, लेके स्नेही तार ...2,
श्री माँ जी के सहजयोग से, चुनरी हुई तैयार ...2, पवन संग लहराये ...4,
सलमा सितारों वाली, सोने दी तारों वाली ...2, चुनरी माँ ..... लहराये

मोहम्मद ज़ीज़स नानक ने, ऐसा रंगना किया तैयार ...2,
जो भी रंगा है इस रंग म, वो हो गया लाल ही लाल ...2, पवन संग ...4,
सलमा सितारों वाली, सोने दी तारों वाली ...2, चुनरी माँ ... लहराये

इस चुनरी की छाँव तले, इक नव जीवन मुस्काये ...2,
दुखः से तपा मुसाफिर माँ की, शीतल छाया पाये ...2, पवन संग लहराये ...4,
सलमा सितारों वाली, सोने दी तारों वाली ...2, चुनरी माँ ..... लहराये

सन्तों सहज समाधी भली

सन्तों सहज समाधी भली ...2,
साँई ते मिलन भयो जा दिन ते ...2, सूरत ना अन्त चली ...,
सहज समाधी भली, सन्तों सहज समाधी भली ...,

आँख ना मूदूँ, कान ना रुधूँ, "काया कष्ट ना धारूँ ...2,
खुले नयन में, हँस हँस देखूँ ..., सुन्दर रूप निहारूँ,
कहूँ सो नाम, सुनूँ सो सुमिरन ..., "जो कुछ करूँ सो पूजा ...2,
विरहऊ जान इक सम देखूँ ..., भाव मिटाऊ दूजा ...,
सहज समाधी भली, सन्तो सहज समाधी भली ...,

जहाँ जहाँ जाऊँ सोही परिक्रमस ..., " जो कुछ करूँ सो सेवा ...2,
जब सोऊँ तब करूँ दण्डवत ..., पूजूँ और ना देवा ...2,
शब्द निरन्तर मनुवा राता ..., " मलिन वचन का त्यागी ...2,
उठत बैठत, कबहूँ ना बिसरे ..., ऐसी तारी लागी ...,
सहज समाधी भली, सन्तों सहज समाधी भली ...,

कहे कबीर यह, उन मुनि रहनी ...2, सो प्रगट कर जाई ...,
सुख दुखः के इक परे परम सुख ..., तेही में रहा समाई ...,
सहज समाधी भली, सन्तों सहज समाधी भली ...,

Scanned by CamScanner

साँई ते मिन भयो जा दिन ते ...2, सूरत ना अन्त चली ...,
सहज समाधी भली, " सन्तों सहज समाधी भली ...3,

सावन की बरसे बदरिया, माँ की भीगे चुनरिया,

सावन की बरसे बदरिया, माँ की भीगे चुनरिया,
भीगे चुनरिया, माँ की भीगे चुनरिया ...,2
सावन .....

अम्मुआ की डाली पे कोयल बोले ...,2
रिमझिम बरसे बदरिया, माँ की भीगे चुनरिया ...,2
सावन .....

लाल लाल चोला , माता अंग पर सोहै ...,2
माथे पे चमके है बिन्दिया, माँ की भीगे चुनरिया ...,2
सावन .....

लाल हरी चूड़िया माता को पहनाई है ...,2
अगुली में चमके मुन्दरिया, माँ की भीगे चुनरिया ...,2
सावन .....

सहजी बहनों से, माँ को मेहंदी लगाई है ...,2
मेहंदी पे माँ की नजरिया, माँ की भीगे चुनरिया ...,2
सावन .....

काली घटा में माँ का झूला डलवाया ...,2
उस पर निर्मल माँ को बिठाया ...,2
भक्तों की माँ पे नजरिया, माँ की भीगे चुनरिया ...,2
सावन .....

ऊचे पहाड़ो पे माता बिराजे ...,2
कैसे आऊ माता रास्ता ना सूझे ...,2
टेड़ी मेड़ी है माँ की डगरिया, माँ की भगे चुनरिया ...,2
सावन .....

शिव भोला भंडारी, साधु भोला भंडारी

"शिव भोला भंडारी, साधु भोला भंडारी, साँई भोला भंडारी,
शिव भोला भंडारी, शिव भोऽलाऽ भंडारी, शिव भोला भंडारी ...", ...2

भस्मासुर ने करी तपस्या, वर दीना, त्रिपुरारी,
जिसके सिर पर हाथ लगावे, भस्म होवे संसारी,
शिव भोला भंडारी, शिव भोऽलाऽ भंडारी, "शिव भोला भंडारी ...4

शिव के सिर पर चरण हैं, भाग गये दुष्ट विचारी,
भागे फिरत चहुँ दिश, शंकर भागे सहित दरबारी,
गिरिजा रूप धर हरि हर बोले, बात असुर से प्यारी,
जो तू मुझ को नाच दिखावे, होऊँ नार तुम्हारी,
शिव भोला भंडारी, शिव भोऽलाऽ भंडारी, "शिव भोला भंडारी ...4

नाच करत अपने सिर पर, धर भस्म भयी मतिहारी,
ब्रह्मानन्द देते जो ही माँगे शिव, भक्तन हितकारी,
शिव भोला भंडारी, शिव भोऽलाऽ भंडारी, "शिव भोला भंडारी ...4

"शिव भोला भंडारी, साधु भोला भंडारी, साँई भोला भंडारी,
शिव भोला भंडारी, शिव भोऽलाऽ भंडारी, शिव भोला भंडारी ..." ...2

शिव शंकर रखवाला, मेरा शम्भू भोला भाला

शिव शंकर रखवाला, मेरा शम्भू भोला भाला ...2,
मंगलकारी नाम है शिव का ...2, शम्भू भोला भाला ...,
शिव शंकर रखवाला, मेरा शम्भू भोला भाला ...2, ॐ नमः शिवाय ...4,

जिनकी महिमा ऋषि मुनि गाये, योगी जिनका ध्यान लगायें ...2,
मन उसका मतवाला मेरा ...2, शम्भू भोला भाला ...,शिव शंकर .....

जो भी शिव को ध्यावे, वो ही मन वांछित फल पावे ...2,
ऐसा शिव है कृपाला मेरा ...2, शम्भू भोला भाला ...,शिव शंकर .....

विघ्न हरे संताप मिटाये, युग युग के सब पाप जलाये ...2,
शिव के नेत्र की ऐसी है ज्वाला ...2, शम्भू भोला भाला ..., शिव शंकर ..

Scanned by CamScanner

ज्ञानी जिन्हे विचारत हारे, भक्तों के वो खड़े हैं द्वारे ...2,
ऐसा दीन दयाला मेरा ...2, शम्भू भोला भाला ...,
शिव शंकर रखवाला, मेरा शम्भू भोला भाला ...2,
मंगलकारी नाम है शिव का ...2, शम्भू भोला भाला ...,
शिव शंकर रखवाला, मेरा शम्भू भोला भाला ...2, ॐ नमः शिवाय ...4,

श्री गणेश अथर्वशीर्ष

ॐ नमस्ते गणपतये,
त्वमेव प्रयत्क्षम् तत्वमसि, त्वमेव केवलम् कर्ताऽसि,
त्वमेव केवलम् धर्ताऽसि, त्वमेव केवलम् हर्ताऽसि,
त्वमेव सर्वम् खल्विदम् ब्रह्मासि, त्वम् साक्षादात्माऽसि नित्यम् ॥

ऋतम् वच्मि, सत्यम् वच्मि ॥

अव त्वम् माम्, अव वक्तारम्, अव श्रोतारम्,
अव दातारम्, अव धातारम्, अवानूचानमव शिष्यम्
अव पश्चात्तात्, अव पुरस्तात्, अवोत्तरात्तात्, अव दक्षिणात्तात्,
अवचोर्ध्वात्तात्, अवधरात्तात्, सर्वतो माम् पाहि पाहि समंतात् ॥

त्वम् वाङ्मयस्त्वम् चिन्मयः,
त्वमानंदमयस्त्वम् ब्रह्ममयः, त्वम् सच्चिदानंदाद्वितीयोऽसि,
त्वम् प्रत्यक्षम् ब्रह्माऽसि, त्वम् ज्ञानमय विज्ञानमयोऽसिऽ ॥

सर्वम् जगदिदम् त्वत्तो जायते, सर्वम् जगदिदम् त्वत्तस्तिष्ठति,
सर्वम् जगदिदम् त्वयि लयमेष्यति, सर्वम् जगदिदम् त्वयि प्रत्येति,
त्वम् भूमिरापोऽनलोऽनिलो नभः, त्वम् चत्वारि वाक्पदानि ॥

त्वम् गुणत्रयातीतः, त्वम् देहत्रयातीतः, त्वम् कालत्रयातीतः,
त्वम् मूलाधारस्थितोऽसि नित्यम्, त्वम् शक्तित्रयात्मकः,
त्वाम् योगिनो ध्यायंति नित्यम्,
त्वम् ब्रह्मा त्वम् विष्णुस्त्वम्, रुद्रस्त्वम्, इन्द्रस्त्वम्, अग्निस्त्वम्,
वायुस्त्वम्, सूर्यस्त्वम्, चन्द्रमास्त्वम्, ब्रह्मभूर्भुवःस्वरोम् ॥

गणादिं पूर्वमुच्चार्य वर्णादिं तदनंतरं, अनुस्वारः परतरः,
अर्धेन्दुलसितम्, तारेण ऋद्धम्, एतत्तव मनुस्वरूपम्, गकारः पूर्वरूपम्,
अकारो मध्यमरूपम्, अनुस्वारश्चान्त्यरूपम्, बिन्दुरुत्तररूपम्,
नादः संधानम्, संहिता संधिः, सैषा गणेशविद्या, गणकऋषिः,
निचृद गायत्रीच्छंदः, गणपतिर्देवता, ॐ गँ गणपतये नमः ॥

एक दंताये विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ॥

एकदन्तम् चर्तुहस्तम् पाशमम्कुशधारिणम्,
रदम् च वरदम् हस्तैर्बिभ्राणम् मूषकध्वजम्,
रक्तम् लंबोदरम् शूर्पकर्णकम् रक्तवाससम्,
रक्तगन्धानुलिप्तांगम् रक्तपुष्पै सुपूजितम्,
भक्तानुकंपिनम् देवम् जगत्कारणमच्युतम,
आर्विभूतम् च सृष्ट्यादौ प्रकृतेः पुरुषात्परम्,
एवम् ध्यायति यो नित्यम्, स योगी योगिना वरः ॥

नमो व्रातपतये नमो गणपतये,
नमः प्रमथपतये, नमस्तेऽस्तु लम्बोदरायैकदन्ताय,
विध्ननाशिने शिवसुताय श्री वरदमूर्तये नमो नमः ॥

साक्षात् श्री आदि शक्ति माताजी श्री निर्मला देवी नमो नमः।

श्री गणपति दाता नमो नमः

जय गणपति जय उमासुत, शंकर सुमन गणेश ...,
जय जय श्री माँ निर्मला, "सदा बसो हृदय ...2,

श्री गणपति दाता नमो नमः ...3, श्री निर्मल माता नमो नमः .....,
नमो नमः "श्री गणपतिदाता नमो नमः .....,

करूणा का भंड़ार तुम्हीं हो ..., ममतामयी बहार तुम्हीं हो ...,
सुख दाता हो दुखःहर्ता हो ....2, ऋद्धि सिद्धि दातार तुम्हीं हो 2,
जीवन का आधार तुम्हीं हो ..., प्राण तुम्हीं संसार तुम्हीं हो ....,

Scanned by CamScanner

कलियुग में कल्याण करने को...2,प्रभु का बस/आदिशक्ति अवतार तुम्ही हो ...2,
जगत विधाता .... S S, जगत विधाता नमो नमः,
नमो नमः "श्री गणपति ...3, श्री निर्मल ..., नमो नमः "श्री गणपति ...,

सात चक्र की बनी ये काया ..., सब में तेरा नूर समाया ...,
जीवन की पहचान कराकर ...2, मानवता कर सार बताया ...2,
सहजयोग तुमने समझाया ..., आत्म ज्ञान का मार्ग दिखाया ...,
कुण्डलिनी जागृत कर तूने ...2, आत्म साक्षात्कार कराया ...2,
जीवन ज्ञाता ... S S, जीवन ज्ञात नमो नमः,
नमो नमः " श्री गणपति ...3, श्री निर्मल ..., नमो नमः "श्री गणपति ...,

मैं हूँ मैया सहजी तेरा ..., मन मंदिर में करो बसेरा ...,
नैनों में रहे तेरी मूरत ...2, होता रहे/करते रहे माँ दर्शन तेरा ...2,
तेरे भजन में ध्यान हो मेरा ..., करता रहूँ गुणगान माँ तेरा ...,
दे दो माँ वरदान मुझे भी ...2, कर दो माँ कल्याण मेरा ...2,
भाग्य विधाता ... S S, भाग्य विधाता नमो नमः,
नमो नमः " श्री गणपति ...3, श्री निर्मल ..., नमो नमः " श्री गणपति ...,

श्री माँ देवों के कारण

श्री माँ देवों के कारण, दैत्यों को मारण आप लियो अवतार ...2
सारे जग को जागृति दे दी ...2, हम बच्चे बलिहार ...
श्री माँ देवों के कारण, दैत्यों को मारण आप लियो अवतार ...2,

सारा जग अंधकार में डूबा, आप ही ज्योति अपार ...2,
दीप से दीप जलाकर माँ ने ...2, दूर कियो अंधकार ...
श्री माँ देवों के कारण, दैत्यों को मारण आप लियो अवतार ...2,

भूत भविष्य की चिन्ता हराई, चित्त कियो निर्विचार ...2,
डूब गये हम आनन्द तल में ...2, ऐसो हुओ साक्षात्कार

अलग थलग पड़ा था मानव, आप दियो परिवार ...2,
पूरा विश्व चरण में आया, ऐसो तेरो प्यार

श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी

श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी ...3,
श्री माँ है रंगरेज, चुनर-मोरी रंग डारी ...,

स्याही रंग छुड़ायके रे, दियो मजीठा रंग ...2,
धोये से SS छूटे नहीं रे ...2, दिन दिन होत सुरंग ...,
चुनर मोरी रंग डारी, श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी ...,

भाव के पुंज, नेह के जल में, प्रेम रंग गई होर ...2,
सत की चास लगाये के रे ...2, खूब रंगी झकझोर ...,
चुनर मोरी रंग डारी, श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी ...,

श्री माँ ने चुनरी रंगी रे, श्री माँ चतुर सुजान ...2,
सब कुछ उन पर वार दूँ रे ...2, तन मन धन और प्राण ...,
चुनर मोरी रंग डारी, श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी ...,

कहे कबीर रंगरेज गुरू रे, हम पर हुये दयाल ...2,
निर्मल चुनरी ओढ़ के रे ...2, भई हो मगन निहाल ...,
चुनर मोरी रंग डारी, श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी ...

श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें

श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगे ...2
श्री माँ जी को मन से ध्याया करेंगे ...2, श्री माँ जी को मन ...2

हृदय में बनायेंगे, हम सहज मंदिर ...2,वहीं माँ को झूला झुलाया करेंगें...2
श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें ...

माँ को प्रेम डोरी में हम बाँध लेंगें ...2,माँ निर्मल को हरदम रिझाया करेंगें...2
श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें ...

जो रूठेंगी हम से माँ निर्मल कभी भी ...2, उन्हीं के चरण पड़ मनाया करेंगें...2
श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें ...

श्री माँ को बैठायेंगें आँखों में दिल में ...2, वहीं माँ के दर्शन भी पाया करेंगें...2

Scanned by CamScanner

श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें ...

है मोक्ष प्रदायिनी निर्मला माता ...2, सुबह शाम ध्यान लगाया करेंगें...2
श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें ...2
श्री माँ जी को मन से ध्याया करेंगें ...2, श्री माँ जी को मन ...2

श्री माँ की भक्ति का पाया, जगमग हीरा

श्री माँ की भक्ति का पाया, जगमग हीरा ...2,
दूर हुये जो, भ्रम थे मन के ...2, मिट गया गहन अंधेरा ...,
श्री माँ की भक्ति का पाया, "जगमग हीरा ...2,

हर पल अपने मन में बसी है, माँ की भोली सूरत ...2,
प्रेम मयी करूणा मयी माँ की, सुन्दर प्यारी मूरत ...2,
श्री माँ के चरणों तक सीमित ...2, अपना रैन बसेरा ..., श्री माँ की ....

आये शरण में माँ की जब हम, ज्ञान मिला है निराला ...2,
पायी कृपा जो निर्मल की, पग पग हुआ उजाला ...2,
प्राणों की निर्मल धारा म ...2, हर पल सुमिरन तेरा ..., श्री माँ की ....

वेद पुराण बखान सके ना, श्री माँ की महिमा तिहारी ...2,
आदि शक्ति है आदि गुरू माँ, महिमा तुमरी न्यारी ...2,
दो कर जोड़े, प्रार्थना ...2, शरण में रखना हमेशा ..., श्री माँ की ....

शिव ब्रह्मा विष्णु भी माँ की, जान सके ना माया ...2,
ऋषि मुनि भी खोज के हारे, भेद ना माँ का पाया ...2,
तोड़ा है कलियुग में माँ ने ...2, बाधाओं का घेरा ..., श्री माँ की ....
श्री माँ की भक्ति का पाया, " ऐसा जगमग हीरा ...2,

श्री माँ तेरा नाम मुझे और ना कोई काम

श्री माँ S तेरा नाम, मुझे और ना कोई काम ...2
सुबह शाऽम अविराऽम, मैं जपता हूँ तेरा नाम ...2
श्री माँ जय माँ जय जय माँ ...2, श्री माँ तेरा नाम, मुझे और ना कोई काम

मोह माया के बंधन टूटे, मन के अंधेरे दूर हुये ...2
बीती बातें भूल गया मैं, मेरे सब कुछ आज नये ...2
तेरा ध्यान, तेरा धाम, मुझे और ना कोई काम ...2, श्री माँ जय माँ जय...

भव सागर से तारने वाली, तारक एक तुम्हीं हो माँ ...2
मेरी सब बाधाएँ हर लो, पालक एक तुम्हीं हो माँ ...2
जप लूँ माँ, भज लूँ माँ, मुझे और ना कोई काम ...2, श्री माँ जय माँ...

काया माया के चक्कर में, अब तक भटक रहा था मैं ...2
जो थे पराये अपना समझ कर, माँ को भूल रहा था मैं ...2
चाहे भोर, चाहे शाम, मुझे और ना कोई काम ...2, श्री माँ जय माँ ...

सुबह शाऽम S अविराऽम S, मैं जपता हूँ तेरा नाम,
श्री माँ जय माँ जय जय माँ ...2, श्री माँ तेरा नाम, मुझे और ना कोई काम

श्री माँ तुम्हारे प्यार ने जीना सिखा दिया

श्री माँ तुम्हारे प्यार ने ...2, जीना सिखा दिया
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...3,
मिट्टी को आपने श्री माँ ...2, सोना बना दिया ...
मिट्टी को आपने श्री माँ ..., सोना बना दिया ...
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,

भटके हुये जहान में, भटका हुआ था मैं ...3,
डाली जो मुझपे इक नज़र ...2, दीवाना बना दिया,
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,
मिट्टी को आपने श्री माँ ...2, सोना बना दिया ...
मिट्टी को आपने श्री माँ ..., सोना बना दिया ...
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,

तेरे सिवा कोई नहीं, मेरा जहान में ...3,
खुद को समझ गया हूँ में ...2, माँ तुमको भी पा लिया,
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,
मिट्टी को आपने श्री माँ ...2, सोना बना दिया ...

Scanned by CamScanner

मिट्टी को आपने श्री माँ ..., सोना बना दिया ...
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,

तेरे प्यार में ही मिल गयी, त्रिलोक की खुशी ...3,
दे के सहज का ज्ञान मुझे ...2, सहजी बना दिया,
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,
मिट्टी को आपने श्री माँ ...2, सोना बना दिया ...
मिट्टी को आपने श्री माँ ..., सोना बना दिया ...
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,

श्री माँताजी की महिमा है अचरज भरी

श्री माँ निर्मल की शरण में आकर, निर्मल तन मन धन होता है ...,
श्री माँ का सुमिरन करने से, जागृत चेतन होता है ...,
श्री माँ की कृपा से, सहज में ही कुण्डलिनी जागरण होता है ...,
आत्म ज्ञान मिल जाता है, और सफल ये जीवन होता है ...,
श्री माताजी की महिमा हो S S S

श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,
जिन चाह तिन तिन की ...2 विपदा हरी ..., " श्री माताजी की ...2,

बचपन यौवन और बुढ़ापा, तीन अवस्था तन की ...2,
भूत भविष्य वर्तमान है, तीन दशा जीवन की ...2,
तीन लोक में मैया जी की हो S S S ..., तीन लोक में मैया जी की
जादूगरी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

जीना मरना रोना हँसना, सुख दुखः रंग जीवन के ...2,
लाभ और हानि यश अपयश, हित अनहित संग जीवन के ...2,
काम क्रोध मद लोभ मोह है हो S S S..., काम क्रोध मद लोभ मोह है
मायापुरी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

सात चक्र के व्यूह से, रब ने रची है मानव काया ...2,
सात सुरों के संगम में, जीवन संगीत समाया ...2,
सात दिनों के काल चक्र में हो S S S..., सात दिनों के काल चक्र में
दुनिया सारी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

इंगला पिंगला और सुषम्ना, तीनों माँ की शक्ति ...2,
शुद्ध वचन मन कर्म नियम से, जो करते हैं भक्ति ...2,
ब्रह्मा विष्णु महेश ने उन पर हो S S S ..., ब्रह्मा विष्णु महेश ने उन पर
करूणा करी ...," श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

पावन चित्त चरित्र को रखिये, भोग विलासी ना रहिये ...2,
कुण्डलिनी माँ जागृत होगीं, श्री गणपति कहिये ...2,
मूलाधार से हुई उजागर हो S S S ..., मूलाधार से हुई उजागर
भागेश्वरी ..., " माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

शुद्ध ज्ञान सौन्दर्य बोध से, सरस्वती जी मानी ...2,
चिन्ता सोच निराशा मदिरा, करते ज्ञान की हानि ...2,
स्वाधिष्ठान में प्रतिभा शक्ति हो S S S ..., स्वाधिष्ठान में प्रतिभा शक्ति
चेतन करी ..., " श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

धर्म कर्म के दस आदर्श ने, लक्ष्मी जी को साधा ...2,
वैभव लिप्सा धन लोलुपता कलह से आती बाधा ...2,
सच्चाई संतोष त्याग है हो S S S ..., सच्चाई संतोष त्याग है
अल्का पुरी ..., " श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

है महान गुरूओं की पावन वेदी, ये भवसागर ...2,
सही व्यवस्थित दिनचर्या से करना इसका आदर ...2,
अपवर्जन और आडम्बर से हो S S S ..., अप जन और आडम्बर से
रखना बरी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

देव देवियों की महिमा का, शिवम् तत्व हृदय है ...2,
तिरस्कार पाखंड झूँठ से, होता इसका क्षय है ...2,
संयम नियम योग जिज्ञासा हो S S S ..., संयम नियम योग जिज्ञासा
इसकी धुरी ..., " श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

मानवीय और प्राकृतिक, गुण स्वाद को चाहे विशुद्धि ...2,
दूषित भोजन दूषित दृष्टि, दोष भाव से अशुद्धि ...2,
कुशल व्यवहार विवेक प्यार से हो S S S ..., कुशल व्यवहार विवेक

Scanned by CamScanner

प्यार से बाधा हरी ..., " श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

क्षमा करो तुम औरों को, और सबको क्षमा कराओ ...2,
अहंकार को मिटा के मन में, दया का भाव जगाओं ...2,
उचित विचार से बने अगन्या हो S S S ..., उचित विचार से बने
अगन्या आज्ञाकारी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

नयी चेतना परम शांति, संग चैतन्य बहेगा ...2,
सहज स्वाभाविक अनुभव होगा, जागृत ज्ञान रहेगा ...2,
परम चेतना सहस्त्रार में हो S S S ..., परम चेतना सहस्त्रार में
माँ ने भरी ..., " श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

आत्म ज्ञान से जीवन की बाधाएँ, हटाते जाओ ...2,
फिर अनन्त सागर में अपने, प्राण मिलाते जाओ ...2,
सहजयोग ने मोक्ष की राहें हो SSS..., सहजयोग ने मोक्ष की राहें
निर्मल करी ...,"श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी" ...2,

जिन चाह तिन तिन की ...2 विपदा हरी ..., "श्री माताजी की ...2,

श्री माता जी ने सत्य मार्ग दिखाया

श्री माता जी ने सत्य मार्ग दिखाया माँ के चरणों ने बेडा पार लगाया ...2
दुखो से मोडा ईश्वर से जोडा, माँ ने हमें सच्चा सहजयोगी बनाया ...2
श्री माता जी .....

हम अंधकार में थे सदा से, पाई ज्योति सहज की श्री माँ से ...2
मिटे है सारे द्वन्द,मिला निर्मल आनन्द...2,मन के मन्दिर में श्रद्धा का दीप जलाया
श्री माता जी ....

नैया जीवन की खाये हिचकोले, मैया तूने सुखो के द्वार खोले ...2
हुआ तम का विनाश छाया अद्भुत प्रकाश...2 अपने अन्दर ही ईश्वर का रूप दिखाया
श्री माता जी .....

तू ही राम है तू ही रहीमा, तू ही कृष्ण है तू ही करीमा ...2

आदि शक्ति का रूप तू है ममता स्वरूप...2 इस धरती को तूने ही स्वर्ग बनाया
श्री माता जी .....

सारे जग में हो जयकारा तेरा, मैया तन मन धन सब ये तेरा ...2
भटको को सुधार मैया कर सबको पार, सारी दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाया
श्री माता जी .....

मैया तू ने ही सृष्टि बनाई, इसके कण-कण में तू है समाई ...2
किया निर्मल प्रयोग, दिया कुण्डलिनी योग ...2
परम चैतन्य तूने साकार बनाया

श्री माता जी ने सत्य मार्ग दिखाया

श्री माता जी

श्री माता जी वन्दु तव चरणा, निर्मल है विश्वा आपुले
योग तव दिला-आशर्वाद द्या आम्हा
वन्दु तव चरणा, निर्मल है विश्वा आपुले
योग तव दिला श्री माता जी

तुत्स मझा जननी, विनती तव आमुची, आमुच्या हृदयात राहो
मंगल मुरती ही आपुली, मंगल मुरती ही आपुली, ... श्री माता जी

आमुचे जीवत, तव सेवत लागो, जन्मो जन्मी हीतस ईछा SS ...2
आप नाची चरण गंगा आमुच्या सहसरारी रहो, ... श्री माता जी

शुभ मंगलमय दिवस है आया

शुभ मंगलमय दिवस है आया ...2,
आदिशक्ति स्वयं हैं पधारीं ...2, शुभ मंगलमय दिवस है आया ...2,

हर लहर पर नयी तरंग है ...2, हर तरंग पर नयी उमंग है ...,
हर लहर पर नयी तरंग है, हर तरंग पर नयी उमंग है ...,
हर हृदय में उल्लास अल्हाद है ...2, पर परमेश्वरी आज पधारीं ...
शुभ मंगलमय दिवस है आया ...2,

Scanned by CamScanner

सुर नर मुनि सब झूम रहे हैं ...2, आज प्रकृति भी झूम रही है ...2,
सुर नर मुनि सब झूम रहे हैं ..., आज प्रकृति भी झूम रही है ...,
फूल खिले, भंवरे सब मिलके ...2, रचियता के ही गुण गायें ...2,
शुभ मंगलमय दिवस है आया ...2,

देवों ने पुष्प वर्षा की है ...2, प्रार्थना पूर्ण हुई संतों की ...2,
ब्रह्मा विष्णु महेश सदाशिव ...2, स्वयं आरूप हैं पधारे ...2,
शुभ मंगलम दिवस है आया ...2,
आदिशक्ति स्वयं हैं पधारीं ...2, शुभ मंगलमय, शुभ मंगलमय,
शुभ मंगलमय दिवस है आया ...2,

सोई हुई रूहों में खुदी जाग उठी है

सोई हुई रूहों में, खुदी जाग उठी है।
जीने की फिर इक आस नई जाग उठी है ॥

अश्कों की नदी को मिला, आँचल का किनारा ...2,
मुरझाये से चेहरों पे, हँसी जाग उठी है ...
जीने की फिर इक आस नई जाग उठी है, सोई हुई रूहों में ...

इक ममता की देवी ने दिया जबसे सहारा ...2,
तकदीर मेरी, सोई हुई जाग उठी है ...
जीने की फिर इक आस नई जाग उठी है, सोई हुई रूहों में ...

पहचान हुई बात हुई, मिल गये खुद से ...2,
जो खुशबू थी हम्हीं में छुपी, जाग उठी है ...
जीने की फिर इक आस नई जाग उठी है, सोई हुई रूहों में ...

कौन आया कि सज़दे में झुकी जाती है दुनिया ...2,
ये किसने सदा दी, कि सदी जाग उठी है ...
जीने की फिर इक आस नई जाग उठी है, सोई हुई रूहों में ...2

सुमिरन करले निर्मल माँ का

सुमिरन करले S S S, "सुमिरन करले निर्मल माँ का ...2,

तेरा कष्ट निवारेगा,"जग में तू तर जायेगा ...2,

माँ की दुआ की झोली भर ले, अच्छे करम की पूँजी कर ले ...2,
निर्मल वचन निभायेगा ...3, सहजी, "जग में तू तर जायेगा ...2,

सच्चे भाव को मन में बसा ले, निर्मल नाम को दिल में समाले ...2,
निर्मल राह जो जायेगा ...3, सहजी, "जग में तू तर जायेगा ...2,

मन के मैल को धो ले प्राणी, जीवन उज्जवल कर ले प्राणी ...2,
माँ के शरण में जायेगा ...3, सहजी, "जग में तू तर जायेगा ...2,

सुमिरन करले SS S, " सुमिरन करले निर्मल माँ का ...2,
तेरा कष्ट निवारेगा सहजी, " जग में तू तर जायेगा ...4,

स्वागतम्

दर्शनो की लालसा पूरी हुई माँ स्वागतम्
सहजीयो की कामना पूरी हुई माँ स्वागतम्
सपनो को साकार बनाया ...,2 स्वागतम् माँ स्वागतम्
स्वागतम ...,3 माँ स्वागतम,

तू ही सांसो में बिराजे, तू ही सिर की स्वामिनी
तूने ही संसार रचाया, सहजयोगी दायिनी
दो हमें आशीष माता ...,2 स्वागतम माँ स्वागतम
स्वागतम ...,3 माँ स्वागतम,

विश्व के कल्याण में, तूने सहज का ज्ञान दिया
विश्व को बन्धुत्व से बांधा, सहज समझा दिया
अव हमें अपनी शरण लो ...,2 स्वागतम माँ स्वागतम
स्वागतम ...,3 माँ स्वागतम,

स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन

स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन ...2,

शीश नवायें तव चरणन में, गायें तुम्हारा वन्दन ...2,
नव प्रभात ये शुभ दिन आया, शुभागमन ये माँ का लाया ...,

Scanned by CamScanner

पावन चरण पड़े प्रागंण में, तृप्त हुआ आतुर मन ...,
स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन ...2,

चन्द्रमुखी हो कमल लोचनी, प्रेम की गंगा धारा ...2,
चक्र सुदर्शन करके धारणा, दुष्टों को संहारा ...,
तव चरणन की धूली मस्तक, धारे जैसे चन्दन ...,
स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन ...2,

श्वेताम्बर,धर कमलासन पर साजे मोहिनी मूरत ...2,
महालक्ष्मी महासरस्वती महाकाली की सूरत ...,
दर्शन देखत छवि मनोहर, झूम उठे ये तन मन ...,
स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन ...2,

जय जगजननी माता भवानी, दारूण भव भय हारिणी ...2,
जय पाप खन्डन जगत मंडन, भव सागर तारिणी ...,
अभय दान देती हो माँ तुम, बनके शक्ति स्पन्दन ...,
स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन ...2, निर्मल माता अभिनन्दन ...2,

श्वांसा दी माला

श्वांसा दी माला ना सुमीरा मैं तेरा नाम ...2
बन जांवा सहजी मैं तेरा हे निर्मल माँ ...2, श्वांसा दी माला ...

चरणां च तेरे हरदम रवाँ मैं ...2
चरणां च लालो हे, सुख करणी निर्मल माँ ...2, श्वांसा दी माला ...

जग दे जंजाला चो मैनूं बचाले ...2
जपदा रंवा श्री माँ हरदम तेरा ही नाम ...2, श्वांसा दी माला ...

निर्मल निर्मल श्वांसा चो निकले ...2
निर्मल निर्मल रट्दा रंवा सुबह शाम ...2, श्वांसा दी माला ...

मैनू पिलादे माँ सहज दा प्याला ...2
हो जांवा तेरा हे निर्मला कृपा निधान ...2, श्वांसा दी माला ...

बाँह पकड़ लो रूल ना मैं जांवा ...2

सुखां विच रहके तेनु भुल ना मैं जांवा ...2
चरणा नाल जोड़ो मैनू, निर्मला अपना जान ..., श्वांसा दी माला ...2

बन जांवा सहजी मैं तेरा हे निर्मल माँ ...2, श्वांसा दी माला ...

तेरे चरण कमल में रहने वाले

तेरे चरण कमल में रहने वाले लिखले मेरा नाम ...2
ये है सुख शान्ति का धाम ...2, निर्मल धाम निर्मल धाम रे ...2

आया था श्रृद्धा सुमन चढ़ाने, डाले झोली में,
माँ से ~~पाऊँ से~~ पाऊँगा मैं कुछ दान भी, डालूँ झोली में,
सौम्य प्रकाश, चेतना देखी ...2, जैसे भोर की लाली में,
स्वापर्ण करके बोला मैं ...2, कुछ ना डालूँ झोली में,
निरपेक्ष यही है भक्ति कुटीर है, चैतन्यता का ऐसा धाम
ये है सुख शान्ति का धाम ...2, निर्मल धाम निर्मल धाम रे ...2

अर्पित है तन मन धन अपना ...2, चरण नहीं ये स्वर्ग की रचना,
वास्तविक है नहीं ये कल्पना, ऐसे धाम की करें क्या तुलना,
मन्दिर मस्जिद गुरूद्वारे का अब नहीं कोई काम,
ये है सुख शान्ति का धाम ...2, निर्मल धाम निर्मल धाम रे ...2

अग्नि कुण्ड है अहंकार का ...2, जटिल मेरे ही भूत काल का ...2,
जब से बना भिक्षुक इस द्वार का ...2, भविष्य उज्जवल सहज प्यार का ...2,
यही है मक्का यही कर्बला, गंगा जमुना चारों धाम
ये है सुख शान्ति का धाम ...2, निर्मल धाम निर्मल धाम रे ...2

चरणामृत से पावन कर दो ...2, निर्माल्यमय जीवन कर दो,
अणु रेणु में चैतन्य भर दो, किताबों में नहीं ज्ञान वो दे दो,
यही है गीता वेद यही है यही बाईबल कुरान,
ये है सुख शान्ति का धाम ...2, निर्मल धाम निर्मल धाम रे ...2

तेरी बिंदिया प्यारी लागे माँ

तेरी बिंदिया प्यारी लागे माँ, इसे देखता जाऊँ

Scanned by CamScanner

मन और कहीं ना जाये माँ, इसे देखता जाऊँ ...2, तेरी बिंदिया ...

इस बिंदिया में ब्रह्म छुपा है, चंदा की शीतलता है ...2
गगन को इसमें देखूँ मैं, तारों को उतरा पाऊँ ...2
तेरी बिंदिया प्यारी लागे माँ, इसे देखता जाऊँ
मन और कहीं ना जाये माँ, इसे देखता जाऊँ, तेरी बिंदिया प्यारी ...

यहाँ वहाँ नहीं डोले मन, ये बिंदिया पे जा टिकता है ...2
चैतन्य लहरों की ठंडक, मैं इस बिंदिया में पाऊँ ...2
तेरी बिंदिया प्यारी लागे माँ, इसे देखता जाऊँ
मन और कहीं ना जाये माँ, इसे देखता जाऊँ, तेरी बिंदिया प्यारी ...

रूहानी चमक आँखों में आये, मन को मेरे है भाये ...2
गगन को इसमें देखूँ मैं, तारों को उतरा पाऊँ ...2
तेरी बिंदिया प्यारी लागे माँ, इसे देखता जाऊँ
मन और कहीं ना जाये माँ, इसे देखता जाऊँ, तेरी बिंदिया प्यारी ...

तेरी कृपा से निर्मल

तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये ...3
ऐसी हुई कृपा श्री माँ भक्ति में खो गये ...2
आ माँ आ हे प्यारी माँ आ माँ आ हे निर्मल माँ ...2

कितने जनम लिए मगर, सब व्यर्थ ही गये ...3
अबके जनम में आपके दीदार हो गये ...2
तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये ...3
ऐसी हुई कृपा श्री मा भक्ति में खो गये ...2
आ माँ आ हे प्यारी माँ आ माँ आ हे निर्मल माँ ...2

जीवन की नाव सौंप दी चरणों में आपके ...3
सहिल हैं आप और हम पतवार हो गये ...2
तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये ...3
ऐसी हुई कृपा श्री माँ भक्ति में खो गये ...2
आ माँ आ हे प्यारी माँ आ माँ आ हे निर्मल माँ ...2

साधक बनूं मैं सत्य का, हसरत थी सिर्फ ये ...3
स्पने सहज को पा कर साकार हो गये ...2
तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये ...3
ऐसी हुई कृपा श्री माँ भक्ति में खो गये ...2
आ माँ आ हे प्यारी माँ आ माँ आ हे निर्मल माँ ...2

हम धन्य हो गये हैं पाकर तेरी कृपा ...3
जीवन के मेरे आप माँ आधार हो गये ...2
तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये ...3
ऐसी हुई कृपा श्री माँ भक्ति में खो गये ...2
आ माँ आ हे प्यारी माँ आ माँ आ हे निर्मल माँ ...2

जीवन-मरण से मुक्त हों करना कृपा श्री माँ ...3
आकर तेरी शरण में ये आसार हो गये ...2
तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये ...3
ऐसी हुई कृपा श्री माँ भक्ति में खो गये ...2

तेरी महिमा जो भी गाता सुख पाता दुखः सारे भगाता

तेरी महिमा जो भी गाता ...2, सुख पाता दुखः सारे भगाता ...2,
शरण म तेरी जो भी आता ...2, तेरी महिमा 2,

इस जग को माँ का क्या बताऊँ ...2, निर्मल माता जग की दाता ...2,
बनके भवानी बनके आई माता ..., तेरी महिमा 2,

निर्मल माता भाग्य विधाता ...2, जो भी तेरी शरण म आता ...2,
मन वांछित फल, मन वांछित फल वो ही पाता ..., तेरी महिमा 2,

तुझको माँजी का रिझाऊँ ...2, महिमा तेरी सबको सुनाऊँ ...2,
कृपा करो तुम कृपा करो तुम ..., तेरी महिमा जो भी गाता ...2,
सुख पाता दुखः सारे भगाता...2,शरण में तेरी जो भी आता...2,तेरी महिमा...2,

तेरी शरण में हे निर्मल माँ सुख का किया अहसास

तेरी शरण में ही निर्मल माँ, सुख का किया अहसास ...2,
सारे जगत को तूने दिया है ...2, एक नया जीव दान ...3,

Scanned by CamScanner

तेरी शरण में ही निर्मल माँ, सुख का किया अहसास ...2,

ओ तेरे करम से पहले से था, जीवन मेरा पत्थर ...,
जीना मरना साथ निभाना, इसमें था इक अन्तर ...,
झोली में मेरे डाल दी तूने ...2, एक अनोखी शान ...,
एक अनोखी शान ...2," तेरी शरण में हे निर्मल माँ, सुख ...2

ओ कितने जन्म आये गये हैं, मुक्ति मिलि ना हमको ...,
अंधियारे में बस गये थे, भक्ति मिलि ना हमको ...,
ज्ञान ध्यान री भान बसाकर ...2, दिया मुक्ति वरदान ...,
दिया मुक्ति वरदान ...2, " तेरी शरण में हे निर्मल माँ, सुख ...2,

नैनों में तेरे प्यार का दरिया, वाणी में तेरे सुर संवरिया ...,
कृपा करके सब सहजी पर, सत्य धर्म की राह दिखाया ...,
मान सुरों की रख के चरणों में ...2, गाऊँ तेरे गुण गान ...,
गाऊँ तेरे गुण गान ...2, " तेरी शरण में हे निर्मल माँ, सुख ...2,
तेरी शरण में ही निर्मल माँ, सुख का किया अहसास ...2,
सारे जगत को तूने दिया है ...2, एक नया जीव दान ...3,

ठुमक चलत रामचन्द्र

ठुमक चलत रामचन्द्र बाजत पैंजनिया,
किलक किलक उठत धाय, गिरत भूमि लटपटाय,
धाय मात गोद लेत, दशरथ की रनियाँ,
ठुमक चलत रामचन्द्र ...

अंचल रज अंग झारि, विविध भांति को छुनहि,
तन मन धन वारि वारि, कह तन सुम धनिया, ठुमक चलत रामचन्द्र ...2

तुलसी दास अति आनन्द देख के मुखार बिन्दु,
रघुवीर छवि के समान, रघुवीर छवि बनिय, ठुमक चलत रामचन्द्र ...2

विदुमसे अरुण अधर, बोलत मुख मधुर मधुर,
सुभग नासिका विचारों ...3, नटखट लटकनियाँ, ठुमक चलत ...2

तिमि माता पिता

श्रृद्धा को फूल अर्पण छूँ चरणा, चाहिन रखी सिवाय करूणा ...,
धूप बत्ती नैवेद्य ली चन्दना, सहजी हूँ माँ, गरद छूँ वन्दना ...,
रहे सम धरती रवि चन्दना, सहजी हूँ माँ, गरद छूँ वन्दना ...,

"तिमी नै जल हो तिमी नै निष्ठल हो ...2, तिमी धरती हो आकाश हो...2,
तिमी योगी हो अनी सन्त हो ...2, तिमी आदि हो आनन्त हो ...2,
तिमी माता पिता गुरु बन्धु सखा...2,तिमरु चरणां मा माता मेरो कोटि प्रणाम...2,

मूलाधार मां स्वाधिष्ठान मां ...2, तिमी नाभि मां अनी हृदय मां ...2,
तिमी विशुद्धि मां आगन्य मां ...2, तिमी नै तिमी छो सहस्त्रार मां ...2,
तिमी माता पिता गुरु बन्धु सखा...2,तिमरु चरणां मा माता मेरो कोटि प्रणाम...2,

मेरु हृदय मां मन मन्दिर मां ...2, तिमी साथ मां मेरो मात मां ...2,
तिमी अंग अंग प्रत्यगं मां ...2, तिमी नै तिमी मेरो सर्वागं मां ...2,
तिमी माता पिता गुरु बन्धु सखा...2,तिमरु चरणां मा माता मेरो कोटि प्रणाम...2,

तिमी चाहना अनि चेतना ...2, मेरो साधना आराधना ...2,
तिमी कामना मेरो भावना ...2, तिमी नै तिमी मेरो संभावना ...2,
तिमी माता पिता गुरु बन्धु सखा...2,तिमरु चरणां मा माता मेरो कोटि प्रणाम...2,

तिमी आन मां अनि शान मां ...2, मेरो मान मां अभिमान मां ...2,
तिमी कर्म मां अनि ज्ञान मां ...2, तिमी नै तिमी छौ मेरो ज्ञान मां ...2,
तिमी माता पिता गुरु बन्धु सखा...2,तिमरु चरणां मा माता मेरो कोटि प्रणाम...2,

तू है दाता विश्व विधाता निर्मल माता

तू है दाता विश्व विधाता ...2, निर्मल माता है जग दाता ...2,
तेरी जय जयकार करूँ मैं ..., तेरी जय जयकार करूँ माँ ...,
हे जग जननी माता ..., तू है दाता विश्व विधाता ...,
निर्मल माता है जग दाता ...2,

तेरी कृपा से जीवन सारा ...2, तेरी कृपा से जीवन सारा ...2,
भर गया सुख से तन मन सारा ...2, निर्मल माता है जग दाता ...2,

विघ्न विनाशक जग उद्धारक ...2, विघ्न विनाशक जग उद्धारक ...2,

Scanned by CamScanner

निर्मल माता सृष्टि दाता ...2, निर्मल माता है जग दाता ...2,
तेरे चरण को नमन करूँ मैं ...2, तेरे चरण को नमन करूँ में ...2,
निर्मल माता भाग्य विधाता ...2, निर्मल माता है जग दाता ...2,
तेरी जय जयकार करूँ में ..., तेरी जय जयकार करूँ माँ ...,
हे जग जननी माता ..., तू है दाता विश्व विधाता ...,
निर्मल माता है जग दाता ...4,

तू ही जगत पिता तू ही परम पिता

"तू ही जगत पिता, तू ही परम पिता ...
सबके तुम्ही रखवाले तुम हो सभी के सहारे..., जय जय गणपति ...2"...2
तुम ज्ञान हृदय में जगाते, तुम ध्यान में नित जाते ...2,
जिसे सुमिरें सभी, बिसरें न कभी ...2, तुम्हे ऐसे तिलक करें, तू ही जगत पिता ...
करें सदा तेरा वन्दन निशदिन, माथे लगे तेरा चंदन निशदिन ...2,
कष्ट मिटा के मेरा, तुम दूर कर दो अंधेरा, हर कष्ट मिटा के मेरा, तुम दूर ...
तुम्हें भक्तों का नमन, तन मन अर्पण ...2, तुमरे चरणों मेकं पले ...,तू ही जगत पिता..

तू ही श्री देवी परमोदारा

तू ही श्री देवी परमोदारा ...2, तू ही श्री देवी निष्कलंका ...2,
तू ही श्री देवी भक्तिप्रिया ...2, तू ही श्री देवी महारानी ...2,
(माँ सबको दुआ देना, तू ही महामाया,
जय महामाया, तू ही महाकाली,
जय महाकाली, तू श्री गायत्री,
जय श्री गायत्री, जय हो माता,
जय हो जय हो जय निर्मऽऽला माऽऽता आदिशक्ति माँ...2)

तू ही श्री देवी पद्मासना ...2, तू ही श्री देवी सान्द्रकरूणा ...2,
तू ही श्री देवी निष्परिगृहा ...2, तू ही श्री देवी स्वभावमधुरा ...2,
(माँ सबको दुआ देना, तू ही महामाया,
जय महामाया, तू ही महाकाली,
जय महाकाली, तू श्री गायत्री,

जय श्री गायत्री, जय हो माता,
जय हो जय हो जय निर्मऽऽला देऽऽवी आदिशक्ति माँ...2)
तू ही श्री देवी निर्विकल्पा ...2, तू ही श्री देवी सुखाराध्या ...2,

तू ही श्री देवी लीला विनोदिनी ...2, तू ही श्री देवी शर्मदायिनी ...2,
(माँ सबको दुआ देना, तू ही महामाया,
जय महामाया, तू ही महाकाली,
जय महाकाली, तू श्री गायत्री,
जय श्री गायत्री, जय हो माता,
जय हो जय हो जय निर्मऽऽला माऽऽता आदिशक्ति माँ...2)

तू खुद को जान, खुद से प्यार करके देख जरा

तू खुद को जान, खुद से प्यार करके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ... ऽऽ, माँ निर्मला पे एतबार करके देख जरा ...2,
है सहजयोग आत्मज्ञान की आसान डगर ...2,
भरोसा करके तू एक बार, चलके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ...ऽऽ, माँ निर्मला पे ..., तू खुद को जान, खुद से .... देख जरा,
दिया जला के माँ के सामने, तू बैठ जरा ...2,
फैला के हाथ, माँ से अर्ज करके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ...ऽऽ, माँ निर्मला पे ..., तू खुद को जान, खुद से .... देख जरा,
ख्याल काम छोड़, भूल के दुनिया दारी ...2,
तू अपने आप में एक बार ढ़ल के देख जरा ...2,
माँ निर्मला ...ऽऽ, माँ निर्मला पे ..., तू खुद को जान, खुद से .... देख जरा,
जगा के कुण्डलिनी, आत्म बोध कर हासिल ...2,
फिर अपने होश को बेज़ार करके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ...ऽऽ, माँ निर्मला पे ..., तू खुद को जान, खुद से .... देख जरा,
जिसे तू ढूँढ़ रहा है, वो तुझ में है शामिल ...2,
रूहानी बनके, तू पहचान करके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ...ऽऽ, माँ निर्मला पे ..., तू खुद को जान, खुद से .... देख जरा,
है सात चक्रों में, कायम वजूद इंसा का ...2,
उन्हें चैतन्य से तू, पार करके देख जरा ...2,

Scanned by CamScanner

माँ निर्मला ...ss, माँ निर्मला पे ..., तू खुद को जान, खुद से .... देख जरा,
कजाँ के बाद की, जन्नत को किसने देखा है ...2,
तू जीते जी इसे अख्तियार करके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ...ss, माँ निर्मला पे ..., तू खुद को जान, खुद से .... देख जरा,
ना जाने आदमी की रूह, फिर मिले ना मिले ...2,
इसी जनम को तू, साकार करके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ...ss, माँ निर्मला पे ..., तू खुद को जान, खुद से .... देख जरा,
परम चैतन्य में हस्ती मिलाके पाले मिज़ाज़ ...2,
तू महाशक्ति को सहस्त्रार करके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ...ss, माँ निर्मला पे ..., तू खुद को जान, खुद से .... देख जरा,

तुझे रूप पाहुनिया

तुझे रूप पाहुनिया मी दंग झालो आई ...2,
तुझे नाम घेता घेता मी धन्य झालो ...2

तूच माऊली आमुची, तुझ्या सावलीत आलो
तुया चिन्तनी रंगूनी समाहित् झालो ...2
तुझ्या चरणाची धूळ कपाळी मी ल्यालो ...2

निर्मल असे रूप जणू प्रकाशाची ज्योति,
निरानंदाची तू आण प्रेमाची गुण आम्ही मोट,
ह्या अर्पणाने आई जणू अमृत मी प्यालो ...2

कुणी म्हणे लक्ष्मी तुला। कुणी म्हणे साँई।
कुणी म्हणे सरस्वती कुणी म्हणू आई,
तुझ्या नामाने गं आई, पावन मी झालो ...2

तुम बसी हो कण कण अन्दर माँ करता सारा जग वन्दन माँ

तुम बसी हो कण कण अन्दर माँ, करता सारा जग वन्दन माँ ...2
करता सारा जग वन्दन माँ ...2, तुम बसी हो .....,

"छिन्दवाड़े की भूमि पावन, हर सहजी करता कोटि नमन ...,

माँ निर्मल का जहाँ जन्म हुआ, मानवता का कल्याण हुआ" ...2,
मानवता का कल्याण हुआ ...2, तुम्हीं सूरज तुम्हीं चन्द्रमा ...,
करता सारा जग वन्दन माँ ...2, तुम बसी हो ..... वन्दन माँ ...,

"बना नारगोल है मोक्ष का द्वार, जग का माँ ने खोला सहस्त्रार ...,
जागृति कर जन जन तार दिया, हमें सहजयोग उपहार दिया" ...2,
हमें सहजयोग उपहार दिया ...2, तुम्हीं पर्वत तुम्हीं समुन्दर माँ ...,
करता सारा जग वन्दन माँ ...2, तुम बसी हो ..... वन्दन माँ ...,

"सारे जग में तेरे नजारे माँ, सभी सहजी तुमको प्यारे माँ ...,
अनगिन हम पर उपकार किये, बच्चों पे सभी सुख वार दिये" ...2,
बच्चों पे सभी सुख वार दिये ...2, आई हो ऐसी चैतन्या ...,
करता सारा जग वन्दन माँ ...2, तुम बसी हो ..... वन्दन माँ ...,

"भर दो हममें इतनी शक्ति, चरणों की माँ दे दो भक्ति ...,
इस धरती को स्वर्ग बना दें हम, बस सहजयोग फैला दें हम" ...,
बस सहजयोग फैला दें हम ...2, शुद्ध इच्छा यही है मन में माँ ...,
करता सारा जग वन्दन माँ ...2, तुम बसी हो ..... वन्दन माँ ...,

तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया

तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी ...2, सुध लो मोरी ...
सुध लो गोपाल मैं खोई गैया तेरी ...2
तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी

पाँच विकार से हाँकी जाये, पाँच तत्व की ये देही ...2
बरबस भटकी दूर खड़ी मैं, चैन न पाऊँ अब केही ...2
ये कैसा मायाजाल मैं खोई गैया तेरी ...2
सुध लो मोरी ..., तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी

जमुना तट ना, नन्दन वट ना, गोपी ग्वाल कोई दीखे ...2,
कुसुमलता ना तेरी छटा ना, पाँख पखेरू कोइ रीझे ...2
अब साँझ ढले घनश्याम, मैं व्याकुल गेया तेरी ...2
सुध लो मोरी ..., तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी

कित पाऊँ तरवर की छाँव जित, साँझे कृष्ण कन्हैया ...2,

Scanned by CamScanner

मन का ताप, श्राप भटकन का, तुम ही हरो हरि रास रचैया ...2,
अब रूप निहारूँ बाट प्रभूजी मैं गैया तेरी ...2,
सुध लो मोरी ..., तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गेया तेरी

बँसी के स्वर, नाद से टेरो, मधुर तान से मुझे पुकारो ...2
राधा कृष्ण गोविन्द हरिहर, मुरली मनोहर नाम तिहारो ...2
मुझे उबारो हे गोपाल मैं खोई गैया तेरी ...2
सुध लो मोरी ..., तुम ढूंढरे मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी

ऊपर गगन विशाल नीचे गहरा पाताल

आ SSSSSSS आ SSSSS ऊपर गगन विशाSSSल
ऊपर गगन विशाल, नीचे गहरा पाताल,
बीच में धरती, वाह मेरे मालिक तूने किया कमाल,
अरे वाह मेरे मालिक वाह मेरे पीरा तूने किया कमाऽल,
तूने किया कमाल, ऊपर गगन विशाSSल आ हा आ हा

" एक फूँक से रच दिया तूने, सूरज अगन का गोला,
एक फूँक से रचा चन्द्रमा, लाखों सितारों का टोला SS" ...2,
ओ तूने रच दिया पवन झकोला, ये पानी और ये शोला,
ये बादल का उड़न खटोला, तूझे देख हमारा मन डोला,
सोच सोच हम करें अचम्भा S, नज़र न आता एक भी खम्बा,
फिर भी ये आकाश खड़ा है, हुये करोड़ो साल,
मालिक तूने किया कमाल, ऊपर गगन विशाSSल आ हा आ हा

अरे तूने रचा, हाँ तूने रचा एक अद्भुत प्राणी ..., जिसका नाम इन्सान,
तूने रचा, हाँ तूने रचा एक अद्भुत प्राणी ..., जिसका नाम इन्सान,
जिसकी नब्ज़ीं जान के भीतर भरा हुआ तूफान,
इस जग में इन्सान के दिल को, कौन सका पहचान,
इसमें ही शैतान छुपा है, इसमें ही भगवान,
बड़ा गजब का है ये खिलौना ...2, इसकी नहीं मिसाल
मालिक तूने किया कमाल, ऊपर गगन विशाSSल आ हा आ हा
चारों तरफ एक इन्द्रजाल सा, तूने रचा विधाता, तूने रचा विधाता,
चारों तरफ एक इन्द्रजाल सा, तूने रचा विधाता, तूने रचा विधाता,

तू हम सब के बीच बसा है, "फिर क्यूँ नज़र न आता ...2,
पत्ता पत्ता लता लता ..., पत्ता पत्ता लता लता, पूछ रहे सब तेरा पता
कहाँ छुपा है, अब तो बता, सामने आ जा, अब ना सता ...,
एक बार तो झलक दिखा जा SSS..., एक बार तो झलक दिखा जा,
कर जा हमें निहाल, मालिक तूने किया कमाल,

ऊपर गगन विशाल, नीचे गहरा पाताल,
बीच में धरती, वाह मेरे मालिक तूने किया कमाल
अरे वाह मेरे मालिक वाह मेरे पीरा तूने किया कमाल,
तूने किया कमाल, ऊपर गगन विशाSSल आ SSSSSSS आ SSSSS

वैष्णव जन तो तेने जो कहिये जे पीर पराई जाने रे

वैष्णव जन तो तेणे जो कहिये जे पीर पराई जाने रे ...
पर दुखे उपकार करे तो मन अभिमान ना आणे रे ...

सकल लोक मां सहुने बन्दे, निन्दा ना करे केणी रे
वाच काज़ मन निश्छल राखे, धन धन जननी केणी रे

सम दृष्टि ने तृष्णा त्यागी, पर स्त्री जेणे मात रे
जिव्हा थकी असत्य न बोले, पर धन नव छाड़े आप रे

मोह माया व्यापे नहीं जेणे दृढ़ वैराग्य जैड़ा मनमा रे
राम नाम सूं आड़ी लागी, सकल तीरथ तेरा मनमा रे

बण लोभी ने कपट रहित छे काम क्रोध निवारया रे
मड़े नरसहिंयो तेनो दर्शन करता कुलई को तेरे तार्‌यो रे

वैष्णव जन तो तेणे जो कहिये जे पीर पराई जाने रे ...

वन्दे मातरम्

सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम् ...2
शुभ्र ज्योत्सना - पुलकित यामिनीं, फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभीनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्, सुखदाम् वरदाम् मातरम् ॥ वन्दे मातरम् ...2
सप्तकोटिकण्ठ - कलकल - निनाद कराले,

Scanned by CamScanner

द्विसप्तकोटिभुजैर्धृतखरकरवाले, अबोला कैनो मा एतो बौले।
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं, रिपुदल वारिणीं मातरम् ॥ वन्दे मातरम् ...2

तुम विद्या तुमि धर्म्म, तुमि हृदि तुमि मर्म्म, त्वंहि प्राणाः शरीरे।
बाहुते तुमि माँ शक्ति, हृदये तुमि माँ भक्ति,
तोमारी प्रोतिमा गोड़ि मोंदिरे मोंदिरे ॥ वन्दे मातरम् ...2

त्वम् हिं दुर्गा दशप्रहररधारिणी कमला कमल-दल-विहारिणी
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वां, नमामि कमलाम् अमलाम, अतुलाम्,
सुजलाम् सुफलाम् वन्दे मातरम्,
श्यामलाम् सरलां सुस्मितां भूषिताम् धरणीम् भरणीम् मातरम् ॥
वन्दे मातरम् ...2

वन्दना, सब करो वन्दा

"वन्दना, वन्दना सब करो वन्दना,
श्री माता जी की सब करो वन्दना" ...2, "ला ला ऽऽ ला ला ऽऽ ...2

जिनको पूजे है रवि, चारों ओर उनकी छवि ...2,
चन्द्रमा की चाँदनी करते हैं वन्दना, "वन्दना, वन्दना सब करो ...2

धरती तरसती स्पर्श को, सागर पखारन पाँव को ...2,
आदिशक्ति श्री माताजी की कर रहे सब वन्दना, "वन्दना, वन्दना सब ...2

माँ प्राणों में है, हर साँसों में है ...2,
ऐसी माँ के ध्यान में कर रहे सब वन्दना, "वन्दना, वन्दना सब करो ...2

विघ्न हरण गजवदन

विघ्न हरण गजवदन गजानना ..., करहूँ कृपा मोपे हे शिव नन्दन ...,
रिद्धि सिद्धि नवनिधी के दाता ..., सब जग के तुम बुद्धि विधाता ...,
शंकर नन्दन आप निरंजना..., भक्तन के तुम जग वंदना..., विघ्न हरण...,

विनरो विनो विनरो माताजी

विनरो विनरो विनरो माताजी माटा ...2,
माताजी माटा, कुण्डलिनी माटा ...2, विनरो ... माताजी माटा ...2

"अनन्त जगतिलो आत्म विकासमों नीकू सन्तमों ...,
अम्मा कुण्डलिनी चक्र नाडुलु उन्नः वन्दुके" ...2,
निन्नुनीवे तिलसुकुनम ध्यानम् लोना ...2
विनरो विनरो विनरो माताजी माटा ...2,
माताजी माटा, कुण्डलिनी माटा ...2, विनरो ... माताजी माटा ...2

"दुःख कमने कड़लिलो न उन्न जलननो ...,
योगमने नावलो न चेरचु भारमो" ...2,
निन्डु करूणा निन्ड़ीवुन्न नीकू साध्यमों ...2,
विनरो विनरो विनरो माताजी माटा ...2,
माताजी माटा, कुण्डलिनी माटा ...2, विनरो ... माताजी माटा ...2
माताजी माटा, "निर्मल माताजी माटा ...4

वो प्यार देने को मजबूर तू प्यार पाने से मजबूर

"आ ऽऽऽ आ ऽऽऽ आ ऽऽऽ आ ऽऽऽ
गुमान अच्छा नहीं लगता, जुबान अच्छी नहीं लगती ...,
चमन के आशियानों पर, मचान अच्छी नहीं लगती ...," ...2
जमीं पर रहने वाले, आसमाँ की बात करता है,
हवा में इस कदर, तेरी उड़ान अच्छी नहीं लगती ...2, ...

वो प्यार देने को मजबूर, तू प्यार पाने से मजबूर, प्यार ...4,
क्यूँकि ... तू है मगरूर, नहीं पाता सुरूर,
हाँ हाँ तू है मगरूर, नहीं पाता सरूर, ...2
क्या है तेरा कसूर, जरा सोचिए हूजूर ...3,
है ये तेरा गरूर ...2, प्यार पाना जरूर ...2,
वो प्यार देने को मजबूर, तू प्यार पाने से मजबूर, प्यार ...2,

ये प्यार सूरज सा नहीं ..2, जो बादलों में ढंक जाये ...2,
ये प्यार दरिया सा नहीं ...2, जो बांध में बंध जाये ...2,
मुसीबत में पड़ौसी मिलना जुलना छोड़ देते हैं ...,
हमेशा साथ रहने वाले तन्हा छोड़ देते हैं ...,
तुम्हारी चन्द खुशियाँ लुट गयीं, तो इस कदर गम है,

Scanned by CamScanner

मोहब्बत में तो अक्सर लोग दुनिया छोड़ देते हैं ...,
ये प्यार सूरज सा नहीं ...2, जो बादलों में ढंक जाये ...2,
ये प्यार दरिया सा नहीं ...2, जो बांध में बंध जाये ...2,
ये प्यार वो साया नहीं ...2, जो रात ही में हट जाये ...2,
ये प्यार चाँद जैसा नहीं ...2, जो कभी बड़े कभी घट जाये ...3,

क्यूँकि ... "ये प्यार मुसलसल सिलसिला है ...2,
तूने क्या दिया सिला है ...2, सिर्फ शिकवे और गिला है ...2,
पर उससे कया मिला है ...2, क्यूँकि ... तू है मगरूर,
नहीं पाता सुरूर, हाँ हाँ "तू है मगरूर, नहीं पाता सरूर, ...2
क्या है तेरा कसूर, जरा सोचिए हूजूर ...3,
है ये तेरा गरूर ...2, प्यार पाना जरूर ...2,
वो प्यार देने को मजबूर, तू प्यार पाने से मजबूर, प्यार ...2,

ये प्यार जैसे, दिल की धड़कन को हवा है ...2,
जैसे प्यासे को, शीतल जल का कुआ है ...2,
जैसे तपते धूप में, ठंढे झोंके ने छुआ है ...2,
कुछ ना माँग तू ..., कुछ ना माँग तू, बस अब यही तेरी दुआ है,
क्यूँकि ... "ये प्यार मुसलसल सिलसिला है ...2,
तूने क्या दिया सिला है ...2, सिर्फ शिकवे और गिला है ...2,
पर उससे कया मिला है ...2, क्यूँकि ... तू है मगरूर,
नहीं पाता सुरूर, हाँ हाँ तू है मगरूर, नहीं पाता सरूर, ...
क्या हे तेरा कसूर, जरा सोचिए हूजूर ...2,
है ये तेरा गरूर ...2, प्यार पाना जरूर ...2,
वो प्यार देने को मजबूर, तू प्यार पाने से मजबूर, प्यार ...2,

बेलोस खुद निसारी है " जरिया गरूर घटाने का ...3,
दो दिन की जिन्दगी पर, इतरा रहा है नादान्,
महलों के ख्वाब अकसर, क्यूँ देखता है शैतान्,
दुनिया सराय खाना, इक रोज सबको जाना,
रहता नहीं है कोई, किसका यहाँ ठिकाना,
दारा की अस्मतों का, कोई निशान् नहीं है ...2,

वो खाक हो गया है, उनका मकान् नहीं है ...2,
बस नाम रह गया है, सबका भरे जहाँ में,
चिड़ियों का घोसला है, टूटे से आशियाँ में,
पोरस है ना सिकन्दर, सब हो गये हैं रुखसत,
जब जिन्दा थे ये दोनो, उनकी बड़ी थी ये चाहत,
महलों के सब उजाले, अब खाक हो चुके हैं,
ऊँची उड़ान वाले, मिट्टी में मिल चुके हैं ...3,

बेलोस खुद निसारी है "जरिया गरूर घटाने का ...3,
ये गिले शिकवे, ये दूरियाँ, "ये मजबूरी हटाने का ...3,
जमीं पर ही एक मुश्तकिल फिरदौस बनाने का ...2,
खुद को प्यार से तर, औरों को बेहतर बनाने का ...
"ये प्यार मुसलसल सिलसिला है ...2,
तूने क्या दिया सिला है ...2, सिर्फ शिकवे और गिला है ...2,
पर उससे क्या मिला है ...2, क्यूँकि ...2, क्यूँकि ... तू है मगरूर,
नहीं पाता सुरूर, हाँ हाँ तू है मगरूर, नहीं पाता सरूर, ...
क्या है तेरा कसूर, जरा सोचिए हूजूर ...2,
है ये तेरा गरूर ...2, प्यार पाना जरूर ...2,
वो प्यार देने को मजबूर, तू प्यार पाने से मजबूर, प्यार ...2,

ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार

ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्मा साक्षात्कार माँ ..., अन्तर में जल उठे दीप हजार, कलियुग में किये तूने नये चमत्कार,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्म साक्षात्कार माँ ...,

कुसंस्कारों की चट्टाने, आसक्ति की यंत्रणायें ...,
भय शंका की श्रृंखलायें, पर्वत सी भारी मन्त्रणायें ...,
सब कहाँ ढह गयीं, बिखर कर बह गयीं ...,
तेरी करूणा के सान्द्र सागर में ..., अगणित हम पर तेरे उपकार ...,
कलियुग में किये तूने नये चमत्कार,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्म साक्षात्कार मा ...,

Scanned by CamScanner

अत्याचारी का तर्जन, भ्रष्टाचारी का मर्दन ...,
व्यभिचारी का नर्तन, ज्ञान विज्ञान का सर्जन ...,
परिवर्तित सब कैसे हुये, तेरे मातृ प्रेम आगर में ...,
तूने सुझाया इस पार, उस पार ..., कलियुग में किये तूने नये चमत्कार,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्म साक्षात्कार माँ ...,
अन्तर में जल उठे दीप हजार, कलियुग में किये तूने नये चमत्कार,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्म साक्षात्कार माँ ....,

शक्तिहीन की मुखरित आहें, दुर्बल की अरचित बाहें ...,
नई ज्योति से जगमग हो गई पीड़ित की क्रान्दित राहें ...,
शक्ति दायी हुये, वीरवर हो गये, जागे निरानन्द घर घर में ...,
सबको जगाने हुआ तेरा अवतार, कलियुग में किये तूने नये चमत्कार,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्म साक्षात्कार माँ ...2,

नवयुग करता है तेरा अभिनन्दन, निर्मल मन से निर्मल माँ का वन्दन ...,
तू माता हम सहजयोग के नन्दन, तेरा आशीष हर माथे का चन्दन ...,
तेरी कृपा से भर लिया हमने, सागर गागर में ...,
तेरे चरणों में शत कोटि नमस्कार, कलियुग में किये तूने नये चमत्कार,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्म साक्षात्कार माँ ...,
अन्तर में जल उठे दीप हजार, कलियुग में किये तूने नये चमत्कार,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्म साक्षात्कार मा. ...,

ये हमारी जिन्दगी माँ के नाम है

ये हमारी जिन्दगी माँ के नाम है ...2,
अपनी हर इक खुशी माँ के नाम है ...2
ये हमारी जिन्दगी ... अपनी हर इक खुशी माँ के नाम है ...

आरजू ख्वाबे दिल धड़कनें जाँ है क्या ...2
ये हमारी साँसें भी ...2, माँ के नाम है ..., ये हमारी जिन्दगी ...

अपने हर गीत में है झलक माँ ss की ...2
हर गजल रागिनी ...2, माँ के नाम है ..., ये हमारी जिन्दगी ...

है तस्सवुर हमें रात दिन सहज का ...2
अपने हर पल घड़ी ...2, माँ के नाम है ..., ये हमारी जिन्दगी ...

अपनी हस्ती है क्या बस यही जाना है ...2
हम तो रोशन दिये ...2, माँ के नाम है ... ये हमारी जिन्दगी ...

ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही है

ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही है ...2,
सब भेद भाव झूठे, इन्सान एक ही है ...2, ये नाम न्यारे न्यारे ...2,

यह धर्म है हमारा, यह धर्म है तुम्हारा ...2,
यह मज़हबी लड़ाई ...2, ईमान एक ही है,
यह मज़हबी लड़ाई, ईमान एक ही है, ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही है ...2,

ये शास्त्र है हमारे, ये शास्त्र है तुम्हारे ...2,
गीता कबीर वाणी ...2, सद ज्ञान एक ही है,
गीता कबीर वाणी, सद ज्ञान एक ही है, ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही है ...2,

ये सन्त है हमारे, ये संत है तुम्हारे ...2,
सब रीत (वीत) राग प्रभू की ...2, संतान एक ही है,
सब रीत राग प्रभ की, संतान एक ही है, ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही है ...2,

ये पन्थ है हमारा, ये पन्थ है तुम्हारा ...2,
ये दुकान न्यारी न्यारी ...2, सामान एक ही है,
ये दुकान न्यारी न्यारी, सामान एक ही है, ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही है ...2,

जड़ एक है हमारी, शाखायें न्यारी न्यारी ...2,
माली भले ही बदले ...2, उद्यान एक ही है,
माली भले ही बदले, उद्यान एक ही है, ये नाम न्यारे न्यारे , भगवान एक ही है ...2,

सब भेद भाव झूठे, इन्सान एक ही है ...2, ये नाम न्यारे न्यारे ...2,
माली भले ही बदले, उद्यान एक ही है, ये नाम न्यारे न्यारे , भगवान एक ही है ...2,

Scanned by CamScanner

भवन में आ जाओ मैया शेराँ वाली

भवन में आ जाओ, मैया शेराँ वाली...2, हो हो SS जय जगदम्बे जय माँ अम्बे
महामाया महाकाली..., "भवन में आ जाओ, मैया शेराँ वाली...2,

तेरे दर पे जो भी आया...2, बेड़ा पार लगाया...2,
तेरे दर पे जो भी आया, बेड़ा पार लगाया,
विनती मेरी स्वीकार करो माँ...2, तेरा भोग लगाया..., भवन में आ जाओ....2,

हरी भरी मन भावन चुड़ी...2, लाल चुनरिया लाये...2,
हरी भरी मन भावन चुड़ी..., लाल चुनरिया लाये...,
सब श्रंगार करो मेरी मैया...2, सोने का छतर चढ़ाया..., भवन में आ जाओ....2,

बड़े बड़े राक्षस संघारे...2, करके विकट लड़ाई...2,
बड़े बड़े राक्षस संघारे..., करके विकट लड़ाई...,
नवरात्रों में सबने मिलकर...2, तेरी महिमा गायी..., भवन में आ जाओ...2,

तेरी ज्योत जले जिस दिल में...2, करती माँ उजियारा...2,
तेरी ज्योत जले जिस दिल में..., करती माँ उजियारा...,
तेरे एक इशारे पे माँ...2, झूमें ये जग सारा..., भवन में आ जाओ....2,

सब बच्चों ने मिलकर मैया...2, तेरी महिमा गायी...2,
सब बच्चों ने मिलकर मैया..., तेरी महिमा गायी...,
सब सहजन की तूने मैया...., नैया पार लगायी..., भवन में आ जाओ....2,

हम हैं तेरे गणेश श्री माँ हम हैं तेरे गणेश

हम हैं तेरे गणेश श्री माँ, हम हैं तेरे गणेश...2,
चरण कमल में शरण दो माता, जीवन कट जाये शेष..., श्री माँ हम.....गणेश,

धन्य भाग्य मानव तन मन पाना...2, निर्मल माता को पहचाना....2,
धन्य भाग्य माँ आदिशक्ति...2, पिता हैं देव महेश...., श्री माँ हम.....गणेश,

हमको भी माँ अबोध बना दो...2, मन के सारे कपट मिटा दो...2,
दूर करो अन्धेरे मन के....2, मिटा दो सारे क्लेश...2, श्री माँ हम.....गणेश,

शक्ति दो माँ, भक्ति दो माँ...2, बाधाओं से मुक्ति दो माँ...2,
सर्व समर्पण कर दिया तुझको...2, रहा ना कुछ भी शेष..., श्री माँ हम.....गणेश,

भूल हो जाये क्षमा कर देना....2, राह नयी माँ दिखला देना...2,
तुम्हीं हो माता हम सहजन की...2, तारे चन्द्र दिनेश..., श्री माँ हम.....गणेश,

निर्मल मैया मेरी दे दो चैतन्य अनमोल

निर्मल मैया मेरी, दे दो चैतनय अनमोल...2,
दे दो चैतन्य अनमोल, मेरे अवगुण ना तोल...2, निर्मल मैया.....अनमोल,

ये जीवन कर्मों का सागर, करम ना देखो मेरे...2,
अपनी शरण में ले लो श्री माँ, आना पड़ा दर तेरे...2,
आना पड़ा दर तेरे मुझ को, अपने से जोड़..., निर्मल मैया.....अनमोल,

तेरे नाम की गंगा में, मैं जब जब डुबकी लगाऊँ...2,
नजरें करम हो तेरी श्री माँ, डूबता भी तर जाऊँ...2,
डूबता भी तर जाऊँ, श्री माँ निर्मल जय बोल... निर्मल मैया.....अनमोल,

दुनिया के हैं लाख सहारे, मुझे है तेरा सहारा....2,
तेरे चरण मेरे मन्दिर मस्जिद, तेरे चरण गुरूद्वारा...2,
तेरे चरण गुरूद्वारा, मेरी दूजी ना ठोर..., निर्मल मैया.....अनमोल,

तीन नाड़ी और सात चक्र दे, रच दी तूने काया...2,
इसके अन्दर स्वयं बैठी हो, बनके श्री महामाया....2,
बनके श्री महामाया, मेरा सहस्त्रार खोल..., निर्मल मैया.....अनमोल,

भज ले माँ का नाम अर्जेन्ट

"श्री माताजी निर्मला देवी का लग रहा दरबार...,
भज ले सहजी भज ले प्यारे मत कर सोच विचार...,

भज ले माँ का नाम अर्जेन्ट...2, आना जाना यहां निरन्तर...2,
कोई ना इसका रेन्ट..., भज ले माँ का नाम अर्जेन्ट...,

काम क्रोध, मद लोभ, मोह के, लग रहे रेस्टोरेन्ट...2,
जीवन देने वाली मैया से...2, रहा रे तू अपसेन्ट..., भज ले माँ का नाम अर्जेन्ट,

गुरु जनों की आज्ञा ना मानी, बना रहा स्टूडेन्ट...2,
निर्मल नाम की चर्चा करने में...2, हो जा तू परजेन्ट..., भज ले माँ का नाम अर्जेन्ट,

काया से तूने किया प्रेम रे, बन गया एलीफेन्ट...2,
मनवा कहे तू भज ले मैया को...2, बन माँ का सर्वेन्ट..., भज ले माँ का नाम अर्जेन्ट,

भाग दौड़ की इस दुनिया में, कोई ना परमानेन्ट...2,
अपनी कुन्डलिनी शक्ति जगाले...2, बन जा निर्मल सेन्ट... भज ले माँ का नाम अर्जेन्ट,
भज ले माँ का नाम अर्जेन्ट..., आना जाना यहाँ निरन्तर..., कोई ना इसका रेन्ट...,

Scanned by CamScanner

सहजयोग में उत्थान पथ पर इक्कीस महत्वपूर्ण कदम !

1. हमें सदा ध्यान रखना है कि श्री माता जी कौन हैं।
2. हमें प्रति दिन ध्यान धारणा अवश्य करनी है।
3. हमें दूसरों की आलोचना कतई नहीं करनी।
4. नियमित जूता क्रिया, पानी पैर क्रिया, नाक में घी तथा लहरीयों का आदान प्रदान कीजिए।
5. आत्मा के विरोध में हमें न कुछ करना चाहिये और न कुछ कहना।
6. हमें नियमित रूप से श्री माताजी के टेप सुनने तथा देखने चाहिए।
7. "हमारा ज्ञान सर्वोत्तम है", यह दुर्विचार आप में भरने की आज्ञा अपने अंह को मत दीजिए। यह भी नहीं कि सभी लोग हम जैसे बनें और हम सा ही आचरण करें।
8. सुनहरे नियम "अपने पडोसी को वैसे ही प्रेम करें, जैस स्वंय को करते है" का पालन जी जान से करें।
9. मानसा, वाचा, कर्मणा हमें कट्टर नही होना है।
10. पारस्परिक सम्बन्ध विकसित करने के लिए हमें कार्य रत रहना चाहिए तथा मर्यादाओं के प्रति हमें जागरूक रहना चाहिए।
11. आश्रम में हमें समस्याऐं खड़ी नहीं करनी चाहिए, आश्रम आनन्द तथा शांति का स्थान होना चाहिए।
12. अपने अन्तस की परिचित समस्याओं को सुलझाने के लिये गंभीरता से प्रयत्नशील होना ही चाहिए।
13. सुधारे जाने पर प्रति क्रिया नहीं करनी चाहिए।
14. हमें सप्ताह में कम से कम एक बार सामूहिक कार्यक्रम में भाग लेना आवश्यक है।
15. अपनी त्रुटियों पर पर्दा डालने के लिये हमें बहाने नहीं खोजने चाहिए।
16. हमें निर्णायक बनने से बचना चाहिए।
17. हमें व्यर्थ गप्पें नहीं हांकनी चाहिए।
18. अपने समय और साधनों सहित हमें उदार होना चाहिए।
19. चैतन्य लहरियों के सम्मुख बौद्धिक धारणाओं को महत्व न दें।
20. हमें सदा याद रखना चाहिए कि हम श्री माताजी के घर में रहते है।
21. निजी कार्यों को सहज गति विधियों के सम्मुख प्राथमिकता नहीं दी जानी चाहिए।

जय श्री माताजी

कबीर के दोहे

गुरु गोविन्द दोहु खड़े, काके लागूँ पाए।
बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताए।

साच बराबर तप नहीं, झूँठ बराबर पाप।
जाके हिरदे साँच है, ताके हृदय आप।

साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाए।
सार सार को गाहि रहे, थोता देय उड़ाए।।

साँई इतना दीजिए, जामें कुटुम्ब समाए।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधु ना भूखा जाए।।

वृक्ष कबहुँ फल नहीं खात है, नदी न संचे नीर।
परमारथ के कारणे, साधु धरा शरीर।।

मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन है तीर।
सन्नवन द्वार है संचरे, सालै सकल सरीर।।

बोली एक अनमोल है, जो कोई बोली जानि।
हिये तराजू तोल के, तब मुख बाहरि आनि।।

कबीरा संगत साधु की, हरे और की व्याधि।
संगत बुरी असाधु की, आठें पहर उपाधि।।

गुरु कुम्हार कुम्भ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट।
अन्तर हाथ सहार दे, बाहर बाहे चौट।।

पीया चाहे प्रेम रस, राखा चाहे मान।
एक म्यान में दो खड्ग, देखा सुना ना कान।।

मेरा मन तो रंगा माँ के रंग में

मेरा मन तो रंगा s माँ के रंग में, मैं रहता मगन ... माँ के धुन में ...
मन मंदिर में ज्योति जगी है ...2, माँ के नाम से शक्ति जगी है ...2
माँ के प्रेम की, हम पर है छाया ..., मेरा मन तो रंगा ...,
हाथों में बहे अमृत धारा ...2, गिरते हुओं को, माँ ने दिया है सहारा ...2

Scanned by CamScanner

निरानंद में बहे जीवनधारा ...2, मेरा मन तो रंगा ...
अमृत से भरी जीवन गागर ...2, जब से मिला है, माँ के प्रेम का सागर ...2
दरस से माँ के हम हो गये पावन ...2, मेरा मन तो रंगा ...

रहीम के दोहे

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चिटकाए।
टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गांठ पड़ जाए।।

पोथी पढ़ पढ़ जब मुआ, पंड़ित भया न कोय।
ढ़ाई आख़र प्रेम का, पढ़ै सो पंड़ित होय।।

कांकर पाथर जोड़ के, मसजिद लेई चुनाय।
ता चढ़ि मुल्ला बांग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय।।

कनक कनक ते सौ गुना, मादकता अधिकाय।
वो खाये बौरावत है, ये खाय बौराय।।

माला तो कर में फिरे, जीभ फिरे मुख माय।
मनुवा तो चहुँ ओर फिरे, ये तो सुमिरन नाहिं।।

दुखः में सुमिरन सब करे, सुख में करे ना कोय।
जो सुख में सुमिरन करे, तो दुखः काहे को होय।।

रात गंवाई सोय के, दिवस गंवाया खाय।
हीरा जनम अनमोल है, कौड़ी बदले जाय।।

तरूवर फल नहीं खात है, सरवर पिये ना पान।
काहे रहीम पर काज हित, संपति संचहि सुजान।।

ऐसी वाणी बोलिये, मन का आपा खोये।
औरन को शीतल करे, आपहुँ शीतल होय।।

पाथर पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।
ताते को चाकी भली, पीस खाये संसार।।

आवन को हरषै नहीं, नैनन नहीं सनेह।
तुलसी तहाँ न जाइये, कंचन बरसे मेह।।

विजयी निर्मल शारदे

विजयी निर्मल शारदे, विजयी निर्मल शारदे ...2
सकल विद्या स्वामिनी तुम, सर्व शास्त्र विशारदे ...2, विजयी निर्मल शारदे ...4

डुलत कुंडल श्रुती युगल में, शुभ्र मौक्तीक माल गल में ...2
शीश रत्न कीरीट राजित, निखिल जग उजियार दे ...2, विजयी निर्मल शारदे ...4

देवी भगवती स्वामिनी तुम, जागृत करो कुण्डलिनी ...2
नाश कर अज्ञान माते शुद्ध बुद्धि विचार दे ...2, विजयी निर्मल शारदे ...4

दिगदिगंत वसंत जागृत, हृदय कानन आज मुकूलीत ...2
प्रेम ममता कर सुझंकृत, जननी मोह निवार दे ...2,

विजयी निर्मल शारदे, विजयी निर्मल शारदे ...2, ...2
सकल विद्या स्वामिनी तुम, सर्व शास्त्र विशारदे ...2, विजयी निर्मल शारदे ...4

आदि शक्ति माताजी तेरे चरणों में आया हूँ मैं

आदि शक्ति माताजी, तेरे चरणों में आया हूँ मैं ...,
शाम सवेरे गुण तेरे गाऊँ, तेरा ही जाया हूँ मैं, "श्री माँ तेरा ही जाया हूँ मैं ...

आदि शक्ति माताजी, तेरे चरणों में आया हूँ मैं ...,
शाम सवेरे गुण तेरे गाऊँ, तेरा ही जाया हूँ मैं, "श्री माँ तेरा ही जाया हूँ मैं ...

तू आदि शक्ति सहस्त्रार विराजे ..., हाथों में वीणा मुकुट सर पे साजे ...3
आदि शक्ति माताजी, तेरे चरणों में आया हूँ मैं ...,
शाम सवेरे गुण तेरे गाऊँ, तेरा ही जाया हूँ मैं, "श्री माँ तेरा ही जाया हूँ मैं ...

तू ही भवानी तू महामाया ..., तुझमें ही सारा विश्व समाया ...3,
आदि शक्ति माताजी, तेरे चरणों में आया हूँ मैं ...,
शाम सवेरे गुण तेरे गाऊँ, तेरा ही जाया हूँ मैं, "श्री माँ तेरा ही जाया हूँ मैं ...

तू ही सदा शिव अन्तरयामी ...3, देवी देवों की तुम ही हो स्वामी ...3,
आदि शक्ति माताजी, तेरे चरणों में आया हूँ मैं ...,
शाम सवेरे गुण तेर गाऊँ, तेरा ही जाया हूँ मैं, "श्री माँ तेरा ही जाया हूँ मैं ...

आदि शक्ति माताजी, तेरे चरणों में आया हूँ मैं ...,
शाम सवेरे गुण तेरे गाऊँ, तेरा ही जाया हूँ मैं, "श्री माँ तेरा ही जाया हूँ मैं ...

Scanned by CamScanner

निर्मल नाम तू ले मनवा माँ की शरण में हो ले

निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा ...2, माँ की शरण में हो ले ...,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,

"अहंकार से भरा पूरा है, धन दौलत से मान बढ़ा है ...,
अभिमान और स्वाभिमान से, यहाँ वहाँ तू पड़ा है ..." ...2,
ये सब कुछ है माया पगले ...2, निर्मल नाम तू जपले ...,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,

ओ "अपनी सुन्दरता की मूरत, यहाँ वहाँ ले फिरता ...,
कोई नहीं कहे तेरे बारे में, अपने ही गुण तू गाता ..." ...2,
अब ये कुछ ना सोच रे मनवा ...2, सच्चाई को अपनाले ...,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,

हो "कैसे कैसे माँ खेल रचाये, इस धरती पर आकर ...,
कोई कहे माँ है तू लक्ष्मी, कोई कहे तोहे पालक ...' ...2,
माँ की महिमा, माँ ही जाने ...2, निर्मल ध्यान तू करले ...,

निर्मल नाम तू ले ले मनावा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,

निर्मल नाम तू ले ले मनवा ...2, माँ के शरण में हो ले ...,

निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...3,

भवानी माँ निर्मला हृदय में समाई है

भवानी माँ निर्मला हृदय में समाई ...4,
ज्योति नूरानी दमक रही ...2, माथे पे बिंदिया चमक रही ...2,
सजी है माँ ...2, निर्मला आँखों में बसाई है ..., "भवानी माँ ...2,

दुनिया तेरे चरणा पखारती ...2, माँ तेरी उतारें आरती ...2,
शिवानी माँ ...2, निर्मला जग लेता बताई है ..., "भवानी माँ ...2,

माँ अजर अमर निराकार तू ही ...2, माँ कुण्डलिनी साकार तू ही ...2,
तेरे ही रंग ...2, निर्मला माँ चुनरी रंगाई ..., "भवानी माँ ...2,

माँ जिसने तेरा नाम लिया ...2, भवसागर हम को पार किया ...2,
तू ही तो माँ ...2, निर्मला देवों ने मनाई है ..., "भवानी माँ ...2,

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभाः निर्विघ्नम् कुरुमेदेव सर्वकार्येषु सर्वदा

जय जय गणेश मंगलकारी, जय सिद्ध सदन जय असुरारी ...4

हे पार्वती के लाल पधारो पूजन में, पधारो पूजन में ...2
जय गणपति दीन दयाल पधारों पूजन में ...2

तुम आओ कारज सिद्ध करो रघुनन्दन ...2
तुम आओ कार सिद्ध करो शिव नन्दन ...2
सबसे पहले गणनाथ तुम्हारा वंदन ...2
पहनाऊं सुरभित माल पधारो पूजन में ...2
हे पार्वती के लाल पधारो पूजन में, पधारो पूजन में ...2

तुम दया करो तो पाप मिटे तत क्षण में ...2
तुम कृपा करो तो शत्रु विजय हो रण में ...2
तुम काल से भी तत्काल पधारो पूजन में ...2
हे पार्वती के लाल पधारो पूजन में ...2
जय गणपति दीन दयाल पधारो पूजन में ...2
जय जय गणेश मंगलकारी, जय सिद्ध सदन जय असुरारी ...4

तन मन धन सव अर्पण होगा

तन मन धन सव अर्पण होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा ...2
ऐसा सुन्दर सपना सबका पूरा होगा, तन मन धन सव अर्पण होगा ...2

श्री माँ जी के पैरो में महावर लगायेगे, श्री माँ जी के पैरो में, ओ sss
श्री माँ जी के पैरो में महावर लगायेगे
महावर लगाके फिर पायल पहनायेगे ...2
पायल से सुन्दर विछुआ होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा
ऐसा सुन्दर सपना सबका पूरा होगा, तन मन धन सव अर्पण होगा

श्री माँ जी के हाथों में मेहंदी लगायेगे, श्री माँ जी के हाथों में , ओsss
श्री माँ जी के हाथों में मेहंदी लगायेगे
मेहंदी लगाके फिर चुड़ियाँ पहनायेगे ...2
चूड़ी से सुन्दर कंगना होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा

Scanned by CamScanner

निर्मल नाम तू ले मनवा माँ की शरण में हो ले

निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा ...2, माँ की शरण में हो ले ...,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,

"अहंकार से भरा पूरा है, धन दौलत से मान बढ़ा है ...,
अभिमान और स्वाभिमान से, यहाँ वहाँ तू पड़ा है ..." ...2,
ये सब कुछ है माया पगले ...2, निर्मल नाम तू जपले ...,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,

ओ "अपनी सुन्दरता की मूरत, यहाँ वहाँ ले फिरता ...,
कोई नहीं कहे तेरे बारे में, अपने ही गुण तू गाता ..." ...2,
अब ये कुछ ना सोच रे मनवा ...2, सच्चाई को अपनाले ...,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,

हो "कैसे कैसे माँ खेल रचाये, इस धरती पर आकर ...,
कोई कहे माँ है तू लक्ष्मी, कोई कहे तोहे पालक ...' ...2,
माँ की महिमा, माँ ही जाने ...2, निर्मल ध्यान तू करले ...,
निर्मल नाम तू ले ले मनावा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा ...2, माँ के शरण में हो ले ...,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...3,

भवानी माँ निर्मला हृदय में समाई है

भवानी माँ निर्मला हृदय में समाई ...4,
ज्योति नूरानी दमक रही ...2, माथे पे बिंदिया चमक रही ...2,
सजी है माँ ...2, निर्मला आँखों में बसाई है ..., "भवानी माँ ...2,

दुनिया तेरे चरणा पखारती ...2, माँ तेरी उतारें आरती ...2,
शिवानी माँ ...2, निर्मला जग लेता बताई है ..., "भवानी माँ ...2,

माँ अजर अमर निराकार तू ही ...2, माँ कुण्डलिनी साकार तू ही ...2,
तेरे ही रंग ...2, निर्मला माँ चुनरी रंगाई ..., "भवानी माँ ...2,

माँ जिसने तेरा नाम लिया ...2, भवसागर हम को पार किया ...2,
तू ही तो माँ ...2, निर्मला देवों ने मनाई है ..., "भवानी माँ ...2,

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभाः
निर्विघ्नम् कुरुमेदेव सर्वकार्येषु सर्वदा

जय जय गणेश मंगलकारी, जय सिद्ध सदन जय असुरारी ...4

हे पार्वती के लाल पधारो पूजन में, पधारो पूजन में ...2
जय गणपति दीन दयाल पधारों पूजन में ...2

तुम आओ कारज सिद्ध करो रघुनन्दन ...2
तुम आओ कार सिद्ध करो शिव नन्दन ...2
सबसे पहले गणनाथ तुम्हारा वंदन ...2
पहनाऊं सुरभित माल पधारो पूजन में ...2
हे पार्वती के लाल पधारो पूजन में, पधारो पूजन में ...2

तुम दया करो तो पाप मिटे तत क्षण में ...2
तुम कृपा करो तो शत्रु विजय हो रण में ...2
तुम काल से भी तत्काल पधारो पूजन में ...2
हे पार्वती के लाल पधारो पूजन में ...2
जय गणपति दीन दयाल पधारो पूजन में ...2
जय जय गणेश मंगलकारी, जय सिद्ध सदन जय असुरारी ...4

तन मन धन सव अर्पण होगा

तन मन धन सव अर्पण होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा ...2
ऐसा सुन्दर सपना सबका पूरा होगा, तन मन धन सव अर्पण होगा ...2

श्री माँ जी के पैरो में महावर लगायेगे, श्री माँ जी के पैरो में, ओ sss
श्री माँ जी के पैरो में महावर लगायेगे
महावर लगाके फिर पायल पहनायेगे ...2
पायल से सुन्दर विछुआ होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा
ऐसा सुन्दर सपना सबका पूरा होगा, तन मन धन सव अर्पण होगा

श्री माँ जी के हाथों में मेहंदी लगायेगे, श्री माँ जी के हाथों में , ओsss
श्री माँ जी के हाथों में मेहंदी लगायेगे
मेहंदी लगाके फिर चुड़ियाँ पहनायेगे ...2
चूड़ी से सुन्दर कंगना होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा

Scanned by CamScanner

श्री माँ जी के गले में हार पहनायेगे, श्री माँ जी के गले में, ओSSS
श्री माँ जी के गले में हार पहनायेगे
हार पहनाके फिर नथनी पहनायेगे ...2
नथनी से सुन्दर झुमका होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा

श्री माँ जी को मिलकर साड़ी पहनायेगे, श्री माँ जी को मिलकर, ओSSS
श्री माँ जी को मिलकर साड़ी पहनायेगे
साड़ी पहनाके फिर चुनरी उढ़ायेगे ...2
चुनरी से सुन्दर गोटा होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा

श्री माँ जी की अखिंयों में काजल लगायेंगे, श्री माँ जी की अंखियों में, ओSSS
श्री माँ जी की अखिंयों में काजल लगायेंगे
काजल लगाके फिर बिन्दिया लगायेगे ...2
माथे पे सुन्दर मुकुट होगा,
चारों तरफ फिर चेतन होगा, चारों तरफ फैला आनन्द होगा

ऐसा सुन्दर सपना सबका पूरा होगा
तन मन धन सव अर्पण होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा

ओ महालक्ष्मी तुम्हे प्रणाम

(ओ महालक्ष्मी नमो नम, विष्णु प्रियाय नमो नम्
आनन्द प्रदाय नमो नम, विश्व जननी नमो नम) ...2
अरूण कमल परिधान, अरूण है अरूण कमल परिधान
अरूण कमल परिधान, अरूण है महालक्ष्मी तुमको प्रणाम
महालक्ष्मी तुमको प्रणाम, रूप लक्ष्मी तुमको प्रणाम
शुभ लक्ष्मी तुमको प्रणाम, सिद्ध लक्ष्मी तुमको प्रणाम
अरूण कमल परिधान, अरूण है महालक्ष्मी तुमको प्रणाम ...2

ओ महालक्ष्मी नमो नम, विष्णु प्रियाय नमो नम्
स्वर्ण कमल की पंखुड़िया पद चिन्ह तुम्हारे ...2
वैभव कीर्ति मिले उसको ओ आऐ तेरे द्वारे ...2
वैभव कीर्ति मिले उसे जो आऐ द्वारे
रिद्धि सिद्धि सव छाया तेरी ...2 राज लक्ष्मी तुमको प्रणाम

(ओ महालक्ष्मी नमो नम, विष्णु प्रियाय नमो नम्
आनन्द प्रदाय नमो नम, विश्व जननी नमो नम)
अरूण कमल परिधान, अरूण है महालक्ष्मी तुमको प्रणाम

तेरी कृपा से सजा राज सिंहासन राजे ...2
मंगल दीप जले स्वस्तिक, श्री चरण विराजे ...3
जग में जय हो ...2 शत्रु विजय हो
विजय लक्ष्मी तुमको प्रणाम,
जग में जय हो, रण में विजय हो, विजय लक्ष्मी तुमको प्रणाम
महालक्ष्मी तुमको प्रणाम, रूप लक्ष्मी तुमको प्रणाम,
शुभ लक्ष्मी तुमको प्रणाम, सिद्धलक्ष्मी तुमको प्रणाम
अरूण कमल परिधान, अरूण है महालक्ष्मी तुमको प्रणाम
(ओ महालक्ष्मी नमो नम, विष्णु प्रियाय नमो नम् ...4
आनन्द प्रदाय नमो नम, विश्व जननी नमो नम) ...3

सदगुरू है मेरी माँ, मोपे सहज रंग डारा

सद्गुरू है मेरी माँ, मोपे सहज रंग डारा-2
दर तो बहुत से देखे हमने ...2
तेरा दरबार है न्यारा ...2
ज्ञान की ज्योत जलाई तूने ...2
मिट गया सब अंधियारा ...2
शरण में तेरी जो भी आया ...2
भव से पार कराया ...2
कुण्डलिनी माँ तुमने जगाई ...2
गौरी को शिव से मिलाया ...2
कलयुग में अवतार तुम्ही हो ...2
कल्की का अवतार तुम्ही हो ...2
पूजे ये जग सारा ...2
जबसे प्यार माँ तेरा मिला है ...2
बदली जीवन धारा ... तुम ही हो माँ सहारा ...2
सद्गुरू है मेरी माँ ...

Scanned by CamScanner

तेरी चैतन्य लहरो का, कोई पार ना पाया है

तेरी चैतन्य लहरो का, कोई पार न पाया है।

हे आदिशक्ति माँऽऽ तू ही महा माया है ...2
तू ही महा माया है ...2

तेरी शेर सवारी मां तेरा दिल भी शेरो सा
तेरे दिल में ममता का भण्डार में ढेरो सा
भण्डार माँ ढेरो सा...
जिसने जितना मांगा मिला उससे सवाया है ...2
हे आदिशक्ति माँऽऽ तू ही महा माया है ...2

त्रिभुवन तेरी बिंदिया में, तेरा मुकुट हिमालय है
तेरे चरणों में गिरजे मस्जिद और शिवालय है
मस्जिद और शिवालय है ...
इस त्रिपुर सुन्दरी को चंदा भी लज्जाया है ...2
हे आदिशक्ति माँऽऽ तु ही महा माया है ...2

संगीत के अनहद से चैतन्य ब्यार चली ...2
तन मन शीतल करती कुण्डलिनी पार चली ...2
कुण्डलिनी पार चली
प्यासी माँ गौरी को सदा शिव से मिलाया है ...
हे आदिशक्ति माँऽऽ तू ही महामाया है ...2

जन्मो के पापो को इक पल में मिटाती है
पत्थर के टुकड़े हम, पारस माँ बनाती है ...2
पारस माँ बनाती है ...2
दिया नाम सहज योगी गुरु पद पे बैठाया है
हे आदिशक्ति माँऽऽ तू ही महामाया है ...2

खुश किस्मत जीव है वो चरणों में जो आये है
जन्मों के पुण्यों से तेरे दर्शन पाये है
तेरे दर्शन पाये है
बने सच्चे सहज योगी से ये संकल्प उठाया है
हे आदिशक्ति माँऽऽ तू ही महामाया है ...2

माँ है माँ सहस्तार स्वामिनी माँ

माँ है माँ सहस्तार स्वामिनी माँ
सहस्तार स्वामिनी माँ है माँ है माँ सहस्तार स्वामिनी माँ निर्मल तुम्हे ...2
वन्दन करते सव योगीजन
सहस्तार स्वामिनी माँ निर्मल तुम्हे, वन्दन करते सव योगीजन
दो कर जोड़े तव चरणन में ...2
करे समर्पित तन और मन
माँ है माँ सहस्तार स्वामिनी माँ ...2

सहस्तार का किया विभेदन, ये हम पर उपकार है भारी ...2
माँ निर्मल हो भर दो हममें ...2 अपनी ये निर्मलता सारी
माँ है माँ सहस्तार स्वामिनी माँ ...2

तेरे ही आंचल के साऐ में, नव जन्म मिल पले बड़े है ...2
तेरा ही दर है सबसे सुन्दर ...2, मंगल करनी शुभवरदानी
माँ है माँ सहस्तार स्वामिनी माँ ...2

आत्म ज्ञान मिला तव कृपा से, प्रेम की प्रतिमा हो तुम माता ...2
आदिशक्ति तुम, हे महादेवी ...2, मंगल करनी शुभवरदानी
माँ है माँ सहस्तार स्वामिनी माँ ...2

मन्त्र मुग्ध किया, तेरे प्रेम ने, तेरा प्रेम ही लक्ष्य हमारा ...2
रंग दो अपनी भक्ति के रंग में ...2 दूजा कोई रंग ना भाता
माँ है माँ सहस्तार स्वामिनी माँ ...2

विनती हे माँ तव चरणन में, भक्ति का ज्ञान हमें दो माता ...2
रंग दो अपनी भक्ति के रंग में ...2, दूजा कोई रंग ना भाता
माँ है माँ सहस्तार स्वामिनी माँ ...2
सहस्तार स्वामिनी माँ निर्मल तुम्हे ...2

वन्दन करते सव योगीजन
सहस्तार स्वामिनी माँ निर्मल तुम्हे, वन्दन करते सव योगीजन
दो कर जोड़े तव चरणन में ...2
करे समर्पित तन और मन
माँ है माँ सहस्तार स्वामिनी माँ ...2

Scanned by CamScanner

सहस्त्र कमल उजागर हैSS माँ ...2

सहस्त्र कमल उजागर, सहस्त्र पंखुड़िया प्लावित करना
(निर्मल माँ) निर्मल माँ दिल में आना रे, मैया आना रे ...2
हृदय कमल खिलाना रे, मैया आना रे
सहस्त्र कमल उजागर है ...माँ

सहस्त्र कमल उजागर, सहस्त्र पंखुड़िया प्लावित करना
(निर्मल माँ) निर्मल माँ दिल में आना रे, मैया आना रे ...2
हृदय कमल खिलना रे, मैया आना रे
निर्मल माँ दिल में आना रेSSS, हृदय कमल खिलाना रे (ओ)
निर्मल माँ दिल में आना रे ...2

शिवपुरी की स्वामिनी तू माँ, (आत्मा सहस्तार ले आना ...2) ...2
सहस्त्र शक्ति प्रज्जवलित करके ...
चक्रो में मेरे समग्रता लाना
(निर्मल माँ) निर्मल माँ दिल में आना रे, मैया आना रे
हृदय कमल खिलाना रे, मैया आना रे

सहजियो की शुभकामना (आत्मा अद्वैत वन जाना ...) ...2
माया का परदा माँ तू हटा के ...2 निरानन्द की गंगा बहाना
(निर्मल माँ) निर्मल माँ दिल में आना रे, मैया आना रे
हृदय कमल खिलाना रे, मैया आना रे
सहस्त्र कमल उजागर है ...माँ

सहस्त्र कमल उजागर, सहस्त्र पंखुड़िया प्लावित करना
(निर्मल माँ) निर्मल माँ दिल में आना रे, मैया आना रे
हृदय कमल खिलाना रे, मैया आना रे
निर्मल माँ दिल में आना रेSSS, हृदय कमल खिलाना रे (ओ)
निर्मल माँ दिल में आना रेSSS
निर्मल माँ दिल में आना रे

सहस्तार चक्र में

सहस्तार चक्र में रूप सहज ध्याऐ ...2
अलग अलग रूप धरे पास मेरे आऐ
(माताजी, ओ मेरी माताजी, माताजी ओ निर्मल माताजी) ...2

(तू ही माँ शैल पुत्री, पार्वती माता,
शंकर अर्धांगिनी, शेरो वाली माता) ...2
तू ही भव तारिणी, सहज योग दायिनी ...2
जो भी रूप धरे मैया, हमको बहुत भाऐ
(माताजी, ओ मेरी माताजी, माताजी ओ निर्मल माताजी) ...2
सहस्तार चक्र में रूप सहज ध्याऐ ...2

(ममता है निर्मला, शरण आऐ तेरे,
सहजयोग दिया तूने पाप कटे मेरे) ...2
उदर में संसार भरे, कुण्डलिनी माता ...2
पाप ताप हरे तीनों, लोकों की ध्याता
(माताजी, ओ मेरी माताजी, माताजी ओ निर्मल माताजी) ...2

(काल की भी काल भई, देवी काल रात्री
रक्षा करे निर्मल माँ, इसकी हमको खातरी) ...2
विश्व की माँ निर्मल है, रूप मनोहारी है ...2
चारो ओर निर्मल नाम का ही मचा शोर
(माताजी, ओ मेरी माताजी, माताजी ओ निर्मल माताजी) ...2

(सर्व तीर्थ देने वाली, सहजयोग दायिनी
अष्ट भुजा, नव दुर्गा, रूप तेरो भगवती) ...2
नाम लिऐ नाच नाच तेरे गुण गाऐगे ...2
छोटे से जीवन में सहज पुण्य पाऐगे
(माताजी, ओ मेरी माताजी, माताजी ओ निर्मल माताजी) ...2
सहस्तार चक्र में रूप सहज ध्याऐ ...2
(माताजी, ओ मेरी माताजी, माताजी ओ निर्मल माताजी) ...2

Scanned by CamScanner

युग आज एक नया देखो सजाऐ है ...2

युग आज एक नया देखो सजाऐ है ...2
आत्म चैतन्य लिऐ, सहजी आऐ है ...2
युग आज एक नया देखो सजाऐ है ...2

पाच मई मूहर्त पे ...2
(रज तम को तौल दिया, रम तम तौल दिया) ...2
झूमा ये जग सारा ...3
(ब्रम्स्न्द्र, खोल दिया, सहस्तार खोल दिया) ...2
जागो माँ कुण्डलिनी, गणेश जगाऐ है ...2
आत्म चैतन्य लिऐ, सहजी आऐ है ...2

कोहम का उत्तर है ...3
(सोहम का रूप खिले, सोहम रूप खिले) ...2
ज्योति से ज्योति जले ...3
(निर्मल का धर्म मिले, निर्मल धर्म मिले) ...2
अपने ही भव में, सव सतगुरू पाऐ है ...2
आत्म चैतन्य लिऐ, सहजी आऐ है ...2

सत जागा गत छूटा ...3
(चेतन जो जाग उठा, चेतन जाग उठा) ...2
सच क्या है, क्या झूठा ...3
(चेतन जो बोल उठा चेतन जो बोल उठा
चेतन ही बोल उठा, चेतन बोल उठा)
(शब्दों के पार गुण, सहज से पाऐ है ...2,
आत्म चैतन्य लिऐ, सहजी आऐ है ...2
आत्म चैतन्य लिऐ, सहजी आऐ है ...2

Scanned by CamScanner

सहज नियम

1. प्रत्येक सहजी भाई बहन सेन्टर पर हवन अथवा पूजा में पजामा कुर्त्ता ही पहन कर आये, जीन्स न पहनें एवं बच्चों को भी ढीले वस्त्र पहिनाऐं। स्त्रियाँ पूजा में साडी, सलवार सूट पहन कर आवें।
2. पूजा अथवा सेन्टर शुरू होने के बाद शांतिपूर्ण अपना स्थान ग्रहण करे। सामूहिक बन्धन होने के बाद अलग से बन्धन न ले।
3. सेन्टर के बाद शांति बनाए रखे ताकि नये लोगो के आत्म साक्षात्कार में बाधा अथवा शोर न हों।
4. सबसे पहली चीज है कि एक सहज योगी सिगरेट या शराब नही पी सकता। अगर आप सिगरेट पीयेंगे, आपकी विशुद्धि पकड़ी जायेगी। आगर आप शराब पीयेंगे तो आपका मणिपुर पकड़ जायेगा।
5. आप सहज योग से कोई पैसा नहीं कमा सकते। सहज योग का उपयोग पैसा कमाने के लिए न करें। आपको उदार होना चाहिए, ईमानदार होना चाहिए।
6. पूजाओं मे जो भी अपना सहयोग देना चाहे हृदय से दे।
7. दस धर्म है, जैसा कि कहा गया है और अपने हृदय में संतुष्ट होना चाहिए। आपको एक पवित्र जीवन व्यतीत करना है, पवित्र चीजें देखे। आपकी प्राथमिकताऐं बदल जायेंगी। आपके दोस्त बदल जायेंगें, आप बस बदल जायेंगें।

Scanned by CamScanner

श्री गणेश अथर्वषीर्ष

ॐ नमस्ते गणपतये,
त्वमेव प्रयत्क्षम् तत्वमसि, त्वमेव केवलम् कर्ताऽसि,
त्वमेव केवलम् धर्ताऽसि, त्वमेव केवलम् हर्ताऽसि,
त्वमेव सर्वम् खल्विदम् ब्रह्मासि, त्वम् साक्षादात्माऽसि नित्यम्।।

ऋतम् वच्मि, सत्यम् वच्मि।।
अव त्वम् माम्, अव वक्तारम्, अव श्रोतारम्,
अव दातारम्, अव धातारम्, अवानूचानमव शिष्यम्,
अव पश्चात्तात्, अवधरात्तात्, सर्वतो माम् पाहि पाहि समंतात्।।

त्वम् वाड्मयस्त्वम् चिन्मयः,
त्वमानंदमयस्यत्वम् ब्रह्ममयः, त्वम् सच्चिदानंदाद्वितीयोऽसि,
त्वम् प्रत्यक्षम् ब्रह्माऽसि, त्वम् ज्ञानमय विज्ञानमयोऽसि।।

सर्वम् जगदिदम् त्वत्तो जायते, सर्वम् जगदिदम् त्वत्तस्त्तिष्ठति,
सर्वम् जगदिदम् त्वयि लयमेष्यति, सर्वम् जगदिदम् त्वयि प्रत्येति,
त्वम् भूमिरापोऽनलोऽनिलो नभः, त्वम् च्त्वारि वाक्पदानि।।

त्वम् गुणत्रयातीतः, त्वम् देहत्रयातीतः, त्वम् कालत्रयातीतः,
त्वम् मूलाधारस्थितोऽसिः, नित्यम्, त्वम् शक्तित्रयात्मकः
त्वाम् योगिनो ध्यायंति नित्यम्, त्वम् ब्रह्मा त्वम् विष्णुस्त्वम्, रूद्रस्त्वम्,
इन्द्रस्त्वम्, अग्निस्त्वम्, वायुस्त्वम्, सूर्यस्त्वम्, चन्द्रमास्त्वम्, ब्रह्मभूर्भुवःस्वरोम्।।

गणादिं पूर्वमुच्चार्य वर्णादिं तदनंतरं, अनुस्वारः परतरः,
अर्धेन्दुलसितम्, तारेण ऋद्धम्, एतत्तव मनुस्वरूपम्, गकारः पूर्वरूपम्,
अकारो मध्यमरूपम् अनुस्वारश्चान्त्यरूपम्, बिन्दुरूत्तररूपम्,
नादः संधानम्, संहिता संधिः, सैषा गणेशविद्या, गणकऋषिः,
निचृद् गायत्रीच्छंदः, गणपतिर्देवता, ॐ गँ गणपतये नमः।।
एक दंताये विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नों दंती प्रचोदयात्।।
एकदन्तम् चर्तुहस्तम् पाशमम्कुशधारिणम्,
रदम् च वरदम् हस्तैबिभ्राणम् मूषकध्वजम्,
रक्तम् लंबोदरम् शूर्पकर्णकम रक्तवाससम्,
रक्तगन्धानुलिप्तांगम् रक्तपुष्पै सुपूजितम्,
भकतनुकंपनम् देवम् जागत्कारणमच्युतम्,
आर्विभूतम् च सृष्ट्यादौ प्रकृतेः पुरूषात्परम्,
एवम् ध्यायाति यो नित्यम्, स योगी योगिना वरः।।

नमो व्रातपतये नमो गणपतये,
नमः प्रमथपतये, नमस्तेऽस्तु लम्बोदरायैकदन्ताय,
विघ्ननाशिने शिवसुताय श्री वरदमूर्तये नमो नमः।।

साक्षात् श्री आदि शक्ति माताजी श्री निर्मला देवी नमो नमः।

Scanned by CamScanner



एक सहजयोगी के लिए
महान सत्य



प्र.1 एक सहजयोगी के लिए सबसे बड़ी गलती क्या है ?
– अपने मन पर विश्वास करना।

प्र.2 एक सहजयोगी के लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद क्या है ?
– Collective Conscious (सामूहिक चेतना)

प्र.3 सबसे बड़ा मूर्ख कौन है ?
– वो जो सत्य को नहीं पहचानता।

प्र.4 सहजयोगी के लिए जीवन में निश्चित चीज़ क्या है ?
– आपकी माँ का प्रेम।

प्र.5 सहजयोगी के लिए सबसे बड़ा आनन्द कौनसा है ?
– सच्चा आनन्द – निर्मल आनन्द

प्र.6 सहजयोगी के लिए सबसे बड़ा अवसर क्या है ?
– लोगों को जागृति देना।

प्र.7 सहजयोगी के लिए सबसे महान विचार क्या है ?
– निर्विचारिता

प्र.8 सहज योगी के लिए सबसे बड़ी विजय क्या है ?
– अपने अहंकार पर विजय प्राप्त करना।

प्र.9 एक सहजयोगी के लिए सबसे बड़ी अड़चन क्या है ?
– अहंभाव

प्र.10 सहजयोगी के लिए सबसे बड़ा नुकसान क्या है ?
– अपने हृदय से माँ की छवि खोना।

प्र.11 एक सहजयोगी के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता क्या है ?
– निर्विकल्प – पूर्ण विश्वास

सहज योग - आज का महायोग

सहजयोग में गहनता प्राप्त करने के लिए परम पूज्य श्री माताजी की सहजयोगियों को शिक्षा...

- हर सहजयोगी को प्रतिदिन अपने चक्र साफ करने चाहिए।
- सभी को निर्विचार समाधी तथा गहनता प्राप्त करनी चाहिए।
- हर सहजयोगी को व्यक्तिगत तथा सामूहिक रूप से प्रार्थना करनी चाहिए।
- सहजयोगी को पूर्ण श्रद्धापूर्वक समझदारी, विवेक तथा बुद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।
- हर सहजयोगी को सदा याद रखना चाहिए कि श्री माताजी के चरण कमल उन सभी के हृदय में हैं। श्री माताजी ने संत गोरा कुम्हार तथा संत नामदेव के एक दूसरे के प्रति सम्मान का उदाहरण दिया। एक सहजयोगी के दूसरे सहजयोगी के लिए भी यही भाव होने चाहिए।
- हम में परस्पर वाद-विवाद तथा विचार भिन्नता नहीं होनी चाहिए।
- नियमित ध्यान सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है।



'आज्ञा'

'आ' का अर्थ है पूर्ण और 'ज्ञा' का अर्थ है जानना।

चक्र श्री ईसामसीह जी का है। वे इस चक्र पर निवास करते हैं। वे ही साक्षात् महाविष्णु रूप में अवतरित हुए। वास्तव में क्रिश्चियन, उनके ऐसा होने के विषय में एकदम नहीं जानते कि कैसे वे क्राइस्ट बने और क्यों ईश्वर ने धरती पर स्वयं आकर अपना काम नहीं किया बल्कि श्री ईसामसीह को भेजा। ये अत्यन्त महत्वपूर्ण अवतरण हैं। वे सृष्टि के रचनात्मक तत्व हैं।

Scanned by CamScanner



श्री येशु ख्रिस्त का स्वरूप सम्पूर्ण ब्रह्म तत्त्व,
ॐ कार रूप है।

चित्त आपकी आत्मा पर होना चाहिए,
क्योंकि चित्त ही भिन्न दिशाओं में
दौड़ता है और उलझ जाता है।
आप इसे कार्यान्वित होने दें और
यह कार्यान्वित हो जाएगा।

– परम पूज्य श्रीमाताजी

HADOTI SAHAJA YOGA PARIWAR, KOTA

Scanned by CamScanner